

"যতোগাওঁ ভ্রমরম্থরাং শাদপা নিতাপুন্দা হংসংগ্রেটা রচিতরশনা নিতাপথা নিজিজঃ। কেকোৎকণ্ঠা ভবনশিধিনো নিতাভাষৎকলাগা নিতাজোৎনা প্রতিহততমো র্যভ্রমাাঃ প্রদোধাঃ ॥"

- (ANHE

প্রথম বর্ষ |

कासन, ३०२४

१ भ मः था

795ना

পুজাপাদ পরামেজস্কলার জিবেদী মহাশ্য একবার মানিক প্রার্থ আয়ুকাল হিদাব করিয়া ঠিক করেন যে, বাস্থাল দর্শের শিশু যেমন শতকরা ৫০টি স্থতিকাগারেই ভবলীলা সংবরণ করে, রাজলা সাহিত্যে মাসিকগত্রও শতকরা ৯৫ খানা জন্মিয়াই মরে। ''আলকা'' বাস্থাল সাহিত্যের মাসিক্পত্র, ভবে আশা এই—ইহার জলা বাজ্ঞলার বাহিরে। ভাগ ভাড়া বরাহমিহিরের মত মানাই ভাল,— বাদশ বৰ্ষ না কাটিলে শিশুল কোন্তীনিৰ্ণয় বিভ্ৰমন মাক।

"অলকা" নিজেব কথা ভনাইৰে।
বাঁজে কথা বা কাজের কথা বলিবে না।
"অলকা"র উদ্দেশ "কান্তাসন্দিতভনোপদেশ্যুলে"—কান্তার ন্তান্ন রসস্ঠ ভারা
পাঠককে নিজ প্রতিপাত বিষয়ের প্রতি
আরুই করিবে। এই উদ্দেশ্য যদি সিত্ত হয়,
ব্রির "স্লক্ষ্ম"র জন্ম সার্থক।

আগ্ৰমনী

िलहाराजा है

শুরে, মরণ এনেছে সেশে ! পুর ভূষিত ওই চেয়ে আছে

ক্ষিপ্ৰতি গোগীর লেখে । সন্তকে জটা মটিশটি দোলে, পোচক ১০০০ চলেয়ে ক্ষোলে, হচ্চেম্ফ, শাল বেল্যা

THE BUTTO CHANGE

ক্ষেত্ৰ আগকৰে অক্ষিত বাণী । কাহতে নৰ্ম খাল ;

লিক্তে লালিয়া ক্মার্কজের তেন্দিস্কুক স্কুট

行法语道(表,可不要 好啊。 好行我,一切你 (對于人)。"如此。

সংক্রান বাজন্ম এ চিপের সংখিত গুড়ীর কাধ্যক্ষ

.৫ মতে সম্বদ্ধ - ভিত্য-তিপ **করি** জনুসমূদ ভূবিছা বা**ওয়া** :

৪ নতে মরগ্--বার্ষি বেদনায়

আঞ্জ নহনে চাওয়া:

ত নতে হারণ –দারণ বিবহ,

ুক মালে চিন্ন শৈল অহরহ, ত্র মতে হা**রানো-বেদনা অস**ং,

ज न भाक्या - न त्य भावणा

কেন্দ্র কর্মনার ছিয়ার ক্মলে ।

ফুটিল নিটোল নাস;

ধেব .হার বুলি ছোগেনিল কা'র

কি গোগন অন্ট্রলা ।

কনব দ্পত্র গৃহ জবি

কা'ন হালাকার উজিল ক্ষমন্তি;

ক্ষেমি চ্রবনা গগেলা ব্যবস্থা, — ।

সম্বিত্য ক্রবন লগেল।

সাম কে বিজ্ঞা, গ্রন্ত ন ব্রি ভাগার করেন জারিছে করেন ন গণর মণকা লাগ বয়ন লোকে জেম প্রতান মে চারু চপা বৈছি ব শ্রাপ্ত মুক্তে দিবে চোর স্থিতি দিশা,—

বস্তু-মরণে প্রণ কাব্যা লগ্ন ল'ও কৃষ্ণাব্যা নেলের কোনে, জক্তর জানন মিলন-লাগ্রনি বাজে। মা,ডা জলক। নিয়ে আয় টানি, গানন ভবনে ধ্যাক, জানাজানি, জটল ভোষের বিজ্ঞাছ-বানী

ইকিৰা সাহিত্যের গতি

[अशानक विद्वारतायांच वहाहायां अव-अ]

विश्वाद्याः वाजनातः कवि वर्गेश्वादार्थ শক্ষার নিলন" লিখিয়া ভাছা বাজবে পরি-কৰিবাৰ অভ "বিৰভানতী" ছান্তনৰ কেটার বতী হইবাছেন। এতবিন ছিনি ফুলের চার করিয়াছেন, ফুলের ক্লাপ ও গুড়েই মুগ্ हित्यन, अथन त्रिश्टिक छिनि क्याकाक्यी হইবাছের। শরৎবাবুরও বাজলার কথা'র कर कृत्वत्र व्याकाकगार्व त्रचि—त्कनना हेरा হাৰ্মীতি, সমাধনীতি। "শ্ৰীকান্ত" পুনৱাৰ দেশা বিষাছেন। তবে তার "দেনা-পাওনা" र्शित रहेरद करव १ अतिरक रत्रव्यनांत भाजी স্থাপুৰ তক্ষীলা সপ্তপ্ৰাম ও বৌদ্ধপুৰ্যুর ক্থা ক্ষমাইয়া এখন টাকার সংস্কৃত সাহিত্তার লালোচনাৰ ব্যক্ত ইইলেন। এমন কি 'ফোয়ারা' 'পাগলা ঝোহা'র বনস্টির পর ললিভবাবু তব क्योब मुद्यामिद्यम कविषात्क्रम, यांव क्रमश्राक्षक বাদানা নাহিতা নঞ্জীবিত, আৰু জিনি नीवमहत्वात नावारमाहनाय रमानुष्ठ ७ गडीत পাঞ্চিতা প্রকাশ করিতেহেন। কিন্তু স্থান-क्षिक े क्लाबार्ज कि व्याव प्रशिद्ध ना १ सन्दर्भकाः वयनक त्यः त्यहेत्र काना त्रार्थः। करी दिल्लामाथ गान्हाका ७ डाइडीर क्रिके पुनवात. नगामाच्या प्रतिस्टिहर, न्द्रीव्यक्ता क नक्कन्तिक व्याक्रिकेक्स र क्रीक्षण्डीएक क्याब्सिंग, करन क्यानी नारि-कार व्यक्ति अविकास का मारव पारव THE THE PERSON SILVED

বীশালা মান্মিকর দিকে ভাকাইলে टाशामहे काइन भएड़ "मनुख भाड"। গৰম বছ বেশী ভিল, কাজেই বৈশাখ, জোৰ্চ ও আবাদের পাতাভলো পীত হইল করিয়া প্রিয়াছিল। সম্ভা বর্ণার রস সঞ্চয়ের পর खोवरण यथन नवुक्षां क्या किन, मरन रुरेन गर्म यात्र एकाइट्र কাৰ্কিক, অগ্ৰহায়ণ ও পৌৰ শেষ হইল-व्यक्तकान हरेबारह। সর্ভ আখার मानिक्शिनिके शंकामा माहिएछात "Nineteenth Century"। (व भएज क्षमण क्रीयुन्नी, চকুৰভী ও या केल অতুল ওপ্তের জ্তুলনীয় প্রবন্ধ শিক্তি বালালীর মনের খাঁল্য যোগাইয়া আসিতেছে—অকালে ভাহার অবসান হইলে যে সাহিজ্যের সমূহ ক্তি ছইবে **दम, विश्वद्धा, व्यथुमामा मर्टन्स्ट नार्हे ।**

তার পর চোবে পড়ে "প্রবাদী"।
প্রান্তের শীপ্তায় প্রবাদী আজ দেশে
ফিরিয়া বেশ পলিস্ট হইয়া উঠিয়াছে। "প্রবাদী"
তবু হল কটিরিয়া শস্তই নহে, কাবের কথা
বলিতেছে। গত বংশর হইতে "মহিলা
মন্ত্রিসা" ও "ছেলেদের পাড়াড়ী" বোপ
করিয়া মানিকথানি সম্মান্তরের আকরের
ভিনিম্থ হইরাছে। "ভারতব্ব" গ্রামাননশর্ম বাব্ই ইহার বিশ্বারাক্ত্রী। "ভারতব্ব"ও
আনেক ন্তন টিভা বহন করিছেছে। ক্রিক্ত"
প্রস্তৃতি প্রবাদ্ধে বাজানীর অন্ন ক্রান্তরের
উগার বলির দিতেছে। মান্ত্রী ও ক্রান্তরের

गहित्सार अपने संने श्रृणांग रहित्सहा THE TRUE THEFT SHOP TO und was ar e eint aute affesten i वर्षे प्रतिकाणीनाक गर्दा। वक्ते गर्दा गहा यहि। "वाद्यी" वादाम धर नवत nifilmen eine effence i Tein. व्यक्तिक गाम नगढ निक्रिक कृतिया के काल. क्षेत्र क्रिक्टिन त्रक्षित्व त्राकाद गर् ভাবেরও বাঁধন ছিড়িয়া, ভাষারও বাঁধন किषियो । नाविष्ठिएक वा ' क्यांत्व एक उक् मक्त । "नाबाहरू" चान 'छालिस नाबे, 'कमरनहे काश नाहे, 'बारित गांग' के ब्यान निर्देश रूप ना । তবে সেই गास भावी महाभएक 'जीवसर्य' ७ বিশিন বাবুর 'নামান্ত্রির প্রবৃদ্ধ' হারাইয়াছি। "নিৰ্কানিফেৰ আত্মপ্ৰা" বাৰাল সাহিত্যে একটা সৃষ্টি। কিন্তু আৰু ইহা ছাৰ্টনছিল-দের হাতে। "নারারণে"র প্রাণ চিত্তরজন আৰু বেশবদ্ধ বার, পুদ্ধ আতাম ইন্ধানের কারাবার। "বোদনেম ভারত" বে কি আহা গত 'কাৰ্ডিকে'র সংখ্যাস্থানি প্রাশ্ निया পंडिरनरे दुवा गाय। "महाज्ञाब्द" ०१न । रीहिश भाष्ट्। "महना" व "राता" विकारका, भार कर भक्र शिक्स উমিতেছে ভূৰিছেছে তাহাৰ হিষাৰ বাধা कर्रेत्र ।

विकाद गांव को न्छन कर शिक (कार क्षा क्षानातान प्रकीत संबदी, व्यव बार, प्रवक्तान व्यव्य संबद्धी गांव-वार, मंत्रपांति, शिक्षा ह "वाला क बार के विद्या में बार करेंग्र चालिक्या, गांक विद्या होंगा में बार करेंग्र चालिक्या, गांक विद्या होंगा में बार करेंग्र चालिक करेंग्र गांक करेंग्र करेंग्र करेंग्र करेंग्र करेंग्र বিশ্বক উঠিকের। বিজ বিশ্বাস সম্ভিক্ত কথার মাথে স্ভাকেনির অনির লাম উঠিকের কাষাল, লাধা" ও, "বিশ্বোটা"—কারিকরার কাজি-নম্ভাক, ইর্নামের রাজ্ত—বেশা "এক কাজে কারা বালের রাজ্ঞী, আর কাজে বল-ভূমা"। কেন্দ্রের, নবীনারে, রবলার ও মাই-কেন্দ্রের বল্লনির্মান এই "কিন্দারী"র আছে মান। নকালের এই করিছে লাহরা নালার কল করি। "বাল বালি বাজাও না প্রামান বেলিক্টলের এই বেল্লা। আল বালারী রাজেও কাজে ব্রিভেছে।

व्यक्तिकात्वत मत्या क्षेत्रको काकत्रमात्रा प्यती ('पानी' वनिष्य माहम स्यामा काशक वीत्रमका वद्य, महानदांद हेशांक (बात : ब्यूनिक पाटक), क्रीसडी प्राटमाहिनी स्थानकार विष्ठी, व्यवसारी व्यती, वीष्ठी शास्त्राती श्रीसकी नक्तांत्रतीत्र चात्र, त्सान साम्। साहे. না ৷ শৈল্যালা, অমুবলা ও নিজপমার কলম সবেংগু চলিতেছে কিন্ত বেশ আৰু गकि, य, 'हिनि'इ तथा भाडे ना -আমাদের হুর্ভাগ্য। নরধূবালা 'ৰসন্ত-প্রয়াশে। मर्प्यत दक्ता कार्बादेश 'जिल्ली सहरत बान र बाहेबा त्याराम्बर विश्वनाचे। त्यशहरणन । जांत्र मतीहात कि वहेशालके प्रस्तात ? ইবিয়া দেৱীর 'মারীর উক্তি' কি সব निःरमंत 🚩 नातीत् राह्म्प्त्र, अस्त्र, छैशारस्य व्यवक द्य आमहा, आहे हाहे। क्रीन्टक किमकी भाषा दहरी भ किसकी गोषांत्रकी (क्षेत्रक वा मध्यका (स्वीकरण) (का पर करवीज्ञ अवक त्यता अ वर्ष क्रिक को स्वत्या Mark of Create and

জ্ঞের নাও তবে আশা আছে একদিন জ্ঞানের

• **ांव भारत केंद्रभन्न गांबा**दन अङ व्यनीम शांद्य गीमात्र निविष् मण।" কিন্তু নারীর খাবে নতন দাড়া পাইতেছি THE EN Bernard Shaw's manly woman (मथा प्रिणाह । श्रीमठी देका जिन्ही. नीमडी ब्राप्ता ७ कियंकी महायाना दिएसारइव **डि**डां हेश्रीटहर्ने । 213 ष्या शिवत ভাৰতবৰ্ষ থানি গঢ়িলেই বুঝিতে পারি যে, नात्रीत मृत्य ভाषा कृतिग्राह्य-मात्रामहत्त्र বন্ধার ভাষ ছুবুদ ভাষাইলা ছুটিয়াছে কাদের जालामग्री रम्भने । इः४, रममा, जनभान ৰত ভীৱ হয়, তাম প্ৰকাশও ডাত জীগৰ, এ বেন স্থায়ের বির প্রস্রবণ। রাশিহার ক্পা ভাবিলেই ভাগা বুফিতে পারি। দ্যাঞ্চ-শতির অ-বান্ধণের আনোলন, বান্ধায় নমঃশুডের আবেদন - নারীর অধিকারের নাবি দেখিলেই ব্ৰিডে পালি demesis আসং। কৰিব অমর বাণী কেবলই কাৰে বাজ--

্ৰিট্ৰাক্তে তুমি নীচে কেল সাতোমাৰে বাধিৰেশ্য নীচে।

> পশ্চাতে রেখেছ বারে সে তোমারে পশ্চাতে টানিছে :

শভাবের শক্ষারে শাড়ালে ঢাকিছ যাবে তোমার মুক্ট ঢাকি গড়িছে দে বোর

ব্যবধান।
সভাই ও আমা নিজে হাতে আমাদের
স্থান্তন আনিমাছি। আল এই চারি জন
ি ক্ষান্তানী জনাতি ক্ষান্তানতে চাহি-

তেছেন তার মধ্যে অনেকথানি ফাঁকি আছে, আৰু আহিছ মেৰ, যেৰ ও বাধা কিন্তু একটা वर्ष जिनिवल आर्ष्ट रमें। हिन्समारेज नाजीत উপা্ক আসন পাইবার উদাম আকাকা। এই রালার বেগের মধো হয় ভ অনেক অণ্তা আছে তাহা স্বাভাবিক। আমাদের তক দিগ্পজেরা বিবদমান অবস্থায় বিকঞ হটণা যে ভাষা কাৰহার করেন, তার তুলনায় নারীর এই প্রকাশ সংযত। তাঁহারা অনুক কথা বলিয়াছেন- কালে বড় কটু লালিতেতে কেননা কথাটা সত্য। কিন্তু শিক্ষাব প্রসামের দক্তে সঙ্গে নারী যে নিজের প্রাপ্য অধিকার য্মাজের নিকট কাতিয়া লহবেন ইহাতে (कान कानक मार्के: "वक्कन्यरम्ब" (स्वीमा ९ श्रवीश'तक भटन भएए-- तम ग्रह छिन ভৈরবী, আশাবরী, কিন্তু রমলা, জ্যোত সংগ্রী ও সভাবালা যে হর তুলিয়াছেল প্রাহা এক-বাবে দীপক। আৰু আছে ৫২ ঋত্ত সমাজের ভাবজনা হামি পুত্রি ত্রাদ্য मजीरतत संवत्न योक्नात भगोच न्छन है। ধারণ করিবে:

থাত গ্রুপণকে হর বাজিতেছে পাততার প্রতি করণা - তীবে প্রেম। নবীন শেনের প্রামার জীবনে' (১ম ভার) গই ককণার ক্ষণাত, এবং "নারায়ণে"র বুফে প্রণিকা-তঙ্গের প্রতিষ্ঠা। শরক্তক্রের 'চল্লমুথী' (দেবদাস) নারায়ণ ভটাচাযোর বিলাস' (নাজিক) নরেশ সেনের গাঁগ (ভঙা) আর ফীরোদ বাব্র চার্ফ (পভিভার সিদ্ধি) পভিভার প্রেডি স্মবেদনায় পূর্ব। সমাজ পভিভার প্রতি বে রণা দেশাইয়া বাগাহরী লয়, ভারতেই এখন একদিন ছিল যখন এই পতিতা সমাজের হাতেই রাজকভার শিক্ষা ও cultureএর ভার দেওয়া হইত (বাৎ-শামণ পরে তাহার খবর পাই)। ধপত্তসনা কথা কহেন সংগতে, কিন্তু রাজমানি বি রাজকভা বা অধিকভা কথা কহিছেল পোকতে (রাজ্যত নাটকে তাহার ইপেষ্ট প্রমাণ পাওয়া বার)। সেই জন্ত চারম্বন্তর বসন্তাদেনাকে পর্ব পত্তীরাপে গ্রহণ করিছে সম্ভাচিত হন নাই। Otto simpingeras মৌলিক গ্রেমণার কল Sex and character বইখানা পভিজে ব্রিতে পানি কোন্ প্রদে Periches ও Socrator Aspasiaর গ্রহ প্রান্ধ প্রান্ধ

কিন্তু শেষণাৰ একালে অসমক ভ্ৰমাৰ। रभेगात' अलगर इत्हें, श्रीबद्धः प्रवृतांप्रणि এত লোক কথা। নানারী নে অকলার মধ্যেই পড়ক না কেন, এটিন মনের মনিয়ে त्ववडा कारनम- अपित विवयन हिसामिति অভিনয় হয়। কিছু বিষয়সক ও ডিগামণি কি ভগতে প্ৰতি নং y Watson একট ক্ৰিডাৰ দেখাইগালেন একজন প্ৰভংশকাত্যা পজিতা এক মন স্থানমহীনা শতীৰ তেমে কড--ल क्ला अजीभान क्यां छत्न मा। किन्न পতিতা সমাপ্তক বংগ করাও ত চলে না। थानि नक्षीया छक्ति यह हरेल करेलिका ভূমিনাৎ হয়, কিছ নদামায় উপকাবিতা শীকার করিলেই ভাছাকে ভবরণ করিছে शांबि मां। পভিডা तथन लोनि वस्म कतियां नमाजरक नैविदिश त्राभितीरइ - अहे Safety valve না থাকিলে স্নাজের অবস্থা কি इहेठ बना पार मा। किछ जाई बनिया পত্রিতার পূজা চলিতে পারে মা। হতভাগিনী Mary Magduleneon elfo projus थ्टरेर वावहात जामारणत जबन त्रांश हर्ने कित करे Man Magdalences प्राप्त इइ ना अड़ा र्य -Madonia to बानि David is the man after God's heart, कलांक्षेत्र मात्र वक दर्श किंड छाई बेनिया L'avidre seres मिर्फ शांति ना । किंद নবাত্রের দেশকেরা পতিতার কেনা এখন জার ভাহিতেছেন,এমনজাবে এই '- বীৰী'দেয় केटला पंच्या अपि चित्र अस सार १एक शहेक পাৰ্নিকাৰেৰ নিকা পভিতাৱা বছই লোভনীৰ ल वर्तना बरेशा केटिएएक । देश नाकिएकात পকে কভিকর, সমত্র-স্বাস্থ্যের আরিক্স। সাহিত্যকৈ এই পিছিৱা-গ্রীডি'র হাত হইতে तक। एका जलील खंदराकतीर। आंद गाँता মনে করেন –বে পতিতার উদ্ধান প্রযোজন, नगरम नगरम जाहारमव कथा ९ घटन कवा केहिद -- তালে প্ৰথমে যেন ^{ক্ৰ}টিটা গোড়িয়া-করীপ্রেনাথের পাতিক্সা কবিকা ভারেটি পান Manrier Macterlineksa Mary May lalenc अवः नितिभाष्टरकात 'विस्मानन' का विषया व्यानने : स्ववादन प्रिवि অর্শনিধির সংস্পর্শে কাচণত স্থীরকে পরিণত কইয়াত।

এই পতিতার প্রীতির মুগে একটা কথা আছে—দাহিত্যে বন্ধতন্ত বা Realismas
হান। এই দব লেককো Emile® Zona
নাম করিরা কোহাই দিবেন যে তারা বর্বন
তারিক ম্যাজের নিশ্ ই ছবি পুলিতে হন।
ফরাদী কেশে এই লইল কত লগাই হইলা
গিয়াজে, বাজনা নেশেও প্রন্থ সৌধুরী ও
ক্রাণাপক্ষরাধাকমনের বন একনও ভালি

The property of the control of the c

काराजनं - विस्तितः वाक्षा सन क्रिय-कानवे का नकाश्विक - idealism काश्ये कान ক্ষাৰ ক্ষান্যকোৰ কৰিল চাকাইলেও অমন William Birth all water piler appropriation of the state and a ARICHA PARECRA SERVICE SET CARACTA **एक् ए प्रमुगप्रकार्तक गढीके ए**कि । अस्यकटा क "मेखारवे" कांबच जोकात्वत विजन adienten dere me fant wite fant क्रिकेटी। क्रिक या छडाड डोटक नी, कातन বাশালীর মনে ইহার শিক্ত নাই, আছে **८क्टल टनशंदकत कलहम ; राम फर्किटकत गर्छ** गुरक स्विटिंग्ड । देशात परनोमारी कार्य किंद दा शीनवां भारतंत्र भुकृतनत मछ-विवाकी वाकारन जाना निकीएक सहकात देश माइयान चीनद्वा मध्य देशा स्थान व्यक्त मार्ट (व्यक्तिन मन्द्र राद् (व्यक्ति वकार्या हार्ड स्मर्थ । मध्ये रही करन 'क्क्रमा' के 'सुरक्ष' दर्गपरा 'कामझे गुलामा

ক্রেমিডছি আমানের দেশের বন অবন

এক জাবনার জাবিয়া গাঁড়াইয়াছে চ্যবাদ

ইইনে দেরা অনভব। এই Crossing এর

মুনে নামা শব্দ, আমন্ত্র কোন্ গহন চলিব ?

রাজনীতিকেনে, ন্যান্ডা;নাহিন্ডো নবের প্রথম

হইনা উটিতেতে ইহাকে নবেত জানিতে

হইনে, প্রেমের কর ছাজিনা প্রেমের কর

বাছিয়া কইনে ইইনে। মনে মাধিতে ইইনে

স্কাবিন উটাভির ব্লোলাই যাত প্রাজিনাত।

এই সানা মতের ক্রেকের ব্লোক্তরাক্তির

জার। দেবা ব্লিক ইহা ক্রম্নি স্বাভাতির

স্বা

প্রত্যভিজ্ঞা দর্শনের ভূমিকা

্রি অধ্যাপক শ্রীগোপীনাথ কবিরাজ এম্-এ]

() भूछन्।

পাঠক কো প্রেক্তাভিকা দুৰ্বন্ধ নায় अभियो गरेन ना करतन व्याचि को न अधिनव া শর্ন প্রশালীর ফুল্রপান্ত করিভেছি। প্রতা-जिल्लो मर्गन मुख्न शिनिय नाट, हैंदा जात्रजीय চিন্তা বাজ্যের একটি অভি প্রাচীন এবং তঃ উ স্পাৎ। কালের বিচিত্র গ্রন্থিত আঞ ইহা অপ্রিচিত প্রাম হইলেও এক দিন ইহার প্রভাব যে ভারতীয় সাধন কেরের সর্বজ शिविगांश किल कार्य के कार्य कवित्क केवेरर । ক্ষারা শামাদের সভাতার বিশিষ্ট ধারা ঐতিহালিকের দৃষ্টিতে হন্দ্র ভাবে পর্নালোচনা করিতে চেষ্টা করিয়াছেন উাহারা প্রত্যভিজা-वारित्र मध्य मिराजेर भाजना कतिएल भाजि বেন ৷ নিগম ও আগম, অবধা বেম ও ভর, रेरेटिया भारत्यात मचक कि. जबादन टन विधा-রের আছে। জন নাই। কিন্তু এ কথা এব সভ্য বে এই নিৰ্দেশ ও আগতের মধ্যেই ভারতবর্ত্তের मन्डिन मोबनाई वीकं निहिक्तं सहिद्याटह । প্রীমদ্ভাপবভাকে "নিগম ক্ষাত্মার স্থানিত मन" विनिधा रनेना कना श्रीधारह-- बाबात बरम इम्र 📭 वर्गना आश्मिक महा, कान्न ভাগৰত যেন্দ্ৰ নিগ্নের, তেখনই আগম কর্ম-তক্ষাও 'পৰিত হল'। পাণ্ডরাত আগ্রহ गारा क्योंगड, अक्नुलागवरक डांगड शक-THE RATES WAS TO WAR I CHEEN CICIOSI PIETES VISCAL STATES

নামত্ত বৃদ্দ বন্ধ । বিন্ধুভাগৰত অবলান করিয়া লোড়ীয়ু বৈঞ্চবাৰ অচিন্তা ভোলাতেল নাপ' অপূর্ক দার্শনিক মিছান্তের অবভারণা করিয়াতেন । কজুল, মালিনী বিজয় প্রাকৃতি আগম এবং তৈতিরীয় সংহিতা প্রভৃতি নিশম সমূল মধন পূর্কক কাশ্মীরীয় শৈবগাৰ নেই প্রকশ্ম 'ঈর্বরাষ্ম্যবাদ' রূপ প্রোজ্জল রেইনালীর আবিছার করিয়াতেন । উভয়ই ভারতীয়া শাধনার গৌরবভাও।

(২) ঝামকরণ

'প্রতাতিজ্ঞা দর্শন্ধ' নামটি বে ধুর্থ পুরাত্তন खांका नटका कांस्काठांचा अर्वहर्णन महास्त्र **এই मांग**ि नकाश्रयम आरमात्र कविकारक এবং আমরাও টোহারই অনুসরণ ক্রিয়া এই নামই গ্রহণ করিয়াছি। প্রত্যভিজ্ঞা ক্রান্ত ঈশবঞ্জাভিজাবিদ্ধিনী প্রস্তি প্রাচীন धारका नामकार्य अञ्चलिका भारका सामाहर चार्छ नते, किंद्र जाबारमत विकास छेहा छात्र. বৈশেষিক প্রভৃতির মতন দার্শনিক বিছাত্ত বিশেষের কালক নচে। ভার ক্রামক্রক জোপান ভাঙারকার বলিয়াছেন বে কান্সীরীন লৈবা-गम हरे कारन विस्कृत समय नाम नाम ह বিতীয়, প্রত্যভিক্ষা শার । শাস শারের वाराष्ट्रक कर चरा वारा किया भारत व्यव्यक् कामानक। धार विकास अधिकारिक महित्य कियान मध्य स्टेश्नक कि कि वाष्ट्रिका नाम ५ व

কিলিয়াত গততেবের আভাস থাকিলেও
কিলিয়াত গততেবের আভাস থাকিলেও
কিলিয়াত গততেবের আভাস থাকিলেও
কিল্পাত কিল্পাত পার্গণা নাই। স্বতরাং
প্রতাতিকা দর্শন শন্দে শ্রুল ও প্রতাতিকা
উত্ত মতই বুঝাইখা থাকে। 'প্রাচীন সাহিত্যে
কিলে দর্শন', 'গাংগের দর্শন' প্রভৃতি নাম
বিশেষ প্রচালত ভিল, কিল্পান্যার
অনুকরণে প্রথম প্রত্যাতিকা মামই অধিকাংশ
স্থান প্রচার লাভ ক্রিয়াছে।

(৩) প্রত্যাভিজ্ঞাসন্মত অনৈভবাদ বৃদ্ধি আগন এবং উপনিষ্টা ছৈতা. चौरुड, क्षिजादिक छाक्ति गवन धाकान म्बिक्यातन्त्रं मुन क्रुक्त পাশুয়া যায়, তথাপি অধিকারভেদ এবং কচি বৈচিত্রাবশতঃ কোন কোন প্রস্থান কোন একট বিশেষ দিলাতের প্রাথান্ত কলীকার **করিয়া প্রবর্তি**ত হুইছাছে। শহর, রাণান্তক, থাশ্ব প্রস্কৃতি স্মাচার্যামগুলীকুত উপন্দিং ভ গীতার ভাষণাধি ভুলনা পূর্মক আলোচনা क्यांतरम डेहा एक बुनिए हैं भोड़ों घाए। डेहा कारक प्रश्निक: है हैशे थेरक मकत ্রালার আধ্যাত্মিক শাসের ইতিহালেই ্ৰিছাৰ দুৱাৰ আছে। আগ্নের লাখ্যা প্রদাদ ्र क्षेट्र एक्नांब कार्योदीय देनवांऽ।यांशन प्रदेशक-शामके टाइन कविवादकन, धवः अहे वांटणव মাহাত্মা প্রদর্শন করিবার অন্ত একটি কভিনব দর্শন পাল্লের নির্মাণ করিল সিমাতেন। ভারতীয় দুর্শন শাংখৰ ইতিহানে এই অবৈত সিভাত কৰত ধৰুৱাৰ মামে প্ৰসিদ্ধি লাভ করিরাছে। আছিবা অভিনৰ ওপ্ত এই गिर एक मनांद्रां नामाजा।

(৪) অহৈতবাদের প্রকারভেদ

আচার্যা লেডিপার মাপুরারারিকার

এবং আচার্যা পর্কর পারীরক হত্তে ও উপনিবদাদির ভালে প্রসামিতবাদের যে ব্যাথা।
প্রচারিত করিয়া গিয়াচেন আবকাল সাধাবণতঃ তাহাই অবৈত্বাদ শদেব একমাপ্র
অর্থ বলিয়া পরিগৃহীত হয়। বলা বাহলা, ইল্
স্মীচীন নিদ্ধান্ত নহে। অবৈত প্রথান নানা
প্রকার, গল্পবাদ তাহারিই অন্তর্গত মত বিশেষ
মাক। জীকঠ, রামার্ল্য, ব্যক্ত প্রস্তির
পিলান্ত গানি অকিত মন নহে, এ কথা নতা।
--বিহু, নিশি আহৈত মন নহে, এ কথা নতা।
--বিহু, নিশি আহৈত গদেন প্রেট বির্ল ছিল
না।

নৌদ্দাল অধিক্রাদী ছি লন। নুদাদাবের ''আয়য়বাদী' এক নামনি ছিল, এ কথা অমর দিছে আলি কোনা কোনা কান্ত কিলে কলিছাছন।
ক্ষিত্র কোনাবংখু' নাম্য্য থাছে বছ প্রকার লাক্ষাল কান্ত কার্যদাল লাক্ষা বিলাল লাক্ষাল কালাছেল দালন 'হু ধর্ম সক্ষায় ম্তাবলীর লালাছেল, এবং এই সক্ষা প্রকার ব্যালাহাল ও মাধামিক এই চারিট প্রধান লোগালে এই বিশিষ্ট মইছ' বালাছবালি স্কান্ত হেলেলৈ ও মাধামিক এই চারিট প্রধান লোগালে এইবিশ্বিষ্ট মইছ' বালাছবালি স্কান্ত হেলেলৈ গ্রাহাল্যাকার বাদে গ্রাহাল্যাকার বাদে গ্রাহাল্যাকার করিয়াছেন—

শিক্তিয়াপি দেশনাখতিরা শৃক্তভাষ্যলকণা।"

এই শৃক্তবাদ কঠেবে অন্যবাদ—সং, অসং
প্রভৃতি কোটি চত্তির হইতে বিনিম্ ক্রুক্রারিয়া

৫:খর মৃতির স্চায়তার নাগার্জনাদি আচার্যা
ক্রুণ্ড তম্বে বৈত্রিক্স হইতে স্বতিত্রি-

ভাবে রক্ষা করিতে এ প্রয়ান পাইয়াছেন। আনেকের বিশ্বাস স্বয় শুহুরাচার্য্য আপন রক্ষা-रेषछबारमत अञ्च विष्यांनारेष७ व्यथता नृजारेन७ निषारकृत निक्छे अने । ८ क्रीकाशस्त्र 'मः वुष्ठि' শ্বরদর্শনে মায়াুবাংশ^{ক্}সান্তাভ করিয়াছে । শকরের মাধা যে আছি আব দাধা ৮ইতে मार्गानिक एष्टराउ कि विकास लाहा শ্বীকার করিতে 👣 🔆 স্থ্যাপদ ুর্ম (Poussin) বেদাস্থ 🗸 🛶 মটের ভুলনা-गुभाक प्यारमाञ्चल । त्याच्या त्याक्यां वर्षाः द्रोक ভार्यत व्यन्ति व्यन्ति कतियः। छन्। যুলিত প্রস্থ হোপাচার ও মাধানিক মত গ্রাম कृति। एष्ट्रम्, छल्पाणि छिले वदण ५ के,४ । ५ व डिक्के, विक्र शिक्त, कुरूब कि काल श्री श्रीक, बहुन ক্রিত কুট্রিক ২৯১% নেও মাকে ও শন্ধ মতে থেক পণ মাতে ক্ষান্ত তবৈ एकि अभाग करति अधी भाग द्रांचा क बहेरदार-ভারতবর্ষে বৌশ্রুমতেও কিছু শুরন নছে। যাহারা মনে কৰেন শুজবাৰ নাগান্ধুন প্রবিষ্টিত, भूरामं धारामुण या किस ना हो होता यहां-স্থিতিক মুড় ত উপনিবদাপি আলোচ । কবিলে এবং আগমের প্রাঠানতা এব র বিচার কলিকে বুঝিতে পারিবেন নাগ'ছন কোন মৃত্ত नियां त्यान क्यान्य करण साथ । शुर्ण भार । অস্প্ৰট এবং ভাষা ভাষা ছিল ভাৰ ভাৰাই শ্রীকৃত এবং প্রশালীক্ষ করি: সিহাট্রেন भारत ।

বৈষাকরণখণত ক্ষতিত্বাদী ছিলন। বাকাপনীয়কার মৃক্তকতে প্রকাশ করিয়াকেন ১য়, বীক্তবের সিদ্ধান্ত আকৈতবাদ। থ্যাকরণ মতে অক্ষত চিন্তায় শর্মতব্যই স্পাতের মূল ক্ষিণ, হৈয় এক এবং ক্ষতিত্ব। বিশ্ব

সংক্রাদায়ৰ বেণ হর অভৈত্রাদী। ইহাদের
মতে ম্পান্থ মহাশক্তি এক এবং স্বিক্তীয়
এই ধর্ম স্বত্রাদের বৈশিষ্টা এবং প্রশান
সম্পন্ন আলোচনা করিবার ইহা ছাল নছে।
তবে নেই ক্ষ নিয়েত্ত স্থাতি স্পাই ব্যাতে
পার। নান বেন প্রাচীন কালো অভৈত্রাদের
নানান প্রচানি ভিগ – ক্যোবৈতের মধ্যে স্পান্তি
পারতি বিভিন্ন প্রকালের অভিন্ন সিদ্ধান্ত
প্রভাতি বিভিন্ন প্রকালের অভিন্ন সিদ্ধান্ত
প্রভাত বিভিন্ন প্রকালের আলোচ সিদ্ধান্ত
প্রভাত বিভিন্ন স্বাহন্তন স্বাহন্ত সিদ্ধান্ত

িগান গ্ৰাপম - বেছু ৪ ছার - উভারতই . करेंदर पन किल ेर कराइन किल स्टम विश्वर ८कोन भामाटकत कोतः १९६ । देविक्का मिक्षा र मृत्रक्षेत्र श्रिक्षान अस्तिक अस्तिक ভাষক জানতিক চন্দ্ৰ কা কৰি শাস্ত্ৰ আৰু रखा नांक विकास काक्ष शह खातिन আগ্ৰহ নালি এব জিৰা ব, শক্তি ব, পর্যাত্ত-का भन्नात्म छोन्ति कवमानः । देलेन देवपन्न, প্রতিষ্ঠিত তেওঁ আপ্র করা প্রকার ছিল। भाषायाचे । अस्तिवर पर अस्तिविभाग भूगकः। প্ৰান্য প্ৰক্ৰম লাক সাহ কাৰ্য কাৰ্য্যীয় ত্রিক দশন, ৮)গ ¹ সেং ¹র বিদ্যান্ত সংস্থা **এক্তি** : au बादित्र देनत्रिष्ठ धरेह**े छेन्जुङ ।** জিপবাদি সিদ্ধার শাক্ত মে মুলক। অবঞ আ: সংখ্যাবের আক্রিকত ন না আকার बिरा न प्यारिक ।

(৫) প্রস্কাধ গুলুডে স্বীপ্রস্থান্য: ব্যাসের ভেল

্ আৰু হ', গোলাল প্ৰেৰ আচাৰিত ব্ৰহ্মীৰ এ আন্ত্ৰীন্দ্ৰিক্তভাষিক ব্যাধাৰ প্ৰত্ৰৰ বেলা

केंद्र। बन्नवारम मोशात्क जार ७ पहार कोंद्रे क्रम रहेए दिलक्षण ध्वा चनिक्तिमे ্রাপ্থা অলীকার করা হইয়াছে। কিছ िनवाकार्याक्त तरमन, हेराएक देख उन्न स्म नारि के सातक गहमार्थमृति क मारा रथन कुछ ত্থন ৰাজ্যার ভূমির সতাতা ক্ষণতা বিচায় प्रित् वन्द्रितनीयका तखकः .बायन मरिक्-पक्क न्मान करता ना। अ कथा भए। किक ছাছা হইলেও অবৈভ্ছুত্বে সংখ্যাচ সামে, বৈ मरकारहत रहेडू थे किया भाषता गाय ना। এह য়ে জীব জড়াতাক বিশ্ব বৈদ্বিতা, ইহার ততু कि हैं मृत्म यथन अर्थ कंत्रग्न कानक्ष कथन ध्य देशक्य दन स्त्र (दन? जान काशन কাছেই বা হয়? অজানের আশ্রয় কে, দি 🕶 গ দৰ্ববাদি যট্পদাৰ্প অনাদি ও न्त्रत्नवांशिक पन्ति। अवश्वतः क्रमानि । अव ব্ৰহ্ম বিষ্ট্ৰাশ্বক জনাগ্ৰি প্ৰবৰ্তমান ব্যৰ্থাৱের व्यक्तिक का व्यक्तिक माता। देशव कहिन বা স্বাভন্তা করিত, বান্ধৰ নহে। ক্ল করনা करत (क १ व्योव भगवा जनत- तम महरूम। পরস্বদুষ্টিভে শ্রষ্ট থাদি থাবতীয় ধর্মাই ভারতি भारतां १७ वा जमान १४। किह क्षा हेरेए श्रीवशाय तो नेनग्रशाय कि लाकारह ৰে ইছ ভানা বুলা ধাৰ না। অবাংকপে **শ্ৰনাৰি গালিয়াই চুগ ক**রিখা থাকিতে হন। শালানের আছুত্তি শোঝা হইতে ও কেন ভাষার উত্তর নাই। বপ্রকাশ চিত্রাসব winding west world and cale क्टरण किया निर्मात कर्ता जान समन्दे भवनागत काराज भीत की बादनाहरू अवन करीन स्ट्रा में जार के कर भक्तात्तर देशकाणिकीय पूर्वन तथा कार मा करन जार किया दिख्या रीज गाउन

मत्या न्यत्कल कविका न्यानिकाद कविनातं क्टो बाजुलका भाज ।

केचेत्रविद्यांटक प्रकान चाट्ट, मारा আছে- ক্লিম ভাৰাৰ আৰুত্তি আকশ্মিক নুছে! जेरा जायात बाज्यस्तक सर्वार त्यका-शहिश्रीक कथा। ने समन कानिकार गाना প্रकारक प्रक्रिक करें अवस्थान रहमनहें भागन हैका माजूर सन्। कृमिका द्रश्य ক্রেন। তিনি স্বত্ত জাপন স্বরণ চাকিতে হ ममर्था श्रीवारक अभार्य, काथक प्रथम कारक स ज्यान উছোর অনাভতরশ ছাত হয় না । অঞ্জান ভাষারই সাজ্ঞাশক্তির বিজ্ঞান মাল। বেমন गविक्रम्य व्याभाग महे त्याम व्यागमारक चाक्कांतिक करतमः जन्य त्यहे आकांत्र । चलः আন্তাদিত ক্রিয়াও ক্র্যা অনাজ্যদিত্ত থাকেন, কারুল ভাষা না ইইলে দ্বেঘকে প্রকাশ করে কেন্দ্র এই রূপ বিশ্ববৈদিত্তা विश्वन्यस्य । षायम खकालबह ক্রণিতাপনা গ্রীপাই এ**ডামুশ অ**ভিনয়ের হৈছে। আআরামের আহার পুরা কিলের ? ইকাই थड। क्वाम । तक्कामी त्य अ श्वकाय अत्मवात भारतम ना जाना नरह । जानान रा जाचा बहे শক্তি কাৰা উন্থোক্ত থাকাৰ কৰিছে **হয়।** करव जैवनसभी नरभग हेंगा जाकतामूलक, बालकाञ्चक, कर्ज्यक्रम, उपक्रमी स्टमम हेरा सब मानेक कि तो अधिक्षाम टिक्समंबर, अरे यात्नहें अधान (उप । व्यर्धाद मोक्स (बहास) भेटक काचा किरवाकीर्गमिक्तांत्रक, धक, गठा, FAMES, FORWARD, WATER, MANEY, PRINCE, राष्ट्र विकि स्व मुक्ता (क्या १६क) कांबा का विकिशन, DES PERSON NAME AND ADDRESS OF THE PERSON NAMED IN

তিনাই আধার জনার। জান ও ক্রিয়া তাহার নিকট এক, সাধারণ তীর্ণর ক্রিয়াই জান, ভারণ ইয়াজাতার বণ, এক তিনি কর্তুরতার বলিয়া তাহার আন্তর্ ক্রিয়া। এই জান ও ক্রিয়ার উন্নত্তার নাম ইজান তাই তিনি ইজাম্য, অলয় ইজানি লাভিক্ষবান, অবাং বাত্যাম্য। এখর্মা, বিমর্থ, পূর্ণাহতা প্রভৃত্তি এই স্ভাত্যা কর নামান্তর।

ফ্রাগম্পথত আতা গ্রন্থাই প্রকৃত্যকার: —ইহা তাঁহার অসাধারণ সভাব । স্টে: क्लि, यहार, क्षुक्र क्र्य विवर-एड পাঁচটিকে পঞ্চকতা ধুলা হয়ৰ পাণ্ডখতে यक अव्यक्तांतक नत्ता। तार् कह यक्त-বাদে কান্মার স্বস্থার তেমন নাই ব্লিয়া আখা সতা হইয়াও অসংকর। इनिहारक्न-"उर्वे हि करेडे माजरकरण भागामान मिन देवकक्षांद्रम्याधिदताविक वान সত্যাসতা বাবস্থা ছেলোপাৰেম্ব কল্পনাথাং क्टिननाकारतकारेककार्यामा वर्तावमादिकानि-वर्गिम्।" विक्रुप्तर्गन (पात्रणत 'यदेवण्यामा, दिन झान विलिशा . दिश्च हैशे, भटन हैशे दिश्ने শাস্ব মতে বৈভাভাগ বছন: ব্যক্তিভ হয় নাই। সংশিহ্নাদে আছি-

প্ৰিকাশস্থান ভাক লম্পটিনগ্ৰৈতম। বালা ব্ৰহ্

a first with

क्ट एक व्यटम्बर्म्स विद्या कर्मा व

The state of the s

भारकामक किए रेस्ट्रेंबक क्लेट्साई बर

रहम १४ धान शास्त्र द्वारा देशक हैं दे की अब अरे रनाज भावन देखी र गण अल्डार अभ्याम छेरा निर्मात देवक কোউভেই ' আছিলা পতে। স্থাগ্য মতে वांकर राष्ट्र विका नामहत्र । শছৰ বৃষ্ঠাত বৃষ্ঠা নাহাকৈ অনিকচনীয় ৰলিয়াচেদ ধলিয়া নতঃ প্ৰদৈত ভাৱের हैर दर्भ प्रश्नीहरण किहे। कहा बहेशांच्छ छण्हे যে। পূর্ভাবের প্রকাশে আলা, প্রভাবের। जिलि गारांदक मुख्य गाँवश श्रीकाद के किन মানেৰ নাই ক্ৰ'ৰ তাহাও আহৈ ভভাৰ গলছাত্ৰ-THE LEW LASTON , RESTRICT PRODUCT OF or re-availation of elimination). अभावि किरना अभ्यम्बक (all chibra che face i will savie, suites. লাখাচ ক্ষা সভ্য কিছ বিচার পৃষ্টিতে মানা नभरः विनक्षा किन्त गोबाटक कीकान কলিল ভাষ্টেক প্ৰক্ৰমন্ত্ৰী, নিজা, সভাস্ক্ৰমাণ ্বলিঃ নানিবে এক ও মাধার ঐকরত 📚 । এই এক্ষাত্ত মালকে আৰু কছিলা ৰা ভুক্ত বেংকে নতে, ভাহাতে জাপনার্ট শক্তি त्यारम **्रमर**म मृक्नकि जाकुक क्रेटन कामश बीबर्ग क्षेत्र त्यांच रहीत्य बाक्यांचन कहिन प्रसिद्ध किया जा किए के कि क्षेत्र है के कि अपूर्क बाहर १ हमय कि स्थाबित है गरिया **महह**ू १ स्ट्याः एकाउ मारा, त्याव-काराहे, वक्न अ कार्यवर भाका । आसरम्बर ८७ सम्ब अन स्केटको का निकृत है। है। हो हो उसे महास्तर MINISTER STAR WALL

লাৱা কৰাৰ নিজ্পতি মাৰাবাৰা লাক্ষা करनेम कियात हा त्यां विमे अवस्ति। র্মাণ্ড পঞ্জেন না। কারণ তিনি জনাকুত-লপ। ভাই বলিতে হয়, ঞীৰ তাহার আবরক, আবার তিনিই 🕏 ার উনীলক। তিনি ছাড়া আৰ কিই বা োছে? বুজ ও मार्ग अकरे यह-जम केंद्र मार्ग निया, व कथा विकास आकांबालान देवजान म আসিয়াই পড়ে: দে অবস্থ ল গায়া 'না i का अरकांव अबड विशा-(४न ना, ४ त মিখা অমুভব জরিতে গোলে মাখার স খীকার অপরিহাণ, িজ্ঞান মাদা সীগার कतिरकंटे तम प्रश्निष्ठ त तमारवांध भाग्न किला का। किला नगांकित छड नार्नाजात्व जन्मेकांत्र कांत्र करवाट्य स्वात মায়াকে সভা বলিয়া ধ্বিলে এমাও ন?া यामात्र देविकः अञ्जादत्र १ १ १ ४ वाधन विकित रहेर्य-भेष्ठ मकने व्याटि मम्बाद মতা। তথ্য জগতের মাধতীয় প্রতি : একারপে श्रीकिक्षांक इंहेर्ब- मक्लाः, या नठः, प्रकन्नहें ুৰে বিশ্বয় ও আননক্ষয় ভাছা উপ কি ভট্বে। . 'नव र श्रविनः तमा' यहे छेग्नियन् नाला क्या সার্থক তা জাভ কারবে। মান কিবা कांत्र के जो नहरू. ভংগ্ৰহত জগণ্ ভাহাতে দাকাৎ সম্বাক্তি ও তাহ: প্রিকাল-ক্লপে অমূভৰ কারতে, আলিখন কারতে शाबिरामके काः बीयानत मार्थका मध्यपत स्य। नीक भंडा, द्ववाः कीव व सूपः व म्या-विकाश्चर, छोडे मक्र रक्षकः निर्मकः। देविष्टिक करकेंबर विमान अन्य भाष्ट्रमान्दर जाश्राकान, जीन बन रहीनि गांना निवतन श्रद्धात कामगार क्यामा अ- विक्

নাহ। ভশবান শহরাছার্য্যের "তর্ম প্রকাশ বন্ विकंबत्वाः" कथाई याथार्था अन्नीकात्र कति-যাধ একথা বুলা ঘাইতে পারে যে আলোক ्डेटफर वर्षनवन्छः जक्षकाद्भत जाविजीव इग्न, থাবার অন্নকারই বর্ধনহারা আলোকে পর্যা-বসর হয়। তুইই নিতাসংগ্রু, করপে সমরস ভাবাপন্ন-ঘঘণে প্রাধান্তের বিকাশ চয়, সেই প্রাধান্ত অলুসারে ব্যাপদেশ হয়। আগম শালের ইহাহ সিদ্ধান্ত। পুরুষ হইতে প্রকৃতি কিংবা প্রস্তৃতি হইতে পুরুষ একান্ততঃ পৃথক নতেও, ছইতেও পারে না। খাছারা ভাছা ক্ৰেন জাহাবা ভৰু logical abstraction এর হারা তহ বিশেষ্থৰ করেন মাতা। বস্ততঃ সংখ্যের প্রকৃতি পুরুষ বিবেক অর্থও পৃথক্-করণ নতে, ভাহার প্রমাণ সাংবাকারিকা প যোগভাষো স্পষ্ট পা**ঞ্ছা** जात्याहना ममदाखद कतिवात्र हेक्टा तरिल। স্পান শাস্ত্রকার বলিয়াছেন-

"ইতি বা হল্ত সংশিক্তিঃ জৌড়াজেনাপিলং শৰ্পং । স পঞ্চন গতকং বুজো জীবমুক্তো ন সংশয়ঃ ॥"

ইং র তাৎপর্য এই বে, জীবনুক্ত সকল ক্রগংগেই আত্মনীতা অর্থাৎ আত্মণাক্তর বিশ্রামকাপ নিরীক্ষণ করেন, তাঁহার যোগা-গল্প কথনও ভগ্নির না। ভেদ ও অভেদ, মুখান ও নিরোধ উভ্রের মধ্যে সামাদর্শন হংলে আর কোন আশেষা থাকে না— কান্ত ভ্রইট এক রক্ষ। ইহাই শিবশক্তির সামরক্ত ফ চিদান্দলাত। ইহাই শিবশক্তির বাদের বিশিষ্টতা।

(৬) প্রায়েজিয়ে দর্শনে জ্ঞান ও জ্ঞান্তির সামজ্ঞ

बहे अवस्तारमञ्जू कात अकर्ति विस्मेश

শহর মতে ভক্তি হৈত্যলক, এই আচি চাক্ত প্রতিষ্ঠা বশিষ্টা বৰ্ণ করা কলেও শলা পাছলা, ইহা সাম্মন্তল ১৬গান্নল্য অভি। বিশ্ব আঁখত ভক্তি বালচা পদার্থান भारक कार्या भाग न महास्थाना । भागा र रुदेशक क्रांभिरफ शांबा नाहत है। अवस्ति। प्राधासकानः काकारक लासका । भीक निक्त बर्ग कहि (१६) वर्ष ५ वर्षे ं अपीत्रक জোন দাজিকট জালাক। ১৯ জন্স বাল মাত্র। বিক্রপার শৈক্ষি ভিশানক व्यवभा नृतीहरू। , यह व नृत्राल व्यक्तिक व स करेगारिक । उसम अवस्ति । र ७ क नेप न ভক্তি। পরমূহ ১ খা হস্তাসা প্রশাসনি পূর্ণ ১ জিন -- छाडे ल मान । रामध भिनम नित्र स्थिति। তীয়ত ক্ষাতে, সভাৰ শক্তিৰ আভানৰ মন্ত্ৰ वो ध्यन ४२३ क्यांस राम र प्राष्ट्रिक वर्ष्ट्रण িৰ্ভাৰ পাঠি ভাতিল, উভাগে তৃত্য **নাই**--नामित्र नार्याः । अत्य सिहित्ते समित् জঞ্জ করিয়া শুনি প্রধান অগবং শিব প্রার্থন ধশিয়া একট পদ্ৰভাকে নিৰ্দেশ কৰা ১০ মাত্র। বিশ্ব দারে স্থান অবভাষণ লৈতে । থাকে—প্রকাশমার শিক্ষার্থই ত বিম্পত্তিক শক্তির বিকাসস্থাপ বৈধ প্রতিবিধিত লয়; আবিরে শিবপ্রধান অবস্থায়ও শকিসার शास्क विश्वीकर्गध जनन श्राकारण विजीन थोटकः। ज्यात ८६०, लेल्ट्यतः माग्रतमः व्यवश দেশাৰে শিব ও শক্তি উভয় সামা প্ৰাপ্ত

এই ৫, ইহা ৩ৰ জানুমাৰ্থ নহে, জানহীন 📲 হয়--ভাষ্ট্ৰ শ্বৰ ধলা যায় না, গৰহা ভক্তিমার্গত নহে - ইহাতে জ্ঞান ও ভক্তি পভিও বলা আব্ধ মা- অথচ উভয় দাবৰ फिल्हाइत मांभलमा कार्या । भक्त अनिर्देश धामःकारण मधीरम विकासन । १६८ सहस्र অহৈত বাদে চলমাৰস্থায় ভাজিবী জ্ঞান ইন। ৮ জাব। এই।মানে পশানে ভালে ভালে সংখ্যান श्रुष्ठि, खराभाविकीरच, देशात्र भक्षण श्रीतक हो। किल्लेचे क्लिये के कामा । ८ कक्कीब ल लान गरिए निष्य ं रनेये कल है। ब्यांत करिन প্ৰথম্পনা আইমণ্ড মান স্থিতে মুখ্যে, भूत हर भिन्न व महिल एक १० मान्त्रिम উত্তর নেতা। ৬ জে বলাপের চুগট লিজ गंद

> াব্য । আব্যান ও গুরিকা ত্রার আব্ হোটা বংগণৈও চেন্ত্ৰান্ত— ০০ - পি জেন ০০০ মাথ ভাৰৰ জ ম भ्रायकीय सुरा।

स्व अध्याप के अप या का कराव अध्या A CAMP IN

ा करना किसि को एक अपना करता का अपने देश **एक स** 可以"大战之"、"有一个国域"的" त के अन्य अन्य अन्यों कि नुवा होई है। ी विकास मिन्द्रमा क्रिकेट विकास मन्त्रात्स्य किरारा है ज्ञा के निरामस्यक किएक , तिकाद सहाम हो। बाजनी की हरून । अधिकार का एम जावबू १० हिंशामि एक्सिए जारा 明本海 经门门 重新 1 次年 新山村國村東西 क्षा वस्तु । व स्वतंत्र कामहोत्रा एवं व আৰু ৰাণ্ডেদ কিল্ডেড চৰ্যাতি च्या ने लगा न करा द्या है। इसहें में इस मृश्रदक करिक । विदेशको अस्त्री अधिक्रक তে শৈত বস্তুত 'ল নাহ সংহ'ত গ্ৰহণীৰ ভাতিকে অবৈত ভি । অসমত ন্**হে** ; ং নিহাভাগ

रेक्टर त्यांकाव त्यांकार आके आरह (वार्थ मनीवशा।

उन्ने क किए देशकर ने का प्रमान प्रमान । बाट्ड भगवभी-तम दिक्जानामुट्डानम् । भिकाष दिव में परिणा और विश्वतमां परना । ।"

অবৈত্তীত বি এবং তাঁচার স্বৰণ লাভ कि ध्वका देश म विदेश अशास विल्याहा-শারারণভীর তাজার ভক্তিটালক! नोयक गांजिनाश्राखन जारमा हो বিভারপুর্বক বাগ্যা করিয়াছেন, এবং প্রায় वर श्रम देशीय धामक स्थापक । विभूता वश्य कार्नेवर्ण कोरह (२० सराहः ००-०६) প্রকীৰ সার পরমত্ব অপরোক রূপে অ খা-ভিন্নভাবে দাক্ষাৎকাই করিয়াও কোন এন পর্ম ভক্ত প্রীষ্ঠির সহিত চাহার দেবা করিয়া থাকেন। সেবা করিছে গেলেই स्मिता स्मितक छाते हाई अवस्थानकाम ल প্ৰাণ কি প্ৰকাৰে সম্ভবলা ও সালি বলী रदेगारे ए- एक जीव अवनवन व दिश : भवा क्री हम, देश अवंश क श्रीरिक्न, ाष्ट्रव ८७म माई-ति। महाविद्यात महिन्द्रम । ए त ब ट्रिंग बोहबन करिनार आधारण के प्र शिक्षा कांत्र किंद्रहें नहर, कड़िल्म, " अदिवत बत्रक'-

मार (वर्षात की थार को उड़ाबका) श्च देकतिकाम किला देकरावकानाद । ७० । विकारिक बेदगटका का कार नि याद्यार निम् वितिकाण वैचानका दमेश विकास के अंदिर ।

देश बहुत्त गार्क्षा तीय त्यं, क्यानामध्यके उक्ति वीक्रिए भारते। हेरी हेरा केर परीम विनिया इंडीकि, अव्योनभूनक विक वा नामन जित बंडम याची क्रमका नांचक नटर । जीवेड-ভक्तित मेरक धक्ता एक कार्यक —हैश कति उ वक् कानभूकि । जीते वक कथा, জ্ঞানের পর বে অবৈতভক্তি দকরেরই জাগিবে এমন কথা নতে। যাতার সদম খলাবত: ভিক্তিপ্ৰৰণ দাধান্ত শক্তিভাজিন উদয় হয়, कानाथीत हैश हय ना।

কিন্তু উদিত হউক আর নাই ছটক চব্যে ্র্কান ও ভক্তি একাঞ্চার হটনা যায়। যাহাকে ন্তা বা স্বাত্তমৎকার বলা গ্য তাহা নের বীখা ও জোমেরও চর্ম – এই জন্ত देश मगसग्रहींग। असाम क्वी करें केंस्य त्यांक व्यवाहित हहेबाहि।

দাসাম্বৰ ভক্তিই বিক্দৰ্শনে অলীকৃত চইতাছে। ভগবান্ প্রভু, পিতাবৈথবা ওক-ভক্ত দাস, পুত্ৰ অথবা শিবা। ভধু ত্ৰিকদৰ্শন নাল, শৈৰাগম মাজেই এই ভাবের প্রাধান্ত एहे १४। वीतरेनवामि गालक धेर निकास খীরক বেধা যায় । শাক্তগিনেও মূলতঃ পরম 🕏 সীমাসকল, শেষানে ভ 🕸 এউন নিগ্নে কোন প্রভেদ লাকত ১ । না। ভবে প্ৰভাব ছানে মাতৃভাব দেখানে কল্লিভ वयः अरे भाव निरमय । किन्ने अहे जीवबार्यत गाया नाजकारहे म्नजूठ, जारे वेदावरे खावा ' कीरिक श्हेबांट्ड। येना बांडेना, डिकिस भून তত্ত্ব যে দাতভাৰাভাত তাহা খীকার করিতে হেবে। শান্তভতি ভতির কুর্ণ অবহা মার, **अक** विकास है है है । विकास के किया कि किया है । নলন লাগিয়া যায়। অনৈত হইতে বৈত্যে

अक्षा और छारबरे केंद्रे । विकास गर्टरे क्षेत्रे उ बादक, व तकन जात्र कश्मा हाटक मा । संक्रम 'গৌদ্ধীয় বৈষ্ণবস্প্ৰাদায় প্ৰভৃতি মণ্ডলীয়ে ১০০ बार्यना ७ माध्या ভाषत बालीकुछ ११ सहस कथानि अकवा मका मर्काडारवरे मुजक्छ एक-ভাৰ অমুস্ত আছে: ভূতপ্টিডে এমন त्यमोखमान कोकान इटेस्ट नाए, बोगू इटे.ज व्यक्ति रेकामि अस्म पृथियोत व्यक्तिशं हैरे-माट्ट- बनविकार्णन रमहेबल भारत ५४० क माछ, मास क्ट्रेंट मध्य हेडार्सन करण हैंट-ব্রোক্তর অসপ্রতি সিদ্ধা করা। তাকালেশ নিত্র स्व अक स्वा देवपूर्व क्रिया मुक्ता न প্রাপ্ত হার, ভা ভারা ভার নিজ্ঞ: ম্পুন বুদ্ধি পাইতে থাকে ও পূর্ব পুন গুণ অনুবত্ত ছইতে থাকে। তাই পৃথিবাতে পঞ্চতেওট অন আছে, তনধো শবাদি চারিট ভাতার সমাগত দামান্ত ওও, গছ বিশেষ ধল। এই কল ভাবের জমবিকাশেও ব্যিকে প্রবিধ कादवन विद्यान का िक्षी मात्रा पायुर्ध न्य. অথাচ জাভোর আগনা তাব সেবাৰ ভাষন এটিয়া केट्री । अपर भाग्य । मारणत केंद्रश्य भग অক্সুম্ভ ১৫ এবং অধন্য অপ্যাহ্যাচন বিক্লিড **इ**श्चा धाने व्यक्तांटर मानुशामस्या शतको। तरमद कर्ने, कर्वाद निकें क्रिया, व्यमस्थात छ मानम यर्डभाग चारङ, व्यवह उपविदेश তাহার, বিশেষ ৩৭ খাত্মগর্পণ ক প্রিপ্রাপ্ত

্ বিৰুদ্ধি হুতামক বক্তি মানিৱা ভক্তির **अप्रकार करें.** मानियां महेशीहरूम ! जात क्षेत्र मुनाहे दर महिना एहन कोही नटह किन क्ष्मा का त्य आकृष त्याम काकार न

. शेक्तक, कतिशांद्यना श्रीतंत्रक मान प्रापितक श्री में किए में में किए में क्षेत्र के देव के **वा**य का एक ন ১। ইহা প্রিকৃট অবৈত অবস্থা জলত "क विमादन शिक्षे देवछ नाछ-छत्र इस अहलोकिक, "देवल", खरे बिह्मल । छारे এখনে একাধাৰে আন ও ডাল্ড, চিৎ ও व्यान्तमत नशाद्वन पृष्टै रह। देशतरे नाम শিন-ধিক্ত সাম্বক্ত। এই বসত্যেত্ই ঐকা छ टि^क्टब्राज अने नामक्षण । व्य**र्** सम् खना-শঙ্গ' ল'ডে বিগছৰ এবং বিশিষ্ট--একাৰনে क्षांचान नहें। व नहें, व्यर्षाय नहें, 'अल्डी गाँडे, 'वर दश्म **मबडे फाटड. अलं**ड यटनीर कः पूर्वकार उमरकावर जनहबाब বিক্ষিত হয় ৷ এইরপ ক্রমশ: এক একটি গুণাল --ইহা - অভেদের বংগত আলৌকিক ভের থাকে, নত্ৰা আসাদন হইছে পাৰে না। जरव : इन वोकिक छामन माड, ইহা ৈ বলিক মাত্ৰ: অভিনৰ অপ্ৰাচাৰ্য্য লাল তের বীকা অভিনৰ ভারতীতে রস-২.৫০ 🛊 প্রভান্তিতা দশ্রাস্থ্যায়ী স্বালোচনা ক কি জেন ভাষাতে বসপ্তরপ আনেকটা পরি-等多 古游物事子

> ०५ क्षेत्र नगा**त -**वार्थ वन कि **भारतम** पान पेपानी शिक्षक मार्च । व्यासको भारती া প্ৰথাতি ভাহাতেই এ কাৰের সমাধান ८केटल शाद्य । एक्ति शाक्तिक कृत्य साक स्रांव बाक्टितहे। भारतभावत्क दीक्षकात नमा पहित्व भारत वर्ते, किंद छैं। ু পরিক^{্র} ভতি নহে: **বার্ড** বোধ না ছওয়া, পৰ্যান্ত, নিতেকে একটা জনত ৰম্ভৰ নাজে অভিন্ন জানিয়াও ভগানিক বলিখা বেটি ব করা প্রাক্ত, জাকিরাজ্যের আরম্ভ করিব শা গুভাব ভাষার্ট সুর্পত করেন

কৈ যে অনত আ ইবা নিজেরই থায়া জিয় আৰু চিন্তু নৰে। আই বে এলভাৰ ংইছে লাজনে ও তদন্তর লাজানির আবিজ্ঞান হইলা বাবে আছে কিংবা, লাজানিতে লে বেলভাৰ অস্থ্য বাবে—অধ্য অহাটিই উন্তির ভক্ত স্থাক্ত সংস্থে কহন্ত বেলে।

আনকার চাপা থাকে আলোর বুকে
আলোরই লহর নাচিয়া বেজার এই
লহরই 'উলাস' বা বস্কা ইহার বৈচিতাই
লীলাবিদ্ধার এ লহর ভারত্বরণ চির বর্তন
মান, ভাই বৈফবরণের ভার শৈবরণ নিতালীলা মানিয়া থাকেন। তাই কেমরাজ
শিবকে 'কৈলালাবিদ্ধ নিতাপ্রবর্তনান প্রশোদ
নির্ভরকীভাময়া লোকোত্তর প্রভাবং বিভারবিজ্ঞে" বলিয়া ভবচিত্তামণির টাকাতে বর্ণনা
করিয়াছেন।

किंद्र छक्ति या जनवक्त कार्श कर कर, বিশেষতঃ আৰক্ষারিকগণ, স্বীকাৰ করেন না। क्विक्निकांत्र मण्डे, রস্পদাধরকার শক্তিরাক ক্রমাণ প্রভৃতি এ সভারিকগণ ভতিতে ভাৰকোটিতে নিকেশ কৰিবাছেন। विश्व देशांक देशांनरे विद्याय । हे । नारिका-बावकरी बहुतक दाव त्यादेशात त्य, मिकाव न्यात्वहे। नर्तपृष्टामाः" श्रेट "ा मन्डकः मृद्ध लिकि" नर्गक बाका बहेट जानी बाब क विश्व शिक कीयक् करे नामाउत्। बीक्शक वि वटक विश्वासमायानी अ त्रहे कथा है विवादका-धोवन्कः विद्धाना विकृत्तन ब्राह्म बहे सात लाबान हेरा करन म आध्यात अवर्षक हरेशा शतका आराग THE CHANGE OF OLT YOU IN TAIL

বীকার করেন না। অবাধ বার অভিনে রশ্বে বিষয়ে আনকারিকার করাক মারেন তবে তাহা শাল রস হইতে ভিন্ন এ করা মানিবার হেতু নাই। অপর পলে, তজারণ ঘাহা বলিয়া থাকেন জাহাও সভা। তাঁহারা বলেন- ভল্লি হখন করৈত আক্তথ্যবিষক বৃদ্ধিবিশের, তখন ভাহার রস্থ অখীকার করা বাকনা। সাহিত্যসারের টাকাকার স্পষ্টাপরে বলিয়াহেন যে, ভল্লি মুধ্য ও গৌণ, বা পরা ও অপরাভেদে হিবিধ। অসকার্পান্তে মুধ্য ভল্লি শাত্রস্বে অভর্তি ও গৌণভল্লি ভাব মাত্র। ভল্লিশালে শান্তর্স নিক্ষেই ভল্লি-বিশেষ, মুখ্য ভল্লি রস্থ্যান

শাভিলা ও নারত্ব আপন ভক্তিপতে,
মধুদ্দন সর্বতী ভক্তিরসায়নে ও জীরপ
গোস্থানী ভক্তিরসায়ত্যিক্তে ভক্তির, রসত্ব
উপপাদন করিয়াছেন। এ ক্ষেত্রে সে সব
আলোচনার প্রয়োজন নাই। এখানে ইহা
বলিলেই থথেই হইবে বে, প্রত্যাভিজ্ঞা দর্শনের
আচার্যাগণ ভক্তিকে রস বলিয়া স্বীকার
বরিয়া ক্ষর্যাছেনর একটি গভীর তব
প্রয়োজন ভিলাকের প্রকটি গভীর তব
প্রয়োজন ভিলাকের প্রকটি গভীর তব
প্রয়োজন ভিলাকের প্রথম কোত্রে (৫) বলি
নাছেন—

অবলি ক্ষিতি বিশ্ব সনাগৰ ব্যোগালা। । "
অবিতীয়া অপি নহা স্থিতীয়া অপি প্ৰতো ।
গৱাজজিন ইচাই বৈশিষ্টা বে এ অবহার
বিতীর,না থাকিলেও বিধীর থাজে । নদীরার
বিগোরাল এই প্রতই অধিনাতেলাতেল তথ্যে
প্রতার করিয়া নিয়াকে। বাহালা মনে
করেন বৈ লই চইলেই নিয়া হইলে ভীহালা
পূর্ব সভার এককে। সালে বেশিক্ষাকেন।

জ্ঞান কালিব বালেও, বিকাশনণ হতকেও লেই একোর কোলে ছই বাকিতে পারে, বাদক লে চুইও একেনই ক্ষকা ব আন-এসারণ। নাথ বেদালতে কেন ন ্শোহ-শোকক: স্বিজঃ। বেদাবেদক সংগোভেহ-শাসিককৈ ক্ষশন:"। অন্তর্থাবস্থায় স্কা-বেছের উপশ্য হইলে এক কর্মে বাহার ক্রণ

হয়, করা ও বেদকে। সংক্রোতে বৈচিত্রা

মিগেও জন্তবন তাহাকেই সমাবেশাবিকাক্রাতঃ নেবিকে শানু। বিনি বিবাতীত,
তিনিই ভ-বিধায়ক— লগত উভন্নই সমলালে;
াই জান ও ভকি বেখানে সমন্য বিধাতীত
বিবাহাক সমলাবেই সেইনে প্রকাশমান।
তাইকভের সাম্বর্গা প্রধানেই। ইহাই
হি বেশ্যমাব্যের বিশিষ্টিতা।

মহাত্রা

श्चिमदत्रम (पर)

দেই ত মাতৃষ,, পুরুষের জাত ;--পৌ te যার বক্ষ ভরা, रगोनन यात्र व्यक्तश्च ८७८क नार्व करबर्ट रहा अता ! চ'লেছে জগতে দতোর পথে —নিভা া শিরে শীয় তুলি সমের তরে অপ্রের দাস হয় নি' ে প্রন কখন উলি ! জন্মভূমির অনুসাগে যোগী, কঠেত গ্রাপন দেশের কালে. शितिकां याद काशकवन, व्यानम न मोरनंब नारक খায় শ্রমজাত শিল্পে সোহাগ, মোটা কৌশীনে যে 🐲 এতি, ক্ষতায় নয় ধৰ্বৰ কখন,— গ্ৰেধ যে নম্ম তুৰ্বিনীত 🖠 करत निक कांच निरंकतरे हु शत्छ, खूंडा मनिव डेकें है निरंब-वी किंदू मकलरे निरक्त अन्य म, भताभ मताम महि वीरका মহা মানুবের মহিমার বেবা মহিমাগিত ধর্ট পরে वाधिकार्त्व मना व्यक्षिकांत शाद, अध्योगी (वु पूर्व गायन वर्षेत्र ; गान्य व्हेंग्रे। मानूरवरत कंड्र करत नो एन में हे हो। वे नाति। अमान नवाब मान वर्गाणां—अख्यतं योव स्टांटि कानि । क्षित्रक बाह्य कृष्यान त्य भारतक व्यक्ति द्वारा वाजा-ी श्रेष पांचार गरी सन्तर कुछन धून किया

वन्तीत गृष्ट वन्तित यात, मृश्यम कात-वनकात, পীড়ম প্রহার কঠের হার, নির্মান্তনেও নির্মিকার। मक्ष त्य नत्र जीते संस्ता, लक्ष देव नके अस्तायात्त्र, मन्न त्य नत्य निक् निल्ल, क्ष्मा त्य नत्य संकावाएक : নিন্দা, কলুব, ফলুষ, ধানে শানে না করিতে কলমিত इंड्याबिद्धांची मंड्याबाया, अक्राह्मदा अन्दर्भ वर्ष छोड. অহিংসা যার প্ররম এর, তরু ঘাহার চরম ভাগি; मनम-सद्धा वाटम विभिन्न भीटनत द्याना है:अर्जाश. काञ्चात राल क्षेत्रक्रों 🕸 প्रगाञ्चात एतान नीन. **बीदि ८७**६ १५६ कीवटिश **इंड, मधीन दें। ११**८९ वर्ने ७ ४५ । দেশাত্মনোম-ভাঞান চিল্লে বির্মিত ক্রোধ ক্ষমার বলে: व्यक्तिमात्र क्लाफ इलाटर या दय कटन, दनांदय मा दय कर निद्वाभी मर्स অস্প্রের স্পাসে হার্ড শুচিতার বিশ্ব হয় না হানি, बाहि-८७५-४१४ , bसंदेशक वाटन काहित कीवान त्नश्च मा सानि, माध्या नाकात अधिकाता लाइ साम धानात मास्किलांस, कामा यहारि क प्रांशत किला सारमको मामा स्रोत , বিশ্বাস পাৰ শিশ্ব-বিশয়ী নিংশ লোকাৰ ধণা গৈছে, किंकि नामान मिरिनेव ग्राम बार अन्तर्भ (वस्रोकान ভাষোকী- বেশা চানৰ ভুলা, শ্বে'বলি যার সঞ্চিত্রত . वोधी च्यान अमीय 'वर्गा, (लोगि 🗁 त नग्रह्नुडा : कार्हें धरेंस भ'ा पांतान श्राम # ममान प्रमुख पाकि, বক্তসক্তেশ্ব বলি দেখেলে, দক্ষার 🥗 অবার গতি । निविल बन्दी केन्या याकान, विश्व-मामव साहात छ है, ু শুরুল উদার শেক্তর যার, শুল অপট্টচা বিন্দু নাই, ষ্মাথনার দে'।, ভূল, চুণ্, জঁটা,—থোলসা যে নিজৈ স্বীকান করে, ু আঞ্বলাসতে প্রাশী বিনাধানে মণ্ড বে দেয় নিজের পজে, ্বত্-বিরুদ্ধ পাতি-শর্মের মিনুম বাহার প্রভাকা তলে, विद्यास के लिहा में कामत गरने, भारत-निर्माण-पाकांत्र बर्गा, 😝 🖰

লাণিত জনির ফলকেব মত ঝলতে বাঁহার তীক্ষ তেজ,
প্রিত প্রশাস্ত উজ্জ্ল মুখ, বীরে শুল শাস্তি কৈল'!
প্রিসিতে যার কোটী মূত আদেশি স্পদ্দান পুন হ'মেছে স্থান,
সেই মহালা অজ্ঞের আলা আল্লেমের মন্ত্র-গুক্তা!
অখিল ভূবনে প্রসারিত যার কেল্ড-স্থাভীর আলিজন,
বিশ্বের হিত—কল্যাণ গ্রান্তে সমাহিত কার বাঁকা খন:
বুদ্ধা, নানক, কি মহম্মদ, দাশুর বরণ স্মরণে শাস্ত্র—
মরণ-বিজয়ী শক্ষাহরণ চনণে ভাহার নমস্কা

আমার সীন যাত্রা

(4. 146)

अत्कन्त्रभाग भरमा विभाग ।

হংকং পরিদর্শনটা পদ্রশ্রে কবিবারই
পরামর্শ ছিল্ল হইল লোট আছিদেব প্রথ ধরা পেল। হংকংখন রাজাঞ্চলি কেন্দ্র প্রশন্ত নহে, পাথাড়ের উপর সেটা সম্ভবও নহে; তবে পরিষার, এবং বড় রাজাগুলি ছইখানে কূট্পাথ দিল্লা আটা। ঘোড়ার বা গকলগাড়ির গোলমাল নাই,—রিক্সাই মান মুখ্য করিলা পাকে। রাজার একদিকে বালে, পোটাপিন, সংগালরী আপিন, ছোটেন্ প্রকৃতি সাহেবী গৌটবে শোভা পাইতেছে, প্রকৃতি সাহেবী গৌটবে শোভা পাইতেছে, প্রকৃতি সাহেবী গোলালার, চীনাবালার, কিন্তুলি ও মুর্নীছাটাল একীকরণ ঘটখাছে, কিন্তু পারিপাটো ও শিলস্মাবেশে তাহ্মনের

এটা পাহাত হইবেও বাম্গিরি ময়, এগান মুদ্ধ থাকিবেও তাহারা দৌতা ক ব ও ভাষ লোই লিংসের। ইহারের উপাক বিখাস কলিতে পারিলেই উদারতার ব্যাধ পা ভয়া হায়। প্রথম ধারে পোঠাবিদ্ধ প্রেমা নিক্ষেত্রত পেটের কথা ভারারই প্রেমা নিক্ষেত্রত সম্প্র করিয়া, ঝাড়াহাজ্বা হইয়া বাজারে প্রবেশ কর প্রেমা।

হংকত এর বালারনি একটি প্রকাশ পাকা
ইমারৎ: দার্থে প্রাহে প্রাহ হই বিঘা জয়ী
আছানাং করিয়াছে। চারিনিকে ছা-উচ্চাল
গেট্, মধ্যে ভিজাট প্রশাস্ত বিভাগ। একটিতে
কপি, আলু, বেজন, মটরস্থাটি, শাক্ষাব্দারী;
একটিতে বিবিধ ফলমূল; অপরালী জ পিয়াল,
রস্ত্রন, জালা, লালা, হলুল প্রভাগ মশলা,
নেই প্রকাশ বিভাগ ছালা পারিপুর্ণ ক্ষিমী
রাধিয়াছে। এরপ বিভিন্ন শুলুর্নের ম্যাবেশ
ও প্রাহিত্ব ক্রোপি লোখ নাই।
কাল্যে পরিচিত্ত ক্রের মধ্যে

লেখিলাম না। পাসুর, আলেল, নাসপাতি, ভালিন, লিচ্ নানারদ, লগা, কলা, কলা, জলপাই, ভরমুক্ত প্রভাতিত লৌলনার হালাবের রূপ ঘেন কাটিয়া পড়িচেতের। দেখি, এই মুল্র সমুধ বাদে কুল পাইভিটিলে তরমুক্তপালর মধ্যে কামানের সাথে। চার্ব থের ল'ল বাদিত ইইডেছে। টেবিলের উপর কাটা-ভরমুক্তভান বিক্রমার্থ লাকান রহিছালে - কোনটির লাকা, বিল এতির পাড়, বেল নাটি। বর্গ বর্জা। অহিল পালে পাছরী হইয়া ভাহাদের উপর মধ্যালিক বা নালাবির ভালাবির মধ্যালিক বা নালাবির ভালাবির মধ্যালিক বা নালাবির ভালাবির মধ্যালিক বা নালাবির ভালাবির মধ্যালিক বা নালাবির প্রাক্তির মধ্যালিক বা নালাবির প্রাক্তির মধ্যালিক বা নালাবির মধ্যালিক বা নালাবির সাক্তির মধ্যালিক বা নালাবির সাক্তির মধ্যালিক বা নালাবির মধ্যালিক বা নালাবির সাক্তির বালিয়াটে।

ভাষরা পা.চ আনায় গড় বা একন কি, বিবিদ করিলাম। প্রাপ্ত মান্ত্রন আন্তর্ভা করিল। প্রাপ্ত নাল্ডন করে হই। প্রিদ্ধা ক আন্তর্ভা করে করিল। শাল্ডন করেল। প্রাপ্তরা করিল। শাল্ডন

ক্ষেত্ৰ হৈছে মৎজ মানাদ প্ৰথাম ক্ষিত্ৰ প্ৰতাৰত বাজাবিদি মধ্যে ত লাম নাম ক্ষাক্ত পাইলাম মান্ত্ৰন জাল্লান লামিন বাল লাভ বাজি নিজতল সংগ্ৰাংশের ক্ষা সেলা বাজাবেশ মেটোছাল প্ৰথবশ ক্ষা সেলা বাজাবেশ মেটোছাল বালে মেকেন্দ্ৰ প্ৰথম বাজাবেশ ও প্ৰয়োজন্ত্ৰ ভিত দেখিলে সিবের ভিত্ত প্ৰতাগ হইমা প্ৰয়োগ বাজাবিদ্য কাজাবিদ্য ক্ষাক্ত ক্ষাক্ত বিশ্ব মাক্তি, বাজাবিদ্যাল ক্ষাক্ত ক্ষাক্ত বিশ্ব মাক্তি, কাজাবিদ্যাল ক্ষাক্ত ক্ষাক্ত বিশ্ব মাক্তি, কাজাবিদ্যাল ক্ষাক্ত ক্ষাক্ত বিশ্ব মাক্তির টেবিকের উপরই নাঙিপালা ছাঁটা। নিচে বড় বড় টবে এতে রহিয়াছে, কেবল গাচা বাচা ছই চাজিট মাছ, টেবিলের উপর পাকেয়া কেতাদের দৃষ্টি আক্ষণ করিতেছে। ছোরায়ু পাহাবো অভি প্রত ও সহাজ আল ছাড়ান, মাচ কেটা, কাঁটা বাজিয়া বাজিয় করিয়া ফেলিয়া দেবলা, নেলিগে অএ ক হটতে হয়। বুল ছোট কাঁটিই কেবল গাকিয়া যাওয়া মছল। মিবুগাৰ মাডটাই মালে ও মুলো বড় দেখিলাম, বোদ ছবল, এ অঞ্চলে ও মাছটাই সাহা ও প্রির।

ন্ট নিয়তালের অপবাদ্ধ নানাঞ্চকারের মাণ্য প্রদী **ও** লৈখে প্রিপুর্ব । তথ্যনালার शक्र एक । अनुवास्य शक्यारण , गता विश्वत व्या रिवा स्थानपुर कि विशाप प्राप्ता सामग्रीकर के जिल्ला भगतन, अक व्यक्ति ্বাসের পঞ্জীর মধ্যে, প্রকাভ তাপ 'ও কল কে -। वय कोरेग्रा वरमध्य युक्तिराह्न । जीवस ব্ৰুট, ১০৪, পালাণত প্ৰভৃতি পথাৰ পা राविया उनाम क्षिया (मुख्या क्या क्या क्या व মিনিট পথাৰ ভাৰাৰের কুলিয়া বইখা, অভি गर्ध मृ! १ मृद्धा केन्द्रत नामकक्षक ज्ञानगानि कृतिया रणनिया, भागीखनी एस गाएव हाउठ (महमा इमा अर्थि--अक (के है। ब्रह्म मी বাং নষ্ট ধ্য - গমভটুকু ধাহাতে কেতাখো ্ল া ুক্তির, জার ঘালাতে সহস্থে পরিকার लार भागते जाकांस कर-वहें वह कातान अहे वीच्यम का को का का हिन्द रहेश निर्देश । व्यक्तियात विरयः अवः मामाय कर्णा कर्मा नाह ता, अयम मध्य छेशां ग्री - याहा ही नात्मक यश्राक जानियारक, तक्तीक बरनर ममत्र छाता. দেবগুল গৃহপাতিরও বৃদ্ধিতে ভাগে নাই।

কভাগতালি কারণে পানের এয়োজনটা বড়ই ভীত্র হইয়া নাড়াইয়াজি। যাখা ভাবিতেছেন ভাগা নহে, -এই কুল জলমায়, রাজ্যে প্রাণ হাতে করিয়া, ছ জি কিন্তি টুকু श्रीख काहातव फिलानी। जीशीख देवन-ब्यदिस्ति। यत्था याहा केमच करेगा कवार व्यवस्थि ष्यानियो सम् क्रिक्ष पार करा भाउन अ गराई मिन अभवीत हरे उक्किन अंगर क्लार পানিটাই সেমার বজন বজন ডুলী .. कामारभर ५८५. छ' अकिं भारतेय ८-५क -कित्समा सहा हंगक. अकड़ि कांग ए ए ए स क्रींग हीना नाम व्यक्तिकत्वा वा का का मार्थ है। अ. पार १८ एक निक्छे डिश्कित ' ५३ पन, जरा भवर्षक सा करियाम धक व्यक्त स मानिका क्षित्रीत स्टूब्क्स तमान्यी स्टूब्ल । जारांती ष्ठदेषि कृति वास्ति करायः शब्दासः योजन,--"पनीर क्षेत्र साथाय दान, उहर, ब्रा জুলাৰে নালি ?" মন্ত্ৰুমধার ভাষা বলি জন-पद्मा प्रदेश कर । १ के किया कर अप । প্ৰাৰ, চুকিং লা আনে প্ৰা**নে চু**ল ক্ৰে**লে** खोलन संस्थानम् ०, का - शांत्रहरून, विकास कार्य करहारत के पर नीबा व्याप गुतारी भिन्न प्रमायाची कावगामिल u বিলি গর্জা কারতে হলা। পর h নী श्राह हीन भगान द्रीहिटर स किंक दकान कहेंग्रे व्ययुक्त कतिनाः नाः अडह त्यांभारयम त्य, मरश्रव निक्छे वंशाया थवडे विनीठकार । श्रीयागमर्गन क विश अभावी कलि कैंा व नाह . - हीरन ৰটে। উভঃ ১০ৰ পান পাওয়া যাত্ৰ না, প্রতরাং উদাণ্যনের উপযোগী আংঘোলন লওয়া ছটল: থেডোঁক পানটি এক প্রদা हिमारबहे भिका।

. भारत विश्वसामस्य **छिप्राध्यस्य** । त न बंधांत्री, मुख्यागत श्राप्ति हैं। एने हता गाला रामारेगा वा क्रिया बाटकम **স্থানটি স্বাস্থ্যকল, বিরুষ্ট বস্তি এবং স**কল नम परे शिका। नरते दः क शहा व्यक्ति हिल म वन फेर्स, अव निष् कर्ण आप मान्। क क्षेत्रे एक , कार्ड महिंद्र होता ; कर्ने तरम नैसरमान इनोहित्त हर ल नीक Bitt (Frak-tram) 192 7 1 1944 1 প্রেটিড দ্ দিনিট অক্সর, বিং ৩০ জন व्यक्ति गरे । सर वहेट क्षक्षानि गाहि कें हैं एडरड रक क्षेत्र हुई है प्रक्रियानि গতি বিয়ে নামি বছে। প্রায়ে (वेहँक িন গতা জাতা ধৰা প্ৰধানৰ ভাষ্টেক "HET (wife must mirror, wheters র ও অধ্বয়ে সভাগাত হয়তে**ছে।** নলিলে বাজবিক ত্র হয়। ভাহাতে গাৰার Singro in it. তথ্য চুইখানি গাড়িছ . गरे ममक था. ५ । भगभूत् जाहादमत নালাৰ হয় দেখা। এফট দাশকটি।ইশা थ्**व रा** Sidin , এत २७ प्यारिक । व्यक्तकानिएक टाई Sideral प्रक्रिया **अनव**स्थानिक नश ছাজিয়া দিতে হয়।

মান্ত দহবালীর ক্ষরত বিশ্ব হল বৈর বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব

কৰি কাতেৰ প্ৰাবনা কাতে গুৱৰানে বাৰ্ক্তিক প্ৰিয়ত না হয় সৰ্ভ কাত কাই সভব কে —কো ইনিবাৰনক বোৰ হয়। কলকৰা নাৰি কুই টাউ বইনা প্ৰিয়াছিলাম, ক্ল-ভাত তভোষিক ক্লিবস্ক্তি, ছিল ; —কাল্প্ট। বলাই ভাল।

किया किया व्याप्त — देवना वामानव रेन्द्रां उद कि जिरे । क्षांने त्यां के नियान ब्या के के के किए किए के विशा निकित करन, गर्ज को का है। गरांग करिए गरत। नेक्चा के कि आर्वा माना के देवते हमा -प्रकारिक त्र गमा स्वास्तरण, दिनवामा ... कि अंगोकी यांश ७ यांगरमत हिरि. ক্লেটি জি নিশিশেষে বজোপৰীভধারীদেহ केंड निर्में दिल । सोश केंट के, छेटा बहुमहै के व्यक्ति एक्सिक के किए नगरक अदर्शन केरिया थाएक। कबाँका किश्व मकत दक्रा , यानां क मा-- रिम् 41 ; XVII - TYPE युक्त शत्म, (मण्डार, माजा च अर लिए. ইভাগি তারতের ঋণার সুকল জাতিছ, শ্রীর ও দশান ব্রশিষ্ট্র वक्ष'य तालिया. ক্রিক বিল বদেশী পৌষাকৈ পৃথিৱী পরিত্রৰণ रिक्कि नाद्यन वानवाहे बदन इक्ष क्रियोगी व राजात्वर प्रश्न क्षिकिया के किन्न वीका नी को विकास द Ha Bres & Peater Jeffen Cu. भितान तिस्तरक के किया

क्षिकार्थक **वृद्धिक श्राप्त** वास्तुत्व

प्रार्थि करि । भारति – कार्य के देशका । भाग गांवीक हुन । विश्वा शांवी जावीदर्श छ टर्गान को क्षेत्र काल को बाब । को बाहर चॅन दिनको दर और त्यांचाकी जाहीत वीं मूर्त विकटन क्छा देनांछन, श्रुविश्रासम अ गेवन स्टेटर । काशास मध्याबीतम्ब मत्या **इतिबंधि कर्षको छवा केश्वर शास्त्रताश** তিয়, ব্ৰয়াজ সদুৰ মাজকাই ও খেৰ্টেটা না र्थाकीय, श्रीयोक मक्टक खामोरमत केविन व কণ্য পঞ্চে নাই, ধৃতি ও প্রেক্টী বা বৃত্তি ও মার্টই আমাদের সাভ সক্ষার চুডাত ছিল। श्रीका द्वीत वहेरण, कृष्टे ज्ञानारेणते नवकांकी Verila chest রক্ষা করিত। ভিন প্রভাত মাদারী মৃত্যু সহু করিয়া, এক প্রকার चाम्यास्त्र व्हारकाई खेळारमञ्ज व्यवश्र त्याठ-नीव ब्रेंडेका केंग्रेस क्लि। क्ले क्या, गेजिक्ट केंद्र शीकिक ७ देशता आमतां ७ द्वां क्य निरंतरात्त्र অভাতে, ফলোহার শেষীর মান্তর পরিধণিত ংইয়া পড়িতেছিলাম। ভাষাকের কার্প্রেন, हिक, देखिनिकात, अ महकादी ও निकासिम ৰাটি কুল'ন কংখলত ভাষাই ঠাওয়াইয়া माकित्यमा क का लेका लेकात्वर क' तम अवि-के वि वहा वस्के जारह, क स्कृत्वे हैं क्यों है किन ना

নাপাদের বিষয়টা নিজাপুরে নিজাদের মালরে ইয়া বেং, পাচে নাই, কারিও নেখানে লোরাকেরাটা ই বসা বাজীর সাহারেই সমাধা ইইলাইল ক্ষিত্ত ন্যান্তরে কার্কার্থনের পারতে ক্ষমি জালে, কি ন্যান্তরে ইংবাল, কি গালি, কি জালানী, কি ইনিয়া, কি জালানী, কি গালারী কি বোলাইজন নাইকের ক্ষমিনতেই কেবকালেরাক স্কর্মিক নাক্ষা নৈক্ষটা কনসমাকৃত রাজনবৈত্ত মাঝখানেই উলল হইয়া দেখা দিল ৯ এই অভ্যাতার কলটাও করেক ছানের আমর অভার্থনা ও কথাবার্ডায় বেল স্থাপ্টই অভ্যুক্ত ছইক;—

—আমার-মুরস্ত বিশুক ইংরাজি বুলিতে क्क कृतिन मा। आत्मामक मिन मा। मड-সহচর আমাদের মেটিটিকা বেগনের বডবাব (বোদজা মশাই) বেওকুল প্রতিয়া কিরিলেন; वांखविक त्म अनेन्द्रलंब दमर्भ, आध्मयका विक পরা, সার্ট গান্ধ, মাখা খোলা মান্ত্রণের, কোন कनतरे र अबा मखुद नव : সেটা ১ আব কলিকাতাৰ **কষ্ট্ৰ**ম হাউদ বা "ভেটি" নয়। গতাল্য ও ছিলনা নব সন্ত্ৰমটা অভান্ত জানিমাৰ क्टम कविया, इस्कर (मशा चंडम कवित र क्टेंग। কিন্তু আমাদের মধ্যে বাঁছার সামাল মাত্রও আত্মসন্মান বোধটা সচেতন ছিল, ত্ৰীহাকেই দাবা পদটা অসাক্ষ্যেই মবিতে ভইয়াছে। এই 'নাডেভোলার' মত প্রে প্রে পুরিতে,প্রে পরে न्यकारताम उडेमार्ड

গ্রমন অবস্থার লগন বাবুদের Peak-trace

গ প্রিয়া, হংকং প্রাংশিক শিব্রদেশ প্রেলিবার

সথ চাপিল, পথন নোস্থাকে বলিলার —এব
প্রপারও ক্রিট্ট লাবার প্রস্তান কর্মান্তর্য করিছার —এব
প্রপারও ক্রিট্ট লাবার প্রস্তান করিছার —এব
প্রিয়ার প্রাণ্ডির লাবার প্রস্তান করিছার

করিন বলিলার—শাসিক করিল, সকল ক্রান্তর্য

করিক ক্রেম প—আব ঘটেনা করে, সকল ক্রান্তর্য

করিক ক্রেম প—আব ঘটেনা করে। সকলে ক্রান্তর্য

করিক ক্রেম প্রান্তর্য

করিক ক্রেম । মন্ত্র্মনার-ভারা চিক্রিনিই

ক্রেমিক মান্ত্র্য, ত্রের দক্ষে ও ক্রেম প্রিয়া

বাড়েবার ইনিয়াহিকেন, হারাটেও লক্ষাই।
বাড়েবাড়ে কর্ম ক্রিরাটিন, হিনি মন্ত্রীকভাবে
চুপ করিবাই ইনিকেন,—এনটি লক্ষার ক্রিলোজনটা
না। ব্রিলোম Peak দেখিবার ক্রেলোজনটা
গরিত্যাপ করিতে পারিতেছেন না। তালারা
টামে উঠিবোন, আমি নিমন্তানিকিট নদীব
লগরা নীচ প্রামনিকাম। ইইনেট ক্রেড এমন
মান ক্রিনেন না যে, মানার আন্দর্শনার্শনিকা
স্পাপেকা উর্ল কর্মা হিনিয়ালন সভ্যানি
প্রামিত আমার প্রবিশ্বনিকাশ সভ্যানি
বাধা বির্লোজনিক।

যাতা হউক, নানা চিকা নাইবা এই कितिनाम ।" (मर्च कितिनाहिका - अपनेति के (कार्याहिक व्हेबा भिन्। जिन्हाम, जिन्ह नाहे बाह्य एसत क्रिके नाकि नम्छ भारत, क्रिकेम्भानशास्त्रकः কাশীন ও রেশমী বস্তু বোগাইত: এবং সওদা গবেরা নাকি ভার্মা গোদরে ও সাজাতে লইও 😢 াবে এট বড় বস্থান্ত-দেশের বাসিন্দাদের পরিষ্টি ्युयोग अमन (कन १ वि) यपि विकास करें প্রতি অনাম্ভাকনির ত্যাগের নিদর্শন হয়,—" কথানা বেশ পাকা ৰক্ষম শোনায়, ক্লাভিস্থপকর ९ गाउँ, जांबाटक कावरतर्व गांकक समाप्त शारक । क क निएकत छोडफिय गाहिए रमें के कि, नतीक দক্ষান ও সামপ্তক বক্ষা কবিতে সমর্থ খুইও ारक सुर्थत इंहे । तहन्य आभागत वेंग्री —"ध्यताम (पेश्रेट थाव ना" 'शर्रे तार्क द्वाच रद का भागमर क्ला क्लीका क्ली मुझाका। थार - लाबारम् अंदरम् ८काम्प्रेश और केंद्र না, স্তরাং এ প্রসান্তটা প্রামাই ভাল 🗗 সাসল কথা বাস্তব দৈয়া ও শনিনভাটা তখনও পরের माटक अवर क्रामाक महत्त्व जाटक शका निर्वे क्रिका कि

লা কৰা নিৰ্দান কৰিব_ে বলিহনি প न्युवाना अने सहित्स कर सावित्रक लिनि सो 's रमकडाहे ट्यारनका । » প্রক্রিক্তরের ভাষার ব্যক্ত বাজা। অধন সম্ভব বলসুদ, এখন ভোষের কম তোরা করবি।" মুদ্র ক্রিমার ৩ থাকা দরকার কারণ डालाटक शक्ति। त्न त्काबील शास्त्र नारे ना वाकिर क्रियास्त्र मा । क्रिक क्रिकायर विका ক্ষেত্র ক্লোন ক্লাভ বলিল না তুল হে লগোহেছ প্রাইমারি ক্লাসেরি ও যোগা নয়, কি করে যে मरबा अक्टी कि बिनिड किलिन, ठाराव कर (व अक्की नुषक जात्माक्तांत नवकात, नाश লাহার প্রাথান হোকে নাই। । তীমানে বাধা । প্রনোপন নিয়ে এসেচে ভার কি । অফিসে क्षिकिएं। येड त्यक मामाद गाय कान्योदर

विकास कर किया स्थानिया क्यानिया क्यानिया क्षेत्रक देन्स पूर्ण वर्षे स्था स भारतक रचनिकार मारे कार्रिक

He will william and makes "

्राच्या प्रकार का अवस्था का महकाता। প্ৰাৰ্থ কি বাৰ কৰিব সানিয়া, য'। নেজবৌ, তুই 'ছ বি এড ছিল বিছু

नुवादिक्या द्वारे द्वार चुरुगिका, "आप्ति ब्रांत कि बनावी अक्त्रित. ग्र কুলাভন কি বানকিয়া ও নক্ষৰ ভাগাটা মলেই আমি বাচি কেবল হাড় জালাতেই হো ধর তবা 🗗 🧓

"কি জানি বাসু, জোদের মতলব-উতলর ব্ৰৰ জাটি কৰ্মীকাৰ আঁৰ এক্ষাস আহি বুৰি না আৰু বুছিচ্চই বা আনে তাই

> "আমাকৈ কিন্তু ছুয়ো না, পিসিমা। এখানকার ষ্টেটকুলে তো পাঠিরেছিলুন, তা পাধাপিঠে কি ৰোডা করণত পারা যায় গ ७ थार्ड मिल्न भवांच देशक डिशाना, नीष्टीतता कुबार करें भारत मा-तिरम-रकार भारत भारत একটা চাপরাশির জায়গা থালি হচেচ, চুকিরে लाबाना रव-नित्वत्र (शहेको कारना देकरम **ठानित्व (मार्व !"**

হারিয়া পিরিমা কছিলেন, "কিন্তু ইঞি ৰাই কিছু ৰাত হুইবা কহিলেন; নিৰান্তের ভাই বাতে চাপবালি না হয়, সে চেইটিভি ভো কর। দরকার ? क अवस्तिक करने के मा निर्मिया, जाद एका चाहरक असूत्रानि बाउ विरक्

े विश्व पात मि अनाप

"किक पूरेश नान आक प्रकट्टे बेठ छना क्रिक्- स्वाद्वारमङ् रक्षाम् इंडरन, क्रिक कि अत अकट्टे प्रकृ सा मा "

"भागाव चात क्यू-रूक् त्नहें शक्त वि, गादक अथवान स्मात क्रिक्ट छात्र थार हुकू किरात 🏞 नरेरण कि व्यन आनात सामार যার !" বলিয়া তিনি একটু বেন সকল कारथरे मिश्रान रहेरक छेडिया कारणन।

"ক্তি।"

क्षि मा के

''আমি বালা, ভূহ একখানা তোর সভরকে তিঠি শেখ, তিনি এলে, এখান থেকে ভোকে निष्मत काट्य नित्र यान्।"

निम कार्नामन थाहि, कार्नामन तारे —তোর ছ-বর বজার খাকা উচিত।"

"আদি যাব না।"

ৰতহাগাটা গেন কোথার <u>দু মানকিরা বন্ধি লৈখিব, পাবে কেকু ভইয়া</u> ও মানকিয়া ।"

বলিতে বলিং তিনি মানকিধার ঘরের मन्द्रवं विका एमिएलन, अक्रमा कि विकासक 👺 ना वार्क्ः সাদাৰ চাৰিয়া দিয়া শে উঠিয়া আসিল 🗗

"হতভাগাৰ বে পেশ বে পূ

अधिकरेके सार्वया निक्क स्कन्यत्व ता करिया F SING STREET, COLUMN 1. IN MICHES ... LAN O.

Charles An Ballet Mit MA IN THE !"

Talla di all all I

ু নৰ্মের ভারার হাতহুইটা ক্রেমিন্স দিয়া কাত্যা বৰী পৰে চুকিয়া বিচাৰার ভিতৰ বাহতে টাৰিতে টানিতে ভাৰাকে বাছিবে আনিকেন া গৰা र्यावया भाग ब्रिट निर्देश आहे। महिला निर्देश करिएनन, "रामा अक्रो मार्स, नाम रामाना ।"

बार्नाकता केर्निएक बहिना एकता ।

शास्त्र अश्वना हुन शिक्षक अधिक अस्त्र चत्रक किकामा करिया, "पान पानाद दश्रामाद क्राथम छारे हिन अस्य कि-

क्रिक्र विवयस्थात्वरं वाश्व विश्व प्राप्त क ina, "Te milis sia !" " a sy faces कर्वाठ। निरम क्वार्ण देश द्वारता स्थान के मी, २० लास अध्योत । या ने के स्वाकेश হিদেবের থাতা আর টাকাকড়ি কেনে বি प्राप्तन, जिन बाद क शहर के ग्राप्तन ने में

राजानां वारित करेंगा गार्टर पूरिक स्थार थमिक्का नाषाह्या हा अहिन (दन् श्रव।"

🎠 🔏 গভীৰ বাজে মানকিয়া স্মানের ক্রিছে কিনের "ওবে মর। তোর যা পুসি, তাই কর। ্রকটা, উর্জাপ সম্ভর, ক্রিয়া জাতী ः अन् सनीप निषान कानिया जाना के कि नाम कि চাপিনা ওইপুর কহিল, প্রকৃত্ত চুই আল

गाँ एक। उसन श्रामका मगवत्रमी जी-निषित्र माने वाकि नाकिएसकिए वनः *द्यारनवन* उर्व विकास करेंद्र अर्थेद्र वाक्सानंद साम

affect and team of

भिन्न व्यवस्था स्थानिक के संदर्भन के शास्त्र हैं। भिन्न भिन्न के किया के स्थानिक स्थानिक शिक्ष अन्य स्थानिक हैं। सुन्द हैं। भी

ि 'श्रूरापात स्तुत रकाम 'डेल्डा कविन ना।

ত আৰাৰ বিভিন্ন বাকী পাঠিছে দাও, তা-হলে ক্লাৰৰ নিৰ্ভিন্ন হও, আমিও ভাৰন হাতপা ভড়িছে বাঁচি।

প্ৰেৰ বিৰেপ্তিনা, আমান কোন আপত্তি

्रिकोष्ट क्षणां क्षणां क्षणां क्षणां व्यवस्था । त्वतः । व्यवकी क्षणां वर्षे (श्री नरें ।

কুৰিবৰ কি চুক্ত একটা প্ৰভাৱৰ দিবাল কৰু চৰক বুকুৰা উঠিকৈচিক কিও সাম্পাটন

ं के जाने बारनेंद्र बीकी के बाव ना.' खबारम डें बाकरवा में हैं ' ' ' ' '

^भेजरक (केलात केहन प्रे "कराव राष्ट्री (*

্ত্ৰ প্ৰকৃতি একটা বিশেষ কিছু মন্ত বড় কাক কৰু একমিনিটেই হতে পাৰে। আমাৰো তা কৰু আছ, কৰতেও পানি।"

তিয়াহৰেলৈ পাৰেৰ উপৰ নুচাইয়া পভিয়া শ্ৰেমা বৰিষ্টা উঠিল, "কেন বৰণৰ ক"

"কৃষি বললে কেন ?"

শ্ৰী বলাও কেন 🕶

PERMIT P

-

> ্ "কৃমিই তে। আমান্ত ৰাখায় তুগোছলে আন্তি ন কেচাৰা, আমি যে নিক্ষা, সে তে ভোমান্তি করে। এখন দায়ে খেৎলালেঞ্চ কাহি আরু কি করবো।"

> লে আৰু পাঁচবছরের কথা। কৈতৃকে ? বাস্তবিকই ৰড় ভালবাসিত। মাকেও সে চাড়িরা থাকিতে পারিত না। বিবাহাত্তে কুল नवान बाज नववध्य म श्रवह उभरान দিয়াছল। মাথ দেবা কি কবিয়া করিতে হটাব, ক্ষতুকে ভাছাব কি চক্ষে দেখিতে হইবে – দে অনেক কথা। भारते एक वर्मन वसम्। अवस्त्री দেওবাকে দে যখন ,থলাব সাখী করিয়া বসিল, মার কাছে কাছে দিবারাতি ছারার মত কাজে অকাভে থুরিতে লাগিল, সে তখন আঁতবিক্ত আক্লব নিয়া, প্ৰতিমৃত্যত অনাবশ্ৰক মৃতি বদ্লা हेंद्रा, श्राटक मकन रक्षम बहेर्ट किंद्र करिय कानिका निर्कर चक्करन मुक् कडिएक शियारक। भाम বুৰিতে গারে নাই, বাজিক একটা ভুচ্চ आगर्भ क्षाया क्षत्र भव्यत कड़ी ७५ **ब्लाबरे भरिनड क्टेस्टिकन।**

"আৰ্লি করেছিল্ম 🕈 বেশ, জুৰি ন্ম হলেই চ গরতে ।" Charles and seed that and one of the original conditions of the original conditions

"अरव वर्ष मा ८कन् १"

গন্তীরভাবে অক্সনা উদ্ধন দিশ, "তাই হতে কৰে।"

সংবৰৰ বাহিব হইবা গেল। মাৰ ঘনে তুকিয়া ভাকিশ, 'ভূষি নাকি মা আৰু সমন্ত দিনটা-কিছু পাঙলি গু

"পোড়া পেটের ক্রেন্সেই তো দ্রব তুলতে ইয়—ভাবচি না বেরে কমিন বার দেবি।"

মার শাসের কাছে, বিছালার ব্রিয়া, হাত বুলাইতে বুলাইতে হুরেশ জিজাসা করিল, "আমার উপরু রাগ করেচ মা !"

"আমার আবার কে আছে বে রাগ করবো p" ≱

"কেন আমি কি কেউ নই 🕫

"পেটের ছেলেমের আ্বার কে করে আপনার হয়েচে p"

কিসাবের থাতাটা ও টাকাওলো নার পারের কাছে ফেলিয়া দিগা স্বরেশ কহিল, "তোমার কটি পারে পড়ি মা, স্বার কখনো এমন করবো না। কেতুকে আমি কাল-ই ভণ্ডি করবার বন্দোবস্ত করচি। ওঠ, খাবে চল। শতি, মাকে খাওয়া তো।"

বৌদিদির দর ইইডে বাহির হইরা আদিরা ব্যক্তিকা কৰিল, "তখন থেকে তোমাতে বলচি, বাবে না তো আমি কি করবো !"

'আয় এই থাতাথানা আৰু টাকা**ঞ্চনা** মাৰ আৰু সুলে বাৰ্।'

কাতাৰনী বিজ্ঞান। করিবন, "কেছ বিজ্ঞান Party Processor Source of All-Party Processor Annual Control

"OPER PUR!"

ক্ষেত্ৰ মানাইয়া যা পাজ্জা ছে বিনিক্ষা। নে তাড়াজাড়ি থাওৱা প্ৰে কুরিয়া মানাকিয়ার কাছে ক্ষতি বাইয়ার ক্ষা কিছু বাও ছিল। কাছে ক্ষেত্ৰটো ক্ষানাই কেবিয়া কাছিয়া উঠিলেন, "ঠাই কবে বে এক পেলাল অলু ফিতে ক্ষা তাও কি কাকর পোড়া চোমে কৈকেছি। একটা লোক না খেলে মরচে, আর সকলে খেলে-দেলে নিশ্চিম্ন হলে বুমুলেই হোলো।"

ক্ষেত্র কহিল, "আমার খেতে বসে তেই। পার না।"

"তা পাৰে কেন ? ইডজাসা হরে জয়োচ বে টে

গোণেৰসকে ছাড়াইয়া আসিবা^{ত বি}নিমা কহিলেন, "কি হয়েচে কেজৰোঁ সু

শিবি হয়েছে । ইয়া । বৈতে যদিরে এক কোঁটা কল কোনাৰ পান্তি না।

"वामि भिक्ति।"

সন্ধকারে হাতড়াইরা একরার ক্ল স্থানির ক্লেকুর পাতের সাম্নে পিসিমা ধরিবার বিজেন ব

ক্ষেত্ৰণ লইয়া এক চুম্ব প্ৰতিমানীক্ষি তাহার মুখে কি একটা গড়ের মতন ১৯ কিল ক্ৰেকিল। মুলিল, "একবার আন্তেট গুরোনা মা, জলে কি রয়েটে।"

মালোর কাছে গাতটা উল্লেখ্য করিছেই সে দেখিল একটা কি মরা গোকা- প্রচান ভট ভট করিডেটে। কন্ততে জনক বিনে জ্বাচন কলেনা ইইটেডিক

n negetal differ ble being

ক্ষিত্র ক্ষণানার ব্যবানার আজি চাহিরাট ক্ষেত্র কে অক্ষারে কিছুই বাদ হর নাই দেখালো নেন প্রক্র নারবে ধার্মা গোল। ক বিল "আমি তো জল একটুও গাটান মা।" রাজগায়ীর দিলে ক্যায়চাকে একবার চাহিনা ক্রতায়নী কাংগেদ, "এ ক্ষার দেবেও দিতে নেই জলটার কি মরণবাচন মাডে, জাহুরবি কু

্রাজে আর কা সাহনাকে কেঃ খাওয়াইং : মারণ না ।

"বাবুরা চল্—তোতে কানাতে কোথাও চলে ঘট। সেখানে মা-বাাচার - । থাকবো, আমি ভিক্তে করে এনে তেকে পড়াবো।"

"ना, मार्शक्या।"

"তবে শীগ্ৰির শীগ্ৰির মানুষ হয়ে নে না মানুলা ।"

"তाई करवा।"

"टाब नवटाव करक हा नवचात, वामि मारेरनक मेका क्टिक नव करना कुर १५० नावमा ।"

(२

শ্রনারে ভলনেকের ধারে চনাক্ষেত্র উর শ্রনার ক্ষেত্র ব্রিয়া বেড়াইলেছিল, ১১।২ কর্মান কারার হাত পাড়িত ১.০৭ চমকিয়া চারিরা দেশিল। শীপ্রতাপকলেকের প্রক্রেসার মন্তার বিবৃতিক্ষণ গাহিদ্ধী। কেতৃ ব্রিতে পার্যাল না, এমন মেংশান তাহার প্রাণা কিরা।

াৰিটাৰাৰ কহিলেন, "তোমাও নাম ক্ষাৰ্থ নৈতা, না ?" কেন্তু চৰু তাহার ক্ষাৰাৰ ক্ষাৰ্থ ক্ষাৰ্থ নিবছ কৰিল। ত্ৰি হ'লব্যাৰ্থ প্ৰতি আতি কাৰ্ বৃত্তা—হোমাৰ ভাইও তেনিবাৰ সংল পড়ে । ই তেনিব পড়া তেনিব লা না— মাজা ছামো, ও যে বাংলা দেখাল পাছে, না না হোসা, আমার সংক এগো। শ বলিয়াই তিনি কেন্দ্ৰ হা হবানা পবিশ্বা লোকালেন।

ক্ষেত্ৰ মন্ত্ৰিক মতু জীহার সংক্ষ সংক্ষ চিলিল। বাড়া পৌছিলা কাশ্মীরী প্রাহ্মণ নাক কোলকে বৈচকথানা খাল্যা দিতে নাসমা-ক্ষেত্ৰ দিকে ফিলিলা কহিলেন, ''লোমো। নাল, দো পেরালা চা— মাজর কুছ বিসক্ত এতা কল্যাদ কালে গো। আগো, এবালে ব্যন্ত কাল্যান কালে গো। আগালা মুন্ন হত্য না। বাতাতে কাউকে বলবার দরকার নেহ, পুনি বা স্থাব্যে বোধ কর্যার জ্যাদ বলে নাবা। জানবে মানে তোনারি মুল, ত্রমন দু মানুনা একবার এলিকে একাত্য তোমা।

নশ্বংখ্যান এবড়ি নারে বছরের মেরে

শাসিরা তিক গাবাংশরেই মত বিজ্ নিমা চকু
লব্মা উলেও চেহারের হাতাটার উপর হাত
সাপিয়া দাড়াইল। লাহিডীবার তান। প্রই
লাঘি প্রচিত বেণীর লার্ডু বনিয়া কাইপেন,
শাম এই লোমার ফেতুদা। নেথে। গেল মানি
সাল কোনো সময় ধাড়ী না পানি, তোমার
দাদার কছু বন্ধ না হল এই যে লাবা, লুকি
কি ম্বা উত্তর কিছু ছালো লোফ দেখাছা। নাপ্র
গাবাংশা চা কোরে নান্ধে দেখাছা লিক্সারা
ভিশ্যার ইপ্র আব্যাহর অমু।"

पाया, एवं विशक्त तकन मानाव काम ।

আনালেক ওপরে বা নিজের হাতে নীর-নোহন, আঘনন্দেশ, থাজা তিওরী কোনোচন, আমি আনচি। মানেও জেকে আনি।"

শ্বিশে না বাও তোলেৰ তে এখন কৰ্বত ৰ দিন না! আমি তো একটা নিদ্ধা বাড়া, গুল শ্বিটিশিট কর্মেট জানি ব

ক্ষেত্র কাতের কাছে প্রাক্তিতিন পরিষ্টা দিলে দে একটি ইত্ততেঃ কবিল লাগিল: মা বলিবা উঠিলেন, "মান্স বাল' ভারব কোলে ভূমি, লক্ষা ক্রণে তথাত ক"

বড কাঠে অৰু চাপিংগ যে কছিল নিৰ্মা জন্ম তেওঁ কৰিনি দ্

কোনোরৰ আনিধানতে, কাঁচেৰ জামাবা দিয়া দেখিতে পাইগা চুটিয়া আলিয়া অমজা ভাষার হাত্রধানত।

শিলাৰ, বাবা খাল আপনাত কাল একটা বড মজাব জিনিম কোনে সংখ্যান দেশবের কালন ।

নাধ নৃতিখা কেছে ৫ পিল ব এক বিলাও নাপের ৷ একটি পরিসাধ সাক্ষাক আক নারীতে ক এককালি টুল চলে ক- কোন এক-খুনি টোকিল, ফুটা নিবলাত কাল, টোনিজের এক পালে একটি বিভিন্নতে অস্থানকে কলমধান, কাঁচের দোনাত, কলমাপ্রিকণ !

"এ সর কোন 🕍

"আসমার। ফুল পোন আবার সোজা বই-টই বরে আন্তঃ বড় এই হব লাই বাল "শ এনে রোগছেন—'আশনি বিকেশে সেড়াতে বেড়াতে অন্তঃ বাজেন। পাঞ্জা আকুন।" আবার সে তারীর বাজনিক।

मा चानिया कहिएक, "चाना अप्राट,

েট খনা, **গাড়র্ম ছুখ, ১) মার্ট্যেন্দ**টার ট্রায় নিবে বেরাটেচ**়**

ंगः, वासीव वत्र मानारण समाद्री व

তা নেয়ান্তে পাগনী, দেখাস্ এইনার এলো একট জিকব্। ।

"না, দাদা বাড়ী খেকে তো আস্টে, দেখাদা বই হাতে নেই, খনেক জিরিয়েডে—না দানা তুমি জিবোও নি প

"দৃশ বোক। মোর । না বাবা, পুরী বেংসো—বা, একথানী পাথা নিম্ন আর।"

কেন্ত্ৰ হাতথাকা খীচে ধাৰে **ছাডিৱা দিয়া** অন্তাপেক বিভাগ কোনা।

মা কহিলেন, 'কিবে পাথা আনাত কি বুড়ো হয়ে গোলি দু^ক

পৰ্কার আভাল চইন গ্রা**প্**যাদ আসিল, গুলাও আমি স্থানৰ না, যাও !

্নাও বালা, পাগত কোপেছে—কি দেখাতে, কুখাগা বিশ্ব মাধার আলে ভুঙ্গু মথে চলে গেও ল কেন, গবণ ধৈন পাত!

হতল লগে ভূকিয়া গ্ৰহ্মতে না ক্রিয়া কৈন হচে ্যাবল। কহিল চি ন দ্বানা, মা বভ হণ্ট নালা হড় ভালো।

হাসিয়া শা কচিলেন, "বিরে রুষ্টেইটি করে এবে, ভেনে পাগনে (* ুন্ধু ুটুইটি

একখানা পাৰা বিষয়া অমান ক্ষেত্ৰ বাংলাদ করিতেতে দেখিয়া মা কমিনে, "বিছে, আৰু যে বড় গছ হচে গুঁ

হায় কোন উদ্ভৱ কৰিছ। না । হাজ বীছু কৰিয়া সে বাৰ্ডাস কৰিছে স্থাসিল। "কাৰো তো যাছা, এ নোনন কি বাৰে। এক ইতেই যাগ, এক ইতেই শভিয়াৰ।" কেন্দু মুখ কুৰিয়

रंगर, "ब्राफ राना, चानि अच्छे गुर्जिक्स, च चार्रा, चानि अहे ब्रुटा नित हतून !" WHEN AL WITH MAY WAS CHOOK! " YOUR !!

क्षिक्रों स्थीर्व निवान, क्षिता अकर् निक्री करिएमन, "याहा अ स्वरत्व कि कार बाह्यादको ? क्यांक चारत कांग यसन खु च ७४ वत क्षा । इरव, खावन व अक है वायहां करना ना १ ুঁশালিড়ীবাৰু শানিবা কছিলেন, "কি সো, व्यवस्थान कि राजा ?"

विकास जिति हुत करते यम अवधान गुर्के द्रगरग्रहन, जामात्र

ৰাজাকে আৰু টু জালা চনটা কম

शिष्यु । यात्र 'खानन क्रांतिक ।

हिन

्रियारि गारमगोत्तीला **श्रम** स्वरूप अविकार में शामना वर्षिक ने वर्षिक के प्रतिक कर के प्रतिक कर के प्रतिक कर

" Meridian Miles ace africa coffini क्षिण नामकि बान की व्यक्तिक अधिक अभी विकास अधिक , "किरत, वादाक दि ,

> "बारमाना मा, त्यात्र माना वर्षि ठवूछ, वादब 🏲

"(करत् १"

"बे नांधा, जावात दक ?"

যরে প্রবেশ করিয়া দেখিলেন, ক্ষেত্র তথনঙ शमिरछह। अभग कहिन, "बरमाना मा बाक्टल-अवाद त्कंपन ? मात्र कंबा ८०। **उनारक कार्य** !**

"ठा मा, कि करत विन, वाहारक (टा জাবার এই পথ ৪২টে সন্ধোর আগে বাড়া त्नीकृत्क इत्य ।"

ভূতোলোড়াটা ধীরে ধীরে ক্লেডুর পায়ের কাতে রাখিয়া বিশ্বা অমলা চলিয়া গেল। কেতৃ একটা নিয়াস কেলিয়া হাসিরা কহিল, "অ'সি **ड**ंग्व भा "

" 5 P ...

वाध्यात्मरम विकास एनित । क्रिका क क्रामार ना कृ विदेशन, "टक्क द्रान देखा वे.!"

, केन्द्रेतक, निमानाकान्यान शक्तिक । क्षरियुक्त art effen mies

ेंगा नगरून विश्वहरू ''ओ देश निन्दर्श'' 'डॉब्रॉनवार क्षेत्रनगर्द्ह दंश केंद्र वड

"63 40 (40 - 510 - 110 -

"দে কি করৈ ?"

"দেও পড়ে।"

কিছুকণ নীরবে কাটিব :

"বাছার পড়ার খুব মন।"

'হা, মাথাও বেশ।"
"আহা আশিকাদ কবি বেন ভাল হয়।"
"ব্য ভাল কাৰহ পাশ হাৰ।"
"বাড়ীতে কি কেউ ওকে দেখে না ?"
"বাধ হয়।"

"কেন এত লোক আছে তাব৷ বি কৰে?"

' চা তে ।জানিনা।'
আবার কিছু সময় কাটিল।
"ওরা মৈত্র না ?"
"ছাঁ।''
"এবে তো বেশ হয়।'
লাভিতী বার চাহিয়া দেখিব

্ৰাহিড়ী বাবু চাহিয়া দেখিলেন। , "কি বৰ্ণচো ?"

"়ু <mark>এবার প্রভা</mark>ষায় তালাচনা ক**হিনেন, ''না.** বসচি---অর্থ সঙ্গে বিয়ে দিলে কর্ম লা ?"

বিক্ষাস্ত্রনেত্রে গহিতীবার করিবলন, "কার লক্ষে কি হয় না বলচ পূর্ণ

্তেৰ, কেন্দুৰ সাজে অন্য বিৰয়।" এইবানা, টেবিকের উপত বাশিয়া দিব। মাজসানার কান্ত্ৰেন, "কি করে বার কানি

নেৰে প্ৰজ্ঞান কি আৰু ক্ৰিক কৰা এনেছিলৰ কাৰ আৰু কৰাৰ কৰা বৃধি এনেকা ক্ৰেন্ত্ৰীন কিছু ক্ৰিক কি ভাৰত ৰোকে কি বৰ্ষৰ কিন্তু গানু বাইবা আৰাৰ চিনি পজিতে বিকা গোনাৰ

ক্লোচনা কহিলেন, তেবে কৰি কিছে ওবে কমন ভাবে মিলতে লাও কেম । কিছ "বোৰ হন, মাছে টোগ্ল সিলবে বাৰে!" "বাগের কথা এ ত কিছু নেই কিছু এইটা ভাল নয়।"

বইখানা আবার টেবিলের উপর বার্কিটা নিয়া লাহিড়ীবার কহিলেন, "ছাখোঁ" এত নীর্চ মন বেখোনা। কেন, তাতে কি হরেচে দুঁ

'এতে নীচ মন কিলেয়া দেখনে ? তুমি প্রকাম নারুষ, মেরেমান্বের কি ব্রবে ? মেরের এক একটা দিন কাউচে, আব হাজুগোড় সব বুকের মধ্যে সেধিয়ে বাচেচ, সে থবর রাখে। কি ? বড় হচেচ তা জানো ?"

"জানি হৈব ক্লি। বিহেম দিলে তিন ছেলে। মাও হোতো !''

"বাৰু, নাৰ কিছু বলবে। না, নাৰুমানি হয়েছে। তোমার ছাগল, তুমি লেকে দিকে কেটো।" বলিয়াই তিনি রারাম্বর চলিয়া গেলেন।

"এই বে, এসো বোলো। নিখ, ৰলধারার কানো ভো ভে।"

নাথ একখানি রেকাবিজে । কছু নিষ্ট ও কৃষ্ আনিয়া কেত্র সন্মুদ্ধে বাঁইয়া দিল। ক্ষমণ্ড আসিল না

गाविकीयात् कविस्तान, "Colaid (क्यार्टाकी

এবনি বালে বেওকানি গ্রেক্ট ক্রিক্টের পান তো কর্মান্ত ক্রেট্ডেরের পানের। রাখ্ট ব্যাভাতে হাল, ই টাক্সব্যানন ক্রিক্টেশন, গ্রামানে প্রেডিড, ক্রেট্ডেরের হালা, চারপ্র মান্ত পর্যা ক্রেট্ডেরের মান্ত ক্রিছ প্রান্ত প্র

प्रकृष्ट हाथ विक्रिक सामाना रिटनिकास १" "ही त्योक अल्पिक।"

ু শ্রেম, বেশু, বেশ। সে অন্ধটা কসতে শ্রেমিকারে

বেশেলে তেনা! আদি তেন বনাবব তেনাকে বলে আদি কোনে-চন্তালা আইত: আ হাতেও উটিম্স পড়াব। যতকৰ লা তাৰ প্ৰত্যেক শাৰুব মানে ডেফিনিটলি বুৰতে পাৰো, প্ৰোসিড কবাব না। অনালস প্ৰত অন্টিল ছাট্স্ ডন, তুমি কোনো বিষয়ই শিক্তৰ হাতে পাৰো না। আন নিষ্টিব হচ্চে মাণে, কিবিট আন মনে রাখবার মন্ আৰ কিছু নেই, ইট্ উটল নেভার ফেল ইউ আছা, শিবাকীয় কীব্নটা মাাপের সলে

মানচিত্রের সাভাবো চরত গাববলা চলি কছে,
বিশি চল কর্ত্রর জনিয়াই ক্লোচনা আদির।
ক্রেমা স্থানীত ক্রেমার উঠিয়া গিয়া
ক্রেমার বিশাস রামার ক্রেমার ক্রেমার করি।
ক্রেমার বাবা, আমি
ক্রিমার প্রশাসী वाद कोवरना की, स्थादका मध्य त्याप

বৰন অসমই কেউ ব্যক্তির হাছ, কিছ প্রান্ত কালে না। গোলিকীবার্থ প্রান্ত ব্যক্তিকার কোল কথাই ব্যক্তিনা, অফ্লোচনার

ক্রের বৃত্তথানা কে বেন থাকিবা থাকিবা। ক্রিরা থাই ক্রেন্স। নে বৈধানে, সেই খানেই কি অমসক ৮ ক তক্তভা বট লট্যা নে মানকিবাৰ ব্যব পড়িন বসিয়া সেল। সেদিন স্থানে ছটি।

নির্বাস কেলির। মানকিয়া বলিল, "আমি বনি লেখা গড়া জানতম বাবয়া।"

" में राम कि राम १"

''আনি সমস্থ পড়াই নোব বাল দিতে পাৰ্ত্ম '"

স্তদ্ব অতী েব একটা কথা খবল করিতে কবিতে স অক্সমন কহিল, 'হাঁ লালকথা মনন পাড়াচ বাব্যা" ভাড়াভাডি তাহাব জীর্ণ টাঙ্কটা খুলিয়া অনেক হাতডাইয়া একটা মোড়ক বাহির কবিয়া আনিল।

"আমাব ব্লেটনাব। এক সন্নাসী আমার এইটে দিবে বলেছিল, ভোর ভারে পরাস, ভাব সব কাঞ্চ দক্ষণ হবে। এটা সিদ্ধি কবচ— বাবুরা পর ।

বলেটনা তাব ছেলে। বাড়ীর ছেলের মতন তাহাকে কেল্লব্রারের শিতা মাজৰ লবিভেছিলেন একৌন পাল করিবা নে বখন করিছ জালানার মারা মার, কাত্যাবনী ও তাহার খাবী ক্রেন্ট্র লইবা জিলা লোকসকটো নেই নিশ্বানী আক্রনীর কোলে তাহাকে ক্রেন্সিলা দেব। নে তথ্ন তিন বছরের বিশ্ব। লোকক লগে ভানিবাছিন, বালবিলার মুখলালে ক্রেন্ট্র। নে ক্রেন্ট্র ्रिक क्रम्मा । स्त्रिक क्रम्मा केल्क्ट्रिक ह्रा के सा क्रिक इत (क्ष्मा क्रम्मा क्रमा । पूर्व क्रमात्र कार ह्रास्थ ह्रास्क्र

এখন ওবৰ বাহিন্তা জাত্যান্তা জাত্যা কালেন প্ৰে বে, মান্তিকাল এখানে মন্ত্ৰা বান বলেবে । অনুষ্ঠা কাৰ্কার কালে এই পড়া আৰু ছেলে, এক বাকে সমাস্ত্র চল্টা চাপড়টা আইকে যাডে, কাল আৰু লাভ বই বানে পড়া জিজেন করা এও ছালাচানা। প্রা জাত্য আনার মান কাল্যান জি ইত্যাগান মান ইজ্ঞাত কিনের । এখানে জোন বেনে বান নাগ্যিব, বা বাহিচ, প্রবাধ কাল্য পড়া জিজেন করে নিগে যা

প্রিয়া কহিলেন, ''আগু ও গথন কর-ই কিলে মুরো, তথন তুই-ই ক্লেন টেড্ডেট্নে আলু লগ্ন লগ্ন

্ "মত ভাকাডা কর্ম কর্ম সংগ্রামান নেই—গোপীর মত টাই জ্যাজ্য করেও তো বেতে পারে। আজা আইটে কড।"

পিনিমা হাহার : পাহাজের স্থানিত হাত বুলাইতে বুলাইতে ক সংগ্রাস ক্ষী ক্ষা আমান বা ্টির তেঃ ডাকচে :

তঠাৎ কা গায়নী াজাৰ বিভিন্ন প্ৰিয়া ভিড্ডিড করিয়া টা ১২ টানিটে ভুলেবরের মরের মধ্যে প্রিয়া নিল ক্ষিণ্ডেন, '১২ ভাল জ্বার কেউন্নয়, ঠাকুম্বিভ্-শ্যবাহীন্ত কেলে কিনা আৰা '

্ৰ এক কাৰ্য্য কৰিব না কোৱা কেন্তু কোন উত্তৰ দিকানা "এক কৰা আনো বাছিল সংগ্ৰেক কিন্তু প' কেন্তু বছাই নিক্ত fe areins com f.

প্রের্থন হোচাকে জাগ প্রথা টানিবটা আনিবাদীক ক্যাত্যা গাগিল ১

एक्ट कि गण गांक, बिका कर्ता

ক্ৰেড় তথনত কৰিবানা হাতে কৰা ছব। কৰিয়া দাভাইয়া।

এক চড় মারিয়া ভারতে বিষ্ণা স্থানীয়া দিয়া প্ররেশ্ব করিল, 'আমি কি ডোমার তক্ষের চাকর পূ

দৈনিক আহার বাশোরতা কোন প্রকারে
সারিয়া লইমা নিনীথ রাত্রে বৈউক্তানা ঘরে
উপুর হইয়া-পাড়িয়া কেও তর্মল শিশুটির মাড
ক্লিয়া ক্লিয়া কলিতেছিল, মানবিয়া ভারার
ছাত ধরিয়া তুলিতে গোল। সে উঠিল না।
নাদভাজে তথ্ন প্রন সাধা ও আলীশ
চালতেছিল। হারেখা পুরুক পাঠে নিমার
অথবা প্রতিকাম উৎকর্ম

. 'मेरिन त्योमि, आण गाउँ मेनि शाप कराव।

"হাঁ লো হাঁ, মোহাগ তো কও ? **আ**র একটু গল হোক।"

"না, জ্বান গছ নগ—তোমার কি, জুৰি তো জ্বান্ত চল্লে।"

'আৰু শোয়ার পেড। কপাৰে।' ''নাও লো যাও, তুমি বড় মিধাৰ ।'' 'মিছে কথা কইছি কি সাঙা জীচি, এক বার চকুক এর বিবাদ ভঞ্জন করে আয় না

প্ৰশ্বিষ্ঠ জেলে আছেন। আছিল, ৰাছি বাথোঁ

নাই প্রতি লেকি একট সালি ধর্মচারত। কা চাই বালার পারের হেটোর করেনির তিলারে চোরে একবাট তেল নাইবা পোর্কাটি লিভেজিনের

ক্ষিক হালি হড়াইরা স্বেশন আদিরা
ক্ষিন, শিলিনা, আনাকেই গুরু হবো না লার।
ভোনাও ভণ্ডর ভাইপোলিকে যে আমিট কেবল
লোকনার দেখি — তা নয় — কলেভেব
কিশিপাল মিটার মূর কি লিখেচেন, এই ভাগো
নিজিল চিইখানা কে ভাহার পারের কাছে
কেলিলা কিল। চিইখানা খানিকটা ভলেব উপর
প্রিয়া গিরাছিল, পিলিয়া গ্রান্ডভাড়ি তুলিয়া
লাইলোম। আঁচলে মৃছিয়া স্বেলের হাতে
দিরা কহিলেন, "তা আমি আব বর কি বুরাব

कि स्टाट ?"

"হবে আবাব কি জন্ম বেতে হবে, তাই
হঠাৎ আফিলে মনে পড়াতে মিন্তাব মুবকে চিঠি
লিপ্তে আছে কি না ! এখান থেকে নিয়ে গেলে
জন্ম মূলে ভাউ করবে কিনা, আব এক লামিন
লিভে পারবে কিনা। পাতেব জবাবে লিখেচেন,
আগনার কেলভাইকে আমি কোনো মতে
ভাতবান, প্রা ফাই হবার মত ছেলে। তাকে
কি নিতারই নিয়ে রান, রেজিটার আমার
কিল বালাক, তাঁকে লিখে জন্ম তেই তার
কি কিনাই নিয়ে রান, রেজিটার আমার
কিল বালাক। তবে ছোটভাইটি, অর্থাৎ
কিল লিভে পারি। তবে ছোটভাইটি, অর্থাৎ
কিল কিনাক আমি কানাকানে নিয়ে বেতে
লিভা কিনাক কান্য আমি কানাকানে নিয়ে বেতে
লাকা কিনাকান কিনাকানে নিয়ে বেতে
লাকা কিনাকান কিনাকান কিনাকান কিনাকান

ক্ষাৰ কোন আনোৰ চক্ষাৰ প্ৰক্ৰেৰ আধান কৰেক ক্ষা গোৰুতো বাত সমুদ্ৰৰ । এখন গোৰুক কোৰাছু (* তা জে কানিনা

अवस्थान श्रीक पर आहिन स्वाय हर ।—" अवस्थान श्रीक पर शास्त्र नहेंद्रा निजना स्वीतिम पर बीठनी माना क्रीनिस होनिस्ट इंक्ट्रिन । इरतन कहिन, 'निज क्युट्डिन एउट बानाइ। ?"

"নৈ কোৰায় কানি না।"
"ঐ ৰহৈ—"
"আমি দেখলুম নেই।"
"তুই যানা একবার।"

"मिर वन्ति, उत्ध—"

লতিকা কেতৃকে ডাকিয়া মানিল। হাতে আহার ইতিহাস আর একখানা ভারতবর্ষের কাণ্ড মানচিত্র।

"কি হচেচ আপনার ৷ নিন্থিকিপাাল মশায় কি লিখেচেন, দেখুন ৷"

ক্ষেত্ মাপথানা মৃঙ্গিয়া পত্তাটি আছোপান্ত পড়িল, ব্যাপার কি ঠিক বেন তার বোধগমা হইল না।

"দেশচো কি ? যাও, বছর তিনেক যথন বোল-ই খেতে হবে, সাটিদিকেট নিয়ে এনে বাড়ী এনে আবর কাটো, পোকো তো হতে হবে! বছর-বছর -বিল্লা হাদে অতকভালো টাকা মাইনে ভালতে তো পারবো না— ভোলারত তাতে ভাল। অনেক খেটেচো, কিছু জিরেন তো চাইক

পিসিমা তাহাক্ত পাৰে বাশার হাত ব্লাইতে
বুলাইতে বলিগেন "আহা, ভাতে আর হরেছে।
কি ক্সরো ৮ ফেল্ হওয়ার চেয়ে পাকা হরে
ক্রেকেবারে ও কাই হরে মার করবে। সকলেই

ক্ষানিক ক্ষান্ত প্ৰত হ'ব বিশ্বনিক ক্ষানিক ক্ষ

"দে কাৰ এ কমে নয়। শেকীৰ জ্বেষ কৰ জন্ম জন্ম একটা মতুন ইউনিক্তিটি । উঠবে।

শ্মা, ভূমি খেয়ে-দেরে বে এটার ব[ি] দিয়ে এসে শুয়েচ কুশ

"বাকুনে থিলে পেলো, " ছ' 🛉 "ক্ষেত্ৰ যে এখানা খাব'ন শ

"मा ९, ज्ञांन मा ७।"

"আম জানিনা কোথা"।"

"ভুমি জাননা গোকে ।" ,"

"আমি ফেল ব ^{ল ই},ল ং কবিদ**ে।**"

"তবে কি জেড় ক সং ছ 'ঙা দিন করে থাকচে বালা গু"

"আমি বলবো বে দ দল ক্ষিত্র পরে বেখান থোক জিলা করে প্রেল্ডির। পুরতে জবে, সেখান জালা বিশ্বভিত্র। অভ্যেদকরক।"

"কি বাজে বকচে। ১ । শাক্ত কাছেব চিঠি দিয়েতে এটা কি হয়ে ১ ' , । ।

"হবে আবার কি এং ক্রান্ত হয় হোটেনা!"

"व्यक्ति दुवनी वकरः भाते तो आहित स्रोत साम नाम जिल्लाहरू পিনিৰা, আসিৱা কৰিবেৰ "কিংকেৰাৰাৰী কৰতো সেজবৌ, ভাৰি দাও মু

চাৰির গোছটা ছু জিয়া বাজুলনীর শারের উপবেচ কেলিয়া দিয়া কাত্যায়নী বাইকেন, এই নাও, গ্রেম মত সব গেলাওগে

"वांबाइ वारे।"

ক্ষেত্র থাইতে বসিলে তাহার সক্ষ হৈছে

'টিব গোছা সামত প্রাকাশ্ব থালালা ভিটারে
১ চাইবা দিয়া কহিলেন। "কালালা উ
শনানৰ ছাই গুলি কি কবে উলচে।"

"वावुद्रा, था।"

"লা l"

"এই আমার রয়েছে ভাষ্।"

'म।"

"তুহ না থেলে, আমাৰ মুখে ৰুচবে 🕍

''किएम ८ सके ।''

"ক্ষিক্ত কি **ধাকে ? । গ রাভ-উপোসি** শক্তে নেই।"

"না।"

"नचीनात्वा था।"

"ना।"

কাছে বনিদ্ধা গানে হাত বুধাইয়া মানবিদ্ধা ভিজ্ঞানা ক্রিল, "নে সম্প্রটা (প্রাণ ক্রোধান বাবুয়া ?"

" "MIEE !"

"करे, त्मथटं शास्त्रि ना 🕍 🐗 , और त्या

- बाध्हा, शाविना वाद्वा 🕈

아제 1

" চবে আমিও শুকিনে শানি ? হঠাৎ দেৱা কাৰে ক্ৰিকা গোটান এপদ

্রানবিয়া **উরি**য়া পড়িয়া বই প্রশাব উপর -में एगे कार्य सम्बद्ध भावित्न "

"महा उन्हि।"

ुर्म देखा ना ।"

"बांध, डांग शक ना, मानकिया।" 'কেন,' আনাকেই পেডাও না, क्रिके जान जात कि श्रव ?"

कार्यानाम्त्न, टाइ क नीर्ग्यत् ।"

"ক্ষেম, দক্ষে মরার চেরে একেবাবে নিকেশ क्रामर ८३१ रम् ।"

"चाद्धा ।"

- "ना क्रोफ़र्रवा मा, कि कराव, क्राना।" জ্বত কাটিওলো গাঁহার বেশিয়া দিয়া का आदमी (कड़्व वाल्थान) ध्वरा के व हो निया শ্টয়। মের্লন্। খুলালরে ভুকর। করিবেন, **'উপোৰ,'করে ৬ভে** লেছ এ বছণু কালামূৰে উৰ্নেশ ছাই কিছু হোক।"

"तोन मा कारना किनिय এक्ताउँ भूत्य ক্ষরটেন জ্বান্ত্রিম বিধের একবাব রলোনা ?"

শ্ৰাৰ কাদাৰ ব্যাপানি, আহাজের গববের मतकात कि छाउँ १"

প্রতি বার বৌদ। একধার গিয়ে ल्यू क दक्षामात कि अस्टि भ"

ু "ক্লাৰি প্ৰবাক মান্যের মেন্তা তনকলে কেউ क्षेत्र निकर्ग, त्रमूद्वा निकर्ग, का नाम क्रिया क्रियान कार्रित एक मामनाद्य १"

का तहा कामिना, उत्तव के के त्या कर देश वर बनाव। आगि किंद्र क्यानरे द्वीगीर क्ष मामादीकार्य रमजे क्रमान संक्र कानत करान আশাহ কু-মত্ত্বত ভাকতি, রাগ্রাল প্রকাশ হয়ে প্রতিষ্ঠা পাড়ল। বলিল, পতা বেশুবোর ওপর । পড়তে অন্তর্গত পুরকাব কি বাবা! চুপচাপ बारकान कान ? भागीरकडे मार्क ना। भारत महे, बक्शास १८५ महि कि जात cour মাতে কল্লা বা, তিনি ও স্থাধির কাবি-কানন ছেতে ৰেখানে সোয়ান্তি পাবেন বান।"

"ভোমাকে পারা দায় বৌদি!"

"वर्ती आ अग्रा माम् ।"

ুল্টাং মুখথান। গান্ধীব ক্রিয়া **ল**ঙি বলিল, "ভাৰ মাগেনা বাব।! বাই, আমিই দেখিলে।"

'বাগ করিস্নে ভাষ্ট, ভনে या।'

मिकिका माड़ावेद ना। मार्क व्यक्तियां কহিল, "আছা, গাবে না মা ?"

''কেন, কি হয়েচে কি ?''

্রার চেন্তে হবে নাবার কি । যুগল গেন, কাটা ছাণালের মত দিবাবাত্তির কাৎরাচিচ, কাঙালাৰ মত ধৰ নিয়ে পেটে পোরবাৰ জাত বাদে আছি---এর চেরে ভার স্থাকি আছে ।

"ওঠো, চলো।"

"আমি যাব না, কেন মি**ছিমিছি সম**য় বছ কর্মিস গুণ

''ভারতে মানিও মড়ে পেরক থাওয়া বন্ধ क्रवन्ग ।

'বৈধ, কলবে। তা' । আৰু আমান কি পূট 🔭 নাত ব কাবকট কুদকর্ছে অহুরূপ। কহিল, "আখা, বোল বাজ বাজীয় ব্যাস**ন্ত্ৰকণ ভাল**ু সালে না– যুল দুক্তে ভবেনা; যাও, আলে भित्र महिक भारेता अगा।".

'কেন, হঠাৎ পরোপকার 🕍

পিট্রালকীর তোমার মাথ। । রাষ্ট্রিত না ক্রিকেল সভ্য আছেন, আর তোষার করে। করে না বলৈওবলে নাক সর্বের তেল বিষে তাত ৮°

ত্ৰুল, জুৰিও তে বিছানা দোবত কুরছিল। দেশবুম।

'বিশ্ব কবছিল্ম, আমাব খুলি আমি ক্রার-ছিল্ম। জুলি বদি এইমাত্র না বাও, আমংকে আর পাবে মা।"

"কেন. প্তন ও মৃদ্ধি হবে নাকি হু" "ঠোটা করতে গজন করে নাঞ্জানক

তা হবে কেন, তোনারত উপস্থকত ত । । "

"বাঃ বেড়ে ! নাল কাছে নিরে এবকন

এক্তিনি একবাৰ দেশিয়ে এলে না কেন ৪ তি

হলে নাল্ছেলেটিন মন্ত্ৰপ্নি ৷ ১০ল পেতে

क्षणर रुध 👯

" ३६. এर इतरता छ ल्या मागाव नियन। -- " .

কিন্তু স্থাব বলা ১৯জ ন। বজ্ঞান বীভংসমূথে টেবিলের কোনটা ধরিম। বাসয়া গাড়িয়া সে ২৬দুব পাবিল হাৎক।ব কবিয়া কচিল, ''যাপে, আমাব সম্মন্ত গেকে যাও !'

"মা আজি দেশে কৰেচি, পাও।" "ধ্যান ।"

"আর কথনো কবনে, না, না ।"

ুভূমি কৰো বলে। কৰো, হাতে আফাৰ কি যায় আনে গ্ৰ

ত শীশুদিক আর এ বাজর জন্মাবেঁন। । ক্ষেত্র এইপানেই পড়বে। আমি ভাকে এক-জানিনে পাঠিকে দিতে লিখে দেবো, ভাঙ্কুলেই হোলো ?"

কাহমণা বড় কাজে বাস্ত।

ক্রিক্তিল, "আছে। বৌদি, ক্রেনান
আক্রেন কি বলো তো কৃ এই ভাগভাগ মনলা-

প্ৰাক্তিক অনেচ। নিভাৰ, কেজেখানুগকে কি সা ছড়িং

" टा दर्शनीय कम्बान कि प्रवर्णात । "किया में देश संख्या करत मिराओं ?"

TO WILE ?"

শুখাহা, ইএই থেটেখনে নাকেছুৰে **গুজে** কেচানা একটু ঘুমতে গোচে, **আমি তে** ব**ন্দেই** স উলচিত লাকে আৱাকষ্ট বে**গুৱাকেন !**

"লাভ, আমি কাবে দিকি ।" "

শি ভাই, এ গে হরেই সেছে ই বা কাপড়গুলা বোধ হয় **ওকি**য়ে গেছে, কেল্গে বা।"

ৈ বৈকাল তিনটা বাজিতে না বাজিতে হই উনানে সাঞ্জন পড়িব। গোলা বিদ্যাল কিলি, শুএকি না বিদ্যাল কিলি, শুএকি নােদি, এবি মধ্যে বেচানাে বে বঙ্গ ক্লাপড় কাচা কৰে গোল, উনান আগুন দিলে শে ৪,

"তিনটে হয়েচে এগুনি ব্যু ঠাকুরপেনা আসবে, দ্বেডজন বেচাবীরা জিল্পুর ছটকট ববে বাড়ী ঢোকে—ভাগচি তথানা বিম প্রন ক্রি কব রাখি। তুই ওই আলুজলো ছোট কবে কুচিকে রাখ চো ভাই, চোট্ঠাকুরপো কুরিভাজার মত মচম্মত আলুভাজা লেভে বর্জ ভালবাদে। আচহা, মামিই নিচিচ, মরলচ্মানা চরেপ্রভি ভালবাদে ভুই ভত্তক্র বিভার বার ক্রিমানি

সন্ধাব কিছু পূর্বেই নাকে বিলা অনুন্ত।
জিল্লাসা কৰিল, আল কি আলা চন্দ্ৰ না
আমানের তো দকালের আৰু রায়েচে, ভাইনে
সর্ম মিশিয়ে নিলেই হবে—আপুৰ্ণির এই
ভাল্না করি, হুবাটি চাল আর ক বেটিবাটির
কুক্রাটি ভাল নিলেই ভো হবে

तात्वे न क्यारक को उतादेश बार्ना क्यान

ক্ষাৰ ভাষৰপা আৰু ইয়ানে মান্তিয় ক্ষাৰ কাৰে কাৰ্যাৰ পাড় আফ্ৰেড ই কাৰ্যাৰ প্ৰথমান কোৰক পাণ্ড বিছান ভাৰতিক কোৰ প্ৰশাস্থা কৰে হো বালা ভাৰ হোমৰভালা হোলা বাছ্য নাজন আনি

তেরিক পুলা আনিয়া ভাল কে বিয়া বিছান শাভিনা দৈ কুছিল; "ঠাকুরপো, নে লো। আছো, এই নরা মিল্লিন করচে, কার্মড়ে ছিঁড়ে থেরে কেলুবে কে , মুলারি বাটাস্মি কেন ? এই বে কড়ি ব্যাহত, আমি মাটিরে দি।"

ক্টো পান কানিয়া মানকিয়াৰ হাতে দিয়া
কৰিব, পান পাদনি বুঝি মানকিয়া ও কে
আর দেবে বল্ এব্নি ভুলে গেছি ! পোড়া
পেটে তো কেতেই তলু শিখেচি এই নে
না দিনি ৷ হয়ত খেলে অব্ধি কত গা
ব্ৰোচেচ, আমানু তো বাপু খেলে উঠে দুটো পান
না স্থে দিলে বুম ই আলে না, সব কাঁকা কাঁকা
বৈষি হয়।

একবাটি তেল লাইন ছাবি কনের নাথার তাড়াতাতি চড়াইরা দিরা অফুরুণা কহিল, মা, আপনার একট বেন কালি হরেচে দেখলুম---একবার লা-টা এমিরে দিননা, এইটে নালিস করেদি । নাকটা বাক পাকলে খুমের ব্যাহাত মুক্তরা, ব্যাহটিত বেল ফুমের হবে।"

পিলিনার অরের জেবটা টকং ঐলিলা তক কা আজিক, পিলিকা জোরটা একবার খ্লন

क्षित्र (योग) र

্ৰীভুৱন আমাৰ মৰণ আৰু ছি। ঠাকুৰ-ভোৱন অনুষ্ঠান আনি কৰা জন্ম দিশ-কাৰ কাৰ্য্য আৰু প্ৰান্তি কাৰ্য্য কৰে। नी होता कर प्रशासक है। इस स्थापन के ब्राह्म वीचित्र कि है

বাতিকা আইনক সন্তৰ্গতি গাঁকে গাঁকে হাৰান মত নীত্ৰত পৰিছে গাঁকে কথন হ'
বিষয় কৰিব শ্ৰম লো, এখন বা আৰু কটো,
পান মুখে দে একটা প্ৰায়ত কৰিব। ওই, জালা
কথা মনে পড়োচ ভাত - আৰু শ্ৰম্বী একেব বাবে তবা হয়নি প্ৰিতে চল্ডাত দ্বকার হ'ব,
আমি আদি। মুখ্য ভ্ৰম্প পানের বোঁটাগুলোচাড়া, কেলিমন ক্রু - সুমুহ্বির সঙ্গে বোঁটা লা প্রেল অমান পুল শ্রমাণ

"त्नामात व्याप पूरण व्याखणी।" "त्नास मृत्य १०,५मान वर्षणी।"

কৃত্ৰশ্যার বাধ্য খুলিন স্থানীর চিঠিওলা ব্যাহিব কবিয়া ক্রীন্দা গাড়িত বিদ্যাছিল। যগন সে পত্রগুলি গাড়, শথন ওংগার মধ্যে বে এতটা সর্থ নিহিত ছিল, গো ব্যাহিত পারে নাই।

অন্তর্নপা ঘরে ্কিরী ভিজ্ঞান করিল, "কি লো গ্রাকুরঝি, আছ হে ভেটার বড় পাজ্ঞাটি পর্বান্ত পাওয়া বাচেচ না গ্রাণি এই নিরিবিলিটে কবচিদ্ কি ?"

গাড়াতাড়ি চি বিজ্ঞা বিজেন মধ্যে পুরিয়া আঁচনে বাদা চাবিছা ক্রান্তি লাগাইতে সে ক্রিল, বড় হড়ুগুন্ম ভূক হয়ে রয়েচে, ভাই গুচেচিচ।"

্ৰতি বন্ধ কর্মি বে । শুকা না । বে আমি শুচিয়ে দি।

"না থাক্—" ৰজিয়া লে চাৰি ৰাগাইয়া আঁচৰটা পিঠের উপ্ত কেলিয়া দিব।

্বোধ হয় অনুষ্ঠা আশ্বেটা কিছু ব্যক্তি শারিয়াছিল / একটি বিশ্বেকাত কেলিয়া কুঁচ

अन्द्रना ।"

ক্ষিকশার ভাইরের বিবার ক্রিমা চাও ক্ষিকে বিশেষ মন্ত্রোধ ক্রিমা ধরুর ও এই মাজ বিধিয়াছেন। প্রতিকা সভাসা ব বিব শিক বাবে নাকি ৮°

"HI |"

ना कन 🔫

ैं डांग गाला ना।"

. जातात विता, जाग गामि ना साम १

শ্বর বেচে-বরতে স্থান স্থান লাক, তা হলেই ইয়ালো—বিলিয়া হঠাৎ গালার আঁচল টানিরা মাটিতে থং দিয়া আবান ফহিল, "তাইন বেন তিনি রাখেন।"

मूब जिनिता केरव हानिता निकः बिन्न, "वैनि बाककान निमिन्न कि हर दे थे अर्थ त्या रेक्ट्रिक ? जा, कराव कि स्माद ?"

শীত পড়ে আসচে, শীগ্ৰীর বলক পথ কর হরে বাবে—এ সমরে কি করে বাই

শ্ভা ভালো, স্থবিধেই হয়ে গোড়া প্রার চেয়ে সভিা কথাটই সিথে দাও না ?'

"每 9"

नामारक एक एक हो। जारमें स्थानमा दबरें

ক্টাৰ চোনের জন চাপিতে চাপি জ জ বলিবা উঠিয়, বিজ্ঞান ভাগো তা কেন

में प्राप्त क्या जीवन ने स

ক্ষাৰ স্থানীতাৰ কি ৰাকা তে। নিৰে কি কিনা কেনা বিশ্বিদ হৈছা ক্ষাৰ্থ কান্ত প্ৰতিষ্ঠান কৰা নাৰ্কাইন কেনে কান্ত কিনা বিশ্বাৰ কৰা য়ে কুকাৰ সেকে কি মা সমল সম স্থানীতিকৰি, যত শীল্পীৰ কয়

চাই কৰি শ্ৰেমৰ । নাগটাও আৰু ছনিৰ কৰ্মান কৰা কৰে তাও জানিন। দেনিৰ অবস্থা বিশেষ হৰিছোগ বলে তেম বেলা হৰনি— অক্ষাৰে এলিয়াক সাইপের।"

কেই সা কৰিব ছেলে নামটালের কলো স ভৌ এককাৰ কোনা, কননুম বাভির নটা কবি থেকেটে কাথ একবার বমি করলে কারণক গাঁহ জীয়া কার কার্যানা। আমি বাল, কার্যান করা করা কর, চলো। এই করা করিব শীক্ষিক নামবার করিব করেব ল

লোৰ স্থানিক ক্ষা ভান কৰেছিল হতা । সব লটনা জলোতে ক্ষেত্ৰীৰ বিলাং যেন ভূবে যেওনা। এল ধৰুৰ না কৰে বিনাশভ্যাৰ কৰা না হয়।

ক্ষিতি হৈছিল কোনে চালিছে দিয়েছি আৰু গাঁহোনা বাৰ্ডিনে কো বাৰ চাৰ্ডাই কালি কালিনে কাছ বাৰ চাৰ্ডাই কালিক কালি বলো নাও,

পুর কাল গোটুর বেটিলামানির কার্টি

করে আনার, একা আরু করে দেবো আগন ।
বিজ্ঞানের করে। আরু করে দেবো আগন ।
বিজ্ঞানের করে। আরু বাহি নাইক্যান্থানির করে। আরু বাহি নাইন
ক্যান্থানির করে। আরু বাহানির বাহি নাইন
ক্যানির ক্যান্থানির আনাবাহানির বাহি নাইন
ক্যানির ক্যান্থানির আনাবাহানির বাহি নাইন
ক্যান্থানির ক্যান্থানির আনাবাহানির বাহি নাইন
ক্যানির ক্যান্থানির বাহানির বাহ

্ শ্ৰামিডীবাৰু মাঁকির হুইচডাছন, এমন পমগ্ৰ ইকিডু আনিয়া উপায়িত।

^१ के शाल जाकात कार्न

প্রই বে কেন্দ্র। বেশ ভারুই কোনো। বে ৯ রকম করেরা আল্লাক্ষরেরে, আননা তে। বিকেলে দেশে চন্দ্রন কে ক্রান্তিক্ষ কোমাকে কি কবে -ববর নিই,জা ক্রান্তিক ছোলো ভূমি এলে পড়লে ববর নিই,জা ক্রান্তিক হোলো ভূমি এলে পড়লে ববর নিই কার্ক্ষ বিকেশ

ক্ষাৰ কে : তোনার বেজনাদার জো ওধ হিছিতেই একটু বা ধারাপ হয়েতে, না ?"

না, ৰাজাণ তেমন কমনি। আমার তে।
মনে কা শাল মার বেশ এনে বানে। — একট্
প্রামিন আমার স্বাহন "মাপনারা এত

प्रात्मका व्यक्तिक हिन कवि बाग, श्र बंदक व्यक्ति स्टाइड अगाउ व्यक्ति के ट्रि बंदक व्यक्तिक के व्यक्तिक अगाउ का प्राप्त व्यक्तिक के व्यक्तिक स्टाइड ट्रिक्टिक

"তা, এখনিই তে আর বার্ক্স না গো।"

চালককে গাড়ী গাড় করাইতে বলিয়া
লাহিড়ীবাব্ কহিলেন, "কেডু, আর বিয়ে কাফ
কি চোমার । এইখান খেকেই নিরে বাও।"
"হা বাহা, করেন লুর এনেচ, আরার এ চটা
পথ বেতে হার, সার গিরে কাফ কি !"

বাইনেব্যাটা পাৰের মাঝধানে ট্রাডে লাডু কবাইরা কেরু জীহাদের প্রধাম করিছে গেলু লাহিটাবার সাঞ্জনমনে তথু কহিলেন, "এন

"ব্ৰ ক্লেৰ হলেচে বাবা! আত্মিৰীন কৰি। বেল ভোমান চিন্নকাল ভালই হন—" ভাড়া-ভাতি লীচনে চোৰ মুছিল। কহিলেন, "সুক্ৰ কাৰু; লোক নিলে লালান পাটেন্য স্থানী কৰি।

রাজ্যার কথার কথায়াকের রাজে গুড়িতে শক্তিহ বেশ বিশ্বসাগরাকে—এত মর লোকজনে এ এক বেদী শক্তি হয়, সে একেবারেই বাকিসাধ

বিচিত্র

মাল লইবা নে বৰন বাজী চুকিল ত্রন সদর

দরজার একখানা গাড়ী ও বৈঠকখানার কত্রগুলা বান্ধ, ব্যাগ। পালের ধর হইতে দোহার

ক্রমং মুক্ত করিবা উলিতে ডাকিলেন,
অন্তর্মণা!

"कि द्वीमि १"

"ঠাকুরপো, তোর ছটি পারে পড়ি, আনার একটা উপকার কর্।"

" To 10

"এই নোটখানা নে, যেখানে পাস্ কিছু আগিং এনে দে।"

"दिन १"

"कि खानि, यमि मजकाद शरक् !"

হঠাৎ শতিকা ঝড়ের মত বারে চুকিরা কেতুর হাও হইতে কাগজখানা ছিনাইরা লইয়া কহিল, "বৌদি তুমি কি পাগল হলে ৷ ও রে শিনিমা, গোপী, মানকিয়া, স্ব র্রেছে— তামার তর কি ! মা কি বক্ম এম হবে লে কামার কি এরা রে কামার কি এরা রে

্থানি বে বন্ধ গানী তাই—" বিশী কে মা ? আভিনি কুচানকে থানিক। ব

The state of the s

WAKE BARBLE

The state of the s

তাব্যাবি জ করে কি ক্ষেত্রপূশ কি আনার করে, ক্ষেণ্ড কেরেই আসবে কুমি অক্ট নোও ছিলি কি

শ্বন্ধ সুম থুনিয়েচি জাই, আর বে থানাত পান্ট লা— তিহত কার থাকা বাকি ৮ সেরে আসকে ভর

িকটেড কৰাৰ স্বাৰণ কাৰিছ পুনৰে **অসিবৈ** ভাই কি পূৰ্ণ

्रेट जमान दलनाकन्। देन्, जासात्र कि रमान १ लिकाने कार्य है

শ্বিটে হ'লট তো সৰ্ভাকেশাৰে সেরে শেল গোলি আক্লা। কোশাৰ ভটী পাৰে ধৰি, বেটি আৰু হটনট কোনোনা প্ৰক্ৰন ভগ-

The set of the second s

स्थोदिक प्राचित स्था कि केल जानिक ace a folica ?"

> भाग हो। अभिकासन दिन हैं। THE CO CHA!

THE CH ASSET THE ME MINISTER **्रामि, माजिले** 5 मिलाशक शहा प्र পুৰে। পাহৰাপ্তলে এই কুলোকিৰ কে क्रांक्ट, पूर्वाब्रिक देन्द्व निष्म वेसी विकारकरणम रहाई का किया है। मगुर्त वाश्वाक रताहाक्यातील निज्य हित्या ।"

"नाटक छाउ " स्वितिन १"

"श्रांदश द्वीमि, अठ हे दशका पा ! ! ! बड बबीद राक्त 🕫

"कार यांचे CENA (S. A. CHENA, 'अविदेश कि बिता गरियों देशक तकारमा भीभ उत्तेना, बामि जनि के कि ।"

THE WAY

भारतकारी उन्हें सामित

THE PROPERTY AND ADDRESS OF era dere origina orden, distalle.

क्ष कृति विकिता देशक्षाताका अवस्त कि देशकातमा कविया किन्द्र चएकाक व्यक्त वाकार किन विकार कर माज रगानी मीवा भागित करिया ্ৰাক্ত, ভটের দোকান থেকে শ্রম্পন্ত আৰু (1917) The same win (0) 1 1 1 1 क्षित्र व्यक्ति कार्य क कार्य में मान किंक जाकात्र टिनिस्कान करति, अक्ति मिरंग कि प्रवर्श है। जी करने, अब अवक दिला रहा। जानिक बाकि, जूने जारक उगरबंद শ্বাক্ত দেখিলে দিশ্—"আবার বিহাতের মতই ता भी जा दर्गण।

> ু করে মিত্র আসিয়া জিজ্ঞাসা করিল, ইকি WHEN T 5 9"

> শ্ধানিনা তো—আপনি আহ্বন, মেজনা ব্যাদ কানকে গেছেন।"

টারে গিয়া সে আর ঘরে চুকিতে পারিল না 🖰 'রাজারবাবু অস্তান্ত ডাজারদের জিজাসা হে বিজ্ঞা, "এ অবস্থাটা কতক্ষণ লক্ষা করচেন ?

🎢 निष्ठे शरनाद्रा ।"

শা ভীটা P" ्राः निष्ठं नन् ।"

"়াথের এই লালভাবটা **?**"

" 9 खोड़ शकी शानक श्रव।"

ा (डार्ट टंडा-वफ्ट दाईटनम् दनभि, গাঁৱের গাপড়ও রাখতে চান না। খামও তো १८६-- गानन कि समाए राज १°

তা এতকণ তো লেন্ট বিছানায় ও লব के गर्वा जा जा कि कामि कि क अपन दान েডাই ছ ক্ৰ্যাস্ ভাৰ 🗗

ें तरत दक्त कार्य केवले गाउँक ना ि

বৰদটো ভিছন লে আৰু, ভাই 🗗

विश्वास प्रोत्ना बारनाव यन्त्रिद्दव पांच प्रिन्ट महा प्रतासिक क्षिपानन, शरतगढ, नानुत रहार्छ। ক্রেয়েশ্র অর্থরান অবহার রকটার मिष्या बाटह ।

"वार्, अवादन सागिन ?" ক্ষেত্ৰ জাহার ব্ৰক্তক্ হুইটা একবার তুলিয়া

ভাষার দিকে চাহিলমাত্র, কিছু বলিল না । "আমার ছেলে- ফাইডিভিশনে পাশ হরেচে,

क्षा करा के करा वास्त्र प्राप्तिक प्रमुख्य प्राप्तिक प्रमुख्य प्रमुख्य प्राप्तिक प्रमुख्य प् क्षवनीय दन दाकी है किया दननिया मिर्द, केंग्रह কারার রোগ উঠিতে সে চনকিবা বিকা कतिन, "७ (क "

ি আমাদের পাড়ার **রাথকোল** রাধুনিবৃত্তি করে বুড়ে নাকে থাওঁরাজে ग्रशिक यात्र ना सर्

वन नामात कार्य जिंदन जिंदन हरता खर्ड विका पूर्वतात পান্ধণের ভার। এ कीयन यह यह जामि भएन भएन दक्षा दक्षा मात्रा मिना यामि। कितिए भारि मा जान प्रसारन प्रसारन गर्म - प्रामाद्र । CIST CONTRACTOR (I

ক্ষেত্ৰটি ক্ৰেছ বুলি কোৰা হৰু নাই

COMPANY OF STATE SHIP OF

বুলে আছি মালিয়াৰ উদাত মহান

নিজ প্রাণবান

अन्तरका केंग्रिका कियान

করুণার প্রশান্ত বিকাশ।

मिथा मार्ड क्च क्रुब क्रुब (वर्षनी;

স্মাম,রি জীবন

रकेरम द्वेरम बदल करल यात्र

क्लस वाथाय।

পাৰী গেয়ে যায় গান

श्रम्बा समान

ব্যুক্ত কুলিয়া ওঠে, আনন্দ দোলায় বাতাল নাচিয়া যায় অবাধ থেলায়।

এ মোর জীবন

क्वन वरिया भार **अनुस्कित्**ले ।

মোর সংখ্যাগ বিখে কোথা নাহি পড়ে অনীতেবে ভবে

ে কেবল ভাগিয়া আছে অক্লাস্ত চরম

এক্ষ, বি স্থান্ধাৰা শাতল প্ৰশ।

প্রাণে মনে লয়ে তাই অনুম্ভ বেদন্ নির্বাক আকাশে পাতি বাণিত নয়না

the their win and and the

all order as excellent

क्षांच १५.५३ मोल

गेर्सक्षेत्र ६ स्टाइ स्ट्रिडा जन्म

Thence comes the scaling of much good poerly now being written: triuse, as all gename realism must be since it, proceeds out of a spiritual conviction, a mental process and actual crafts manship—Miss Storgeon.

Quoted in New Wags in Phyllish Literature.

আমানের নেতৃৰ সাধারণতঃ স্মান্ত প্রান্ত প্র কর্ম কর্মানির নিত্র সাধার সিটিকান অথব। বিজেলের নালা বিচিত্র সংগ্রাকার করিছে বিজেলের নালা বিচিত্র সংগ্রাকার করিছে বিজেলের একদল প্রক্র ক্রাক্তর বিজ্ঞোলা করিছে গোলাই একদল প্রক্র ক্রাক্তর বিজ্ঞোলা করিছে ক্রাক্তর করিছে ক্রাক্তর ক্রাক্তর বিজ্ঞানির ক্রাক্তর ক্রাক্তর বিজ্ঞানির বিজ্ঞানির ক্রাক্তর বিজ্ঞানির বিজ্ঞানির ক্রাক্তর বিজ্ঞানির বিজ্ঞানির ক্রাক্তর বিজ্ঞানির বি

পার এক দিক ও পাঁছে। নাই ভাছ।
না । ই হারা প্রথমেই লাহাও বার্মের সহিত বিশ্বনার প্রচার কাব্য ডালাবারে বার্মির জন্ম নান।
ই হারা কোন কালেই হবিয়ারর জন্ম নান।
ভবে রবিবারর প্রান্ধি জীলাবার লাহার আহি।
ভালে, যদিও ইবাবের বাল্য জন্ম কাব্য জালাবার
আলোপ হব নাই জন্মার জিলাবার কাব্য জালাবার
বিশ্বনার বেলা লোক প্রক্রমান্ত কাব্য কাব্য কাব্য জালাবার
বিশ্বনার বেলা লোক প্রক্রমান্ত কাব্য কাব্য কাব্য কাব্য জালাবার

বিবাদন না কি ছাদের পরিকার মাথার না কি
কিত কিছিল ভাব ছান পার না। আই
হা নাকি সতা বে পোকে বছাই ব্যক্ত
বিবাদর আইকাংশ কবিতাই অথকার নামের
নিকণ যাত্র। কখনও কখনও ছ কারি ছাত্র
পড়েল না তাল লয়, ভবে বলী দুল অন্তানর
লইবার পুর্বেই humbug, nonserved বিজ্ঞানী
সেই পুস্তক দুবে নিক্ষেপ করিয়া আইকাল স্থানির করিয়া ভোলেন।

বাঁহিকে আমরা বত্ট স্থা করি জার
বাতই বলিয়া বেড়াই বে বালালা আবা বিখকাহিতো রবীক্ত নাথের অত্ত কাল্যমপাদ
দান করিয়াছে, অন্তরে অন্তরে আমরা কিছ
ই চলাভীয় স্যালোচনারই বিশেষ প্রকাশিত
কাবত কর্মনত তথ্য ও তাঁহর মদ্যাই ছাপা
ববং স্বাগ্রয়ভা লইণা তৃতীয় লাভীয় স্বাগ্র ইয়ালোচনা বে মা করি হারা বলা অসভব শ্রমাদের মাবে সমালোচনার এই রে অবহেলা ও চ্বতি, ইং আমানের লাভীন চরিত্রের ও
ইইতিক মধ্যাদার বে ভি প্রিচ্ছ বিহেছে
বিহা তাবিনা দেখার ক্ষ্মন্ত কি আলহ্ ente de la company de la compa

লোকে বখন, বাহা পাৰ ভাহাই বিনা
বিচাৰে বাওয়া বলৈ তখন প্লাভাৱ বাব্য সহকে
বাল একটু আগুৱা হয়। সমালাচনার
ব্যানিও নেই প্লাভার আগুলারই উল্লেক
কার। বহিষ্কালে স্বাচনাচনার আবির্ভাব
কর্তবাহিনা, বেমন ক্লক্ত বিচারপূর্ব ক্লীর
প্রকালিনা, বেমন ক্লক্ত বিচারপূর্ব ক্লীর
প্রকালিনা আরু কর না।
বে কথা বাকু—সর্কা ব্যান স্বালিনা আলো
চনার আভাবের ক্লবা এগন বলিতে বসি নাই;
বিচ্ছেছিলাম বে, বর্তবান সাহিত্যবাজ্যে যিনি
ক্লাভ প্রান্ধ বীর ভাবে ভাবিতে বসিরাছি
বিভাগ মচন হর না।

ক্ষান্তনাথ গ্ৰহ্মে কেবল প্ৰাণংগা কেবল নিকাল কৰি না, বিদেশী প্ৰাণংগার সন্মুখে, নোকো কৰি না, বিদেশী প্ৰাণংগার সন্মুখে, নোকো লাইজের গত্তথ সকোচ আলে। ক্ষান্তক কর না বিদেশীরাই ও করিছেছে নাম কর আনালের দৃষ্টি কি বেশী পাট বানালেক আনোলের দৃষ্টি কি বেশী পাট কানালেক আনোলেনা কি বেশী গত্য কহছে লামে কি জানালা কি বানালিক আনালার

THE MILE STREETS IN SEC. Met The Section The Ministra THE PERSON OF THE PERSON OF THE ces west minera vatentent afants बाकते नक्ष स हिमान बाजा । जीत मृष्टि ७ चाक चार्यात्वत्र काटक अस्ति नीव भून भाषना 'छ क्रम प्रदेश के क्षितिहास হয়ত বলিবেন গে আৰি কি মরিয়া ভুড इरेबाडि मा कि । धेक्थात नवता छेखर (मध्या अवादन मक्षव नहा कमद्वादक अक्रिक्ट वन बारा त्व त्यांके। मृष्टि । छाटव द्वाबिटक दगटन ब्रयोख बार्यं यांश प्रांत छाहा मन्पूर्व स्टेश গিরাছে একথা সতা, কবি সে দিনও কবি-তার নুডন ছন্দ ও গল কবিতার নুডন রীতি (मधारेब्रा निरीम कॅनिस्त्र मक्म निरीमीव्र একটা স্থযোগ দিয়াছেন, কিন্তু কবিতাৰ কর বাহা, এল বাহা, ভাহা আৰু আমাদের বসনার ন্তন বলিয়া মান চয় না—তাঁহার আজিকার সৃষ্টি পরিচিতের মত আনন্দ দের, কিন্ত অসীমভার কোন নুডন আভাদে পুল্কিত ও 'र्राश्चक करत मा ।'

হা ভাক রবীল নাথের প্রটিন সম্পূর্ণতা লইমাও বিচারের এখানে আরোজন নাই। তারার সমগ্র কাবের একছিকে আল দৃষ্টি নিবজ কবিব। আমার কর্তবা যে লহুতব প্রস্তুত, তাহা ক ভথানি সাক্ষিলনীন হইবে তারা লানি না ইবার মধ্যে কোন নিশ্চিত লাগ্রে কি না তাহা পাঠকের বিচার সালেক

ৰামাৰ হলে হয় ধৰীক্ৰমাধ্যে কাৰ্যাই বাজাৰান বহুতেই নাই ভাগে আৰ্ট বিভাগ বিজে বাভি নহায়েছে। ব্যাস ও বিভাগে

aria atira di baran mana cara State on the city of the second freehing at the street of the street PORTOR I AND THE PORT PORT Action of the second चानावाद राष्ट्र हे जामनांव (देशानाटक) न प 704 HASSI (41718) 412 পদিবাহে 🛶 পাৰাৰ কলে তাবাৰ কবিতাৰ वर्षे (अनी वर्षेक रहेश केविकारक । नी व अनि TABLE NEW STREET with deal windsiles yoursels निवा निवादक क्षेत्रके क्रांबि द्वान क्रांबि गीटव विशा के कार्यात किश्वा भाषाविद्यावन किय मा गामकर अनेमत । भारत सक्ति है हर अस्ति अस्ति । तिही कविटङ(क्षेत्र i' विश्वेद नक विक्रिय क्रदत ९ इ.स्न आहे. त्वेश दीना वाकिएक १७० मा, সে খাল নিৰাম্বার স্প্ৰিলাভের যাকেওভার rian mineral erien. siente officete. বিশ্বদৌশ্যের বিভিন্ন গণে ক্রম ক্ষা মিটিব -11 GE CA NEW MER NOWE MIG GCE

para nen entita riares espara

cobresario espara espara espara

espara espara espara espara espara

espara espara espara espara espara espara

espara espara

entertingentaliste estimate for a traction of the control of the c

আমি আপনার মনে গল করিয়াছ বে একট লেশীর চইরাও রনেন দিক হটতে কেন তিনটা। মুখাজঃ ছইটি) শ্রেণীতে জিল হটর পড়ে বা ভদুর দ্বিয়াছি যনে হর, গী াঞ্জনি হটতে আরম্ভ কলিয়া গীতালি পর্বাভ শেষ লট আতীর ক্বিভার সংখ্যাই বাছিল। টিসিছে আন পাধ্য শ্রেণীর ক্বিভা শীরে থীরে ছল ভ চালা উলিয়াছে। তিনটি শ্রেণী বলিলাম কিন্তু এই ভিন্নতা কোখার না বাছিল। ভক্তিন নথা যাকের অস্পাইভা বাছিল। এবন দেখা বাক গ্রন্থাত পার্থকা কোঝার।

প্রথম দুইটি কবিভার নাবা এই একাটি অন্তর্গ কৰি বেন কথাঞ্জিন একটি কোনপ্র জীবক উনান অন্তরের গেরলার রাজির এইতিছে, উহারা অন্তরের কভিজিলি নয়, ইতিহাস নয়, বিশ্লেষণ নয়, কার্ম্ব নির্বত নয় উল্লেখ্য সম্ভবের শারীর প্রকাশ, সম্ভব্যারের ক্ষেত্রা সম্ভবের শারীর প্রকাশ, সম্ভব্যারের ক্ষেত্রা সম্ভবের শারীর প্রকাশ, সম্ভব্যারের ক্ষেত্রা, ক্ষা প্রভাজ। নাম্বর ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্রা, ক্ষা ক্ষেত্র ভারা ক্ষান্ত না

the state of the s

ভোমারি করুণা মালে।"
আশানা কৰি ও কৰিছাৰ মাৰধানে অনুভতিও
ভাষাৰ সমাণেৰ মাৰখানে, কছা কোন্দ ইংলোৰ আৱিলে লগসিয়া উৎপাত ভূতিৰা ইংলাৰ আৱিলে ব্যানা ভূতি

পাঁচে আমাৰ পুলক লাতে।
চোৰে ঘনাৰ দেব।
কল্যে মোৰ কে বে যেছে
বাহাবাৰীৰ ডোব।

কৰ্মণ অৰ্কুলটে যতই অব্যক্ত ও কি জানি বাবের কাক না কন, ইহার ব্যাংগ অন্তুচ্ব বিজ্ঞানতাটি এত পাই য শাহা স্বশ্বই শ্রোতারে একট বিজ্ঞান না তীহাকেব না। মোট করা এই গে প্রমান্ত্রীর এই স্তুচটি কবি-তার বিশোষ্থ ইহালের বিজ্ঞা অন্তুলি, অন্তুলির কার্যান্ত্রীকালতা সভা কোন ও বিজ্ঞানীয় ভাষ বাবির অন্তুলির প্রান্ত্রী কবিতে পারে অনুক্তির প্রান্ত্রী বিজ্ঞান হার্যান্ত্রী অন্তুলির প্রান্ত্রী বিশ্বক ক্রিয়া বিজ্ঞানিত, হালিয়া

গ্ৰহণ বিভাগ ক্ৰেণ্টাৰ আগত কবিতাটি ক্ৰেণ্টাৰ অক্সৰ্থতিক জীৱাং পাৰ্শ ক্ৰেণ্টাৰ ক্ৰিণ্টাৰ ক্ৰেণ্টাৰ ক্ৰেণ্টাৰ Andrew (A) the results were

বল্লী আহাৰ ভাগ ছিল কোন গান্ধ ঘৰৰ অধিন কোণে উঠেছন কি

বৈকে উঠিছিল কোন অনাতত আঘাতে।

শব্দ চন্দ্ৰলৈ ও বাজনাগ এই কছটি ছত্ত সম্পূৰ্ণ

ইংগীজীয় এনং অতুগনীয়া চইলেক ক্ষরণ ইহার

শক্ষা, বিগত একটি মৃহ উঠ করন হাতে। আন

কা সম্পান অহু ভূতি এই ক্ষরণ স্থতি ভূতি।

াহা গানেক নৈতে একক ক্ষরণ স্থতি ভূতিয়াই

মিল ইয়া গতিতেতে

্দথা ব্ৰী আর হল ল তেলার লাবে 📑 স্থার ট্ম এগেছিলে আৰু প্রাতে। ংবশ্য এই গ্ৰুতিঃ মধ্যে একটু বিশেষত আছে মহুড় তা স্বাচ্ত স্বাকান কুরিতে হুকুরে। চুট প্রকাব হুইড়েড পাংহে, **ত**ুধু **ভারতার** সভাবেই এই শ্বনি তুই প্রকারের ক্রিটা প্রতী : হয় কি না ভাহান বিচার না করিলৈও এইটুকু বলা যায় যে এক প্রকাণের লুভি कडको निल्मिष्ठं स्वथाव मछ, छशत्रं मन्धा वादिशंह (कान स्रोतनात्वात व प्रश्वारथव इन्ता नाइ में , वन्दीन कन अनाइन मरु এ খা তি প্রাণাই ভারার সম্থা দিয়া বাহিয়া বাহ गावा; किन्द्र विक्रीय व्यवार किया । बारकार मीमाव बाइस्टर बेटिका बरे नव क्रिका समयक विनिमा भवित्रं विश्वतं पार्चः त्या स्वित्रं एक मार्च । असर बर्कात अक्रवर्ग दश्यन व अकी । विकास The I but ment mester a minder with

ওয়ার্ডস্থার্থ এই মার্ল না ীয় কৰিছা
প্রার্ডস্থার্থ এই মার্ল না ীয় কৰিছা
প্রার্ডস্বরিয়া এই ফার্ড স্কলিভার কেন্দ্রী
কিথিয়াছেন। ভার্কনার ও দার্শনিকারা
স্থানির চিন্তালীরালা কালিকের করি করিবার মধ্যে ইন্দ্রনার করি নাল্য করি করিবার মধ্যে স্থানিকার বাজানাল কর যাধ্যে ক্ষাল্য করি করিবার করি করিবার করি করিবার করি করিবার করিবার করি করিবার করি

८-म करि कि किंक निका विकास आसारा विल के कामात मा. इस कि कारण हैशात माना कराह होते ज्यान के हैं है। इस आसारा भूगी मांड असाहें, कारण के के देन हैं एक गोला, विकास स्थाप के मांचा भागा निमान कराह कराह का बार्च के असामा कराह कराह कराह का बार्च के असामा कराह कराह कराह का बार्च के

वाश्वाद कीश्रम् हेट्ड निया, त्यीयाहः जीवटमेंब ७परकरे शहाब करूबन ওছো অনুভাবকভার ক্ৰিন শ্ৰেণীয় কবিছা বাৰ বিজ্ঞানী প का शहर धार छाशा मुक्ति महीति म्या-नां हक भाग्यार्गरस्त्र करा किया महिन ৰা। তিনি গলিয়াছেৰ "We have poems which seem to exist menely for the sake of p ducing single lines and passage; net for the sake of pr ducing any total im ... ogga-jonal bursts of fine writing and shower of isolated thought images" वर्षाद उटे का है। व करिक स्कृतित न्यावाडा माडे क क असाराष्ट्रमान कुलकां ट्राम्मा बार्य ग त उक्तानीत - प कथा। তাখাতে ক ব বিতা স্বার্থক হয়; ইয়া প্রত্ যে বৌজনাথের ভৃতীয় শ্রেণীর কবিং। মধ্যে ভাষার সৌন্দর্যা—ছন্দ মাধুর্য্য অপরূপ উহার জ রবীশ্রনাথের আশ্চরা ন্রাক্তিছের কুত্রকটা মুগন্ধ পাইয়:ছ কিন্তু তথাপি বলিব অমুভব মুৰকতা থা কলেও উগাদৰ অনুভাৰকতা নাই—কোন না কোন দতা অন্তভূতির কথা হটলেও_্ৰট কথাগুলি অ**মূন্**তি গাগানবাৰ ্ৰ টুকু শক্তি ব থে তাহা ছক্তি কীণ।

क्षेत्री । त्यतः व्यवन । १ मधा की नर्दन्द्र

कविको महिल अशास निष्कृष्टे व न शिक्ष

গ্রীরব্যত কবিত্রি গুর ाकार शह की कोशनक निक मर्गा रमन माडी। कविडाइ कविका श्रंथ है। यह व कारण । ए ध्यमति दक्स हरेल । ত তিবাল অৰ্ডাটে ছাত্ৰ নাং नरक मध्य भाग भाष्ट्र, उद्दार्ग, जारबंग ड वार्तक देश कारिया दर्गामधाटक। সে কেলি বাৰ নাই। একদিন এই কবি-ক্ষ্য শ্বংখাতার বাণার মধ কত্র। प्रव सकारत के उ दहेश है दिशाधन ; दिन क्रद्रश्रद्धी शानम आर्गादकन जिस्मारमञ कनर्रका ान कवित्र श्वासाकाम क्रामाहित नाइर नामाहित-79 ्न सूत्र सकात अवसे आनात कियावता (शर्मा) विषयाद्वाद में ब्राह्मिक कर ते व्याप्त क्या कि मिक के केरी किया है। इस १९३३ एकाइन सार्व pfent Gan न्गरक स्वास्त्र मि क विलया छिडिशां प्रकाम क्षान । प्राच च · हें ` त्रीक्षनाव (माना अक नका जना (मशके मन, জাকাশ নুতন, বাহাস নুজন, বাহা সদ্খিলাম Cम मिन श्रांबर सुरुम क्रेंग, गरीन मीलि. किश्विके पुरुष नवीन हाथ।— क्रम्ब (अ मिन वीनानीत निकड़े क्रशाकृति र क्टेश (तन-- ज़ मिन विस्मृत गाहिका अपार छ धक्छ। vieron ब्रुक्टें revelation, उद्धृतिक र मा स्व ए क भन्न यात्माकण्ड इहेगाडिन।

কিছ ক'ব হলর অক্সাৎ কাদিয় উটিন। যে কুলকা দিয়া কৰি ফনত বিটিন ই.ল ডাকলাত কুইটা তুলিক ভিলেন দেই ভূষিক দুৰে ক্ৰিনিয়া টিব বাদিয়া উঠিলেন

> তে মান কাছে সাজে না ফোল কৰিব গৰত কৰা মহাক্ৰি, তোমান্ত্ৰ পাঞ্জে দিতে চাই বৈ ধ্যা

টোনা প্রথমের নাধক আমিটি কনিকৈ পশ্চাতে কেলিনা নিজ বৈচিত্রের বাহিরে ছুটিন। আশিন অন্তরের ব্যাকুল একজানটি মাত্র লইয় রণীজনাথ যাত্রা করিলেন। ত্রাহার কবিভার ভলা পরিবর্জনের অন্তরালে ভাগাহ জীবনের এই হাভহাস্ট্রাই কি পাওমা যাম

७हे शास्त्र धनित्र**क्त** (कर्ण इसे)समार्थ्ह বে হইগাছে লাগ লগু আরও বড় বড় কবি শিল্পাদের भरभर करे शांतर देन (माथ क शायता निवारक। এত शर् . बर्खस्म। अनुष्युष्य भित्क जाकारेल अकि कर्श वह मान इस (य-नाश्वक च कांवत मारश कावन गर ध्यमन शक्ती (तममा विष्मात याम्द्रिक अ १८४व मिनम विक इत्तक भारत मा . সংধ্য ও বাব উভয়েরই জাবন ক্স মনুভূতি শ্রুর। ৮ ৬ টেই "সভ্যং শিবং স্থলারং" গ্র জন্য পাণা**ল। সাধকে**ও অন্তভৃতি কবিরও এতে। সাধকের মধ্যে অমুভাবকত। नार, किन्त्र मध्या अञ्चलित निध्ययण नाह। সাংক পক্টা লট্যা আশা করি রগড়া উঠি,ব না। সাধক বলিতে আনি ভাগাকেই বলি চিনি ভাবনের অর্থকভার ভীত্র সন্ধান করেন এবং পৃথিক বলিয়াই প্রতি প্রচে তিনি সত্ত इट्टेंग हरणना धारे क्यांहे मर बमाया हा छ विठासमेस । नव - तान महिक्से नाज न लाह्यमही

उल्ल वृद्धित आति लेखे कामिना स्टेडिंड नित्र वार्षिक वार्षिक वार्षिक व्यव कृष्टित क्रम के भारत किया होता कार्यात मण्डल इतिशः धति । श्रीकाम - तमास्वत प्रिकेश মধ্যে বেশন সংক্রিছমনি রসের মৃতিক দেশ ই নাম শক্তিও খ**ার্ম করায়ত। সাশকে**র . কিন্তু ভাষা নথ-- ১৭৯ার নিকট রূপ প্রভাক DEC & Stall morte fint Ginich! Mini कांका कृतिएए लाइ मा, भावतिम क्र 'ठरेबा किन आर आहिश हित्तेन ना, काश्व निका अ. यकार है लावण- कारामश्र **हिन्छ। डें। हात मक्त** শারুত্রতির পশ্চাতের প্রাক্তার অঞ্চ আলৈ চয় না कारत पार्ति (वाष्ट्र किक्किं) कि क्षांत्रमार खतम क्रेस किर्फ - महत्वका कोटानंत कवारकी भारतपत অভাচাৰে কৰিল খা নিজেৰ মাজনা কাঠৱ एकि अवश्य के कार्यम, खनरवत मचाछक भाकता ना कानाहरी, दिन यकिया केंद्रेन

ভাতের নামে বাটের মারির

হাতের লার বে ধরি

হাতের লার আনে

হাতের লারের কড়ি

হাতের আর কাজের ভাবে

নাশ করে যে ধনে প্রাবেণ

সালার বাছে আমার

· (a).

ইছা বৰাজ নাগেৰ পাবিতা নালালালা স্থাৰক গৰীজনাথেৰ জন্মাক নীজি কৰা মাৰ। ক্ৰিত্ৰ সন এই সংখ্যা চিন্তাত বাবে নতঃ নাৰুকতামুক্তৰ সংগ্ৰাম কৰেণ্টীনাৰ নত। ক্ৰিন্তাৰ উপ্তাৰ্থিক বি নত মাৰ কৰে,

কিন্তু এর অন্ধুভাবকণা, 'গুৱাংভাবিড করার শক্তি আসে কোৰা ছইটেশ অবুল ক্ষিয়া লিখিয়াভি শ্ৰীয়াই একা অভাৰ্কতা প্ৰাপ্ত হয় না; ধনি ভাষা হটত তৰে এই উদ্ধ रिगटक्छ कविछ। विनिद्ध पाहिशाम । आसार বছই হুঃৰ হততেছে গলিলে, ভাহার মূলপঞ্চ হুপ্লের গ্রন্থ চিকে কেন ভরগোকই অধী-कात है। श्रविद्याम कतिर्वन रिनम्। र्वाम हम्र नी किन्द उदम पुछ त्यं काश्रीत आगार कः बहारक অমুভব করিবেন তাহাও বেংশ হয় না—ইছা ভাখাদেব অদয়ধীনতা নয়; ভুৱতার খাঞিরে চাক মুখ টানিয়া তাঁশীর মধাস। ম্য ক্রথ জানাইতে চেষ্টা করিবেন কিন্তু াহা করিবেও इ:ब कारातित वर्देश मा। क्रमहि व्यक्ति डाइस्टाइ अंशक मा क्ट्रेंटि क कर्मन की होता परच कति दन कि दम्बिका ने आब्र (करण इ:ब लाहेटलिइ विलाल इंग्रेटबर कृत्व जानिया रक्त क्रिप दास्यान यात्र ना। कामात वाकिकार मुख कतिया, वामात हात्य, মুৰে, ভাবে ভগতে কৃটিয়া উট্টিবে, খৰ্ম जायात्क अवस्थिः ज्ञागात कृष्य ज्ञान गिना দ্বাভাইৰে তখন সেই ছ:খন্ত্ৰপ দেখিয়া দ্বার वान बहुकिमारणस्य किएक धकरें। बन मुहिन উঠিবে বাহাও নামানুকরশা। প্রত্যেক আছ इंडिवर अरेक्ट व्यक्त सन चारह स

কলিকাতা

অএ বাধাপ্রসাদ লেন, মদিকা প্রেসে জ্রীকরিচরণ দে বারা মুদ্রিক 🛵 ়

কাশীধাম

অলকা" কাৰ্য্যালয় হইতে জীৱাৰ-শী বন্দোপাধ্যার

कईक श्रकातिहा

हर्वे जाकास मनः-1

कर्म सामाह होन करा

A C. PRIEST HISER

्री_{र्जनस्था}स्य सम्मालक्षाः । इ.स.स.स.च्यापम्य

r. ' (1914

STEET ST

; কর্মান্টরাট

A THE TARREST AND A CONTRACTOR SANCTON AND AND ADDRESS OF THE PARTY OF

Di pa wi san

ALDERICA TRANSPORT OF THE PROPERTY OF THE PROP

AND THE REPORT OF THE PARTY OF

क्ष्म क्षा क्ष्मिक्षण क्षित्र कार शहर वा स्वस्थानामा स्थापन क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक कार क्षमिक शहर क्षमिक क क्षमिक क्षमिक

প্রায়াক প্রায়েক বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান করে। বিজ্ঞান করি বিজ্ঞান ব

> **ायः अन्य तीय (हास्ता** २६नक्ष (misien) कालक क्षेष्ठे मार्क्ष क्रिकारण

প্ৰকাশিত হইতেছে

া প্ৰকাশিত হইতেছে

নতাৰ বিভাৱত পট্নেল কল বাস মহাশ্যেৰ কৰিচনাত ও বিভ প্ৰাণিত বিভাৱত উম্বৰ্ধ বিভাৰতভ বাৰ স্থাপ্তৰ

সঙ্গীতভত্ত্ব

कार विकास शास्त्र प्रदेश पोकित छोक पोस्त्र तामित है। विकास स्थान। १८० साहित्यान-नीनागानि क्षितसम्बाद क्षेत्रीपात।

SAME TO THE SAME

engine astrac

A PARTY OF THE STATE OF THE STA

r **superior a** testic

THE PERSON OF THE PERSON

শাস্ত্রেলি প্রতিষ্ঠান করে এত দিয়ে সম্পূর্ণ প্রতিষ্ঠানী । শ্রেমি প্রকলি ব্যবস্থান্ত্রি একত

ক্ৰিৰ ভিতৰ

বামন দেও ব্যান দেও কথা দেও গায়ামান্ত ১ বামানের সমার প্রকাশিত স্তব্যের তালকার কর আপনি আন্তর্জা কিছি কর মাননের স্থান সংক্রের প্রায়ক করেন করেন। প্রথানে মার্তার বাস্থান। শুস্তুক লাভ্যা যায়। মাসনার্ক উল, সুক্তুক প্রকাশক ও বিক্রেড। ২২০ ক্লিভ্যালিয় স্থান, কলিকাভা।

শাদী জুরাত্তক সুধা প্রদর্

ইয়া ব্যাহ সাময় সেবন করিতে কোনে প্রকার ভারের কারণ বাই। ইয়া কেন্দ্র ইংল ও ইয়ামন করে নীয়া বহত ও ভয়ামুসকাক করা ক্ষাক্রাক্তির ক্রমণ ও ক্রাক্ত প্রকাশকা, ক্রাক্তাইনের লাটকান করে, সিভাগ্রেখারি ও আলাতের কালাকর এই ক্রাক্তার্যাক্ত জ্ঞানোয়া হইবে।

ে প্ৰাৰ্থ সাধাসকলে সভাবেৰ সহিত ভানাইভেছি যে যদি এই হৰু ঐবসে প্ৰোক্ত সোহোম সংখ্যা কয় কয়ত দিবন

Tru-- Fife 2

ब्राज्यक्त —कामेश्रम वालाकाटाटा क्रिकावक उद्यान गाविक ०८०० व्यक्त क्रुक स्थाने कार्य वाल्यावाटा व्यक्त क्रिकावण्यात्म क्रुक ट्या राज्यक ब्रह्म व्यक्तक—9, क्रिकावक क्रुक

AND MINERAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

চরণ নিম্নে বিকশে কমল, छत्र-छत्रभूनी विकेशा शारी বিশের যত লক্ষ্মীছাড়া মা নিঃস্থ কবির বন্দনায় ৷ ক্লিফ কণ্ঠে বেদনানন্দ বাজিছে আকাশ বাহাসমন · कर्र कर्र १५७ मञ्चल-मर्ल-वामिनी अननी छेन म भावत व्याका नेशाद्म कहाद्व उद उ আত্তনের রাগে কভিল কাওন উদাসী দেয়েল বিছগ্-কণ্ঠে বেহাগে লুঠে তব আগমনী अय वीगाभागि मताल-वाहिनी अक्र मा अन्नी ছতাশে না আজ হতাশ বাতাস পুরবীর বায়ে ঞরেনা লোক. উষীর সিক্ত দখিনা সমীর চলায় চামর মাতা পো গোর। নিবিড নীলে মা সাজায়ে পুণ্টি গাহিছে প্রণত দিছলযু— জ্য বীণাপাণি মরাজ-বাহিনী জন্ম সাজননী জন্ম জন্ম জন্ম। স্তুদ্ধর আকাশ অচপল-আখি-আনত তোমার চাঞ্জি পথ --উদয় না সে মা, অস্ত-তোরণে উদিবে তোমার প্রক্রণ 🐧 বন-বালাদল কচি কিশলয়ে সাজিয়া দুলিয়া চলিয়া কয় कर तीवाशावि गताल वाहिनी करा-मा जननी जग सा अह লক্ষ্মী মায়ের লক্ষ্মী ছেলেৱা নয় গে না তোর প্রভারী ক্র-ভাপস ছেলে মা আমরা এসেছি গৈরিক-রাভা পরিষ্ট শতে বাথা-পাওর শীর্ণ গণ্ড বাহিয়া স্ত্রাগের আশ্রুষ্ ক্ষয় বীণাপাণি মরাল-বাহিনী কয় মা জননী ক্ষর । আ अक्रीन-छत्रा स्थारमञ्जनतीन मक्षती निरंश खर्जाह करा मकल-चाउ छथ-दलांत धाता, मीर्न विगात कित छाल (तामरन यमिक ताधन मा (ठात, मा'त कारक नाई समझा छक्ष-জয় বীণাপাণি বাণী-বিহারিণী তাপদ-জননী ৰত্য মা জয় !

প্রত্যভিজ্ঞাদর্শনের, ভূমিকা

অ্যাপক শ্রীগোপীনাগ কবিবাস এম্তা]

(+) শঙ্কর ও আগমদক্রাদায়

सामका श्रद्धः श्रिकाकिः श्रक्कवारम्य मृत्रम क्रेम्यताष्ट्रस्यारमञ् ८ अम् एमधादेशामः। किन हकः হইতে কেছ যেন মান স্ভাবেন যে শহৰা हारी। क्रेश्चराष्ट्रगोर शामिर न ना। - 23: শঙ্কর প্রত্যাভিজ্ঞানিক ঋ মানিতেন এবং নিজেও ভাগ বহুস্থানে শ্লেষ্টাব্দরে প্রচারিত কবিয়াছেন। o কথা মামরা দিব আলোচনা কবিব। মাধানগুত্র সন্ন্যাসীসন্ধান্তে যে মত পচ্চিত আছে এবং ষাল মুবলম্বন কৰিয়া 'অবৈত-' প্রস্থানের গ্রন্থাদি রচি\ হয়, আৰু কাল নাহাই, শক্ষরের এক মাত্র মাত্র ব্লিয়া গুঠীত হয়। किंद कैंदिन मध्य दशेल में अन् अंडोरन से दर স্থন্ধ ছিল তাহা এবেবলে, অস্থীকার করা যায় না : আনাৰ মনে 🗐 গাগম ও নিগম উত্তর মার্গেট িনি সম্প্রদার প্রবর্ত্তক হটয়া ক্লগদ্ভক্ষদদের সার্থকত। দিশাদন করিয়। हिर्दान । छान এवः উপাসন:, - मन्नाम अवः দিকেই উল্লেখ্য প্রচারশক্তি भाईहा, बैच्य महाभूक्यमान्त्र डिशामन 50 मियांत्र है। मन्द्रिम महोत्र

ন্যনাধিক পারিমাণে এই প্রতির্ট অন্তস্তর্প কবিশা শিক্ষাচেন।

ক্ষণন শ্রুরাচার্যার বিষয় উপশভাষান প্রক্রমাণা ইউতে জানিতে পারা যায় সে আলো-চনা এখানে অপ্রায়ন্তিক । তথ্নাজেও একাদিক শঙ্কনাচার্যার পরিচ্ছ পার্যা বি না, গণ বত্তম কথা । তবে নানা দিক্-ইউতে প্রিভিন্নাক আলোচনার ফলে ইকাই অনুষান কয় যে বিনি এক্ষলানী শঙ্কর তিনি আলম-শাস্ত্রবিধ্যালয় বতনা ও বাংখা করিয়া ছিলেন । কিন্তু আশ্রুপ্রতিন্ত্র বতনা ও বাংখা করিয়া ছিলেন ।

ে বরা, অত্মীকার করা প্রত্তিজ্ঞা মতের সাহত জিপ্রাকিন্ধান্তের
মনে ত গ্রাগম ও নিগম
কথন জিবিজ্ঞার আন কনিই সম্বর । শক্ষর এই
সম্প্রান্ধান করিয়।
উপাদনা করিয়।
উপাদনা, —স্রাাদ এবং রহিয়াছে, এখনও সেখানে ভারার উপাদনা
কই তারা প্রচারশক্তি হুইয়া পাকে। শক্ষরাচার্যেয় প্রভ্রম
মহাপুক্ষরাবার উপদেশ গৌড্পান্চার্যা ইনিহিছা প্রতিপাদন করিবার
নন প্রত্তি বুল্লের, বুল্লান্তের প্রত্যোদ্যান্ত গানক গ্রাহের ইন্টনা করেন।
স্ক্রপ্রচারক্ষণ দকলেই ইনার উপর শক্ষরের টিকা আতে ক, এবং

ক প্রভাগেদেশন লপর মাধবাচাযোরত ব্যাখ্যা আছে। বিকা প্রইখাদাই পাত্যা যায়। লক্ষীপর বান্ধ্যান্ত্রীয় ব্যাখ্যাতে প্রশ্ন (কেনীটাকায় কবাই ইনেপ্ ক্রিয়াছেল। সভবতঃ ক্রিনীয় টাকা জীকা জীকার ক্রপেশ হয় নাই ।

नक कि किलाब्दिमरविदा.

ভাল দেখালী ছিল ক্ষিণান্ত বিপ্রা

'मिक्शामि 'देशां-मक्' देशकृति कि**क जन्मनारवत**

ম : প্রতিশাসক প্রানিষ্ট এছ। সতরা ওমতব

কিংবা আধানৰ ভাজ দৰিশাস্থিত আকারে বর্ণনা করালে শর্মারের আগ্রালাপ্রাণ প্রমাণিত

उह लेक्साकर एएम । सार्क

চটালতে ও জানিক দ্বীদে পিল **সাম্**গত, এবং দপ্ৰত শাৰীৰীৰীৰ চনগ্ৰহণ ে অথাৎ

বস্তুত: এই জিল আলোমার প্রথম, কিই

মাছা বালিল প্রান্ত প্রান্ত ইং। আপন

অনুয় আৰু গ্ৰাম সংক্ৰমণ কৰা এথানে

বিশ্ব প্রাক্তি গ্রাপ্ত বার প্রাপ্ত ভারার আপন

चा अस्तुत कि साम अस्ति । साथ विकास

অন্ত্ৰিক জন্ত কৰা কাল বাংগ কোকে বলা

হুইয়াছে যে ক্ষিত অধিক বং লাগ্ৰহ বিকল্প

অবস্থায় বাল্লাল ঘালে, হল ধাংবাদিভেদ

SITE CAN I TOTAL

mare afea e ula viciolis.

সম্ভাৰতঃ ইচাৰট অনুক্রণে তাঁচার অতি গভীর রক্তপূর্ণ সান্ধ্যালহরী নামক স্তোক্র রচিত ছইম্লাভিল »। এই গ্রন্থের উপর স্ববেশরাচার্যা রচিত টাকা মাছে—শঙ্গেরী মঠে এই টাকার একথানা অতি প্রাচীন হস্তলিখিড প্রক বর্ত্তমান আছে + । প্রপঞ্চসার শহরুক্ত বলিয়া প্রসিদ্ধ —ইহার উপর পদ্মপাদাচার্যের টাক। আছে: উত্তরও দক্ষিণ ভারতে বিভিন্ন সময়ে লিখি • এই টীকার ঘুট্রানা হল্পলিখিত প্রক্র আমোর দ্বিগোচন হইয়াছে। স্তুসংহিতা ৬ প্রাশ্ব সংক্রিয়ার তীকাতে মাধবারাগা প্রপঞ্চারকে ভগ্ৰং গদ শ**ভ্ৰক ১ বলি**য়া উলেখ কবিয়াছেন। नादमाञ्चित्रकत निकार नामव परेश **করিয়াছেন। সম্মোচনভন্তে শঙ্কর ও ত**িহার **निक्**षठकु**द्वेदाद উद्मिश आह्म । এই मृद** मिश्रिश শঙ্ককে শাক্তাগমের, বিশেষতঃ ত্রিপ্রাগমের, একজন অভি প্রধান আচার্যা বলিয়া কাকার कदिए अह ।

क्वनाविशीन भाष्य अति । १ ग्रें रामन ভাঁগার দাক্ষণান্ধি স্থোত্র ও স্তরেখবাচাযা উৎগ্রের পুরে বাজক্রণ আগত ॥ ও ঠিক ক্লুত ভাষার বার্ত্তিক পাঠ করিলে এ কথা আরও শ্রেষ্ট্রক্রে ব্রিতে পারা যায়। আমরা সংক্রেপ CHEAN I PER WIST প্ৰিত মহানেত্ৰ লাম্বী লগানৈত্বের সমন ৮৩জন নতাকীর প্ৰথমাণন বলিলা বিজি ক্ষেত্ৰিটানান

নিৰ্বোধ নজে ৷ তবে লগ্নীধৰ বে ভাষাৱৱাহের বঙ্গকাবঙাঁ ছিলেন ভাষ তে কেম্পের সংগ্রান্থ भाषप्राद्यां अवस्त्री विलयां कोवान कान कर

 कड़ कड़ जीवयालरहीएक मक्टाइव द्राप्ता तिवाम करवन नार किन भाषात्र नाम करवा नक्रवाहराज्यक्ष मार्शन बहना। रिश्विक महोतमा नाकी ६ मधाक मार्ग गीवर्गक्ष छ।इ' विकास मार्ग - "The fact that Bri Sankaracharya was a reforme, in his days of the Fakta cult an of sarious others, the very important part still played by Sakti worship a stitue advact . Justing the identity of the soil and the Goldess spoken of in verse 22 kg. . empered to the widents in verse 84, the perdian style of the ayam and an imparimate Greater to was all stempt to unify the percher doctrines of the man, by opposed sects of Sannya marge Alexanda maga, and lastly, the manimous textraiony of such writers as Lastly the and Rhadkararaja - all these meline me to believe that the byon he a good of Sri Sank radiova." Preface to Saundary Lunary (Mysor Frank)

'+ -कामीशमी पाछित शिवुष्ठ मी**ठाशम मार्की** मीर्यकाल म दक्षी प्राप्त राज राज कालिक्किक्षाच्या है किया विश्वास व्यवश्रामकारम स्टातबटनव जैका किङ्क्षीन वारमाठेनी कप्तिमा किरान : । केरशुत गुर्ण असे मिल्पुर असे किलाहिए।

ক্ষ্যিক্ষাত হয়। যিনি মানাবীর ভাগে।
নহামোণীর ভাগে, তথু স্বেভাতে এই বৈচিত্র। ময়
বিষয়ে বিজ্ঞান করেন, তিনিই আম্বাদে।
ক্ষাদেশ। এখানে এই বে মায়াবী ও যোগীর
দৃষ্টান্ত দেওলা কইল প্রভাতিক্রা ও ত্রিপ্রাদেশনে
ঠিক এই ওইটি দৃষ্টাক্তই আছে এন: জপতেব
ক্ষি হে ইচ্ছাশকিন্ত্রক—উপাদান নিরপেশ
তাহার বিচাব স্মাচে *: প্রভাতিক্রা
কারিকানে উংপলদেব বিল্পাছেন—

চিদাবৈশ্ব দেবোহস্তঃত্তি ত্মিচ্ছাবশাদ বৃহিঃ। ষোগীত নিজ্পাদানমর্থজাতং প্রকাশতে ।। অর্থাৎ সৃষ্টি বলিতে অক্তান্তত পদার্থের ববি:-প্রকাশকে ব্যার। সকল পদার্থই চিদাআা অস্ত:স্থিত, ভগু ইচ্ছাবশ[্]় কথন কথন কিছু কিছু বৃহিঃপ্রকাশিত হর মাত। (A) = 13 প্রকাশনই দস্ততঃ সৃষ্টি শব্দের অর্থ। ধলা বাষ্ট্রলা এতাদৃশ স্বাষ্ট্রতে উপাদানের कारशका मारा इकामिक कारलशस्य गर्भ বস্তু নিশাণ হয় তথন পুরুসিদ্ধ প্রমাণ্ প্রয়েজন হয় না। বাহারা যেগার স্টিবাা ।।। প্রতাক করিয়াছেন তাঁহার৷ এই দ্ধারে मार्थक जा मश्कार है जिम्बा कांत्र जिल्ला भारति । কেই কেই বলিতে পারেন বে যোগীর সৃষ্টিও পরমাণুসাপেক — যোগা ষ্থন প্রয়োগ করেন তথন উহার প্রেরণায় প্রমাণু-দক্র আপনা আপনি আহিয়া একত হয়।

किन अल्जिक्श स्क कार्रिकीय गाया-প্রসঙ্গে বলিয়াছেন বে এ প্রকাব করনীর কো-मृत नाहे "न हि और देक सकाम-পরমাণবো যোগীচনুরা ঝটিভি সংঘট াঃ কার্বা-बारक्षात्य हेिं , (क्षेत्रश्रह विकितिमिनि). শুঃ ১৮০)। ইহার ক্রিণ এই তে গাঁহার। भवमाव्यक्ति डांशांता माना अस्ति भवमार् व्हेटड সুগ্ৰস্থৰ উংপত্তি স্বীকার করেন ন।। অবাস্তর অন্যবের বাবনান পাছে বলিখা यात्नमः। ८ यन यह निर्माण कार्त्रां क्ट्रांग ७४ भव्रमान मम्हरक तिमिष्टेमश्कारम । व्यर्गार गतिकारत मिंड विनेड ৰ বা প্রশাগু চইটে वापुरः, मध्यभद्र भट দ্বাণুক্তের সন্মিননে অসরেণু, এইরূপ ক্রমশঃ স্থলতর কার্যোর উৎপত্তি হইতে থাকে। কপাল নিষ্টিত ১ইলে গুইটি কপালের পরস্পর मः (यार्ग चराउत रुष्टि इत्र । १०४ নতে। লৌকিক দ্বিতে কিংবা উপাদান-সাপেক স্টিতে নির্দিষ্ট সহকারীর আশ্রয় চাই, শিক্ষাও অভাসের প্রকর্ষ চাই। নিশ্বাণ সম্ভবপর নতে ৷ কিন্তু যোগীর স্থাইতে ज्ञास्य किङ्गेष्ट कार्लिक स्थाना। (गानी अ श्रमंत्रिक अध्यानुष्क अवनयन कृष्टिया . अक्रम कहाना निद्धिक !। হয়াগিজানের এমনি মহিনা যে আভাসবৈচিত্যানয় পদার্থসমূহ ইচ্ছানা এই প্রেকাশিত হয়। আসগ কথা এই বে সংবিৎ স্বাভব্তাময়ী (free), যথন

^{*} প্রত্যক্তিকা দশনের সিদ্ধান্ত আলোচনা কালে এই সব বিবয়ের বিস্তারিত বিবরণ থাকিবে।

[া] মাধবাচাৰ্য সৰ্বপৰ্কুসংগ্ৰহে, প্ৰত্যতিজ্ঞাদৰ্শন শীয়ক প্ৰজাবে (স্কানপাত্মন নংক্ষন, প্ৰ ক্ষেত্ৰ), "যে তু প্ৰকৃতি মোপাদানং বিনা" ইজানি বাজ্যবাল এই মতের উজ্জেশ্পুক্ষ গঙ্ক ক্ষিয়াছেন, অৰ্থাৎ বীষ্টাল্ল, নংক্ষন বে বোগীর ইক্ষায় প্রমাণ আরুষ্ট ইইয়া পুলবন্ধ নিজিত হুণ জাহাদের বিদ্যাত অসকত বলিয়া ক্লি পাদন

ভাষতে ক্রিক্স উদর হয় তথন সেই অপ্রতীঘাতরূপ ক্রির বলে অস্ত:ব্রিত অর্থাং জ্ঞানরূপে
কিবো আত্মার দক্ষে অভিয়রূপে ব্রিত পদার্থ
দমূহ জ্যেরূপে অবভাসিত হয়। যাহা 'অহং'
রূপে দুষ্টার দহিত এবাকার ছিল তাহা 'ইদং'
রূপে পুলপ্তাবে ফুটিগা উঠে। ক্রিত প্র্যাত:
অর্থাং দেখা দতে তাদা আবোধন্ত দুষ্টার
কাছে,—পরিক্ষর দেশি এর ক্রাড—এই
পদার্থ বাহা ব্রিক্সা প্রিক্রিত হয়

অভএৰ এই বিশ্বস্থ আভাস্পনিয়োব দল চিনামার বংগ্রাণকি ক্তেপ্রচাধা উক্ত খিতীয় স্মোত্র বাহিকেও এই রূপেই हैकां निक्रव डेला मार्मा निवासिक প্রসামগা বৰ্ণনা কলিখাছেন: তিনি ছেশাইবাছেন যে পরিণকসমাধি ঋষিগণ বিশাশিত প্রভাত উপাদান, উপকরণ ও প্রয়োজন বাতিরেকেও কেবল মাত্র স্বেচ্চায় সকল প্রকার ভোগ সামগ্রীতে পবিপূর্ণ স্থালোক সৃষ্টি করিয়া हिल्ला। इंडोर यात्रिक्ष हित मुक्ते है। क्रेश्न-স্ষ্টিও এইরূপ, কাবণ জিনি স্বতন্ত্র ও স্বর্শক্তি (বার্ত্তিক ৪৮) + ৷ ডিনি আরও বলিয়াছেন त क्रेश्व कीव्रकतालात किना कही, खतः প্রমাণব্যাপার বিনা সুক্তম্ভ, কারণ বিভিন্ন প্রকাশ। ভাঁহার জাড়ও, কন্ত্র প্রচ্ছি · তাঁহার স্বাভন্তাশক্তিরই भ'भास्त्रवः ইঞ্জাপতি সক্ষনকারিতাস্বরূপ—ইट। নিরাশক এবং অপ্রতিহত। धंडे हेळावाल শিন "কর্ণ", "ন কর্ত্ত ও "অন্তথা কর্ত্ত স্মাধ্য প্রবর্তন, নিবর্তন ও পরিবর্তন করিছে ममर्च-रेश चण्या ाहार्मिश्रम वहे हेव्हामस्मित्र

> দীৰলৈ চনন্তল জিলাৰ কৰু লোক কানপোনতঃ। কেন্দানাত্ৰেণ্ড সকলং কলতাকতি হল্পি চ।।

কুরণকেই সামাজ্য অক্র-দশ্ম সোঁকে ২৯
কারকা ভাইবা। সাজাজ্য সকলে আজিভাবের
বিকাশ, থাহাদের সমাদি প্রতিপক হইরাছে
তাহাদেরই ইহা লাভ ১৪। ইছাই পাধনেবার
—ক্রাভা অপ্তবিভূতি উপ্ত জনার ক্রিছাই
নহে। আজ্য মহেধান—ভাক্তিকে (১৯৮৬)
সরেধার বলিয়াচেন—

ं वनोटेसथर्याविशृष्ट् ि श्रीनिक्षां न नामग्रः।

ঐখব্যবস্থা ভাসতে স এবাছা সদাশিব: ॥ পরবর্ত্তী কারিকায় আচে যে পুর্ণাকস্থা লাভ ইটালে এই ঐথবা আপ্ৰিট দিকশিত হয়, সে গ্রহার বাজা চেষ্টা করিছে হল लो। অগ্নিলাভ হিইলে তাপলাভের জন্ত শগণ্ডাবে যদ্ধ করিছে লয় না। স্তোত্তের দশাং শোকে শবর নিজেও এই সকাজতা আ পুলাংখাং মহাবিভৃতি' র্যায়া বর্ণনা করিয়াটেন। বিচেই অন্যাহত वैश्वर्याः, अनिमानि अहिनिक गडाव शतिनाम এই "অহণ নিকি শর, সভরাং प्रशतिष्टिश ७ शूर्व-देश ११० महरू महिन्छ एक (६।७১)। नवम स मन्त्र हिंदा,स्त्रत्र वार्डिएक সাহ,মা৪,১০1১০) প্রাথ্যারে মুর্রিকে ৩৬০ তন্ত্ৰাত্মক অৰ্থাৎ বিশ্বাহাল প্ৰায় বৰ্ণনা কৰা इंदेशीट्ड। वर्णा नास्था ३. ७५ ए.ख প্রচাতিকা ও ত্রিপুরা কান্য স্থপরিচিত সিহাত। এই সব আলেলা কারলে স্পাইট প্রতীতি হয় বে শক্ষর ও প্রাণখন এই প্রতে দাকাদভাবে আগমেরই অনুসরণ করিয়া र्जनग्राह्म :। यहे अं ेशुर्क उपानाननिवरणक ठाव क्या वर्गा रहेल माहत (यमा ए । देश अंडिमा निमासा भाषानवाम सनिया

া পদং প্ৰকাশ, সাম্পূৰ্ণ প্ৰসৃষ্টি চীকুৰে দ্বিগণ

भविष्ठिक बारक । अवन्त्र) विष्य न अवान मान्यिनके निमिन्छ ७ छेशामात्मत्र त्र्जी व शिक्संत्र कर्त्वरङ्गे रहेर्द् । किन्त कथ्र और भानित्रक सारवा अस्ति भूशाकर्ष्य / अजीक व क्यो देश नारे। শক্ষর স্পত্তাকরে বিয়াছেন ে ঈশ্বর্থ প্রক্রি उं नवं विश्व नारं, डेंश् बरिक्षा के वे विश्व পরিচেছদনিবন্ধন, স্কতরাং জাছতে-विश्वाचाद्वाभाविभविद्यासमार कर्मास्वयः अवस्त्रवयः मर्के छाड्र मर्केम क्रिक्ट ह न महामेश्री ही विश्वीन भाक्षम् व्याभाविषक्षम् । या वन् निर्माने प्राप्ति । पर्य-জ্ঞহাদিব্যবহার উপপন্ততে "াব, পু, ১০১১৪, ভাষ্য)৷ এই ভাষ্যাংশ হুলাং প্রে বুলৈতে পারা হার বে চিদাআর উপ্তর্গ আবিভাক, শ্বতঃসিদ্ধ নকে —সুতরাং कु के निष्ठ स्थान বিদ্যালোঁকে অবিস্থান্ধক চাইবেন্ত্ৰিত **बहु**या म भागा मि যার তথন ঈশ্বর্থ থাং। স্তোত্তের ১০ম লোবে अक्षय क्यांडेरिक त বলিয়াছেন যে ঈশ্বহ গাকে, নক্তে ক্তাপ্রপ मशाविज्ञि शास्क, পূर्वीक्या शास्त्र -- १ । । इहा আত্মত্তরপ হইতে বিল্লাণ ৮০২, ইং নাডা **দেবের স্বভাবভূত,** সংবিদ্যানিমিঙক নহে। স্বরেশবাচার্য্য ঠিক এই কথাই মণিয়ার্ডন —

শ্রম্থানীখরজং হি লাগ নাজি গুল্প নিতঃ।
পূর্বে ধাবমানেংপি ছায়া তমন্ধাবকি॥
ভীশরভাব ও শুন্দৈ গুল্পাব শিপ্তকু নহে,
স্মৃতরাই আত্মজান হইলে, ইশ্বনিলাভ আপিনিই
শাভ হয়।

(৮) ত্রিপুরা ও প্রক্তাভিজামতের পরস্পর সমস্ক

আমরা প্রদক্ষতঃ প্রভাভিজাশালের শহিত विश्वा ७ लानगाउत चनिष्टं महामा करी। বলিয়াছি। যে আগম একের ভাকর গ্রন্থ অপরেরও তাহার। উপাসনার পার্থকা রক। कतिवांत क्रम्भ भुशक आश्वान वांत्र श्रेमारह বটে, কিন্তু তাহাও একই মূলের উপর প্রতিষ্ঠিত । ফলে উভয়ে পদ্ধতিব লেন ভিন্ত তায়িকদষ্টিতে বিশেষ কোন ভেদ লক্ষিত হয় না। এই জন্তুই আমরা প্রাচীন আচারে-গণকে ত্রিপুরানিদ্ধান্ত সম্বন্ধে লিখিতে খুয়াইয়া শিবসূত্র ও প্রত্যভিজ্ঞাহনত্ত, স্বীপরপ্রতাভিজ্ঞা-বিমৰিনী, ভক্ষালোক প্ৰভৃতি প্ৰপ্ৰসিদ্ধ শৈব-গ্ৰন্থ হইতে প্ৰমাণ সংগ্ৰহ কবিতে দেশি। পক্ষাস্তরে উৎপ্রদেব, ক্ষমরাজ, অভিনবগুর, মচেশ্বরানন্দ প্রাচৃতি শৈবাচার্যাপণ কথা প্রয়ো-জন যোগিনীহ্নদয়, কামকলাবিদাদ, ত্রিপুর-মুন্দরীমন্দির প্রভৃতি গ্রন্থের প্রামাণ্য স্বীকাব করেন। সাংখ্য ও যোগে যেমন নিকট সম্বন্ধ ত্রিকমত ও ত্রিপুরা মতেও সেইরূপ রামকরস্ত্র, বিন্দুস্ত্র, তম্ববাজ, জিশুরারগঞ্জ, বামকেশ্বতর, প্রমানন্ত্র, নিত্যাহদর, <u>দৌভাণ্যরত্বাকর প্রভৃতি ত্রিপুরামতের শ্রেষ্ট</u> গ্রন্থ—ভান্তর রায়, কবি রামেশ্বর, লক্ষীধর, छेमानन्ताश, अमृडानम् **এ मटड** उे९कृष्टे द्याशाना। এই नव পर्यात्नाह्या किंद्रल বেশ বুনিতে পারা যায়—প্র গ্যভিজ্ঞাদশনেব স্হিত তিপুরাসিদ্ধান্তের দার্শনিক अर्थाए कानकारकत (उमन द्वान नारे।

প্রকাতিকা ও ক্রিকা সিনার ক্রাইতেক সা ক্রিয়। অনেক ছলেই ভোজ ও বাভিকের ব্যাপান্ত ক্রম করিয়াছেল।

তবে একটা কথা অবশ্র বাধিতে হইবে। উভয় নতেই ৩৬ তব অধীকৃত হইরাছে পরে যাহা তাহা তত্তাতীত। বিশ্ব এই ৩৬ তত্ত্বের সমষ্টি। তথাতীত म्हें छिड़ उपद्र उप्चर, ठाई छेटब्रहे सूर्व এক ৷ দেই জন্তুই সেই পরম বস্থ বুগপং ত্বাভাত অর্থাৎ বিশোদ্ভীণও বটেন, আবার गर्स ड वस्त्र, श्रू ड्राः दियासक ७ वर्षेन। এই যে বিশ্বের কথা বলা হইল ইহার ম্ধো ৩৫ৰ ও ৩৬ল সংথাক তত্ত্ব, যাহার পারিভাষিক নাম শিব ও শক্তি, তাহা নিতা--াহার আবির্ভাব তিরো ভাবও নাই, তাহা সংশাদিত। তাই প্রকৃত প্রস্তাবে ৩৪টি ভত্তই অৰ্থাৎ পৃথিৱী ভইতে সদাশিব তত্ত্ব প্রধান্তই বিশ্বনামে অভিহিত হইবার যোগ্য, স্কুডরাং স্থাষ্ট বলিলেই সদাশিব প্রভৃতি ভ্রমালার ক্রমশ: আবিভাব ব্ৰিতে চইবে। এই আবির্ভাবের বীজ, যাগার ক্রম-বিকাশ্ট বিশ্ব, তাহাই শক্তি। এই শক্তির দ্যো শিব চির্মিলিকা শক্তি অন্তমুপ গুলেই শিব, শিবু বহিমুখ হইলেই শক্তি। মস্তমু থভাব ও বহিমু থভাব উভন্নই সদা कानीन-(कम मा भद्रसम्बद मिछाडे 'भक ৰু গ্ৰাকীনি শিব তবে শক্তিভাব গৌণ, শি**ব**-ছাৰ প্ৰধান, শক্তি তথে শিবভাগ গোণ, শক্তিবে প্রধান। কিন্তু বেগানে শিব ও শক্তি উভয়ই একর্ম, দেখানে শিবের ও আগাত নাই শক্তিরও প্রার'ন্ত নাই--সেটা माधावस्था। देशक निका अनस्थ। देशहे उद्वादी । (कह (कह हैशास अन्य उद्धाप

মাজনের চর্ম লকা। শৈবের ইনি শ্রমণিক,
নগজের ইনি
ক্রমণিকি, বৈক্তের ইনি
ক্রিলিকিন
ক্রমণিকি বাধিতে হইবে এ

নাম নামও তথ্ নামনাত্র— ব্যবহারসৌকর্বোর
ক্রমত করিত ব্রস্তেন।

৯ জাগ্য ও সূফীয়ত

ত্রপুরা মতের সহিত প্রতাভিজ্ঞামতের
থ্রীলক মন্তিদ প্রতিষ্ঠিত হইল। এই
নিত্ত মন্তেল সঙ্গে প্রেট্রিত হইল। এই
নিত্ত মন্তেল সঙ্গে প্রেট্রিত মন্তর্গক আছে
বিভাগ নাল হয়। ইছা আছে গৌডীয়
নিত্রপারত বেবরণ করিবার সময়
নালায়নে নে বিমন্তে আলোচনা করিব।
ক্রিত্রপারত সন্তর্গকরানিসন্তর্গকিত্রপারতি মন্তর্গকিত বিমান
ক্রিত্রপারতি মন্তর্গকরানিসন্তর্গনিত্রপারতি মন্তর্গনিত্রপারতি মন্তর্গনিক মন্তর্গনিত্রপারতি মন্তর্গনিক মন্ত্র্যনিক মন্তর্গনিক মন্তর্গনিক মন্তর্গনিক মন্ত্র্যনিক মন্তর্গনিক মন্তর্গনিক ম

ন্ত্ৰ লিব শিবু বহিমুখ ইইলেই শক্তি।
নিজ্যুখ সাচি 'Sylvestre de Sacy)
কালীন কেন না প্ৰমেশ্বর নিতাই 'পক্ষা প্রমাণ্ড মনে করেন স্কর্নীগণ আপন
কালারী।' শিব তবে শক্তিভাব গোণ, শিবভাব প্রধান, শক্তি তথে শিবভাব গোণ, শবভাব প্রধান, শক্তি তথে শিবভাব গোণ, শবভাব প্রধান, শক্তি তথে শিবভাব গোণ, শবভাব প্রধান। কিন্তু পোনে শিব ও তাহাই বিশাস কালিতেন। তাহার Weste
শক্তিতাব প্রধান। কিন্তু পোনে শিবর ও 'Detlicher Divan নামক গ্রন্থে ভাইনে
পালিত নাই শক্তিরও প্রান্থেল নাই—সোটা প্রধান মান্ত এছে ভাইনে
পালিত নাই শক্তিরও প্রান্থেল নাই—সোটা প্রধান কালেন বিকলসন
সামাবিদ্যা। ইহাও নিতা অনস্তা। ইহাও পিতিগণ মনে করেন নবলাইনীয় (Neogon)
কলেন। কেন বেলন ইয়াল প্রান্থ কিছু প্রিনালাতে সাহের সাম্প্রভাবর করেন নালাল সাম্প্রভাবর সাম্পরভাবর সাম্প্রভাবর সাম্পর্য সাম্প্রভাবর সাম্পর্য সাম্প্রভাবর সাম্প্রভাবর

পারি কি না, অবন ই বাবে কা ক বি সিরাস্ত সমীচিনি, কিবল কিবলৈ সম্ভাৱন অহাত, এখানে কর্মার্ডেন করেন। কে নাটা মানাপের কর্মার্ডেনের করেন। কে স্থান সম্ভানালের সিরাম্ভ সাল্যানিকেনের স্থান সংগ্রাহ্যান্ত ব্যাহ্যানিকেনের মতের সাদ্রাপ্তানিক হর

ল্পনী দিছে। পশ্চপ্তার স্থানী বিশ্বনি স্থানী বিশ্ব

প্রনার্থ ডা চিন্দ জি জাজালা ও এইংconservation গা বি স্কার্থ জালার ভাগা টো
প্রিক্তির বিকার নুখালার ওচ টিন্দা বি
পালার জন্ত কামার প্রধান, এবা কালা ভ কালার সূত্র কামার প্রধান, এবা কালা ভ কালার সূত্র কামার প্রধান, এবা কালা ভ কালার প্রান্ত নিজ্ঞা, স্বভাগার পর কালার নিজ্ঞা সম্পার কালালা বিভাগার নাম কালেব্যাসার্থ বি আকালা ব্রিভাগার ক্ষ্মান নিজ্ঞান

প্রকাশ হত্ত এব এব কি লাগ নাগ স্কর্ ।

চির্ভান্তর স্থান করা কি আমান আমান করা কি আমান করা কি আমান করা আমান করা ।

আমান কি আমান করা কি আমান করা । আইবার জালে প্রতিবিশ্ব আরু স্থানাল করা । কেবার আমান আমান করা ।

আমান করা কি স্পান করার প্রকাশ করিয়াছেন ।

কৈয়াল শরীফ স্পান করার প্রকাশ করিয়াছেন ।

क्वती कविभिर्शंक सर्धा अहे मर्त्यं अकि शिमन প্রচলিদ ক্রিটা কথিও আছে য বপন म 🛪 🎶 बान कि जी वस्ति है जिस्सा मध्या धार्म কার্মাছিকেন তথন ভগবান তাছাকে সিয়া-ছিলেন, "I was a Hidden Treasure, therefore was I fain to be known, and so 1 created creation in order that I should be known." অৰ্থাৎ ভগবান বেন গোপনে একাকী থাকিতে না পারিয়া আত্মপ্রকাশ করিবার জন্ম স্থি করিলেন। কিন্তু বিরোধ ভিন্ন আত্মপ্রকাশ সম্ভবপর নতে। তাগবান অথও সভা, সৌলগা ও মজল স্কুরপ, তিনি ভাবময়—তিনি আগণন স্বাহস্বাবলে একটি বিবাট অভাব, একট মহা-শুক্তের (Not-Being) আবিভীব কবিংলন। এই অভাবৰপদৰ্শণে ভাবনমের জাহানস পতিত হণল। এই মভাব**প্রতিবিদি**র ভাবত বিশ্ব বিশ্বই জালু উভয়াতাক, পৰিবৰ্তনশীল -- গ্রাম ভার ও অভার উভারনই স্বভার প্ৰি-ক্ষিত্তয়। মতুষ্য এই বিশ্বাঞ্ক প্ৰতি-বিষেব চক্ষাস্থৰ প্ৰতিবিশ্বর তথ্য প্রতি r বেমন দ্রষ্টার (বিষেধ) পুণ প্রতিক্ষরি ক্রিক্রিট শা ৭য়া যায়, সেইক্লপ এই অমন্ত বিশ্ব মাণে এক-का । मन्त्रवाहे 'स्थातात्मत श्रव श्राहाकोत व**र्डमान** मा । मन्या नित्वदर्गे मान्यः शह मञ्जास अ জা। ও অভাব উভয়ের যুগপত সমাবেশ আছে। এই অভাবাংশ দূরীভূত করিও পর্ণ ভারস্বরূপে

ন মহন্দ্ৰদে জানাশিক দেব শহাকে ১০ পানীয় থকা গছে হাদিস বলে। এই বাণীর বক্তা সাক্ষাৎ জগৰান হইছে পালে শংকাল প্রাপ্ত কালা লাভাই এই শাবালীয় একশা চন্দ্ৰ পাৰিলা ক্রিছিল। ইন্ধু ছিলে উল্লেখ্য হাদিস ১ চন্দ্ৰ বলা হয়। আর বদি এক সাণীত আনুক্ত সক্ষাও গছাই ৯ এই শাবালীয় একশা চন্দ্ৰ প্রাপ্ত জানাই ক্রিছিল। ইন্ধু ছিলে উল্লেখ্য হাদিস ১ চন্দ্ৰ বলা হয়। আর বদি এক সাণীত আনুক্ত সক্ষাও গছাই ৯ এক প্রাপ্ত জানাই জানিক সংগ্রাক ছাদিসক হাদিস ইন্ধু ক্রিছিল। ইন্ধু ছালার ছাদিসক হাদিস ইন্ধু ক্রিছিল।

অগৰবেদ্ধনে প্ৰতিষ্ঠিত চওয়া—ইক্লাই মহাৰ্য্য জীবনের উদ্দেশ্য। 'শত এর অভাবাংশকে ভিরোতিত করিছে ১০লে আমানের '১,হং ভাবকে দমন করিং ঃ ঃ ব। এड अ छात्रहे যাৰতীয় অন্তের মূল। স্ত্রনীগণ ক্রেন ভগবানই ষ্থন একমাত সংগ্ৰস্থাৰ স্বল্ভ দ্থন মিথাা, তথন আমাদের অভিনান কবিবাব বান্তবিক কোন হেতু নাই। এই অভিনান নিবৃত্তির একমাত্র উংবে প্রেম। ভগবৎ প্রেম একবাৰ জন্মে উদিত হওলে অভিযান বিগতিত হয়, সকল অভাব কাটিয়া নত, মায়া বালা নিমেষের নথ্যে কোথার মিলাইয়া গর, চিত্ত करिष्ठ । श्रमकरण, श्रम (मोन्स्या भर्या, विकन **बा**ड करता अहे स्मीलवी ७८ अन् अन्छ व মুক্ত, থার আদিও নাই, মহও নাহ, ইংল উচ্চত চ দক্ষিণ্য ম ভেদ নাই। এখানে এক श्रीर धान । अधिव (ननशीक्षर भक्त ना আক্ষা' ইবা া নানী বলেন মন্ত্ৰণ ব প্রার্থিক অন্যা, কিছে প্রবশ্বঃ আপনার জ্ঞিত সন্তা কলকা করিয়, কর পায়। তাবিছে। মে হ গুল কোনোল কৰিয়াকে ক্ষম এখ विकारत हिन्द्रांत्र म का वर्षे गातः। विकास (डिमा) के अञ्चामकता, मुकेट Car एस अर अर अर ५ — वाकः २ वाइ।

শাস্থ এই অবৈ চন্দ্রের বৈরুদ্ধে এবং দরনেন মাসুদ এই অবৈ চন্দ্রের বিরুদ্ধে দণ্ড রন্দ্রের হিছুদ্ধির বিরুদ্ধে পরি বিরুদ্ধে বিরুদ্ধি বিরুদ্ধে বিরুদ্ধি বিরুদ্ধি

ा ए जीवार के

भागमार्थं के विकास का दक्ता क्षेत्र है । म ध्वत । खतः चा : म, रिक्क के दि है विकास मान क C. म अधिनिध और ता "एका श्रीक्रें कुटें वा क **এই স্বর**ণ জ্যোতির নেতা স্থ**রস্থান**ি জন বন্দ্র गर्दी कि इ कारह, सबहे देशक क्षेत्रिंग चानान —रेहातरे भक्ति बताल, धार्मात्मत प्रतिम एका नार्टे। क्लाहिः स्वात तमः खाः रः १०% স্বীকার ফ্রিক্ট নির্মিট নির্মেশি টিল্ল चर्याद । हे ता ब्रिह्म । घट है। रजारित অভাব বা অন্ধলাদ -- ইয়াকে প্রকর্মন চ করাই ছেল। বা সালাব। ভেলাভিঃ সকান জিলা বামল। স্থান ধ্ৰিচাত প্ৰ জিলা। view forest व्यतिका वर्षा अस्तिवास सम्बद्धा त्यां के देशे हैं विकार बहेद प्रतिविद्य के अवस्त প্রে। ক্রিক্ত্রে গ্রালার ব্রিক্তি উল্লেখ্য হয়। কিন্তু ক্রমশঃ বশ্বি হল। হল। আরম। তথন च्यात मुख्य गीमात । गीम वै सीभातक बीचा **ভট্টে সিহা**লকা চন্দ্ৰ त्मन ११ अड मर अवार क्या का मर्थ कार भून १६ छ । १११६ में भूभ र कहुं। (logier) भाड कर र १८५५ औं सर्व स व्यक्तकतित्व कथाः कार्यः । १११ कथाः ५ ए ५ न হাতা প্রেমানেরেই পান এক কিন্তু এবং এরিপ্টেল এ 🛶 ইন্থার পাঠিয়া ভারনা কার্ছাছেন ইথারা সেইকৰ জাত্তন লাভ

বাহা হ'ডক, এ বিষয় জানিক নিচাবার প্রান্তন নাত। সংক্রোপ্রান্ত করা বিষয় হংডেই জামানের বক্তবা পরি হ'বে বিজ্ঞানি সিদ্ধান্ত উল্লিখি চুইখ আহমে আহপ জাগম নাজে বিস্তারিতভাবে ক্রিড

79 9 1 4 1 1 1 1.45 1.46 ₹,\$ \$9 1 19 4773 Majoral 1 城田 有有 "

ক্ষান্ত ক্ষান্ত কালে উপরে মহাকতে 13 উৎ দেশে কালিয়া भिनाद करना क्षेत्र गर्दछ। - छ। **गर्द क्राव**ेल्ल क्रेस्टानेन्यामत्र ৰি নীয় সিষ্কৃতি কৰিবলৈ কৰিবলৈ তিওঁ বিকশিত ২০৮ জগলা তিনি মেন চি হেলা আৰু ক্ৰিক কৰেন এই কৰিছ কৰিছ। তথ্য কৰিছত বিশ্ব । कार्यक्रिक कि ।। • भौक्षेष्ठ एक वहें कर्या है कि दाना ना । গাঁলরা স্থান প্রেম্পাঞ্র স্ক্রান্তিন্তে ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত চীকাতে निरंदरमण्डल के किश्वम क्योंकि देशम १ त्या वहुत्री एम--- तमून व्याट **व्य**क्ष दक्षण आवा उरामन छ । ९ श्रमत क्षामी क्षितिको प्राच क्षितित १ एक चारम्थ १९४१ राज १ वस्त्र अस्ति त प्रदेश के विकास के किया कि व्यक्ति के विकास के किया कि व्यक्ति के व्यक्ति के विकास के वित ক। কোন স্তান্ত কি ক্ৰিণা কি কাৰ্য আপত নধান আয়াপত্তি,কা দৰ্শন কি নিয়া ্যামি মুনী এই ভাব আ**ত্মস্বরূ**প অস্থাত মন্। म १११ १ - इक्षेष्ट्र राजारक्षा व्यवस्था शनगण्यतस्य सम सर्वेट भरानाका भागाम अभक । 📸 र इनेग्रा পোট্র ইং বুর্মান বিশ্ব। সভাই তর্বান आश्वा और क्रीना श्रामा विकास ্রে ক্রিটা । স্বভাবত রহ'। 🚉 ১ ৫০ ব হারতে कार्क- की एक प्राथमान कारक ने निर्मा ्रायः बीर्णः, तिन्तिर्गत्यः । प्रश्वः । स्ति। । । । । । । । ी है है अन्देशीय प्रशास का कर क्यार न राज है दश्रव প্রাব্যা । প্রশান প্রকাশ । ইয়ার শ্রেশান প্রস্তানর া ইচাইই ্রুক্তিক ব ক্ষ্মিরেরপ ্রিমি, স বা ार्ट अक्रिक प्रमान सम्मा विद्यार्थ स्थान अक्र नम् । अंदेषिक अधिका अन्तिकालनाम सार्थ া সুৰুদ্ধ মাজা (২০০৪ তালা তহন লগত শক্তি দৈবুৱা श्री भीनास्य १६ कि ११ छ ता । ज ता १० ६ का तमती, अवस्थिति । विके भीति । य मन्द्र कारणवती, जन्म । लान्ना ्राधिक कि विकास के अपनिका के लाउ

এই প্রন্দবীর উপাসকগণ ইফাক 🖫 कर्प डेपानमा कतिया धारकमा हरू त যোড়ল কলা সমস্ত কলাত নিলে, স্থিতি ভ্রন্থ ইংদিগকে দ্বিত্রাঞ্জিতি বলিয়া বর্ণনা কবা হয়। श्रद अधिक ५४ কলার উদয়াস্ত আছে, ভানবৃদ্ধি আছে, ষোড়শীর ভাগ নাই। ভাগেই স্মানুষ্ট নার্মী। চন্দ্রকলা। বৈয়াকরণগণ উভাবেত ক্রুখীয়া গণিরত একটি সংগ্রাত ক্রায় আছে। বাক বলিয়া পাকেন, দর্শনশাস্থে ইচার শ্রেন্ত শক্ষ্মিত মহাপারে স্থান্ধর্মির 🕟 🔻 **त्राचिक नाम आचा, मञ्जनारक्ष देशकार्य अध्याक्ष्मी है है त्रांशिक्षिक्षीक्षित अप वाम करत शरर श्रास्त कर है** বা দেবতার প্ররা**শবি। হয়।** অভিজ বাহালে প্ৰচন্ধ বলি তালা বল্পত: পূৰ্ণ ১, শালা \ বুল ১ ক্লান্তৰ ক্লিন মাল্ড চাস্ম্ব (চ্বাচ ভাষার ক্ষয়েদের ইক্ষাছে। বাহা শক্তবিত প্রকৃষ্ণ ক্লাছের জিলাস্থ বর্ষা পূর্ণ ভাষাতে ন্যানাধিকাভাব খা ও গাবে ুর্ম্বান্ত অপ্রাধিনী দুর্গাল্ড অপ্রাঞ্চলন্ত मा । कडाम् अर्गडा तद्यक्षः नाउटे केटकेका আছে—তাই নিত্যোদিত, অমৃত্যুদ্দশ, ১ জন্ত্ৰ। रेनिरे मर्शावश्रम् नर्दी गणि छ-क्रिकानमा के प्रकृति स्त्रिक्ति गार्क्ष क्रिका के हिल्लेहरू

第一· WK () 新时间 () 新闻 () 新闻 () 新闻 SUPPLIES OF ME MAN PORTO अकर अविक (अवस. स्टिक्ट के कि शहर वर्गात B 200g · 100g · 1 X4" MA WINE SHAWN, WITH MA PERT - " MEN - MARKET WAR SHITT STATE THAT WE THAT IS STATE STATE Mill - Distall To the control of O. Service Age of the service of the 海南村 主日本 南北 一年二十二十二年 新年 निसामा विषय 1日本作事: 如此 柳州 圖 打印机 高点、 等學鄉時 活力 电 भे भिन्न ार्थ के अस्ति । अस्तितारहरू --· 一般 ではりまして これいハマイン は と、 これ 機能的 र्च पश्चि / कश्चाह १,००, अवस्थि कार्या, केश्यक्तिमार्थं स्थापन अपापात्र क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा क्रिस्टा भीनामनावस्थापकरातः वर्तवः ५००० 一直指挥 河南縣 紫柳柳柳 化黄芩钾矿 对市场。(्रिक्षा अवस् दर्शाङ्ग हैं। १ हारास्त्र

ভাবেট भाग कविता शादका ।

মতও আপে প্রওয়া ধ্যা क्यांकि:हे जिलाको इस्टिव (अर्थ अन्तर्भात) दिशिक सर्वित्मा । (असर मका भेराना र्राचा डेझिंग्सर माइका, नग तका, र स প্রভাত নামেশে চিচ্ছ করা এর এন কম माना कार्या , रिवारन ४, ११, इन्हें १६६६ । বছিবিকাশা এই, গ্রুগেছেড্টে প্রক্র,

कामगानीक १८० - उसीम् इटिवर्स्टाइटर-त्र ७ ० था। भक्षा भाग मार्ग हो है। (Ottoman power vol 1., p. 4425)-मर छय ঐতিহাল । यालक का विकास के बिर र नवक्षांक्रेनीय म. १२ १ १९१० अहर क्ष्यंब्राह्य । व्यक्ति का व्याप्त कवित्रका।

দেশান শাঁচটের প্রিক্তান্তান্তান্তান্তার ভারতবর্বের আধ্যস্থাক দিলাভ ও কাশ্মীরীর শৈক্ষাবাদ্ধ প্রথমিতকে ও অসমেরর গবেষণা করিলে মুরে হর অফী-া বান্ধের মতামতের সাহিত ভারতবর্ষের ভারণর স্তরীয় নিক্ষী । বিশ্ববিদ্ধান টো সমন্ত্র আলেকজাণ্ডিরার তত্তী নতে।

(১০) উপসংহার

আম্রা অভান্ত সংক্ষেপে প্রাভিক্তামতের ্রিচয় দিল্ল। প্রতাতিজ্ঞাশ্রেব গ্রন্থাবলী गरः नामान **३ मिम्नाशाय रहात श**ठाराव এই এছার এক থাছের আছে পরিশিক্ষা ে বোজনা শবিব শক্তা বহিল। এপন আমরা অবাধ্য াত করিয়া মুখা প্রতিপান্ত বিষরের অলোচনার প্রারুত হইলাম। আশা করি ১০ কবন ভারতীয় ্বশনের এই বিশ্বত कशाब्रित श्रमक्कावम्बरम आठीम शोबरवड

ि १ १ मिस्न नाता द्वारा । ব গুলেই জাগ লেগেড়ে গ্ৰুম বানের

অন্ধন (র

G [7 রক্ষেত্র গুলন ভরেছে। शका(म श्वा क्रक्कक्रांश वाव मिरश्रह

ও তাত পালে গানে গান ছাতে যে।

্শেকৈর ঐ ক্রাপর ধারায়, াল 🧠 ফার্ক্স শিখা বেড়িয়ে বেডায়, विभिन्न माडीक इ'ल मियम अस्यात .

भक्ष जाता।

्रमील र्थिए श्राकानहारक

EXPE SIGHT

कं स्माप-मंदित है एउड़े खरणा ह

स्काग्रह का शास्त्र ?

तमस्य अस्य भाग यान् मिर्फ्ड १८। कार्भ कार्भ

কোন মাতালে মাড় চনলাছ মানসা

नीराम् प्रमाणा राज

नोरं इ निएडी

[अञ्चातक हमन्य ही]

তারদিকু ফ্রির মেলা বংগচে। পুরুদের "ছাত্ত, কোনাও কোনাও বার জগত ৮০৬ <u> শেকান—থাবাবের দোকালে নাটোর কার্দ্র</u> কের ওপর ভরে গেছে। ছোট, বড়, ছেঞে, (मार्ड - (त के वार्वात हार क्षेत्र, (क के मार्गक **्रेश्टल ५८७ कात दक्के वा जि** काकदामन अवक्रमा **शंभार** स्टा कर र सार जा महत्र त्यला त्मश्रंक कामहत्र। ठालिन्दरण १० कित्महत्र्यः छान्याः शेष कामन कन कम् भरम इस्टे हरमार । 🍇 भेरते मिर्द्र क्रीड़ अंति अमेश्वर । ११, 'अनार्व आरम् भाष पून भान भिक्ष धकरी युन्त गरेक टेन्सी कडा १८७६। । धर क्रीक अरबरे नकरन गाँछ आगरह । योकासरे करून थरन से । धार गाठित अत्वर रमणा उथन भूव काम जिताह, কোৰাৰ নাগৰ দোলার বৃতত্তে বুলাত ছোট

চড়কের মেলা। রামধননাবুদের মাঠ্টার তেখা ছেলেন যাজান ও তা কাল বড়িন্দ मोर पे (का बार) दश्ये उत्मीतक राज 1. 76

> শোহনা আৰু বাৰাস্থ সংগ্ৰহ 🐪 বাতে ব চটা নক এই মামনা নহা জীকিন্দ্র নত মত কি: শোহনার মা নেইনাভাইবোন मामंबर राज्यकार भागाना किन्द्रिका । उ area from the table

নাট "এইব্ৰাস দেখা প্ৰে ।"

• लाखिमा ७ १० १ था १ स्ता, भे महें छन বাবা, সন্ধ্যে প্রতি প্রতি করে করে করি করি প্রতি বাবে বিকার হতে তথ্য ও নমন । প্রত্তি প্রতিক্ষ बिक्टू 8 क्वां कर कर के एक / पर्व क्र জ্বানু বেশসন, পুরুত পশী CI ফিলেছে, তার্ন কেন্দ্র স্থায় কি লাক্সেছে। সংক্র वाड़ीत्रं भहता । १ । भन् भन् वाकारः ভাৰে কৈটি আন্নিংক্তি লেখা দেখা দেখা कुछ डेंग्रंट के अंग्रं के मिन**्**ठे वस्त , 15 to 15 to

माजार्ग मार्ग है। किरान दर्ग 📦 ভিথাবিশী ছো Military and the ফটাকের সামা ১৯৮ ু ১০ ১৯৯১ সালে भारत मिटक हिंदू । ११६० हेल हैं । नहीं दूज মাং কচেত 💢 জল তথ্য বাচে द्वाम कार्य १५% में क्षेत्री कार्या । में व्यान কেট থাবাৰ ক্ষ্যেনুৰ ডিচছা - স্থাপৰিছল চ ভিথাবিশীর १ भागोष । स इक १०५ **(मथ्डिम, जार्ट : १८५% औं** उपलब्ध के त्व MOOK! ** TON 優かくならなのも、 ह्यांचे ह्यांचे इ. १९४१ में नाम अनामि अस्टि कामांत हामाहित है অসম জেলন্ ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ বিশ্ব কৰিব পৰিষ্ট क्रफ्राइक्छिन्द्र २५ ४ ४४५, १९५४ दुरुद्ध भाषा । १ । १ नार अनेद - १५१६ - १ গণীবের মেয়ে 🔻 🧸 🤻 🖟 🗥 🕬 🐧 🖑 इंग्ली श्व है । भारत के प्रभात का खिलाक दम मां अवहादि में भी विश्व । उन বার কেওঁ ে ১৯৯ াটি না। যে এটা क्यानमध्यदे । १११ क्या अस्मित स्त्री

यांत्रा विशास्त्र भूति मार्टन श्रेष्ट कर्त वास कर्ता -अहर - विश्व ग्रंथ हैंसि है के हिन्द करों करो * रहिल्ड अन्त्र भा तस किंद्र कहा ति 💌 ক্ষণার একরা পর্যত নিজার গ্রেছিল--一部人 医小皮一种 群 网络一种小豆 雅爾 * for 11 or 1 to \$1.50 to 11 other Chity of the conference of faces ६८८) तकला १ ८६० स्वयंताः **अस्मि**र् इन्हा, राज्य आया १० ४०, नम्युन अपने । एक दर्भाव । स्ट्रिया वर्षे प्राप्त · 数据 1. 第二三届 16.4 平成60 THE ME THE STATE OF STREET AND A STREET (·明·明·公沙草柳口 · 田 [] 新五十 · "京本樹 अवस्य किया किस. सामा है

্ স্টের্কার্ক বার ১৮২৫স্থ, ধ্রেছনাস করে 企业的 ONES ATES STORY MESTER - 11世史 भटर पर देश कामान कार्गित व त केंग्रेस, कार्य कर तकते के के लेख का अपने । धामा भाकाक ध्यान कि शहेतीय त्यक्की त्यक्कि र क्षित्रमार तर दिया की पाद्यक्त प्राप्त টোরে কাটের^{নি} কাকালার রাজ পকেই ক্রেক গাং বার সাম্বা ২ চার্ন

一样也有什么 一日 一日 明确的目的行 । ১০ কোটো পানে তবুত *দু*ভটুকু **রাপ্ত**ি · 1867 - 1867 - 1867 -

१८४ -६वर ४ . **१९ । वा**ना क काक्षत 🐩 ा. राचा, रमध्येषात चोर् १५ छो ४ 🗯 । . नश--नः व्यामात्र (१०१०) প্রবার প্রিক বা করে । ব্যাহ দেখাছিল

সংক্ষের বাবৃত ভাবছিলেন—মেটেনী
কভাবনি আবদার দুনিয়ে একটা বালী ভারত কাছে চাইছিল। তিনি পেছন ফিবে থাকিছে কোলেন ভিথারিণী এইনও ও্রমনি করে কাতর হরে, কত লোকে কাছে ভিজার জন্ম চাত বাড়াছেন কিছ দেই প্রার্থনা একটাও সফলকার রূপ ধরে তার মনোর্থ পূর্ণ করতে, প্রেছ্ক না। শোতনার হাত ধরে আবার ছিনি বাড়ী মুশো হলেন।

থানিকটা পথ থতিক্রম করবার প্র সংক্রের বার্র দৃষ্টি পড়ল, যে তানট অনুত্র মেরের হাত ধরে তিথারিণী আসংছে! তার প্রথ গতির প্রত্যেক ইঙ্গিতে একটা নিজল-তার ক্ষোভ ফুটে ফুট উঠিছিল। সংক্রেব বাবু ধীরে চলতে লাক্সনেন।

রাস্তাব একপাশে গাঁলভরা প্রথবে সাধা দাড়ী বৃক ্পর্যান্ত ঝুলিয়ে এক বড়ো একটা শেলনার ঝুড়িতে রক্ষু বক্ষ খেলনা সাজিয়ে কাগান্তের তৈরী একটা ঝুম্ঝুমি বাজিয়ে ক্রেভার দৃষ্টি আকর্ষণ করতে চেন্তা পাচ্ছে।

ভিথাবিদী মোনে ভাই বান পথ চলেছে।
চলতে ছাত্র পাছে না—ে চিব করাত
পাছিল না, ভার পা উলাড—না, পুৰবী!
বুড়োর হাতে কুম্কুদি বেড়ে উস্তেই
ক্রেডার কিকে চেয়ে, অন্ত হাতথানি বুড়োর
মেলনার কুছিত লিকে ছেলার বললে 'চল
বা—ক্রেডার কিতে মাকে ক্রেডার দে।' সে
নিজর ক্রেডার কিতে মাকে ক্রেডারণার দে
ক্রিডার প্রস্কৃতি মাকি ক্রেডারণার দেই
ক্রেডারণ প্রনাটা দিয়ে মেন্ট্রাক্রির সেই

क्रमानि (करन निर्म स्थातक क्रमानिक ट्रमानिक स्टब्स्किट्स मात्र मात्र क्रमान इन्स्टड स्थान

নতেন্দ্র বাব্র চোগের সাম্যে কে লাটা ক্রমণ ক্রি পরে ক ডালো। তিনি বার্তার একপালে অন্টে লাডিডে পড়লেন। তিনি-রিণী তার পান নিত্র একটা কাড় বিশ্ব মন্ত রাস্তার চলে গেল, তিনি তার কাড় সর্বা করে মেছন পেছন চলাগেন। গানিকটা প্র চলেই ভিথারিণী সর্ব অকলার একটা লালির মধ্যে চুকলোঁ গানির শ্বহা দেখেই স্কোলির বাব্ বুরো নিলেন-তেলান লেলীর লোক এগানে থাক্তে পারে। গনি ব ছাপালে ছোট জোট পোলান ঘর-ভার্ম একলান বরের দরজা পুলে ভিথারিণী মেরের হাত ধরে তার মধ্যে প্রবেশ কর্মণা। স্বেশ্বর বাব্র বাড়ীখানা দেশে নিত্র অভ বাস্থা ধর্মেন।

ভোট গোলার গরপানার এক গালে, চার
পাচটা একবোসিন কাঠের বান্ধ এক করে—
তার ওপর ভোঁন কার্কানিকে একটা কিছালা
পাতানা গারে বিচার গোলেইকে ভার দ্বপর
শুক্র মাদিয়ে, গরের এক পাঁচন একগারি গড়
কোনো আর একটা শুলার ভিথাতিনী
নিজেকে এলিয়ে দিশেন ব্যর্ক এক কেলে
মুক্তালা একটা দুলের কুটো—ভারই পানে
ভাল ভোট
করা গেলাল ও এ
নার্কার কেওয়ানে
ব্যক্তার কেওয়ানে
ব্যক্তার কেওয়ানে
ব্যক্তার কেওয়ানে
ব্যক্তার কেওয়ানে
ব্যক্তার কেওয়ানে
ব্যক্তার কিওয়ানে
ব্যক্তার কিওয়ান

দিছে ধোঁৱা দিছে ডাঙ্ক অলেক বেৰী ৷ একটু-পরেই ভিথারিশী প্রাপ্ত শরীর শন্যা থেকে জ্যোর करत कुर अधान बद्ध धरत स्मायत विद्यानात পাশে এশে দিড়ালো; দেখলে সে ঘুমিয়ে পড়েছে কিং ভর্জ ভার কীণ শক্তি দিয়ে मुक्तीत मध्या एकरणे द्वारथटक कागरकद सूम-ঝুমিটা। ভিশ্কিণী মেরের মুখের দিকে চেরে দেশতে লাগ্স—কটি রাজা ঠোট হটীর ফাক नित्र कि में अ अभित्र छोटे ना कृत्वे कृत्वे .११ (भए**एक वृदक (हाल** इन् (वक्टाक् খাওয়ার হ'ে ামন তার বাগ বাত চটা বাজিয়েছে অংশন নিজেওট মনে পড়ে গেল "বুমিয়েছে - ^{লোড}় পতে চাইবে।" কোন খানের জেগন দান গর আবতির নাটার শক বাতাৰ একে নাকে কর্ত্তা নিমে গেল। আত্ম ছটো ভিগ্রানেরই 🎁 না খেয়ে মরুবে –পর্য পাণ তীবা কেন্দ্র ক্ষেত্র তা স্ট্রে। মনিরে গোলে নিশ্চরতি দে কিছু ভিক্ষা পারেই! ভিথা-विभी आएक ५५ मानि थुटन द्विष्ट्य १९५०। व्यानात्र 'डेर्न्स्याः यक दक्य इस्टें स থানিকটা পুলু জন্মত হ'ল কিন্তু পর মৃতর্কেই डांदक शास्त्रक साकीय एमखबान करन हरा छ ४० । अन्तरंत्रत काट्ड अरम अ माङ्खिः थेविकत्व रालाटः नागन ।

মনির থেকে বজ্জেনীর অম্বর পরা, গলায় সোনার ক্ষালালে মালা জড়ানো, হাতে সোনার তাবিজ ক্ষান্ত ব্যক্ত দাধ্য ককে বেক্তে দেখেই ভিথারিলা তাল বালা পথ রোধ করে—হাত ধানা পেছে ভিজা চাইলে—তিনি সে দিকে ক্রুকেপ না করে ক্ষান্তলের থানিকটা জল—তার গারে ভিটিয়ে, পালকেটে সবে পড়লেন। তব্ও সে হছাল ভাল না। এক যুবতী জলভারে **रमभ्यामि भूए एमवजा**द मर्नाम याम् जिल्लाम---ভিখাৰিশী ভার কাছে চাঁটু গেড়ে কাতক कुरुत्तन जिल्ला क्यांन किया निकल-मुन्दे নিষ্ণ। পেছন থেচে কে একজন তাকে थाका मिरव बोन्डाव टकर- निरम । ar लामा मित्रामा वृत्याय मत्था समा नित्य कात अविश्वेष्ट কীণ শক্তিন্টকু ঘুচিয়ে দিংগ मंड श्रीमा **ब्लाफ करड़, मन्मिरहाद मिर्टिश एउटा व्हार्ट्स (ब्र** কোন ধর্ম দেবতা, যাতে আর্ত্তের প্রতি দলা নেই, ৰাথতের প্রতি সম্বেদন নেই ' ভিখা-বিশীব চোধে জগতটা দেন স্থ- বাং মনে হ'ল—আজ তার নিজেশ দৈত্তে মানে ও শংকার महाज्ञान तम भना भएड (अट्ड मा ए ट्राइ रण (अहे. **ल्यारक इ** वाल द्वारक व्यारक होत्र मां भिन्नत প্রের ভব আলে--ভাত ভাব । হল্ম--कश्वडी निष्ठर क्ष तन्तर । जा निर्धार भिन्नेता (For 1

ভিন্তারিলী মষ্টিবদ হাত এখানা তুপরে ভূঁতে কি এক ভীগণ চিন্দা করতে গ্রান । দেখাতে দেখাতে ভিথাবিদীর করণা কালব মূল কঠোর হায় উঠনো। রাজাব লোকে ভাকে পাগল নাউরে ভার সংস্পান পোক নিজেনের সরিয়ে চলা,ত লাগল

মন্দিরের আশে গণেশ থাবারের স্বোকান গুলোর হরেক রক্ষর পাবার স্থার স্থার সাজান রয়েছে। আলোর হর্রা হার জপত আড় সেগুলি দশককে পুন করে ভুলছে। ডিখা রিশী কঠোর দৃষ্টিতে দ নিজে চেক্রে রইলো। সে ঠিক আনে, চারাল গর এক জ্ড কমান্ত কেউ দিবে না। ছেখানা অ্যান্ডবিক ভাবে রঞ্জিত করে ভাবতে জিকা মুলে থাবার ভুলে হুট দি।" বিভ ধাবতে বিয়ে ভার চোণের ভারা তথনি নত্র স্থি গৃষ্টতে ভরে গেল।
মুখে স্বাভাবিক মমতার ছার্ল ফুটে উঠ্ছলা!
ভিথারিণী টলনে টলতে লাকানগুলো ছাড়িরে
চলে গেল।

মন্ত একখানা বাজী—তার ना छ। त वाराम्माव (बाधारक अवह) लाक अक्वांति ভাও নিয়ে ও তৃক গুলেং কুকুরকে খেতে দিচ্ছে ! क्रिशातिनी कुछ (मा) एव मद्रावान श्रेक्टवद्र সামান্ত জীব হস্কের ওপর এত ধরদ — ভগবানের ্রেষ্ঠ ক্রীৰ মান্ত্র সে, নিশ্চর তিনি তাঁর করুণার मृष्टित् जोत्र मकल देन्छ च्हित्व (भवन) ' ছুটে এসে কুজুরের মত সেই ভাতের অংশ নিজে একগানিজ্ঞাত । ডিয়ে দিলে-কিও দেই यक अहर शार थाना मांत्रस नित्त २५ १९७० मा। নে কেশকটা ভাজ বিজ্ঞান্তিল, সে "গণ,ছর" করে তাকে তেড়ে হল। সে কত বাকুতি, কঙ মিনাত এই কে'কটাকে করতে লাগল কিছ লোকটার দলার এক তিলও সে অধিকার , করতে গার্থে না।

ভিথারিণী ভিব করণে সে মরবে—বে লগতে গীব শেদনা বুঝতে লোকে গাবে লা,— চার কা। বেগনেন ভগবানের নাম— একটা ভেক! দে গ্রেছা হারই দোরাই দিয়ে কত লোক হার কাছে— অন্ত সে— হয়ত ভাগমত আরও কত কতভাগা এমনি কাই পাছে। কি হবে সে জগতে থেকে। বিশ্বাহের একটা আন্তর্গ প্রবল বেগে তার সদয়ে ধ ধূ কবে জবে উঠকে। সে উভেজিত হয়ে হাত কামজাতে লাগল—চুলের গুটী ধরে টানতি লাগল।

মরবার কথা। ভারতেই মনের আরশিতে একখানি মুখ ভেনে উঠতে। ভার কাছে দে মুখখান কত শাৰিক, কত স্বাধীয়া তিখা-বিশী তেমনি করে দেৱাল ধরেইকার্ডীর দিকে চললো।

ভিষারিণীর মেরেটী করে বুল কি—তার
হাতের শক্ত মুঠোর মধ্যে কাগতে ক্রিক্সিটা
তথনও সে চেপে ধরে আরেটা
বুমিরে বুমিরে বুলা ক্রেন্ডে কালক। বেন
একটা পুড়প্ডে বুজো—ক্রেন্ডারা থেলনা
তাকে দেবার জন্তে ডাঞ্চে: সে লা গিরে
থেলনার ডালা থেকে বুল ক্রেন্ডারা চেপে
মাকে দেখাবার জন্তে ছুট্ন কাসভেই নমাস
করে একটা আছাড় থেলে ক্রন সে পার্চ্ছ গোল।

নিংকার করে কেঁলে ্শ ক্রেণে উঠলো!
শিশুর মধুর অপ ছিল্ল গুলু গেশু বিছালার দ জেগে চোল রগড়ে বগাড় সৈ চার্লিকো চাইতে লাগলো। কিন্তু লা দেশু চ্ েলে বেপনা ওয়ালা বুড়োকে, না দেশুতে লেগে কার্ক্তা, বলিকা প্রাণের আবেগে মা, মা, কার্ক চেঁচিরে উঠলো!

ততক্ষণে ভিথাবিশী টেগতে ট্র্লীতে ঘরের ।

দর্জা অবহি পৌচেছে ক্রার চীৎকার

হনেই সে দৃষ্কা হাল্বাঃ দ্রুলার চুকেসেয়েকে বৃকে চেপে "শিই হরেছে ক্রা আমার"

ধলে তার মাথায় ক্রাপ্তের স্নোতে
লাগল। মেরে কে ক্রিটেড স্নোক্রানার হার ক্রানার ক্রানার ক্রানার হার ক্রানার ক্রানার ক্রানার ক্রানার হার ক্রানার ক্রানার

এদিকে সর্কোশব খান নেয়েকে সঙ্গে নিয়ে ভিথারিশীর ঘরের রাঞ্জার ওচিক্র নার একটা দোকানে চুকলেন। শেশান থেকে কিছু কাপড় চোপড় কিনে অন্ত একটা খাবারের দোকানে গিয়ে বিভাগের ও বিনাসন । বেরের হার ধরে আবার হিনি ক্রিটার সাজীর নির্দিত চলেন। পান বাজের কিছু হলেছে। অত্যুদ্ধ সাত বছালে বেশ । তিছে। সাক্রেটার কিছু বিভাগির বিভাগির ক্রেটার কাছে পিরে জাকারন শ্বরে কে আছে— এনত বশ

चिशाविनी द्यार्थिक दर्भाश द्वार नाहित्व विष्ठानाव विभाग मुक्क भूटण बाल्डवालाहर সবেশ্বর ধানুর দিকে ভাকিয়ে জান 🔾 বধুন मर्स्तयंत्र वातु घरत हरक कात्र आहे । अवशामी काशक, एमरहर श्रेश अकी। आहा, क्षार अव बुड़ि तवाद काद अकता क्रिका मिर्फ नन्धाम, "নাও গড়া— ০ ওলো তুলে বাম :" ভিথারিনা বিশ্বরের অন্তীত এমন কেটা कांत्रशांत्र एशीएडएक एर स्थव बाह्म, कारक वाले एन म्बार्यक मण नथा प्रशास्त्र कियोबिनी बार शामीय अभव भाग द्वारण (मध्याद्वा ८८: व রকমে নিজ্ঞাক এতাদৰ খাড়া করে ব্রেথেচিল পাছটোৰ আৰু শাক্ত হং না ক্লেকের লোৱ মাথায় কৰে বৃংক্তম থাকতে –ভিমাতি राम बाक्न फिद्ध भारा अक्योना क्रोब्स् भटा मूथ भित्र डोड कथा त्यक्तिल ना-किंड का मिटा भूटो दवक्षिक अक है। विश्व करा सामा। जार सारशांत करी र का कि करते सक्षय शहर

পারে। অথচ কেমন করেই বা প্রতাক দতাকে করিবাদ,করে। ভিথারিনী কাভর চোপের স্বাটুকু চাইনি খন্নচ করে—অন্তরের সব কভজ্ঞতাটুকু উজার করে চেলে দিলে "ওই মহাব্যার পার।" নিঃপ্রেই সে দান শ্বেষ হরে গেল।

শোভনা দেখলে ভিথারিণীর মেরেটী ভাগর
চোধ মেলে তার থেলনা গুলোব দিকে কেমন
চেরে আছে। সে ভাবলে "তার ত কত্তশোলনা আছে কিজ থেলবার জন্তে ও মেরেটার
একটাও থেলনা নেই। আব ওকে কিনে
সেবার ও কেউ নেই। এগুলো দিরে দি ওকে।
সে বাবাকে বলে আবার নয় থেলনা কিনে
নেবে।" শোজনা হাতের বাদী, খেলনা
সবকলো তার দিকে এগিয়ে দিরে বললে
"এই নাও।"

ভিয়ারিপার মেয়েটা ছুটে দেগুলি কোলে চেপ্রেমিরলো!

রকমে নিজেকে এতাদণ খাড়া করে ব্রেখিচিল ভিথারিণী সর্বেশ্বন বাবুর দিকে চেয়ে পাছটোর সাম শাস হল বা না কাতের বোল সাচে দেবতার সম্মেন-সর্বেশ্বন বাবু কন্তার মাথায় করে কাড়েছ থাকতে ভিথারিন দিকে চেয়ে আছেন আনলেন, মোলে গলে - আর অবসর ভাষে কেনের ওপরীবনে পড়ল লো কি এটি চেয়ে আছে জাড়ে জাড়র দিকে। সর্বেশ্বর বদে থাক্স চিত্রে আঁকা জক্ষানা ছবিছ নত। বারু শোভনাকে বুকে চেপে আনলেন চুমু মুখ দিয়ে তার ক্ষা বেক্জিল না কিছে চোণ গেলেন। ভিথারিণী মেনের মাথায় হাত দিয়ে দিয়ে গুটে বেক্জিল না বিশ্বরেষ্ট্র আভা। কিবছাও দেবাশন্তর আনলন খেলা দেখতে ভার বার্ণার অনিক্রিক কিনে ক্ষেত্র স্থান।

পাশ্চাত্য দৰ্শনে চিন্তার ধার

ি অধ্যাপক এঅসুকুল চন্দ্ৰ মুখোপাৰ্যায়

ষে আলোকের ধর্ম বস্তুকে প্রকাশ করা. সেই আলোক ৰথন সহসা ভীবভাবে নয়নগথে আদিয়া পড়ে, তথন দে বস্তুর গোপন কবে। ঁ ঐ আলোকেব তীবতা ইক্সিয়েব স্বভাবনিক্ষ বলিয়া এ ক্ষেত্রে উহার বস্তু শত ধর্মদীর অভি-'वाकि के भारत गा। गरिं कात कविशा ইক্সিকে ঐ.ভীত্র জালোক প্রণ করিতে বাধ্য করা হয়, ভাহা হটলে দর্শনে লিয়ের যে স্থাভা-বিক ধর্ম তাহারও লোপ শম। তেমনি হিন্দু স্মাজের আন্দ হানীয় ভোগস্প্র বিরত কোনও সদ্বাক্ষণকে যদি পাল্টাতা স্মাত্তিৰ • রীতি অমুসারে কোটপ্যাণ্ট ও বুট পরিয়া উপা-সনা, কাঁটাটামচে লইয়া টেবিলের উপর ভৌজন ও নেকটাই গ্লাম লাল্টেল চেয়ারে উপবেশন করিতে বাধ্য করা হয়, কিংবা একজন পাশ্চাদ্য সভ্যতার অভ্যস্ত হ'বাজকে প্রাটে ত্রিপুণ্ড, গারে নামাবলি, অভিনাসনে উপবেশন, হবি-খ্যান্ন ভোজন প্রভৃতি ভিন্দুধর্মের কঠোর 🖛ন मानियां क्रिटिक वांधा कता क्य, जांशा क्टेंटन উভয় পুকেই মঙ্গণের ওয়ে অমঙ্গণের আশস্বাই অবিক। মাতুষকে যদি হস্ত দারা ভ্রমণ ও পদ খারা প্রহণ করিতে বাধ্য কমা হয়, তাহা হটলে 🕝 এই হস্তপদের নিজ নিজ ধর্ম পরিবর্জনের জ্ঞ মান্তবের বে অমঙ্গল হয়, একটা সমাজের

धर्म मगाजा शास्त्र अन्य वाता विकास सहरत, विश्व মানবেরও গেই প্রকার আন্পাল হইবাবট म्यावना । सर्गांच त्याम द्वारकाक किनिद्वन একটা সভন্ত সম্ম আছৈ, জেন্মার প্রত্যেক সমাজ ও প্রক্রোক সভাতারও একটা বিশিষ্টভা এই বাডরা ও বিভিন্নতা আছে रिनियांडे छर १ क गाएनद शांक्ष . <u>'ভ'ই সাধা-</u> রণতঃ সেখা কাম যে, খাজানা চি জ পর্মা প্রি-তাগ করিয়া,ধর্মান্তর এছণ করেম, ভাছাদের মধ্যে এই ধর্মধ্যের একটাও সংখ্যাতা লাভ কবিতে পাবে না। অভিযান সংবাদণ বাজীত शार्यत कृत्ये अभागाः । । विकेश य मध्यमाक ভিত্তি কৰিয়া পত্ৰীকা ওতিগুট ৯১, ন্তৰ ধর্মের ম্পূর্লে উত্তর বিনার্জ হয় কলিয়া উহাকে প্ৰিচার ক্ৰাই লোওসন। ভারতের বা**র্থি—স্ব**ধ্তন্য নিধনত ক্রেম্বর প্রধ্যের ভश्चित्रः । এই मर्खाणीयटम् आसमे राजी उ ভারতের আয়ও একটা আপূর্ণ আছে সেটা মুলদ্ভিতে দেশিয়ে। মনে মুম্বাইলা ভান্ত ভাবের ; এটা জানের আর্থন্ত্র এই কর রাজ্যে ভাব-তের বাণী—আত্মণ্ড স্বান্তিরে বং পশ্রতি সঃ পভিতঃ। धर्मजीयान होने वाकिएकत मस्त्रकन, किन्द्र अशास्त्र हाई शाकित्युक्त विभव्यक्त । क्लारमञ् ब्राटका न्यदनत न्यदर्भ गुवायन क्युबिक मा एटेश

বরং প্রশাভ করে করি বিশাল মানে

চর যে, এই

বিবের আছে বিশাল বিশাল

ख्वारमञ् नारका चार्याक्रमध्यासन खार्याकन কেন ভয় ভাঙার এককটা আছবি সাধারণ জ্ঞানের লক্ষণ কটাতেও পাওলাসার , জান-ना जान निकार और है। द्वाशान गाहिला डांटन एकांन जिम्हिट्यत यांच नाहे, नाहर रमशास নত্ন ও প্রাক্ষরের মধ্যে বিভেগ নাই। আৰু জ্ঞানের এক: ৫৭ সালা ড্ৰান্ত কাহাৰত ব্যক্তিপত সীদাৰ মধ্যে যুদ্ধ প্ৰতিভেন্নৰ না। শে জিনিধ সভা শন্তাই শাদ ভালপ্তক আনি আমাৰ রোণগ্রন্ত নুর্বাসের উপল বিচেন কলিরা यि इताम विन, जाहा देशे व कि कहिल প্ৰীয় মধ্যে সভাবে প্ৰত্যাধ্য । সেই জন্ম যিনি জানের উপাসক জীহাকে আপনার কুল গঙী জান্ধিয়া বিশ্বেন ধানে অভিবি হইতে হয়। তেমনই আৰাজ আমি যদি প্ৰতিদিন ত্রাক্ষায়ুত্তে শাদ্য ভাগি কবিষ, গ্রামান সন্ধাৰন্ত্ৰ দি কৰাৰ পৰ মধ্যাকে একবাৰ মাত্ৰ नित्रामिष अभिलाम ट्रांकन कति, এवर ইছাতে যদি কোন ডাৰ্ছ ব আনাৰ বভাক-ভাগিকে কুসংখ্যাতিক ও আখ্যাহানিকর ভাবিরা

গ্রাতে 🍅 বটকার সময় শ্রাত্যাগ করিয়াই বিস্টুসহ চা, মধ্যাকে আমিষাদি গৃষ্টিকৰ দ্ৰব্য ভোষৰ প্ৰভৃতি সভাজগতেও রীতি অনুযায়া পথ্যাপথোর হানগা করেন, ডাহা হটলে ভাঁহার एक्ट राष्ट्र मापू न्हें डेक इंडेक ना तकन, আমার তাঁহার দারা উপকারের অপেকা অপ-কার ভইবার ধুশী সম্ভাবনা। বিসয়ে আমার বাজিগ গ অভ্যাস বভ পুরাতন ভাগাকে নবন ৮ টে ্ফলিতে হইলে ভাগতে ডেঙ বেশী বিগ্ৰা বিশ্ব ধলি কোন শিশু ভাষার পরাভ্য অভ্যাসেন উপর নির্ভর কবিয়া ্রভ্রবকে মিইস্বাদের হল্র নিদর্শক বলিয়া চিন্তা করে, ৬কে ইউলে একেছে ভাগর পুর্ব অভিক্রত: প পুরাতন অভ্যান ছঃথেরই কাবণ হর্মা ১১১। কারণ জানবাজ্যের বিশেষ হ এই বে, নেখানে যাহা পুরাতর্নী, ভাহাকে আকাড্যা ধরিল থাবিলে চলে না: নুতন অনিথিব জন্ম অন্তবের দাব সর্বদার জিল্-घाष्टिक मा बाश्रिया काहनत छेलामनात नकन म লাভ কর্। যায় না। সভদিন সেই এক শ্বা-তীত। সভোৱ স্বরূপ আমার নিকট প্রক-টিভ না হয়, তভদিন আমি যদি আমার পূর্বা স্কিত রত্তরাজি প্রয়োজন হটলে নবাগত অতি থির চরণে উপটোকন দিতে পা পারি, গ্রাপ কেবল পূর্ব পরিচিত বস্তব আকর্মণে অভ্য গতের অর্চনা না কাব্যক পারি, ভাগ কান্ আমার জ্ঞানের উপাদনা বিভ্ৰমনা মাত্র; কারণ আমার মায়ার পাল এখনও কার্টে নাই, আদ-শের অভ বে একনিগ্রতা ও গারুলতা প্রায়ো-জনীয়, আমার মাদে তাহা এখনও দেখা দেয় নাই। সভাজানের যিনি প্রকৃত সাধক তিনি যেখানে বছত দেখিতে পান ভাছাকেই মানা বা

বুল প্রিয়া প্রিন্তাগ করেন, তাল প্রায়া বৃত্তি প্রাতন গ্রুক না কেন যে জিনিব সভ্য সভাই আট হাত, ভাহা যদি কাহারছ হাতের অমুপারত সাত হাত, ভাহারও নিকট সাড়ে সাত হাত, আবার কাহারও নিকট সাড়ে আট হাত কথা বলিজ বোধ হয়, ভাহা হইলে এই বহু হাতের বহু ভাষার মধ্যে সজ্যের স্বরূপ ধরিতে পারা যায় না। সেই জল্ল জ্ঞানেও সাধক আমিছ ও বহুছকে শ্রুক্তিক্রম করিয়া ঐ বিশ্ব মুর্ত্তিকে ধরিবার জলু ভেটা করেন যাহাকে জানিতে পারিলে বহুকে মান্তামাক বলিখা মনে হয়।

সভার এই বিষয়েমিকতা বণ্ আমবা ভূলিয়া হাট, ভখন আনেশ গাজোড নতন **প्रार्ज्यन्त मरना** विदान वर्शनेशा नाथ । ११ ह अध्ये गथन भुकांत्रअत्तर व्यादनाक व्यन्तरम , **পান্চাতা পঞ্জিতগণের** উণার পড়িতে আয়স্থ ক্রিল, ভখন ভাঁহার৷ ইহাকে অপরিচিত দেৰিয়া অবজ্ঞা করিতে লাগিলেন। ভাৰত াবে জানের রাজ্যে কোন একটা আগন গ্রহণ করিতে পাবে, ভাহা তাঁহারা স্বীকার कतिर भट्टे शांत्रित्वन मां। किन्न धार्यन दीअपन्त সে ভূল ভাজিয়াছে; তাঁহার৷ বুঝিয়াছেন যে, ্য শুলাতে চিনি লবণ ও কুইনাইন সকলোই শাদা, সেখানে কেবল মাত্র বর্ণকে মুলমন্ত্র क्तिक-अर्कात्मस अक्षकात प्रकृत राग ना। **८कवनमा**ज नाइटवरणत द्वाहाइ निमा नैनि পাশ্চাভাজগৎ কোপাৰ্বিক্স, নিউটন প্রভৃতি পণ্ডিভগণের মৃত্ন চিত্তা বিশিষ্ট্রণ বন্ধ করিয়া দিতে পারিতেন, ভাছা হটলে আত্র যে বহুমূল্য-রতময়, মহাসাগর অপ্ততে ভাভিড क्तिमारक कारा अकारमहे अक्टिका याहेख। *

THE PERSON NAMED TO BE SEEN FOR नी है और क्षेत्रक सेकाल सका देनाया मनियास समित भाग वाहारी भागनामन्द्रम, व्यक्ति व्यक्ति क्रिक्ट मेरी ए प्रक Water Books of The Alfors with स्थाः **व्यापः जानकश्चित्र वर्गा**सन्। धरः । ८०० अ**निक** बहेटक पूर्वक करका सा, अक्षा दावनाम সংক্ষা প্রাকৃতি ভাগ**্রীয় ভপস্থীর সংবেষণা** CHECK, STRIZENTE CHECK PINCHESING CON সাধরে আহণ ক্লারিভেছেন। শ্লি ক্লানের লক্ষ্য হয় ব্যক্তিক্ষেপ্ত ক্ষুত্ৰপঞ্জীকে ভাগিল ফেলা ্ব বিষের ঘারে আজিগা জীকার করা, कार्श इंडेस्ट कारन्य यनिस्त विनि छेपामना ক্ষেন, তিনি মাপনাক্ষ বিষ ২ইটে পূথক क्षिया किशिक भारतम् म । उत्तरं मत्न হর আক্রেবেন পাশ্চতি লগত সাগতের আদশকে ইচনিজে পারিয়াই। সাম সামান নজন - এই মান্ত পশ্চিমের জ্ঞান প্রবাহনে অবজ্ঞা করি, প্রধানকার ভগজাকে শুদের ওপস্থা ्रक्षित्रा व्यवसामना कृतिः जन्ने त्वन आस्त्रा भाषास्त्रः मुनाक्तं वाष्ट्राकेत वृतिहरू राज्याहि करिया मदन रहत कांत्ररस्त्र कांटनत व्यक्ति के अधिकन इहें एक शहरक शृथक कतिएड व्या स्था अभागत वानशहिक कीवरन वाजि-্বের পুলা করিছে পারি, তামলা মাহারে ও প্রদান্ত প্রোড়ামি কেথাইডে পর্যার, আমরা কামারিত বাইচর কাবভানের" জগাসক। A PRICE AND MINE, CI ছ্যালালে ভাষ্ট্ৰভ প্ৰাণ বনিস্তেও অফুতি হয

मारबारे अक्टा बारक, कार टार्ड जाटनव स्मादिनीश विकास क्षिति क्षिति वायमान कृतमात्र व्हेर्ना कामिना लेखा । . वे त्रकारत **स्वत्यात एक्टिक शास्त्र गाव---गर्कगणी** ज देशानीक छड**्डम् छर् छम्। स्वामता** टरम धडे আনৰ্শ কুমিতে স্বসিরাছি। নাতীয় উর্বভিত্ত ट्यात्रा न्यायाद्यतः व्यवद्वतः मादवः धमनदे अक्षा माइकान विकास कतिशास विकासन রাজ্যেও আসরা প্রাচীর তুলিতে আরম্ভ করিয়াছি। দেশ কাল, সমান্ত জাতি, বর্ণ পোতা এসকলের শৃতালে কানের বন্ধ থাকিতে পারে না আমরা এই সহক্ষ সভাটী ভলিয়া ঘাইতেছি বলিয়াই যেন আজ পাশ্চাতাছগত আমাদের কানের কাছে সেই গ্নাত্ন অধ্বিশ্বত লাগিশীর স্থর্টী বারংবার খাজাইয়া মনে করাইরা দিতেছে বে ভোসরা এট का**डी**क উद्याधरनत निट्न ट्रांगाटनत জাতীয় হুরটা ভূলিও না; ভোষাদের বে কুর্টী আজ সমস্ত জগতের চিত্তকে আকর্ষণ করিয়াছে, জাহার অমৃত নিঝার হইতে নিজেদের বঞ্চিত করিও না।—তাই আমার **এই विद्यागिवर्कात्मत्र हित्म** क्ष (व **ভাত্যচি**স্তার वादनाहना ভণস্তাকে সন্মান প্রদর্শন করা ভারতসন্তানের भटक बारगीतरवत क्सी नह ।

পাকাতা চিন্তার ধারা সহক্ষে আলোচনা করিতে হইকে দেখানুকার পভিতরণের বিসরে দর্শন কি, আর দার্শনিকের শব্দন কি, এবিরে কিছু বলা দরকার। একানে প্রথমেই একটা কথা নিবেদন করিয়া রামি। সামরা সকলেই জানি কে, একই সুবার্থীয় কাছ, বিভিন্ন আকান খাৰণ করে; শতিকের निक्षे प्राचीत त्य क्षेत्र बता भएए, मजिल्लीय নিকট ভাঙা আশা করিছে পারা বার কা त्मेर शकात, भा**काक वर्गर**मत स्र तन्यर कर त्त्रांदकारव वर्षा क्रिकाटक, काकार अवादन तिकृति स्टेटन, अद्य अप्रज्ञित लाट्य पनि কৰ্ণনের অক্লপ বিক্লা হইলা থাকে ভাহার জয় লেখক কমার পাত।—আসারা বর্থন विट्नेंब कार्श मधरक आत्मा कतिए बादक করি, তথন দেখিতে পার্কিন পূর্ব হটতেই ক্তকগুলি বিখাদ আ্মানের মনে ব্রুফ্ এই विश्वाम छणित मस्या व्याद्ध 1 আবার কতকণ্ডলি এমনই প্রকৃতিগত হটমা গিয়াছে, ভাচাদের শিক্ড অস্তকরণের পরতে পরতে এমনইভাবে জড়াইয়া আছে বে, উলাকে উপড়াইভে গেলে বেন বোধ হয় যে মর্মের গ্রন্থিতিনি ও ঐ সঙ্গে শিথিল হইয়া পড়িল; মনে ২য় যেন আগছা-ভূমিতে গিয়া কোন এক অন্তর্তম প্রদেশের বছদিনের সঞ্চিত রত্ব-खनित्व । जुनिया किनियो निटर्जेह । स्ययः আমাদের বাহু , জগতের অন্তিত্ত সম্বন্ধে বিখাস। ঐ যে গাছগুলি উন্নতশির হইকা কত যুগ-মুগাস্তরের ঘটনার সাক্ষী স্বরূপ ঐ স্বানেই केंद्रिक्ष अधिकारक, अहे त्य खुक्द अष्टीनिका बिरम्ब श्रव किन, गांटमंब श्रव मान, वरमद्वत भन्न न्या अकरे छाउ वर्शानरे कान व অক্স পাকির। মাহধের স্থত্থের অনিভ্-ভাকে ছুটাইরা তুলিভেছে, ঐ রে পশ্চিম গগনের म्बद्धाः क्रिश्त नानावर्षतं विक्रिक त्थता व्यामारमञ् भासिकि कि এक बन्ड व्यक्तिकी विविधात তবন তুলিলা দিতেছে—এই সকল প্রাকৃতিক ব্যৱসমহ এটা এই যে প্রশ্নমান কগত আমানের

ष्टाशास्त्र देव लिका अप नेतमून है **जाहार**क ক্ষালিয়া কেলো। যভারন শিশু ক্লার রহস্ত ্ভদ না ক্রিডে গাবে, তত্দিন ভাপনার অগ-ছঃখের নিমিত্ত ভাহার মাতা-পিতার উপর निष्या ना कतिरम हदल ना। किन्तु अमन शत-मुलालकी रहेश (वन्धिक लोका कानस्व। कल्ब जोड़नटक्स क्त हिं। सा नित्नहें टम ि मिडेडारव किছुक्तन हिन्दा शास्त्र, किस मग দুৰ ইলেই, ক্লোবার অক্টের উপর নিমর মানুবের কিন্তু আত্মনিউরতা না থাকিলে চকেনা! সেই জন্ত কিবং পরিমাণে ৰাধ্য হটয়া, এত বাধা বিশ্ব হানেও শিভকে कशराज्य कृतक लाकिएक स्त्र। প্তা ভাহার উত্থয়তে ও ধনা ভাষার অধ্যবসায়কে। ভাষাব অদম্য কৌতুত্বের ফলে ঐক্তঞালিকের যাত্যৰ জ্মশংই খুলিতে থাকে। তথ্ন, স জানিতে পারে যে অধির রূপ নম্বন মুগ্ধকর চইলেও তাহার আপ্লৈক্ষান প্ৰথ পাওৱা নায় না, খেতনৰ্গ কথন वसन राभिष्ठे जारमत वस्थानर्गक करेत्व ७, शत - ছত প্ৰাল স্গায়েই অকুসৰণ করিলে প্রাক্ত বি ও হইতে হয়, জগতের যে সকল বস্থা পিতা-मा कान नाश्चिक धावतम अतिया भारक डांकांच স্বল্লিট কেচভাল্বামার মাণার হইতে পারে मा। अवन क्रिक्ट द्याम अवनी वस्रक জানিতে চইলে লে আর একটামাত ইক্রিয়ের তোষামোদ প্রভাবিত হইতে চার না ; এক-कानत काहिमी अध्यव बाह्रा अर्रणाविक केतिया লয়, একটা কণের অভিয়ন্তাকে অন্ত কণেব ্ মুক্তে দিয়া পৃষ্ট ক্ৰিডে তেই। করে, এবং আপনার অভিজ্ঞতা অপরের কটি পাধনে ক্ষিয়া ৰেপিতে চাৰঃ এইশ্বশে ভাষা গড়ার ¹⁹रा निश्चा त्रं निरम्त कामगन्तिहरी अमनह

ভাবে প্ৰস্তুত করিয়া ব্যৱ বে ভাহার দৈননিন জীবনের কাজকর্ম উত্তার বারা হ্পশার ক্টতে भाउतः। এই দৈনন্দিন जीवत्तत काल हानान कांनिक व्यक्ति नाश्रीत्व कान या वावशतिक জ্ঞান বলি। এই সাধারণ জ্ঞান ক্ষুত্র নিশুর জ্ঞালের श्रीत क्रवस्त्र नत्, हेरा ध्रक महर्त्व सन्-भित तूरक छेडिया शतपृहार्ख क्ष्मियेत ताक भिनारेश योष्ट्र मा। एड्डे माधावन छान्दक আমরা সভা বলি ভাষার কারণ ইতার এই क्यविनश्रतका: । वर्षम्हर्कत मासा । भेगाव मूलि অক্ষর থাকে, আরু বছবাছি ৷ বভারকৈ অভিক্রেয় কান্য ইহা নিজের একত্ব বঞ্চা বাশিতে পারে। তিন ও পাঁচে গুণ কবিংগ পনের হয়, ইহাকে আমরা স্ক; বলি শহাব বারণ, এই বড় রাশির ও বলক্ষণের বঞ্জাক অভিনেম করিয়া ভাঙাদের প্রস্পর সম্বর্টী এক ও অবিনম্ব থাকিয়া নাম। এই এক ও নিভাসময়টা মছলাপ্রবিদের আরাল্য লম্বঃ জানেৰ ৰক্ষ্য যদি হয় সভ্যা, এবং সভোন লক্ষণ যদি ৬য় একভা ও নিতাভা, হইলে স্পষ্টই বুঝিছে পারা যায় যে প্রকৃতজান বাবহাবিক জ্ঞানের অনেক উপরে অবস্থিত সাধারণ জীবনে ষেটুকু আলোক না হ भटभेद काककात एवं इस मा, (महोते कारणा পাইশেই আমরা চরিতার্থ বোধ করি। कामता कानि त्य कश्चित क्लारणे यज्ञणा इय, ভাহার শক্তিতে থাছদ্রকা প্রকৃত হয়, এবং ভাহার উত্তাপে শীভেব কট প্রীভূভ হয়। অগ্নিসম্মে এই তথাত্লি সংগ্রহ করিতে পারিকেই আমরা সাধারণতঃ আর কিছুই कानियात अक राजा हरें मा। गाइएका कान्तिभाग स्वरातिक

व्यावश्रक्तित्व वा, इक्तम, कतिश्री छटे. यशन সে কেবলমাত্র শ্রাণ ভোজন করিয়া তথ্য থাকিতে **পারে** না, তখন যে ম**লিবটা** क्छ नित्मत्रं क्छ महानात्र करण थाछा इंड्रेड्स উঠিয়াছে ভাষাকে দে পুনবার পর্যাবেক্ষণ করিতে তারেম্ব করে। যে বিশ্বাসগুলি ব দুক্তী জীবনের শাসনে, আন কতক্টা निमियां व क्षेत्र अधियाद्यां भवानात्मत कर्द्या ्राम १३: ७ कि. माम गिर्देश केंप्रियाहरू. নিজের অন্তরাত্মবি সকলের সম্ভিত সেওকির কোন সময় আছে কি ন. ভাঙা কিবাৰ নিমিত্র প্রকটা আবেং করিলে উঠে। সে मम्द्रा भोग्रहमन राष्ट्रकेननरम ५० निस्क छहा नन শিপানা উংখন কইয়া উঠে, জগন হটাতে ভাহাৰ নাৰ্নিক জীয়ৰ জাব্ধ ১ছ : <u>इ</u>ज्ञ करेंग ५ एक छाइयाक एक वर्ग इक्षांका प्रकार দ্ৰিলামনা কৰে , আৰু মাজাৰে কেন্দ্ৰ স্তেত্ৰ क्रमारी भाषताहरू ।

্ট ্য'ন্য, শ্লে প্ৰান্ত বিশ্বদ্ধ অন্তর্গ ইকান अधिकास्तित कना अटनक करि है है श्रीभारतन প্রকার, যে উপাদান সমতের অভাবে আমাংদের अस्टिकन महिके हैकान क तुन इक्टेनान अर्मान इस्र मा। निष्ठ यनि धकतान धः भकास्त्रतासन ণাজ বোলিও হয়, বে জ্বাফো জেনে নিখিল-প্রাণের উপ্র এমনর গছটা আদিপতা-বিস্তান करत 🖟 १९२ हरीएड महन इस रहन कीवन-मार्डिंग्करत १ मेर्डी गर्डम घटकत श्रीतन्त ठहेल । এখন সার জনেশে জীবনের দেনা পাওনার হিসাবের সহিতে প্তাইয়া দেশিবার দরকার इस ना। अध्योन मध्य आमात विश्वाम (क्यान হইলে দ্কলেট আমাৰ প্ৰক্লড ভিন্দ ও दामानकुगधुतसते यनिद्यंग निभ शृष्टि मनाफ

কান সভটা প্ৰাৰ কৰিছে পাছিলে আমায় टमिनेश (क्ये केट किया किया नी मिक। कृष्टि उ कतिरवर्ग मा. बाहात के बाहात वियरह ক্ষামার বিশ্বাস কিপ্রকার প্রতিল আমার পুরে কন্তার বিবাহোৎসংখর কে - ব্যাঘাত হইবে मा- वहे क्षकान कार्तन निक त्रथारम वावशातिक जीवत्नत मधक, दुँकवनमाज मिट्टिकू জানিয়াট আর নিশ্চিত্ত পাকিং পারা যায় এগন হইতে আসাদে কেবলমাত্র একমেব অদিতীয়ম। ওবন একসার ঐ পুরু নড়িত আননানানটার শিক চাহিমা দেশিলেই বৃথিতে পারা যায় য়ে ভারাত গ্ৰেক চান্ত অভি খেশক, এই বা ঝলা-বাংডৰ পেশ্যাজেই হৈ ভাষ্টি পতিকে शास्त्र काम कार्रिक कार्रास्त्र का आभारत्म क "ভাঙ্গালালাত কৰি নগ্নাও শেষ ভ্ৰম নায় ৷ ्य महत्त्वा व्यागता अध्यतम् व्यक्तिमः स्थितिहरू ভাছা কভকটা সময় ও সংখ্যার অত্তাদ হুন্দ্রেও তিহার(তি ১রসমসোর গ্রাণ্ডলিব অভার আছে সভোৰ ৰে অনিনহৰতা ্ নাৰ্ছ (ভাগিক জ ভাগ আমহদেব ব্যৱহারিক श्रीमानन अस्ति भाख्या भाग ना निवाहि. নাশনিক ইছার দ্বাকে অভিনাম ক্রিছে वीरा इस । सामान्य मान्य र सामान्य स माला धार्म लीरे त्य मालत्वाकः व्यक्त रेमनन्मन कीयरना क्रीडमाम। F. 2 49 व्यागीतन्त्र विकास हितिय ଓ वास्हातन् सत्मा গ্রামিণ বা অসানঞ্জ থাকিলেও ভারণ নিরাবরশের জন্ম সামরা বাব ছইয়া ভার करमास्य हिंदा. हिंदन केन्द्र व नर्कछाला अवान कविक विधन शटक व्यक्तान वन করি জ্বন আবার চোরের 🖓 যা বৃত্তির

मक्द्र जामान के शारह, हेश वरेजात कि करे डांटनरे किन्न शास्ति स्थान रेगारक क्षाज्य वृति क' ब हो कति। जामता यति वास এन्बीकुछ इदंबी आशरमत मधरम दकान हिंखिहै, না করিভাম তথানি এই বস্তুজনির বাস্তবভার কোনই পরিবর্তন হুড় না : ইছারা আমাদের বিরহে একটা ক্সা নিখোসভ ভ্যাগ করিবারভ व्यक्तिक न । वाक्ष कतिक ना । এটা খেন আমা-দের প্রাকৃতিলক বিশাস। একটা অর্ছার্ডের মধ্যে ত্রিভুজ 🕏 গ্রুগে, ভাহা মে স্মকোণ হয়, हैंड। निया किल्यार अन्य आयोग्नित करन याहे-বার দ্বকার ৮৪০ে পারে, কিন্তু এট প্রকান বিশ্বাস বা জ্ঞানেন সম্যু শিক্ষক মহাপরের ব্যক্ত-চক্ত দেখিবার কিংবা বেতাঘাত দহ্য করিবার শরকার মোটেই হয় না। শিক্ষিত অশিক্ষিত, किस मुनवसान, अत्रजनानी-इंद्राध्यानी-मकरणाई मर्सा अहे नहक न ठा थिन राजा-इहेब्रा भाष्ट्रबाह्ह। यनि त्वव बालन, এहे मुख्यान जगा विशा, किश्वा এ विशास विश्व ভোমারই দর্শন বার্পক, ভোমার মন ব্যতীত উহার আর দাড়াইবার স্থান নাই, ভাহা হইলে मागता गमिं अवाश्वास्त किहुरे मा सीत, তথাপি সম্ভরাত্মা যেন এই অন্তত তথোর निकार क বিত্রোর ঘোষণা করিতে থাকে। यामधी मदन मदन हिछ। क्रि हिन इस शाशन. হয় দার্শনিক। আবার অয় কতকভালি বিখাদ আছে বাছা মাছানের ধননীর রক্তে নক্তে अवनचादव विवादिता वृद्धिका है त्यमन व्यामहा সকলেই বিখাস কৰি ৰে অধিতে মাহিকা শক্তি আছে, এবং পুকলভার আইভব্শক্তি নাই। शांगातम् । इ वाङाविक विवासमा विकरक के रक्क तरकत त केलजानिक विकास

প্রভাবে আগুনের শক্তি महे इहेट शास, किश्ता गृति (कान देवकानिक चर्यान (व तुका-नित जीवन 9 शानव जीवत्नत मजनहे रूप छःण, इानि-काशाय पूर्व, काश इकेटन सामारक्य মন প্ৰেক্তি ভাত বিদোহ ভাব ধারণ কলে না। **्डममेंडे आवांत गमि दकान** देनमाखिक द्यावना করেন যে, জীবাত্মাও পরমাত্মা এক, বিশ্বেব বরূপ এক নিরাকার স্বাভ্যান্ত্রোগোচর অধৈও চিনার আত্মাকে চিন্তা করিছে তুমি আকাৰ विभिन्ने कतिमाः (कन : किन्दों यीम दर्कान माधा-त्रभ मोर्सिक वटमन (य. ज्ञांग (य मर्सटनिस्टाइत) প্রমাণ শক্তিতে বিধাস করিয়া ঐ সম্মধন্ত পদাৰ্থটীকে টেবিল বলিয়া জানিতেছ, এবং ঐ বস্তুটীকে আমফল বলিয়া প্রান্তাক্ষ করিতেছ. ভোমার সেই ইন্দির বিধানঘাতক। ভোমার নম্বন ভ্ৰুটী রূপের স্বাকীমাত্র, সেই জ্ঞু ঐ টেবিলের চিন্টালে নাজ্ঞর টেবিল বলিয়া ভ্রম ভন্মাইতেছে, এব ঐ আমুফলের রূপ ও আকার বিশিষ্ট নংপিওটাকে মতা সভাই সাম-ফল বলিয়া প্রভারণা করিভেছে! উক্তিল জক্ত এবার আমরা মার পূর্বের স্থার পাগলের পার্যবন্তী স্থানটা দার্শনিকের জন্ত নির্মাচিত না করিতেও পারি। এই সকল দৃষ্টাস্ক হইতে স্পষ্টই প্রভীরমান হয় যে, আমরা বে সকল বিখাস ও জান লইয়া মাধারণত: জীবনের পথে চলা-ফেরা করি, ভাহাদের मकन अभिटे ए कड़िन हार्टन मर्या शिक्स जमाहे दाधिका शिक्षाटक छोड़ा नह । क खक खिन वाखिवकरे ध्यनरे मंख स्टेश भिष्कात्स् तं, ভাষাদের আকার পরিবর্তন করিতে গোলে काकाता अरक्षाताह हुन-विहुन इदेश श्रीय ! এখন, দেখা মাস্কু মৈ এই বিখালগুলির ক্লীই

রা হয় কেন, আৰু ভাছারারখন একবার একটা मृद्धि वहेबा क्षक्तिक वर-माहात नह के जाक-जिक आकारतात अतिकर्तन कवितान व्यद्यासन हड़ दक्त । এই कृष्टि ७ शक्तिवर्डर नव काहि काइन क्षा राष क्यायाम कीयत्नत निरादनत मध्ये। आमन्ने एवं कंगरक वाम कवि छोहारक একেবারেই অপরিচিত বা অক্তাত রাখিকে त्म कारम महर्द्धत क्या वाहिबा पाकिएक পারিভাম না। পাওবের। এক বৎসরের কর অঞ্চাতবাস করিতে পারিয়াছিলেন ভাহার कात्रण এই य विद्यां ताकात तात्का टांशका অভাত ও অপরিচিত চইলেও সে রাণ্টী ভাষাদের নিকট সম্পূর্ণরশে মপরিচিত ছিল ना। यनि वाखविकहे विवाध ब्राह्मात गतन वस्त्रहे त्रष्टक कुट्हिकांत्र आकाश भाकित, यनि সেখানকার স্বচ্ছনীবে শরীরের ক্লান্তি দুর না করিয়া অবস্তুদ বৃদ্ধি করিত, যদি আহাবের গুরুত্বের অন্তপাতে বুভুক্তিতের ফঠোরায়ি ভ্র করিয়া জলিয়া উঠিত এবং গলপানের সঙ্গে সঙ্গে পিপাত্মৰ ৬% ৬ ঠ নীবসতৰ ১ইয়া ঘাইত , আৰু যদি ভাষের গ্লা সে বাজো প্রবেশ **ভরিয়াই** নিজ প্রকৃতি প্রিবটন করিয়া শোলার প্রকৃতি অনলখন ন বিত, জাঞা চকলে কীচক বধ ভ দ্বের কলা, পাঞ্বলণ এই অভত রাজ্যের মধ্যে কণ্ঠ লের জন্তও বিশাস করিতে পারি-জীবনের শাসন এমনই চর্লক্ষ্য, এমনই কঠিন। ্য শক্তা বস্তু সমূহ আমা-দিগকে চড়দিকে বেষ্টন করিয়া গৃহিয়াছে, ভাছাদিলের স্হিত যদি আমরা স্পরিচিত क्टेंटल मा शातिकाम, यनि के छेश्रामंत्र क्षक्रिक **मर्दक** कागता त्कान क्षकात **खिशाम वानि** कतिएक मा शाविकाम, जारा स्टेरन विकासन

white without at all the core नारपद्ध जासकात नुब हत जा जा. (गाँ माराज्य BICHE WHILE AS WILE AT DAIL V. T. बाग्डर करेक । अहे ह्य अन्तरका नीकेट प्रा कार्यक केंद्रांत थात्। यात कालता अकट किया कतिया (मिंब, कांका करेंट्रा) (मधा मात्र १ वर्षे পরিচয় একদিনে হয় দাঁ 🕬 শশিভিদীনের लमीटनत निक्षे मुद्दिक क्या विभाग करी-লিকা প্রস্তুত সম্ভবপর কইটে পারে, কিন্দু বাস্তব লগতের জানমন্দির এভাবে রচিত হইতে পারে मा। क्रांस्मद्र विकास इस उत्तरम इस्टिंग, धारा ইছার সকলভা আদে গছ নিক্লাভার নথ। দিয়া। ক্রদু শিশু গখন ভাঙার অট্রালিকাটীর রচনা করে, তথন ভাগতে কভবারট গড়ান শিমিৰ ভালিরা কেনিতে হয়, কতই নাশা— নিরাশার দাভপ্রতিবাত ভাহালে মুখ্র করিতে क्रश्डिंग (यन डाइ।त निकंड धाक्छे। প্রকাপ্ত হোঁলে, এটা বেন কোন এক বার্ড-করের চার্ডিক্ত সংখ্যাত্ন মজের ছারা প্রস্তুত ঘাত-বর ৷ ভাহার সরল বিশাস এথানকার কৃছক ভেদ করিতে একেবারেই অক্ষম। একটা বস্ত তথনই ভাহার সমূথে আসিয়া উপস্থিত হয়, আবার পরকণেই কোথায় অন্তহিত হইমা বায়। शंख भा खिन द्यन निरस्त भागतनत वाहिटर. ভাহারা: মড়িখা চড়িয়া কথনও ভাচার চ্থি गायन करत, जोगात कथनण अगृह यहानात रही करत । दर्शन गर्म भूगांत्र जःश्रीकाम कहिएक না করিজেই ভাগার পরিভৃত্তি, আবার কণ্ডন शतिके का करता कहे ना मनाहर करें ने संब आहात है अपन जीवरसंत्र अंटलाक मेरे के এক অভাবনীয় কটিলভার পূর্ণ। এক মুহত্ত

ক্ৰাইবেৰ লৰ প্ৰায় ব্যৱস্থা श्रीक मासियामात्म राज्य कवि । जैनाता PRINTS & TISTAL PRINTS माविष, भारे अरेगित माना देशान व्यनायक्रक নাছে কিনা, স্থাৰ বহি খাকে ভাষা হইটো के वितासित कानअसीन अधिकात करेंट शास्त्र कि मा. हेड़ा विका कतिया मा एनेविटनंड লীখন নিৰ্বাহেত কেটি বিশ্ব হয় নাৰ ভাগ্ৰতা-शहरात क्षा, काल क्षेत्र वह जह जात्कात মণো যে সকল ভাষার স্বরূপ अतिरम् वा उवकी वरन किंक साथ आरम ना ! একটি শোক মাজিং এর নেশার বা অবের বিশারে যে সকল লিনিস শাষ্ট দেখিতে পার ভান্ধা সাধারণতঃ महभ (भारत क्षा का ৰশিদ্বাই একটাকে শ্ৰহ্যজ্ঞান ও অপ্রটাকে क्रम वला उर एकमा धरिनरण श्वायना ना कॅब्रिट्न आभारतत व्याञ्चत निकासक (क.न्ड अधी उप नां ! (महोताभ আবার সরকার বাছটিরের দক্ষে সহদোগিতা বর্জন স্থায়সকত किंग, अविषय भागातित मेखर एक श्रीकरण পাবে: সে বন্ধটী সানার নিকট সৌন্দর্যোর আক্র, নতের নয়নে গ্রাহা ক্র্সিং ইইডে ব জিয়া क्षा गाहारक প্রিছার করেন, তাল একজন ভালাকে অবজ্ঞ-কৰা ৰলিয়া ধৰণ কৰিতেও শাৰেন। এই मकन के बार करेंद्र विदेश भारत वास (य जामात अवस्ति विद्यान क्षेत्र अवजीव Alutaris: Atat Gelfes with. क्रमा दिएस सामान महत्त्व महिन करिनका किए के वित्राम के महिनका पाना CHARGE BY TO COTH BIR 25 MT!

of Salton' HE CAR CURIN CHAPTE SHEET AN INCHES THE TAX THE MILES ALL THE MARK WITH राया अधिका पनि एक प्रथ मानिया छेनाविक করেন ভাষা হইলে আমাদের মধ্যে বে পার্কা (नेहा ज्यम बोमिक्स क्रेड डिटें। "दा खारमह মধ্যে এতথানি অসম্পূর্ণতা, ভাহাতে গইয়া আর जीवत्नत कांक हिंगाल भारत मां। तरे श्रकांत গতকণ একটা **অসামতত বা একটা সমতা**র प्रमाधान ना कतिरम्ख प्राथात्रम् कीर्यानतः (काम তানি হয় না, উভক্ণ আময়া আর মিথ্যা माथा यामारेवात हैका कति ना । किंद्र विनि मार्निक टाइाइ निक्छ এह बन्द छ विस्तार বছট শগ্রীভিকর। माबाबनंडः व्यापादमन् ব্টিপ্রগাড়ের হম্ম বেমন আশান্তিকর, ভাঁচার পক্ষে অন্তর্জ্গাতের বিরোধও তেমনই অসহনীয়। স্লিল বদি প্ৰতি ধৃছাক্তেই মিজের প্ৰকৃতি পরি-ভাগ করিয়া কথনও বা অনিলের এবং কথনও বা অনলেল ধর্মকে গ্রহণ করে, ভাহা হুইলে त्यभन आगारमत जीदन प्रतिवन्द इत्र, एउनिन জ্ঞান ও বিগ্রাসরাকো গভক্ষণ বিস্তোহের লক্ষ্ জীতে, ভতকণ দার্শনিকের জীবনও কেবল ख्या क्रिकत ७ यवनाभावकते थाटक । विदर्शय अ वरुष्ट्रत क्रतानमृष्टि देश्वात लाल मर्कारे ক্রীতির স্কার করিতে থাকে, ডাই ডিনি বছ ইব্রিনের বহু ভাষা ও নানালোকের নানাকর্ণায় গভাকে অভিক্রম করিয়া সেই এক সনাত্তন সভ্যের শ্বারে পৌছিবার জন্ম ব্যক্ত হল কেশালে विद्वारंगत देवांगांकन, 'न वस्टरमा बीतन मुक भिहिट्ड जनमा, रंग्यादन दक्काई सरित्याक भावित शामा धाराहिक रहेवा छ। राव स्वाटन कि अने क्यानाच्या सनीत स्था विकास स्थाप के वि

নার্থনিকের এই কালেনির প্রক্রমার নির্দ্ধি এবং ইবার ব্যেক্তনার নির্দ্ধি কালিত করিব।

কালেন পানের হুইয়া পড়েল। এইনিই তাহার

মানরা পানেরা হুইয়া পড়েল। এইনিই তাহার

মানরা পানেরাহি। নেইলের বজরণ অভবের

করার না ভোগে, ভক্তল তিনি কেববই তানপ্রার কাম টিপিভেই গাকেন, এবং অনেকের
পলেই সেটা আলো আনক্রমারক হর না।, ঐ
আনল বকার তুলিতে বিয়া কতকগুলি ত্রী

টিভিয়া হার—আর কতকগুলি সাধারণ কানে
বেহুরে। ব'লে, ভাই তাহার সাধারণ বল্প

শারণের অসম্ভব্ধ প্রসাপ বলিরা প্রভীর্মান
হর।

এইবার স্নামনা দর্শন ও দার্শনিকের লক্ষণা এক কথার এই বলিতে পারি যে, দার্শনিক চিন্তা এবং অভিতীয় দেশ, কাল ও সংখ্যার বারা অপরিচ্ছিত্র ক্রুমার্কন সভ্যের উপাসনা, আর বিনি এ আদর্শের সার্থকতার সভ জীবনের ভথসাত্তন্দে সমস্তই পরিভ্যাগা করিতে কৃষ্টিট হন না, তিনিই দার্শনিক।

এই আদৰ্শকে লক্ষা কৰিয়া পশ্চিমের চিন্তা লোভ কোন পথ দিয়া প্রবাহিত হইয়াহে, ভাষার বধন আম্বা নির্ণয় করিতে চেন্তা করি, ভগন নাল হয় বেন বাজবিকই একটা কৃত লোভক্তী পশ্চিত্য দেশের প্রকটা প্রাপ্ত হাজার বংগর বারং ক্রিয়া এই আমু আড়াই হাজার বংগর বারং ক্রিয়া প্রিয়া সমক বিশেষ মধ্যে প্রনাই ভাবে বিক্ত কইয়া পড়িভেছে জে, প্রশ্ন আর লে কোন লো বাংলেরের ক্ষা শ্রীয় রুখা নীয়াবছ থাকিতে ক্ষান্য। ইর্মী

. अ ब्रिकाट अपरे तिक विद्युच्छि वाक्रक काला करताबाक करियम प्रकार स CT, MARIO AN A PROSTAGO ANTIR ANTIR ANTIR WICE | PRIS WITH MINES THE HIS -CIMINICE THE REST WAT CH क्टरका निविध द्वाराहिक व्यक्ति विद्वारह, धारा कार्जान किस समय शिकाक समृतिक स्थित তেতে বলিয়াত মাজবের উপর ভাষার এক আধিপতা। এই ক্ষনভূম্বী প্ৰবাহ কোন এক অপূৰ্ব যন্ত্ৰীৰ স্থায় ভাৰার অনন্ত অসুণি ৰাজী ৰেন বিশ্ববীণার সমস্ত ভারগুলিকে স্পর্শ করিয়া-ফেলিয়াছে · এবং অনত্তের। অন্ত ভারীতে ক্ষান ভুলিয়া দিয়া মানুষকে একটামান রাগি-ৰীর আলাপ করিতে আহ্বান করিতেছে। वर्षे कर्करवात कामाशा का वृत्तिएक शामिका करन-**्वहे** ज्यामत्नांत्रथे हरेश शिक्ष्टिक्स । किन যাঁটার অন্তর্কে ইছা নিজের সানন্দে নাচাটরা। ছুলিয়াছে, তাঁহার পকে নিশ্চিত্ত থাকা অস-**छव**ः जिनिहे शकु मार्गनिक।

পুর লালের প্রায় ছব শত বংশর পূর্বে বথন
মহানতি থেলিল () বাবহা বিশ্ব
জীবনের দানত শুন্ধা হইতে জানকে মুক্ত
হরতে প্রবাদ করিয়াছিলেন, তথন উল্লাহ
চিন্তালোভ একটা নাত্র ধারা লইয়া প্রবাহিত
হইতেছিল। জগভের পরিবর্তনশীলভা বেশিরা
ভারার মনে থটকা বাদিল, তিনি নিজেকে
আর করিলেন, আই নিমত পরিবর্তনশীল লগকরিলে কেনে এই প্রথম বছর মুলে একের
আর্থা করিলে এই প্রথম বছর মুলে একের
আর্থা এবং নগরের মুলা ইবিন্সারকে
জালিলা সাগনিক প্রবাদ আরক্ত করিল। ইব

मिले के कहा निर्मिन, ध्वश्रात केन हरेन ৰৈ, তা ভটা প্ৰৱের মধ্য দিয়া আৰু একটা প্ৰশ্ন उद्ध क्रोट मानिन देवर के नान मानवला-্করণের কুভ অপরিচিত প্রদেশ আবিছত হঠতে গাগিল। পরিবর্তনের মাঝে যেটা নিভা থাকে, ভাছার বরূপ কি ? এই নিতা বন্ধ *ডাইতে অনি*ভা বস্তুর **স্থি** ৩য় ্কমন কৰিয়। ? এ মিভা ব্যর মধ্যে সংখ্যার স্থান আছে কি না ৮ কেনে পণ দিয়া এই বস্তুর সমীপে উপস্থিত হটতে পাৰা হায় ? এই প্ৰকারে ্রকটা প্রারশ্বি পাশ্চামা জনার পড়িয়া ত্তারণৰ ক্ষমেনিছিত বছর্বব্যক প্রকাশ ক্ষিত্ত वाजिन, जात छह व निस्त्रस्थय महास्त्रि गान्द्रवत यांचाकात्नत অভিব্যাক্তি ১ই ১ লালিল। এইনিই দর্শনশালের সমস্থা ও গ্ৰাক্টছালর -বিশিষ্টভা। ষ্থ্য একটি সম্ক্রণ চ্টাতে অন্ত একটীৰ কৃষ্টি হয়, এবং ভাছাদের সমাধান করিছে গিয়া দার্শনিক মত বিভক্ত ভটমা পড়ে, ভুগন এই বিভাগের প্রকৃত कात्रण-प्राम्ह त्वतः शामरश्यानिः किश्वाः निका-(विकित्सन माना भाउता यात्र मा। वशीत्म প্রান্ত্রর মধ্য দিয়া মাশ্র নিজেবে চিনিতে ट्नार्थ, अवर जनम छात्त्रचं कृष्टि उभन्छे इह ৰখন ভাষার মন্তবে বিভিন্ত দিক বিভিন্ত अकारतंत्रं मानी आसितः हिल्डिक करन । अत्यस কভকটা অভেগাতিক খুদের মত। W.3 वृद्धि (त आएमें) के खिलानना करत, जीत धनश সে আমূৰ্ণকে অৰ্থা দিতে চাৰ না. ভাৰ अस्याका ए शांटक अन् बनिया सत्ते कटब्रना । कान करका मत्त्व मित्वत्र गांपक्षा प्रक्रिया ्षात, किंद्र उक्ति हरे ने इंदेश प्रतिकार्य रहेरू शाहित का । नीक द्वापना करव दन

वह एखनहें कुछार्थ क्रहेरफ भारत यथम रम "আপনার বিলয়া কিচুট রাথে না। সে মথম ভার মারাধাদেতের মধ্যে নিকেকে সম্পৃতিক্তি विभीन कतियां जिएक शास्त्र, यथम छाटमन মধ্যে কোনই বাৰধান আৰ লাকে না---তথনত সাধাকের চন্ম উংক্ষা কিন্তু ভঞ্জি बर्ग ्न अरकत मगस्य मन्धाः चारशाम उत्रान मदनम करियान **१** व्याषानित्तम् तात সানস্টুকুও অম্বুভব করিবার জন্ম দুই এব भरता अस्त अन्ति भगतभाष्ट्र तालगां न ना नानित्त प्रत्म गा। शहे साथ अस्टिक বিভিন্ন জিকেব বিভিন্ন প্রায়েচনাথ গথন অন্তঃকরণ দ্বিগা চটয়া পড়ে তথনই দর্শনশাস্থ ৰিভক্ত ক্টম প্ৰে। হথন গ্ৰীণ ও রোম-দেশের চিক্তা কেবল জ্ঞানের আদর্শকে সম্মুর্থে বাৰিয়া সমস্ত ইউবোপে ছড়াইয়া পড়িকে গাৰিক, ভগন ভার শ্রেভেধ্বনিভে অভ্রের আস একটা প্রদেশ সুথবিভ ইবা উমিল। ন্তন অনেশেৰ নৃতন কাহিণীৰ অন্ধিৰাঞ্জি ब्रीह्रोम धर्मात गासकरमन এইবার অস্তবের সঙ্গে অস্থার ভুমুল যুক্ত . वाभिता अन। ८०३ विन्यान ८४ ८कवन জ্ঞান ও চিকাশক্তির ছারা সভাবে ধরা অসম্ভন, কারণ যে মন্তবা নিজ হঙ্গতির ফলে অসীম ভট্ডে নিজেকে বিজিল কবিছে বাধা হইয়াছে, ভাহার বৃদ্ধি ও চিম্বা সমীমেন ম্পূর্ণে বিকারপ্রস্থা, স্থভরাং সভ্যের বাজ্যে भोडिएक बनेटन जात भटक ठाउँ विश्वाम. **छाडे अका। कावात एक विवास एक कारमत** व्यारमा ना शांकिरण अक्षतिचारमञ्ज अवना पूर्व হততে পারে না, প্রভয়াৎ আন ও টিভাকে মান বিলে সভাবে মান্তিৰ সানা এক্টেমানেই

व्यम्हर । राजन अस्तिम अभन खरे युक्तश्रेष्ठ । ধুলিকথায় ডাইয়া আদিতে ছিলা, মুগুল এল অন্তলের বিরোধের ফলে বাছরগতে সংলক ক্লানে অন্তৰ্গত ক্টতে লাগিল, তথ্য কত্ৰ-শুলি ধর্মায়ক আমান করিয়া দেখাইতে লাগিলেন যে এই আন্তর্ভাতিক ভিত্তি ভাষা আমাদের কপোলকলিত মানা। ne যে কস্তুকে বিশ্বাস ও **लका** १ का व भाइरफ (५वें) करत्व, छानी (महे नश्रक्टें 6'ছা ও ভক্তবিভক্তবাৰা গরিবার তেই। করেন। ক্ষতবাং যে সভা প্রেটো, স্মারিপ্টটর প্রভৃতি চিন্ধানীরগণে চিন্তাদর্শণে প্রতিবিধিক ২০মা-ভিল গ্রীষ্টান্দার্থ চিক সেই ভিত্তির উপরেই है। ডাউর। সাতে । इ.डि.स.एश्रत अवागाः स मान्यिककांच व्यवहारका यह विद्याम विकाहरणहें নাস্ত পাকিল . তমুনই আবার ইন্দির ও व्यवस्थानात विकास करता मनेननात्त्रत সমান্তা প্রতি জাটিল এর ইট্যা পাতে। খে ভিলিন আমন, প্রেরণে ইত্তির স্থাও বাবং জানিতে ারি, মাধাকে আনবা হস্তথারা স্পশ কবি, নম্ম দিয়া দশন করি ভাহাকেই সাধারণ হ সভা বস্ত বলিয়া থাকি ৷ উল্লেখণন জ্ঞান ধাতীত স্বার যে কোনপ্রকার নিশ্চিয়াত্মক আন'হটতে পারে, এবং ঐশিকরালা বাতীত অন্ত কোপাও যে সংশ্বনাশ হহতে পারে, ভাষা আমরা বিশাস করিতেই পারি না। সেই জন্ম ইজিয় খোষণা করে "আমার সীমান। অভিক্রম ক্রিলেই মাছবের চিপ্তা বেবল আকাশকুত্ব ও কবির কল্পনা মান। ाई इंक्तित्रम्थी मानीत धाकिनिधिरक नाम्हाका क्राट्ड देवस्थानिय आधा तम् । देवस्थानिय ग्राम्म त्म विद्यारक जानकेश के नारका

काशास कहें कि मुख्ये केतिएक लाजा नाकमांड ই জিয়াৰ বিখা। উলোৰ নিকট হাজনাতীত বন্ধ ভাছাই যাহ: ইজিয়া এখনও আকাৰ, कतिएक भारत नाहे, किन्न छाडे समिक्षा ध्रमन কোন, সতা ভিনি শীকার করিতে পারেকি मा-गारु। डेक्टियर निक्छे धरा भएड मी। সেইজন্ম যথন গৈজানিক যান্তের ংশতিশতে कल मंद्र अञ्चल वह हे जिए यस कार्ट शकाम **১ট্যা প্রি:** এগল বৈজ্ঞানক এই ন্তন आधिशातत डिवाममात डीश्कांत कवित्र दिवश উঠিলেন-আমি সমস্ত অংকাশ ত্ৰবীকল দিয়া তর ভর করিয়া ংলিয়া দেখিলাম, কিন্তু কোথাও ঈশ্বর নামে কোন বন্ধকে এবিঙে পাইলাম না : এমতেএব প্রশান মাধ্যের ক্সনার রাজা ব্যত্তীত অন্ত কোনত থাছিল আবেন किए यात्रीत का अहतानत मधानमा इ अनुरक्षत आपनीरक विकासित छेशात छ।न रहरा হাঁহারা এই প্রাক্তি কিছু জাও ভাড়া মান अकि के लिया की छ बनाइकेंस गढ मानिए के स्था इस्त है। हो जो बर्कन (ये, इंस्प्रिंग के न न किन আচরণ মাত্র শৃত্রী থাকে, ইন্তিরেব বছভাষাকে অভিক্রম করিয়া সনাতন সত্যকে ধরিতে হইলে, চাই আর একটা শক্তি। কুপ, ব্লস, প্র প্রভৃতি ইন্দিয়গর জানস্বরূপ বস্কর জান ১৯ ১১ কারণ এখাল বহু কিছ বস এক। তেমান আবার হক্তির আমানেব যে জ্ঞান দের, ভাগতে विद्रासित रिभाग का मं, (मेर्ड क्य खक तक-गंड উद्धार्थक माना जारक नामा कारण करू-स्व करत हैं स्वत्र वहत अ**वस्त अवस्त अवस्त** স্থিত প্রতিষ্ঠ কেবলমান ইঞ্জিছ দার হইতে भारत सा । हिर्देश सकत वश्वदक अभिताक्षणधान- उः हेक्किशास प्रत्य कति, काशीवरंगर कार : पति- ক্ষাপাইছে ক্ষাক্ত একটা ইবিয়াজীত বৰ্জ লোকাকি হৈ , আই এ ইবিয়াজীত কাৰত না পাকৰে, বৈজ্ঞানক বৈ আয়ৰ্গকৈ এই আছিলটোৰ কৰা ও অন্তৰ্গ কৰিছেল পাইত আৰু উন্নাহি অন্তৰ্গাকিতই কৰিছে পাইত লা। ভয়সাং এই ইবিয় প্ৰকাৱ জগত ব্যজ্ঞীত আয় প্ৰকৃতি বালা আছে, কেন্দান চইতে কহিলে বালা হোৱালা, নীতিম কঠোয় লাসন, ও কৰ্ত-বোৰ আহ্বালা মাহবের বে অমৃত পিশাসা, আন্দোৰ চৰণে আন্তৰ্গলাল, নিবালার মাবে পাতিহ্বার আ্বাল, একটা জ ইবিয়াজীত মন্তর্গতম ক্লেক্তি প্রেরণার কলা এই কর পাক্টাতা চিত্তাম বিজ্ঞানেত্বক পর বিজ্ঞানেত্ব

APPI fogmices facule Contains क्र म्बल पहलत निक्क क्रांतिक गण्या व नमांशास्त्र रेनिका करन अंक्ट नाहिका গেল যে, একজন সাছৰের গকে নিধিল গ্ৰহার मालाह्ना चन्डन र् ब्रांक्श अकेंगे ध्याम विकास कतियात करवाकन हरेन। अवति विकारने ताका चात अवति मर्गटनत शामा। छाट जन्म बात बट्डाक िखात अरोक्ट क मानीनिक विद्या नगा स्व स रेत्रकानिकार विचादक वह करान विकास विकास काशास्त्र रहनिक मित्र बानिए एको कर्तन अर्थ अर्थी विकृत्य गतिकात्राता मानिट निम्न अक अक्टा विकारमध्ये सृष्टि वर । एकतान अनके विकास विका कार्य निरंपर अवकी गांव Detailing where out and of क्षेत्रां वे क्षेत्रक नाव, नाव निवा, वे दिए विका

विकास मारा करते विकास अधिक ----AND THE CAMP COMPANY NOT SHIP! AND IN THE SPIRE THE PARTIES field the me year and frances नकार मण वार्की विकादन महस्रा नत्र रकान कामांबक्क वा विरवाद काकिएक विरक्त अकृष्ठि किकृष्टके काना नाहरव जा। बाबाद दिखानिक दि नेक्न महा बाहिकात करतन, তাহারা কভকওণি শীক্ত। সভ্যের উপর মিজা कतिया बाटकः कर क्षानाः करहाता हत्वम मन्त विनेश मानिन वहेटक साम हन। इस्टबार বৈজ্ঞানিকের বিশ্লেষণ ক্রিয়া বহন সক্ষ চরম নভ্যে আসিধা উপহিত হয়, তথ্যজ্ঞান তাইছা विस्थान करियात मनकार विस्तान करतन ना उपन देखानिएक विका वरेड नार्निक जे क्षेत्र वृत्ति छ । हरे मडा बिगार गाँव र करान । प्रख्यार विकाटन क्यार्ट्यपात त्नर रूप, वर्गीदन्त कांच त्मतात्म बीमक एवं। त्वादी हरेएड अक्डी कम बीमा। शक्ति, कार्याहे महा-মতি নিজনে নিজেকে জিলাসা করিলেন, বৃক্ क्टर करमा वृद्धाः वृद्धाः वाकीरण गाविताः where the diens dies des भारिक धरे ए गुचनीत क्याक्ट विना अन्त्री जान्त्रकी नाम जात्व देशन यानाम support spect of from chain wife. इत्ये क्रेरिया चाया । क्योक्कांक मेन जाना ary when, offices in their stories. AND AND A PROPERTY. AND THE SECTION SE

क्की साकरणे श्रीष्ट सारह, वह श्रीष्ट्रत करव कपुरम्भाविक निक्रणमान नर्मकारे व्यक्ति THE RESIDENCE TOUR THE OF THE बोरतह कार्राट्या क्रमणाटा कम रचनी स्व विनदा नकार के जननगर प्रयास गार में। बारे सम्बद्धांकी क्रियमिकाम द द्वारा निष्ठिम शह উপৰায়ে আকালে পৰিত্ৰমণ,তাহাদের নিক নিক কৰে মাৰ্চিনিত ভাবে পরিমাণ প্রভৃতি অনেক জটির সমস্তার উত্তর দিলেন। ক্রেমে আমরা अरे**ेरवका**निक विद्यापन क्रिमाणित धान है अत्मार्यांश कवित्रा विशेष्ण वृक्षित्व शाहि व निष्ठिन क अकश्वनि मञास्क मानिया नरेएड এবং তাহার বস্তবিদেবণ ्रवाधा करेबाएकन । ক্ষিত্রতে আসিয়া সংসা থানিয়া সিয়াছে। ্রিভিনি নানিয়া লইয়াছেন যে জগতের প্রত্যেক 🕆 ঘটনারই একটা কারণ আছে, কড়কগতের সমস্ত ঘটনা কভক গুলি মতোর ছারা নির্দ্ধিত এবং সেই সভাগুলি আবহুগান কাল হইতে একই ভাবে জগতের কার্যা করিয়া আর্থিতেছে 🥫 किस कर्नाट मार्गमिक्तर िख े जानि । मचरक आहे मुक् कानिबारे मुक्टे रह मा। डिनि প্রশ্ন করেন—কারণ বুক্টি কি 🕈 এই কারণ কাৰ্য্যের অবিচ্ছিন্ন সম্বন্ধ আসে কোথা হইছে ? काएत शक्त चत्रभ कि ? डाराइ देह डाइम्बर कि मचन !! हे डोानि । চন্না সত্যেকে বিজ্ঞান বিশ্বের ভিত্তিরূপে नावहान करत, बाहात जिलाद विकारनत नकन विकल्पित वर्गन कान करती क्षा काल रेकानिका वह नेटानीत माधना

SPECIAL SPECIA nolle bilbei ben Mitte Bei mille कविश्वेष्ठ कविश्वोद्धिरात साम् स्रीत रेजिक्टिक हरक नजारक ज्यान नक विदेश DIA मा हेश्व करण विषय सामितिनांड मन्त्राम अतिवर्षिक स्ट्रिट डॉनिशाय আকোণের ভিনকোন ১৮৬ ডিগ্রী বলিলে আন **हिलार ना इहें। जभावताल जनगद्भण कर्यन्त** মিলিতে পারে না বলিলে এখন ভুল বলী क्ट्रेंदि ।

দাৰ্শনিক এই সকল বৈজ্ঞানিক সভাঞ্জি ्करण माळ मानिया गहेवा गर्डेड शाविरट **भार्डि**स কেন তাহা আমরা মোটামুটি পুর্বেই দেখি-ब्राह्मिकिन मर्काबरे अकरी आन्माक मुक्तिश त्रकृति। अरे जामनी जामात्मक कीवरम नामा রণ জানে, বে টুকু অভিব্যক্ত হয়, বৈজ্ঞা-নিক্লোনে ভাগ অপেকা অনেক বেশী প্রকাশ পাৰ্য কিছ বিজ্ঞান ও ভাহাকে সম্পূৰ্ণ ভাবে চিত্ৰ প্ৰতিক্ষিত ক্রিতে পারেনা। এই আদশ্রী। किकार अञ्चः कत्ररगत हत्रभगति वृधि । आहे अहे পরিভৃত্তি আসিতে পারে তথনই, যথন সেই সভাকে ভানিতে পারা বার, कान या উপामकरङ्ख्य विश्वित्र रह ना, याश সুকল পরিবর্তনের মাবে অবিনশ্ব ও ভাষাৰ নধ্যে এক থাকে। गुक्ताक निर्वेष करत, रमहेशांनक वर्गनात बानिएक बाल करे, रेवलानिक वर्षन टार्क कारमाठा विरंत । अपने के किन्तु विभ तृत ना श्रा में बाद्ध का विभिन्न छोटा का निरंख कही करवन अके निक वयन व वकार धारक स्थाप्त निक्रम रहेवा बाद। धोरे पृतिएक ब्रिश निजातन गरीहरू ब्रिजन framely well been mell wight vien, be- and sien remert au

প্রাণিত প্রাণ্ড কেবল উত্তাও প্রিবাজির করিতে করিতে বৈজ্ঞানিক এই সভেত্তির নীতিকা विकास अक्षमारक नागायनकाल, देवकालिक ত মাজিক জানে প্রপার ইইটে পৃথক रक्त और टायक नाटाक मनव स्वान महमा একটা বস্তের আওয়ত ওনিয়া আমারা वत १३८७ बाहित १३मा स्वि ए अमहाराज-नीडि मन्त्र कार्य कार्य ध्वकमन रगाङ्ग নৈছ সামাদের ঠিক নীচে একদল স্বেচ্ছা-रम्यास्त्र डेश्व छन ामाहेवात छेट्याश করিতেছে, ভাহা হইলে আমরা অনেকেই আতানং সভাং রকেৎ এই শাতারশাসনকে व्यक्षि मना अदिवा अथान क्रेटिं मृद्र দাইবার জন্ম বাজা হইয়া পড়ি। ইহার কারণ এই যে বন্তের গুলি ও আমানের 'প্ৰশাৰ এই চুইটার মধ্যে কি সম্বন্ধ আগা স্বামরা জান। এ স্থানে বনুক হইতে । बिकानस्मद आश्वाक ६ (वहांत द्रातिमीदः স্থারের মধ্যে কি পার্থকা, তাহা জীবন রুষার ব্রভানা দরকার। বৈজ্ঞানিক কিব ংক महरक अटें हेरू कानिया उध स्न ना। जिनि े (मर्थन (ए. ८व. वम्हाकत शक अथन् (शाना গুল দেই বন্দুক সাবার বে ঘর হইটে বাহু নিষ্কাশিত করা ১ই'নাড়ে ৬৮ '(রের ভিতর আওয়াজ, কবিলে তাতা বাছির চটতে শোনা নার না। এই প্রকার শব্দ বিভিত্ত গড়-बिल वा विक्रफ क्रांनरक अधनाधिक क्रिड ্ গিয়া তিনি ৰজিতে বাধা হন যে শব্দ বলিয়া क्रांस तक सर्विकार नाहे। । संद **এ**क-बाब काम प्रामंद माला। अव्यक्तिनाद करेट कार करेंद्र करेंद्र के बाद वक्कविद्यास्य बारकरणत नाम्न महि, कांत्रन नामिक

त्य मध्य कार्यकार त्यान केवल क्री क्रमापि অবিনয়র, কর্পরমায় ও তালামের ভারত नुशा कि बाद विकृति सह। विदेश सरेशक বেশ বৃদ্ধিকে পাতা বাৰ দেৱ কালালেৰ रिनन्तिन कीरामद नाशादन कारने देन नकन গড়মিল ও বিরোধ থাকে দেই এনিকে সাই করিখা জ্ঞানের রাজ্যে একতা স্থাপন করিতে গিয়া বিজ্ঞানের উৎপত্তি रहा च्यातार সাধারণ জ্ঞান ও বৈজ্ঞানিক জ্ঞানে পার্থক্য এই যে জ্ঞানের যেটুকু একতা ও সামাতা वावशतिक सीवानक स्था आयासन, विस्तान দেইট্রুতে সম্ভন্ত হয় না। সে জন্ত বৈজ্ঞানিক-জ্ঞানে ঐ আদর্শটী আরও পরিকারভাবে ফুটরা উঠে। দার্শনিক কিছ **এशामिड** कानमञ्जास्तर मन्मूर्व किनासि प्रिटिश পান না। ভিনি চান অস্তবের নিথিল বিবা-ধের আতাত্তিক বিনাশ, ও ভিজাম অন্ত:-করণের পূর্ণ পরিতৃপ্তি। তাই পাশ্চাতোর मार्गिक हिंसात हे डिहारन स्वथा यात्र त्य देवळानिक यथनहे मोहास्यत অন্তঃ করাণের একটা প্রদেশে শান্তি স্থাপুন করিতে গিয়া অন্ত একটা প্রদেশে অশান্তির স্চনা করি-য়াছেন, দার্শনিক তথনত সকল বিজোধের চৰুম শাস্তি কেমন করিয়া হইতে পাট্টো তাৰা . নির্ণয় করিতে বাস্ত চইয়া পড়িয়াছেন। কিন্ত माश्रावत अक्षात्रत भारी अन्य, क्लीम, कुउद्रार তাহার অন্যক্ষর সূর্ব শরিভৃত্তির একটা बाहर्न गांव। अर्थाः देनान्दर्भन महानित्र वाक्कास्य कर् श्रीक कार्याङ कार्रा, ध्रथन वर्गन एक के मानगढिक विनेष्ठ कार्या বৈত্য কলে মতিকে পেছিল শক্ত বততঃ ধবিতে না পাৰি, তব্ও নাজাবের

ি চিন্তার মহন্ত ঐ আদংশর মহন্ত ও গৌরবের ক্ষান, এবং ঐ আদংশীর হারা অঞ্প্রাণিত কইতে শাবিকেই দাশীনিক ভীবনেব চরম সার্থকতা চইল। তাঁহারা এখন ভাষতের

সাধিকের ভাষার বলেন —
আমি সুক্তি চাই মা হরি,
কেবল আদিন শাইৰ চরণ দেবিব এই
ভিকা করি।

আমার চান যাত্রা

(পূর্বাহ্বতি)

[औरकनादमाथ बरम्माभाषाय]

मनीरमंत्र 'इगा' विनाम विमास मिता. उक्त है ইতন্ত এমন করিতে করিতে সমুদ্র ীয়ে উপস্থিত ইইবার ইচ্ছা কর যে। সরকারা মা,পদ, ব্যাহ্ম, পুলেন, স্কার্ড গঙাবী দেব প্রের্থনী সেম্বিলান : (付)(少布 15,819165 শিথেরাই পাহারা inrecte : এ : জনের সাহত क्षा कृष्या अर्गनवाच, नाराद्र, रूक्ट क्रिस कारबर भरक भरक धायान कामग्राहित वर क्रमनः की भूज अ क्रांनिशास्त्र। वाशवर वि अन শ্মানের সহিত ইংরাজ বাধাছর ২০০০ টাকা হইতে আবন্ধ করিয়া, পদোরতির সঙ্গে সংস ২০০০০০, এনন কি তাহা অপেকা আধক বেতন দিয়াও ভাষাদের রাখিয়াছেন। হংকংএর **मिथ रेम्ब्य.** देशबास मनकारतन अक्ति म्मार्कात মামপ্রী। এরপ শ্বনির্বাচিত স্থনির স্থলবনার **७ विकि शुक्रमान्द्र मभाव्याम मन्पूर्व (अज्ञासन्दे**ः 😸 পুলিস গঠন করা সহজ পাদা নহে। ইহাদের পরিজ্ঞাদিও স্থান ও গখানসূচক। রাজ---পাৰের স্থানে স্থানে, ইহারা বেল এক একটি

সজীব স্থাপত ওড়াররণ শাহা পাইতেছে 📬

জনৈক শিখ ট্যনিকের : কিছ আলাপ " इह्ल : देशिनकि दिलिल—"वागासिक @डायर যা একট কৰৰ ও সন্মান ছিল, - চীন অভিযান কাল স্বত্ৰপ ইইয়া আদিয়া, তাহাকে আঘাত নিল। ইতি গ্ৰাম্ম ও সঞ্চাল কোন ভারত-দৈতা আলে নাই - আল্লেট স্বাধ্যে আসি-शक्ति, धवर धरे ताहर वत, क नतकांत्र वाश-ছাতের তৃত্য পালন বা বহাছি, এনে জন্তু সম্মান क आमत्र भारताहि। अथन **मिर्टिह हिन्** স্থান নিরম চইগাছে; আজ ফি না সহস্র সহস্র ভারত সৈয়া, হংকাকে অর্ধপথে মেলিয়া, প্রসূর डेखर हीत्न २०१२ हाका विस्तन शान विक চলিয়াছে। আর কি সভকার থাহাছর আমা দের এই উচ্চ বৈতন, আত তিন বংশতে णात मांच मेंहा देनांच, व्यवः (मर्ग शहेबांब कर ह তিৰ মাৰ ক্ষিত্ৰিয়া চুটি জ প্ৰেণ্ড ক্ষিত্ৰ পোৰা का ग्रामक न शपर सामारम्य हैस्ता के देशी के गर्दि उ शास अव र अर्थारिक 'इ. बानकार वाचा

ক্ষরতে পানি হা ই নালি গ্রেকাকটির প্রতাক করিতে পানি হা ই নালি গ্রেকাকটির প্রতাক কথার হ বার ও বাঙ্গান প্রকালপাইতেছিল। বেঘ জনলার থারতুত হঠতেতে দেশিয়া, কথা প্রকাশ করিবার জন্ত বাললাগ "জন্মনানের উপ্রতিটি ভর পাহতেত কেন দ্" পরে — প্রভামের আদান প্রদান সমস শেষ করিয়া ভগায় কইলান।

েদ্বিলান, ককালের ওকরে বিশুর নোধার জন্মনার লোক, সিন্তুলেশবাসী, ও পাঞ্চানী, নাইদা বাণিজা কবিয়া থাকেন। কলিকা গাও ৰোধাইনগ্রীন বিভাগ বিভাগনা বেন, সম্পূত্র সম্মান ও গশ্চাতে পর্স্তাতের চাপে অভ্যুর কইয়। এক ক্ষা এইলার মধ্যে আশ্রেম সাম্যাতে। প্রাক্তাবিধা মুনিধানার সোকালের সুলিব্যাতি। প্রাক্তাবিধা মুনিধানার সোকালের সুলিব্যাতি। ক্ষান্তি, বেসন, পাপের, শাক্তাতি, শাল্যতিত চানাকভূব নার্যাবিহ্নান।

भाषात् छेण्य त्यस् नाभागेत्याकः, वे शिक रमिन्द्रा व पात्र कात्रमत नाडे , किन्द्र शक्छि গাৰ্পদাৰে উপেক্ষা কৰিব। তথাৰ কাৰ্টে • १९६५ প্ৰভাষৰ হয়। প্ৰতি প্ৰতি হ ं गुर्दिक्षी ্ত পারে ফুলের বাভার নিমরণ্ড भूतिका दक्ष मार्थि द्यार अहा अहिला, अन्य निवास .es श्रामहिन रुवधुन AFFIN TERM SOFTE ! क्रीकेंग्ड भीडल ताबु क्याम १५० । एताब ्वांस, क्रांस्कास । दिल्लास , क्रांका ६ भागी। दमका अवसी श्रामन कदारी भाषा, तमनग, ्रक्षाकृत, रहा, रेक्किकीयम, स्वामा, व्यव प्रत्य, THE ME, CHESTER MER CHESTER, WE विकास मात्र प्राप्त के श्रीमान के लिय क्रमा लेड दर जनावन विकासिटाउ निप्ता अस्य क्षांत्रम् वर्गमा में ज्याच्यात, नामह

गर् रानव जानमामोव कवित्र स्वतं आदिन कानिया गाँउडक कतिरस्ट । दश्रु - लक्षि ्यम वमस्यासम्ब जानास्या जूनिकारक। किन् भावस्थातः मन्छ क्रांक । अक्रि विमान (मोक्स्यारिंग्टक सान कतिया विशेष्ट । विदक्षका-গুলি আই-পৌরিত নতক পাজামা পরা পুরুষ भाक्षा ! राशास्त्र वृत्त कर्कम गान्छ तरे प्रकृ মার সৌন্দর্যার ভার পড়িয়া, কমনীর শার ्रम निष्ठत बागाउ कर्ता उड्डाएँड । বিদ্যাদেশে • ' এরপ বৈস্থারে ব্যবস্থা নাই; গ্ৰন্থ কি ভবে চীনাদেৰ "ব্যাসকাশী।" জামি েতাম শিষ্ট কৃচিয়ায় মাত, ওলাপি এই, দুজে আমার প্রাণ্ড বিজ্ঞোচ করিলে ইঠিল। কাৰণ বাধাকাৰ ছহতে যে সৰ গল পোনা প্রায় সকল সাজপুত্রই शिद्धारिकः । श्रीकारिक লাগনীর মালকে গিয়া তেকিটেন, এখানে मामाभाद शहर धनिहंद १५०। र्गातकार्कातम् होता भागिनी ना धाकिरण त्रोर গুলাক্ষরের বিচিত্র কেটাল কান দিটেনার "বজনী" জন্ম হিলা, তব্লাকার **কা**ত্রের সূলা **राम्याहरणाह्य क्षाप्त का का का का का का** মাণ্ক, মুক্তা, খণকে আশ্রয় ক্ষিয়ার লোডন

ভাগে পাহাড়টিব শীধ দেশে চাহিয়া পেৰি
সংঘাত গাড় কুয়াশাজ্জ । পেখানে বড় বড়
দৌৰ্থীন দাভোবেলা শনাংলো বিজ্ঞানীয়া ৰাম
ভাবেল, ও শীহল বাস দেশন করেন।
কামার জন্তার পোবাক-পরা সন্ধানের হুও
ভাবেল হহল, সংভাটা প্রত ভোগ কামিতে
হুইবে । বাংলারে উটেজানে অধিকার, তাহাবা
চিরারিকট উতে গাল্লা; আমি নীচু মান্তরার
নিয়ারিকট উতে গাল্লা; আমি নীচু মান্তরার
নিয়ারিকট উতে গাল্লা; আমি নীচু মান্তরার

বাবে নমুদ্র হাঁটো ইন্টিনির হইলাফ। প্রথম আছি বাই প্রিক্তি প্রিক্তিটাছ, ভারতার ইন্টানির প্রথা, প্রাটেও ইন্টানির প্রথা, প্রাটেও নৌকার ভিড় নাই। শুনিরামিন নৌকার ফালি কেরা, নৌকাগুলি নিরাপদ স্থানে ছাইমা গিরাকোঁ। কেবল বাহাদের ইন্ডি চড়াইবার কড়ি নানও দাগ্রহ হর নাই, তাহারাই পাড়ি মাবিয়া বেড়াইডেডে। নেনন আদালা বর আবিছা হরায় এক শ্রেণীর কান—আহের বিপাদকে উপায় স্বরূপ ধ্রিয়া নিজের। রাড়িয়া স্ক্রিপাকে ও ক্রিলাক করে, স্টেকশ ইহাদের মধ্যে চা বুক্তি লাভ করে, স্টেকশ ইহাদের মধ্যে চা বুক্তি লাভ করে, স্টেকশ ইহাদের মধ্যে চা বুক্তি লাভ করে, স্টেকশ বিশার ক্রিপার মধ্যে চা বুক্তি লাভ করে, স্টেকশ বিশার মধ্যে চা বুক্তি লাভ করে।

ৰাছা হউক,—ভৌকার প্রত্যাশার নড়েহয়া আছি, হতি মধ্যে ড'একটি, আমাদের দুহ্যাত্রী मालाकीतकी कातियों कुछित्त्व। হৎপর হুইয়া, এফখানি নৌকান মালিকের সহিত্ত দর 🗫সাক্সি আরম্ভ করিয়া দিলেন। মাঝি তা প্রথম ঃ নৌষ, ছাভিতেই নার্জ — পরে চতৃত্ত প্রান্থ। চাহেল। তাহাদের জান-গতিক লক্ষ্য কবিয়া এবং ঝড় আসম ব্ৰিয়া मामि मावित्र कथा। ३९ मनाः मण्ड নৌকায় উঠিয়া পাডলাম, কারণ আব **হতন্তঃ ক**নিতে ভাষাতে পৌছিল উপায় शांकित्व मा ,- धांनरक (मभा अवमाम। ব্যিলা» নাজ্ঞীসঙ্গারা আমার এই ত্রা क्रिशिश विद्यम भित्रक अक्टरना । कांदारमः। जाकिया गरेगार:- स्रोका श्रीमनः এক অভিকাঠ ভব্নত ও তুলান অভিক্রম করিয়া बानासम्ब काशरक कुलिया निका।

কাহাভের মালারা বলিখ - প্রিন থাকিতে

ভালা ভালা আদিশা শ্ৰেণীভিয়াছেন, ক্ষত काय क्षेत्रेस्य : काश्रामित्य (यम केवियामा I'w phone wish chas discover विष्ट्रे श्रीकाम जा. भनामि "केट्से स्" संशोधित त्मक्ष कीच 9 इंटिंग्स के कि के कि देविका বা বিধিল, ভাষাতেই মুখ চন ইইছা সোলা! महिरमान, विकासरका ध्यक्ति व्यव विम, কিন্তু টাইফুন পকটা বেন তাহাদের অংশকা ওলনে নের ভাবি ও ভীতিপ্রদ বলিয়া বোষ १३३ : १८५, यनात नीधा कोशब : 🐗 প্রিলেট ৬য়: প্রে আমানের সাওস অসীম : - প্রভাগতে টামক্র কেলিবার সাগটা স্বয়ুর আমিল: কিন্তু নিজে জালে আকাৰণেও আৰু अंभाव अभारमव अन्य स्थम द्रश्य हेरियाम. এবং উপরেব ভেকে গিয়া ভারাদের প্রাভারেক প্রতীক্ষা কাবতে লাগিলাম। ১৮৮ উন্নয়োত্তর বৃষ্টি, বায়ু, বিশ্বাহ, তরঙ্গ, একবে মিলিয়া প্রকল হইতে লাগিল, ডাডট আমাল এচ চর্মা পাথের श्रामनी मर्जारमत कुल हिन्द्वाल छिएका वास्तिएक जक, श्रिप्रवार्ग, निवाशम . 367,34 স্থানে আত্রের জালা। বড় বড় জাহার ও বিমান পাল প্রটাইয়া, पेश्टरन (Oanvas) के श्रीमहा दक्षिण, চারিদিকে নম্বর পড়িল। রাজ নমটা ব্যক্তিয়া াল 🙀 ই ঘাড় (Stuward) আদিয়া ধৰিলেন-"আপনাবা হুৰতে যামনি ক্র ধাবেন না 🐶 স্থানি তথন তাঁচাকে সকল কথা পুলিয়া বলিলায়। 'পুনিলা ভিনি জীও क्ट्रेंट्रिन, व भौनातम "এ.० ६३ हर्त्याम जास न्जन लाक, वर्णातीक रान ! वर्णनि व বিষয় চিৰা পাতেবংক বিশোট করা উচিত, क्रिनि क्रम्बारम त्याक शाहार शाहन

NO PORT OF THE PARTY SHIPS Tern Glaundente , Car Affit ent. अर्थना त्राक्ष किंद्र नार्यक्तक जिल्लाई करारे क्षित स्थिताय ।। क्षित् करे तथा तथा वर्ष वर्षेत्र बह्मा शाह बह्मचार एक बन्नि धक्र जालांक जागीलंब जिन्होंच जानत स्टेट व्यक्ति। क्रेनार्ड बनिरमन-प्राप्ती कि माठा বেখা বাস্ ।" দেখিতে ক্ৰেখিতে একখানি ক্ষু সক্ষ আনাজৰ আহাতেৰ পাৰে আসিয়া मानिक अन्तर उत्तरा वहेरड मामात्र वर ক্রিকিক নৰীয়া ভিতে বিভাগগুলির মত कि करें निकि अ मिन्द्र माराश्वा बाहारकर कामि त्वन वीहिगाम, व्यापक स्टेलन। हे बार्ड विनिया क्रिडिटनन Thank God (क्यांबरक वक्तवाम)।

বোসজা বলিলেন--"কিছু আর ব'লবেন না, আপনার কথা না তনে-পঁয়াৰ পরকার क्षे स्टब्स्ट ! आफा अंध वन्हों वह वक् वृद्धित ্রামার ভিজেছি ; সকল বক্স চেটা শেরেও अक्टी लोटका त्यात्राफ इ'न ना ; त्यात अवस्था गारक्तरक वैदेश किरान अरेकी ধাইরে তারির <u>হণারি</u>নে একথানা শঞ্চ— (इंक्टिंग कारण देखाई)--नीक्सा टाण, ভাৰণৰ বৰ্ষকে হটি গিৰি डाई बना। क्रांद कन्वरव वितिन्ति ज्ञेन।, नारक लगारी नित्त,—वह विजन शक देवलेंगेर्ड् गांव बात जागहित मत्न स्थितन-१४ পরতের আর বিকি: পরসাটিও গকোট নেই ! असन नामात्र वसर् अस्तर शत्रम धारू कार् ৰ'বে চা জি আৰু বাছ ।" ই মাৰ্চ কাৰেৰ P A THE PRINCIPAL FOR

ে, এই স্বৰ্থনে এক কাণ্ড ক'বে ব্যক্ত।
ক'বে নামি নব সকল নামানিক কান্ত
ক'বেৰি হ'কেট নি চা পাৰ্চিৰে দিকি, বাৰ
বডটা দৱকাৰ চেনেল কৈবেল। বলেন ও এ
সক্তে ভিনারও পাঠিবে দি।" "নেই ভালা বনিয়া ভাষাকে বিবাহ দিলাম, কারণ তবল
১৩টা ব্যক্তিয়া নিয়াছে।

্সশীদের অবহা দেখিয়া বাতবিকট কট হইতেছিল, ধেন ভূবো আসামী! कार्यक हाक्किन, नारम् नारम् का व मानिया भीष्टिण ; ज्याम जिमान, ज्यादिक नामार्थ যন্তা। কথন বিষ্ট, কখন চপের দকে চা চলিতে লাগিল; পাচুর উৎপাতে বাড়্যো ছ'তারধানা চপ্ পকেটে ফেলিল। আমি বলিলাম "বোসছা মশার্ট এত কট্ট আর ভর পাবার কারণ কি हिन । ध मव छ इराउँन खरान मन् धकता हास्तित बाउन कानातह है ।" विश्वन- "त्न-त्भावादक ভাগ পালাড়েও হান পেতাৰ না। 🤭 ব্ৰিনাম— শোবাকটার জন্ত পশ্চাত্তাগ ও কক্ষা সকলেবি বোসজা मिया एक हिक राउँ किंद अञ्चासरे बाराव "দেটাও 'ড' ভূগিনি; ছেড়ে বাবে छिक,—खि --চাকরী বড পাওনাদার, "भागामान-- (भरे আর क्रावदे जांद बरून करत ! साब अगद-वरे বীপান্তরে ছেভে গেল। কি হাতি হাতাই হ'তু।" वाबि र्यानाम-- वाजग्र तक न'न, खतावनित ग्रक्ट बकान्ति, सात्र क्यान क्यान जाराह काइननि वार्ष्टि वीमावतं स्त्रु ्रिनि स्वकृत कांग्रिका "क बना नगरन के किए दे क्षेत्र का का कार मारा मी ; वह भाग . PAPICE DIS HOUR TO WHELF CREEN ES नि ।" बक्नांत-"बर शहन कुर्गा करते छन levelus कर देशि क्यांत महिला कामारन स्य मि"-रेडानि शंड दर्गालक बर्मानम ভ্ৰিয়া উঠিল ে মন্ত্ৰদার ভারা তথ্য-জানার একাকী প্রত্যাবর্জনের প্রাটা ক্লনিতে চার্ছি १नम ;-- म उनरही, -- वाशांद आत्रा कि क्रमन मक्टन हैं १-कड़े स्थानमा मकनिग्रही हरन। সাহের সভিত অনুমোদন করায় ক্রিগত্য আমি সত্মত হইয়া স্থক করিলান। ক্রমে পূলা বিশনীর বৰ্ণনা শেষ করিয়া, ধখন ভাষার বিসর্প কচ वर्षाः विकिशामत नवस्यः करन मद्द আমার অভিমত ব্যক্ত করিলাম, এক মজুমলার ভাষা ভিন্ন ভাষাতে আর কাগারো সহায়ভূতি পাইলাম না। সকলেই এক বাক্যে বলিলেন --- "ভাতে, দোষ কি. এ আপনার অন্তায় কথা, -এ সম্বন্ধে আবার মেয়ে পুরুষ কি ?--कुल निर्देश कथा। सङ्ग्य- এकडी स्मार्थ,--ছা দে টা প্রালোকের হাত থেকেই পান, আর পুক্ষের হাত হতেই পান, মুলা এক-ই ! বাজারে তার ইতর বিশেষ आरह कि ?" বলিলাম-"তাই ত',-ভোমরাও যে সে এক ইউনিভারসিটার এম.এ, তা জানতুম না! কিন্তু সর্ভাজ ও বে তোমাদের এই প্রতাক শতাটা বুঝতে পারে না -এই "আশ্চর্যা!" শুনিয়া সকলে সাগ্ৰহে—"সে আবার কি !" কথাটা তনিবার জন্ম গলীয়া क्रिक्का विगालन । -श्राव

THE STON POINCE -IN COUNTY POINCE त्रकेश्वित अक्रिकाम नामान्यों वरे - त्यान श्रक श्रक्तिक भविष्ठ भवक वार्त कर वर्णा वंश्राम लंबीविद्यांत्र इत् । त्यहे निम ह'र छ जिलि হহিৰ্বাটীতেই ভক্কম্বর করেন তিনি সে কাশের শিক্ষিত ও দৌখিন লোক ছিবেন। পিতার কই मा इस वा द्यानंत्र दर्जनिक्षण अकार मा स्थ-উপৰুক্ত পুত্ৰেৱা সাধানত তা বাৰছাৰ ৰু- দিলে चांत्र वारशत अञ्चयम वस्तात्र अज्ञामन निरम् िनकन ठाकड ७ अक्षे बायुनी धावन नियुक्त ক'রে নিশ্চিত্র হ'ল। কারণ – উপস্কা ছেলের। থাকতে বাপের যে বিবাহের আর আবক্তকই ह'एठ शांद्र ना, व्यासिंह क'र**नक**्-मकरनेहे ইসারা-উলিতে সবজন বাবুকে এই সহল কলাটা জানিরে দিলে। তিনিও সকলের সকল কথার ছেটি একটি হি ভিত্ৰ অভ বিক্তি করনেন AT Y

গাড়ী ক'বে বাড়ীর কটকে চুককেন, তাঁর গাড়ী ক'বে বাড়ীর কটকে চুককেন, তাঁর নহরে প'ড়ল তিনটি অব্যিতিত অতামোজের গোটা মূর্বি! সেথেই হার মুখে বিরক্তি আর অস্থার ফুটে উঠক। তিনি নাটকে শা দিতেই, সেই তির মুক্তি পিঠের শিক্তিক পেথিয়ে নেলাম করলে। তিনি নেকিকে

ত । "আমার চীন হাত্র'—অমণ কাহিণী পাণায়ে পঢ়িবেছ আচকে বৈঠকী অবল' বলাইকলা, কা এ'বাজার' নিজের বভিগতি থকা মধ্য —আহাতেই motion কা এবং । তথাং—কি আৰু টেংগে ব অনুযোগৰ কৰে আহাত্রী বিশ্বকণ কাহিলায়ে —এইচেড সেই কথাৰে আধিকা কে —আহাতিইট কথান

াশ্রমা এই বিন মারির আক্রমণে, তিনি কেন নিজের বাড়ীতেই অসহায় অবস্থান প'ড়ে পোলেন ঃ নাগে সর্বাশরীর অনে উঠ্ব। জিজাসা করনেক—"তোহাল কে হ''

ে বাজাস করছিল—সে প্রাদ্ধ ছ'ফিট বহা,
বার্মার চুল, পালপাট্টা লাড়—ইরা বোচ, বর্গ ধুসর
হাতের গুলের উপর রূপার কবজ, কোমরে
গোট, আঙ্গুল্লে আসমানি পাথর বসান রূপোর
ক্যান্টা; গলার একছড়া প্রবালের মালা।
কে রাজ্যাই আন্তর্মানে বল্লে—"ডক বাছাচর
ক্যান্তানি আছে "মৃচ্ কুন্ল" হাম সব কাম
ক্রিরাছ—পাও দাবানা, তেল লাগানা,
কাল্যা কুচালা। সব্যক্ষ বাব্—আন্তা, বাস।
(ভামান্তান্ত্রের প্রতি)—চোমার কিছু গুলি।

সে বাজি-- বেটে ভোরান, থাটো খোঁচা বোঁচা চুল, গাঁটা গোঁদ, গোল চক, কিট্-কিট কালো, এক কাৰে মাকড়ি, প্ৰাকৃতি আমাৰ কাৰ কড়াৰ, ঘুমনি হুডাৰ ইঞ্ছি ভিনেক আ অকটা কোনো কলক প্ৰাৱ কুনচে। সে কোনা প্ৰাৱ কাৰি চুলাচকৰ ভাক্ষাবনে কাৰু শিক্ষাক নিয়েক, শান্ প্ৰাৱ শিক্ষাক নিয়েক, শান্ প্ৰায় শিক্ষাক নিয়েক, শান্

त्य वर्षे क्षितान्त्रण वेद्ये अञ्चलका नाम् १ । शास्त्रमा ।

্ৰীক্ষান্ধ ভাষ্টাক্ষা প্ৰতি ∫ স্থানিক বিদ্ লোকাক

কটা চক্ষ, দক্ষি লোক বৰ্জিং, মুখে ক্সন্তের দাল, ব্যাহান হলুনে ছোবান কালড়, প্রক্রাতে কাশোর বালা, অধ্যর হাতে দার গালা কংশার বাহলী।

ইনি হেসে ব্যৱস-"হামার। নামটি চমোকীলার ক্ষান্ত। লামি পারিয়া লাভেবের সৌনীকা

সৰজজ বাবু সম্বর বলেন আছে বাস্; ভৌলের কে এখানে কাম্করতে বলেছে ?"

সকলেই বল্লে—"বড় বাবৃ বাহাল করিছেতে: ফল্পুর কাম দেখ্কে খুলী হবেন,— কুছভা কোটো থাকৰে না।"

সসজজ বাব প্রাথমে ভাল কণার, পরে সজোবে তাদের বিদের হতে বল্লেন; কিন্ধ তার। বাড়ী ছাড়লে না; বলে—"খুসী না কর্কে যাবে না।"

কিছুক্ষণ পরে এক উড়ে বামন জণণাবার নিমে উপস্থিত হ'ল। সবজ্জ বাবু এজলাসের পড়া চুড়া নাশা intact অবস্থাতেই সেহ আরাম চৌকিতে অসাড় হয়ে পড়েছিলেন। বরে লোক চুকতেই, তার হ'স্ হ'ল, বরেম- "কে" ?

বাষণ ক্রাকুর - "প্রাকু ব্রিক্তার বাউচি,- আছিন প্রকারিছে ।"

শৰ্মক বাধু-তোৰাৰ নাম কি গ বাৰণ ঠাকৰ উদ্ভৱত

नवस्यः पर्-१५न, स्त्रीताः, नाम् आर्थः सार

নৃতনের দাখী

"लिगि।" ७ "अजी

[সন্তাপক শ্রীস্থরেন্দ্রনাথ ভট্টাচার্যা—এম্ এ]

गृष्ठ (भीम मार्मन "अर्फना"य आहार अमा-পক শীৰ্জ হবিহর শাদ্ধী মণ্পন্ন 'কেথানাহিত্যে নব্দুগ্" শাষক একটি মতি উপাদের প্রবন্ধ লিগিয়াছেন ' বিলম্চন্দ্ৰ, ববীপ্ৰনাথ ও মাজ खायम । शर (जथा करेंट 5 के क्व. व विद्या । एमश है-ষ্কান্তন বে বস্তুসান সাহিত্যে নিজেব নিজেব বা উপত্যা জীকা। এই সব নিজেব নিজনীয় কাৰণ এণ্ডলি (म) छेशान्य दङ् (तभी । छेशकाम (य माहित्स ল এজনায় এ কথা ভিনি স্বীকাৰ কৰেন তবে क्षांत प्रकटण पर जाराज आता व्यक्ति । एवर भासके प्रदर्भका है । सारिश्तिक 'तर्करात কার্যাত বেশী, আগন সাধারণ পারক ত্রগঞান ^{अभिन्नांश काराना भाग, कवि हो या (तह ५ मर्जंश हो} किक्किर्मन अंतिम भाग निर्देश लगा (सर्वे कन मा हो में भक्षा महिल क्षा भारत हर तारा कि मिना व इसम , अभाव धारा । नाम किता करें। वा 制度的人物支持可以的现在分词 对一个人的一个 वनन कोतर के हिम्लीन बढ़ । । । से शर সাচিত তাব সৃষ্টি করিয়া মায়াবর মনাক বিত্রগ कब्रिट डेटेरन, 'छन (१) ठिखा बाता कावनरक चित्रच कृति, यह शेरवा गाँविता (यहाँ गाँव। উপজ্ঞাস্কের গ্রেম জর দায়িত এই কথাটি िश्चित्रमान अस्ति । अस्ति इंड्योबि । · · क्रीत अवस्मत मरना मरमक श्रीक माहे कथा

ৰশিষ্টাহন। তিনি একটা বৰু ৰুপাই ৰশিহা-

ट्टन, ''এই সকল লেগক দিগের ম**ে অনেকে** স্বট शकि बाह्य योकार कति। किन्दु (मर्ड शक्टर) कांन इट्राटक ।" 'अहला'-'सूर्यन' कित्रामधी' ও পঞ্চতিলকের 'আলা'র চিত্র লেখ্যা তুংখ হয় বে হল প্রতিভাষান সাহিত্যিকের হাতে রমণীর। মানুধের মনকে যে চিত্র পালেও ্রে টানিয়া লয়, পাপকে পুনাক্তে দেখাইয়া দেয়' সে চিত্ৰ প্ৰেয় হইলেও শেতঃ নহে।

ভাছ বাল্যা উপ্তাস নে নাতিশান্তের नियन मानिया हिनाइन धनः शक्ताके भागीत ্রগতি এবং সাধুর উন্নতি দেখাটারে ইছা সম্ভব নাহা এট চতৰ, রুন, লক্ট্রার লগতে भ्यति व भएकत क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया मुक्का वि জানেন এবে কথাটা মানতে বড় প্রাণে জাগে। ্ণদ তত্ত্বই আমরা "বলে **ধন্মস্ততে**" জন্ম:" ই ভ্যাদি ५७। मह काता मा हमात जाया तुमि १८५ रथन 🐠 काल किस चित्र प्रदेश यात्र उत्थल दाधानात कात्र । क्षार ह एकि नाम्बन्ध मनाब कर भाग है। पूर्वि नीर • अव अव्यक्तितः (न म १

Maxwell Gray 25 3 Emile Zolas 300 300 mis नाकि बाहेबार्य करा अवनक Purity गण्य व করেন। তাহাদের বিশ্বাস Zola বেরল হুয়াইলের বিশ্বাস Zola বেরল হুয়াইলের করেন। কিন্তু ইুয়াইলের করেনে নালের স্থানির তাহানির করেন। করি নুধানির করেনে নালে Zola হুনীতির প্রচানির করে। তার চিত্রে কেবল দেখিতে পাই ইউরোপীয় সমাত কি তাহাল আলেম-সিরির মুখের ইুপার গিলা লাড়াইরাছে। করিমান লেখক কীনের হুগ্রে বা্গিও চইমা পাারী মগরীর পুতি গন্ধনার নাকে নামিয়া জনসাধারণের চিত্র ফুটা-ইুয়া ভুলিয়াইছেন। তিনি কতোল বন্ধতান্ত্রিক (Realist) হিউগোর ভার ভাবতান্ত্রিক (Idealist) নহেন। সেইজন্ত Jean Valjean আদিবার চেইন্তে কথনও করেন নাই।

আনরা এই প্রসঙ্গে স্থাসিদ্ধ ইটালিবন সমালোচক Signor Edmonds de Amicis এর কথা উদ্ধত করিব।

Zloa is one of the most moral novelists of France, and it is really astonishing how any one can doubt it. He makes us note the stench, not the perfume of Vice; his rude figures are those of the anatomical table, which inspire no immoral thought whatever; there is not one of his books, not even the crudest in the langange that does not rouse in the Soul-pure, firm and immutable either repugnance or scorn for the bar which he treats. He never tys to hideous women Inference creatures and 'Dear one. Brutally, pitilessly, and without hypocrisy he exposes.

vice and holds it up to ridicule, standing so far away from it himself that he does not grze a Forced by with his garments his hand it is vice itself that shoute the injunction "Detest me and pass by." Zola कश्चड भागरक attractive (वंदनीय) कदिया (नवान नाहे। কাজেই শিক্ষিত, মাৰ্জিক চক্ষচি পাঠক পাঠিকাও তাগকে আদর করেন। কিন্তু Reyfiolds ক্ষণাও আদ্র পাইতে পারেন না কাবণ তিনি কৈবল মানবের কামনায় ইশ্বনই ব্যোগ্রিগাছেন এবং মানৰ সমাজের যে কিছুই ভাষা নয়, কেণ্ডা কালো ইহার প্রস্তিপন্ন করিছে ছিল নিকেব ট্রেপরই কালি ঢালিয়াছেন। আশা কার চিন দিনই তাঁর পুস্তকবানি একটা Standing nuis moe বা আৰক্ষনা বলিয়াই প্ৰিগণি ১ अकेरवा यभित्र टिनि arishocrat ता रफ् দলের নীলাই চিত্রিত করিয়াছেন কিছ ভাষা महा मगांक दान भाहाद ना।

Zola ও Reynold এর প্রসন্ধ বালাম এই জন্ম যে ত্নীতি কগাটা প্রয়েশ করিবার সমস্থ বেন মনে রাখি কথাটার অর্থ কি. পুন্ধানী বিবেকানন্দ প্রিয়াছিলেন 'পাপকে মুণা কর, কিন্তু পাপী করুণার পাত্র।" কিন্তু পাপীকে (concrete) পাপ (abstract) হহতে আলাদা করিয়া দেখা বড় কঠিন। সেইস্কুল আমরা অনেক সমস্ভ ভূল করি।

শারী মহাশর উনাহরণ অরপ 'দোটানা' ও 'ভভাকে' উল্লেখ করিয়া লিবিয়াছেন, "একজন সামাত পট্যার সংগ বিধবা ক্লেনীর প্রেম বা, প্রাশ বংসবের বৃদ্ধের অতি ক্লেনী প্রক্রীয়ার আসকি, রসের ক্লি না ক্লিয়া রসাভাবেরই প্রিশ্রী করে।" শামার নদেও ইয় শাস্ত্রী মহালয় বিশ্ব হৈ গানা স্থিবনে ও প্রাণ দিয়া পড়েন নাই। এই থানে ভারশান্ত্রে ও কাবালান্ত্র হল বাধিয়তেই, এবং শাস্ত্রী মহালয় ভার ও শ্বতির মার্গাদি। একা করিতে গিলা রগান করিতে গিলা পর্য বাধান করিতে গিলা বাধান প্রাণ বিশ্ব বিশ্বান করিতে গিলা বাধান প্রাণ বাধান বাধান প্রাণ বাধান বাধান বাধান বাধান প্রাণ বাধান বাধান বাধান বাধান প্রাণ বাধান বাধান বাধান বাধান বাধান বাধান বাধান বাধান বাধান প্রাণ বাধান বাধ

আনুষ্ট অধ্যান কলিতে পারি শক্ষের শারী নহাশ্য জানী টাটোক বড় আনর করেন — ন্ড জান করেন — করাই জান করেন করাই জান । সার্বাদেন ন্ডনানে ববল করাই জালা। কিন্তু লুজনাব জার একটা দালী আছে লাম্বাহেশে শানা চারের একটা দালী আছে লাম্বাহেশে শানা চার একটা দালা জানা জানা করে লোকজন্মর, অভ্যানা চিত্র সারে শানা হলে লোকজন্মর, অভ্যানা চিত্র সারে শানা হলে আর্লা নামা সাহান্ত আর্লা, সাহিত্রা প্রান্ত জানা নামা প্রান্ত জানা, সাহিত্রা প্রান্ত জ্বাদেশ । সিত্রা প্রান্ত জ্বাদেশ, সাহিত্রা প্রান্ত জ্বাদেশ । সিত্রা প্রান্ত জ্বাদেশ, সাহিত্রা প্রান্ত জ্বাদেশ । সিত্রা প্রান্ত জ্বাদেশ । সিত্র সিত্র সিত্র সিত্র সিত্র সিল্ল সিত্র সিল্ল সিত্র সিল্ল সিল্ল সিল্ল

সেইবন নাং, স্যাম্বী আছা প্রাতন্তিভাগ 'অভ্যা' ও পিথাবা নতন। সেই হিসাবে জিলা' ও হৈনবাতী নতন। জগতে ক্লিং নেডা রার্থ দণ্য ছিল। জ্ঞা ও হৈনবানকো বন্দ না কক্ল, তবে নগুৰ হিসাবে এই জ্ঞাভাভাগ নার্থ বে দাবা আছে এই ক্ষাত্তা আপ্নাদের নিকট নিবেশন কারতে চাই।

আর বে সমাজেব লোক 'মহলা।, এলাপানী,
কুখা, ভারা, মলোনর ওথা, পঞ্চকতা মতের রতাং
মহাপা তক নাশনং, বিভিন্ন প্রাতে গাতোপান
কুরেন, দেখানে 'হিম্মতী' 'গুলা' এমুন কি
কোম করিয়াছে বে তাহাদের নামে জানিবাইপ্রস্ত

হারাপুর আনের পুর্গোরির জান্দার ন শংলাচন মুখুযোৱা স্থানারী স্বতী নেছে দৈনব না বালদেহতর প্রতিবেশী সুবল তরলকে ভাল-বালে। ভবে শ্বতিশাসে এ ভালবাসা নিবিদ্ধ কালৰ হৈনৰতী বিধৰা। Law of Divinity শেষ এক Liw of Nature প্রেক্তির নিয়ন) ৭ খনন বিবোধ হয় তথান Law of Nuture (প্রকৃতির নিয়ন)ই প্রায়ণ জন্মী কর, দদিও Law of Divinity, বা শ্ভিপান্ত उर्गा : राम धापतः श्रवी ३वे, मास्यः पारे, না এ নভায় থাকে এবং সমাজ রক্ষা ইয়। এখানে দেহ Law of Nature বা প্রাক্তর জ্য হহন, ফলে প্রেম জন্জায় আদিয়া গৌছিল। क्षम देश्यवहीत्क विवाश क्षात्रीय अक्षाव ক্ৰিয়া, কিন্ত বংশালাচন বিশ্বাবিবাতে মত দিত্তে भाकित्मन ना । देनव प्रपद्धिनात्र छत्रम अन्यकान হুহুৰ হৈনবতী তরবকে হার नियाक्तित्व अक्साम देशीय मान्यक्तांत्र कृत

-

কার্ম সৈ "নির্ভিত মহাকলাঃ" क्रिक्रियान स्टब्स मारे, हिन्दू गमान छात्रादक শ্ৰম করিতে পারে না। তার ছই পথ— প্রাকৃতির চরম মার্গ বা নিবৃত্তির লেব। বেচারী मेपुररे बतन ककिन। धनन नमत्र डाहारहर বাড়ীর প্রতিযা গৃড়িবার পটুরা বাস্নের ছেলে ाशिकन लाभाक वाञाहन। (म किन्नु वर्षे. 'কিন্তু বোৰ হয় স্বৃতি পড়ে নাই। ভাবিল, "বিধবার এই শব্দা ঢাকিবার একমাত্র আবরণ कि कारण अक्रकात मुठ्ठात वर्यनिका १ ब क्'ठा व्यानी अकमत्त्र शृषितीत लाखा मान আনক্ষে বৃষ্ণিত হইয়া মৃত্যুর পথে চলিয়া বাইৰে 🕍 গোৰন্ধন হৈমৰ নীকে লজ্জা হইতে ৰীচাটবার জন্ম তাহাকে বিবাহ করিল। এখানে শিক্ষিত হিন্দু বলিবেন 'ছি, ছি, কাজটা ভान इव नाई, त्कान Woman's Refuge Home এ পাঠাইরা দিলেই হইত। গোর্কন বোধ হয় এ সংবাদ পার নাই। এবং শান্ধী महानद रवांध कर बीकात कतिरवन ना रा छेश-क्रांन के शंद्र करमाद्रमी हुए। এ क बाद होय-नारशंद्र मत्मान नव । । । विराय जाकर नी श्रमथ कोर्सनी निविध 'कत्रमात्रमी शब्ब' পডिल 'कांना-ধ্বন শলাকরা' আমানের চকু উন্মীলিত হইতে भारतः। देशव शिकः मञ्जा तम मःमात भाष्टिम । थ बुद्ध भकाव मःमात् । देश्यवटी उत्तरक পূর্বা করে, তাহার তৈল্ভিত্র দাননে রাখিয়া शान करेंबे उद्भाव निक्त जात्र दूरकत धन। শোৰ্জন ৰাজকের পিন্ধান্তে, পালক মাত্র, হৈম-रशेत पानी नाइ अपने पात । अता नारण मात (कांत उनकांत्र दानि नारे जन जमन র সমাধানও দেখি **নাই**। বন্ধ বন্ধ গণি द्वार मन्छ। देशांत कारक

्रांगवर्षानव वांष्ठात नीतव सीतव आका क ক্ষৰণা প্ৰেমে পৰিপত চইল। বিশ্ব এই THE Platonic Love on The I AIDS मंद्रिय शेल्या श्रेटल जात मानव बारक ना ৰোগ হয় ভত হয়। গোৰদ্ধন 'দোটানায়' পভিল-দেবীয় সামনে প্রতিজ্ঞা করিয়াছে বে হৈমবতীকে বিবাহ করিলেও ভাহার সঙ্গে कान देवहिक मचम ब्राचित्व मा। তা'র ক্তবিক্ত, প্রবৃদ্ধি প্রবলা। কেবল সংবন তাহাকে প্রবৃত্তি নার্গ হইতে রক্ষা করিতে লাগিল। হঠাৎ তরলের আবিভাব। তরল প্রক ৬ তরলরাপেট দেখা দিশ। তৈম-বতীৰ একম্পী প্ৰেমে আবাত লাগিল, কন্ধ-লোকের দেৱতা আছু পঞ্চলেপ দেখা দিল-এত रख्त द्वार धनिमार इहेन। देश्मव श्री विश्वेत তরলেন সহিত তুলনার গোবর্দ্ধন দেবতা। এই খানে হৈমবতী লোটানার পড়িল —এ বে স্তাই 'দোলাচল চিত্তবৃদ্ধি.' হৈমবতী আত্মরকার এক মাত্র উপার আত্মহতারে দারা এ সমস্থার সমা-धान कविन।

চারবাব Robert Browning এর একটা নাইন উদ্ধৃত করিরাছেন, "How mad, how sad, how bad it was"—গোবর্দ্ধন mad কৈমন তা চৰবা আর তরল bad; সমাজের চোথে গোবর্দ্ধন যে পাগল ভাষাতে আর সন্দেহ আছে ? দ্বীচিও এমনি পাগল ছিলেন, নদ্ধিলে পরোপ্তার জীবন দেন, Christ ও পাগল, নইলে জুলে তাঁর অপমৃত্যু ঘটিত মান

বংশলোচন তাত্ত্বিক, তবে সম্মানকার ব্যক্তিত। মা আহক সৰ হঃবৰ্ক নিয়াছেন, কিন্তু মানের সেজায়া ছাল্মক ক্লিনি নয়। ব্যক্তিয়া প্রক্তিকার্ডিক এই তব্যবাদ

सामकारी कर र इस्त और दिला करा देश बढ़ीय लाइ है निवाद क्रिकाय परिता, जिनि जारक शांकि किया छोड़ाहेबा सिटनन, कारन जिम माराजिक बीद, मश्चारतद नाम । किय कला स्थल त्यांबद्धानंत महत्व श्रहणांश कतिन, ममाम छोड़ाटक दामना मिन, छिनि निध्यटक নিজের মধ্যে সংহত করিলেন, তার সব ছংখ रकना बांदक निरंकन कत्रियन। দিন ভনিলেন হৈমবতীকে গোৰ্হ্মন বিবাহ **° করিভেছে**· · · · · তিনি বিবাহের থৌভুক ও জগদন্তার অংশকাদী পাঠাইয়া দিলেন। ইছা ছারা 'বিনি সৰ পাপ সহেন ও সব অপরাধ ক্রমা করেন সেই দেবতার নামে এই বিবাহে সম্মতি জানাইলেন।" এখানেও সেই Law of Nature সন্তান বাংসলা Law of Divinity বা সমাজ শাসনকে পরাভত করিল। কিন্তু শান্ত্রী মহাশর বংশ-লোচনকে এই জন্ম পাগল বলিয়াছেন। ভবে क्षांगे ठिक-'वामात्क्ष्मा' ७ भागन, ताम-প্রসাদ ও পাগল। তঃখের বিষয় এমন পাগল বড় বেশী দেখিতে পাই না।

সমাজবিদেরা যথন শাস্ত্র আলোচনার ব্যাপ্ত—"শ্বতকুস্ত সমা নারী, তপ্তাঙ্গারো সমঃ পুমান্"—প্রভৃতি শাস্ত্র বচন উদ্ধৃত করিতেচেন তথন বংশলোচন তার সর্ক্রানী মাকে সব নিবেদন করিয়া দিয়া ডাকিডেচেন—

"ন তাতো, ন মাতা, ন বন্ধন দাক', ন পুত্রো, ন পুত্রী, ন ভূতোা ন ভর্তা, ন জায়া, ন বিভা, ন বৃদ্ধিন নৈৰ, গতিত্বং, গতিত্বং, স্বামকা ভবানী" বংশালাচনের ভার স্বদ্যবান্ ভক্ক বিনি শক্তিক

हिमानक अभिन्ति के गाँउ। विशेषिक भागानीरे छोरात्र अस्ताव मस्ता। আনিবাছিল বংশলোচনেই বাড়ী প্রতিয়া टे खोती कतिए । देश्मवजीएक स्मर्क ६ अका COLUMN (मिश्रिक, ध्वर कामन कतिहा मि বিশ্ব ডাকিড। গোবৰ্জনকে রাখিয়া হৈমবতী ও তরগের প্রেম কজায় পৌছিল। বেচারী তরশের থেজুর বদ পাওমান অর্থ ব্রিতে পারে নাই। এক ওরাজ্বুদ্বীন ब्राख टेश्मवटी यथम करण एविन लाक्सम ভাহার প্রাণরক্ষা করিল। হৈমবতীব লজ্জার কাহিনী শুনিয়া শিহরিয়া উঠিল এবং কৈমবতীকে সমাজে বাচাইতে গিয়া সমাজের থড়েগ আৰু-विभागन मिल। ''दिशव शैरक नाम भाव ही' বলিয়া স্থীকার করিয়া, সম্ভানকে পিতৃনা অধিকারী করিবার জন্ম অস্বীকার করাতে" देश्यव है। अहे बीन अहेबारक विवाह कहिएड স্বীকার করিল। সে তথন বুঝিল না এই সীন প্টয়া কডটা ত্যাগ স্বীকার করিয়া ভাষাকে হৈমবতী 'বিধৰা বৌ' বলিয়া রক্ষা করিল। পরিচিত হইল। গোবর্দ্ধন পলে পলে নিজের জীবনকে বঞ্চিত করিয়া হৈমবতীর সমস্ত, গভা, বেদমা ও মানি বহুম করিতে লাগিল। আশার মান্তব বাচে কিন্তু গোবৰ্জনের আশা প্ৰান্ত क्रिन मा।

বেদিন হৈমবতী তরকাকে পাইন গোবর্জন বৃষ্ণিল তাহার আর কোন প্রয়োজন নাই, কি ড ভরুল যে তাহাকে ব্যবধানে রাখিলা ভাহাল বর্জনভীত সহিক জ্বাধে মিশিকে হয়। গুহার প্রেম্ব করে জ্বা অসভব হইল। গুলার ভাষার আজ্ববার্লালার আলাও লাগিক। বি ক্রেম্ব प्राथम गाँगक कारत । त्यन मा रंग पादिश क्षकिरण देशवरी जुनी रहा के शासित से। अक्रीपन (न टेक्सक्ट्राटक जीवन जानि क्रेक त्वर मध्य ट्यामालक मामवात्व प्राप्त १८५ हिलान, आसार कार्यमा जारानि मारत तराउ मार्ड । दिसकी बाकुण करेश ट्यावर्कानव ৰুমের দিকে মুখ কুলিয়া বলিল 'আমি বে হোমার ভাল বাসি', গোইছন পরম তাবে হৈম-बढ़ीन नगांठे दूधन कतियां दिनन 'ा आमि কালি। আৰু তোমাৰ মুখ থেকে এই কথা क्रमणाम- कर आमात कीवत्मत्र शतम शूतकात, চর্ম লাভ। আয়ার জীবুন ত দার্থক হরে लिया। खुनि स्थानाइ मधन डांगवाला, उथन वामारक मिथाविनी करत बिस्कत क्रमा स्वारत तांबट बात हार्रेटन ना ।" अहेकाल देश्यव टी গোৰ্জনের মূরণ সকল নিবারণ করিতে গিয়া প্রাপ্ত হইবা আদিব। গোবদন প্রেম নদীতে जिनान कतिन, किंद्र नीत हूँ हेल ना। जारे विन, कार्या अनुका स्रोह । इंगात गर्सा धकछ। কৰা বলিয়া রাখি। চাক্বাব গোবর্জনে বে সমত ৰণ আবোপ করিয়াছেন তালা একজন অশিকিত প্ৰিয়ায় পাওয়া বাব না। किस true to life के करने क्षेत्र नाहे। चार्ड विमाद अशास वनगिम स्रेशांक । तारम केलिसमा प्राममन । त्यावकातम back ground अकडू मानाननई श्रेटन अह लागकूक कार्डिश शहें

रिकार में मनाव नाही बर्गना निनिधारक कि जानस तमा ग्यस गर्गत वर्षी Compagnation can caure fraiten मा विकास का निवास मोता थाउँ क य क्वितार प्रक्रिकेश (नगाम व

क्रिक्रों का श्रीकार्य

WEST THAT OF STREET व्यक्ति। किंद्र गाइरवर द्यापन केंद्र आहर (कर बारन त्यान, त्यह बांगी त्यान, त्या विश्व প্রেমে বিভোৱ এবং কেই বা ভগবৎ প্রেমে পাণৰ। প্ৰেম মহন্তাহের উল্লেখন করে। जूननीक्षान विनादकन विनादश्यम देन ना नितन नम्लाना'। Hugo विनिद्याहन "Love is the salutation of the angles to the stars." এই প্রেম বস্তুভেদে রূপাস্থরিত হয়। আমরা আশা করিতে পারি না পৃথিবীর সকলেই छग्रें ट्याम भूगात्र गंफांगिफ मिरव ; कांत्रन. তাহা হইলে এ বিশ্বটা হয় ত একটা Lunatic asylum এ (পাগলা গারদে) পরিণত হইবে। প্রতিনার আর্তির সময় চৈনবতী প্রতিমার তন্মর হইতে পারে নাই। কারণ তা'র প্রাণের দেবতা ছিল সামনে। 🕮 রাধিকাও খ্রামাপু ছার मन बमाइेट्ड भारतन नारे-(यनि ७ आधान श्वास ও জাটিলা কুটিশা ভাষাতে হুখী ইইত) তিনি স্তামের প্রেমে ভগায় ছিলেন। তিনিও একদিন কাদিরাছিলেন-শুন্ধি ধরম ক্রম স্কলই গেল স্তামাপুলা মোর হোল না । অভএব হৈম-व ीरक त्रीय विश्व हार्य मा । शक् इ त्थारमेत थर्परे रहा तार किछा मध्य वृत्ति क अक पूंची कंदा। धार त्थारमद्र स्थारकर विवस्त्रहरून मार्ग तब्ब, सम स्व, नकुलनात वात वहेरठ অতিপি কিরিয়া যায়।

क्रमबर्गीतक गृहजान क्रिक्ट इंडन निवन नका समिनात संग्री कि व कार्याव निर्धारक त्यनिता भगारेट क्रियवडी कि मनक्त त्यनगरे enter | Trainer and Proper C

ৰস্পৰায় প্ৰতিনাধী কৰিবলাৰ বেনানীতে পিতাৰ খনামী কৰিবলৈ প্ৰতিতীৰ সকল কলাৰ মাৰি মোচন কৈছিল বিশ-বেইদিন সে শাসনা পাইৰ ১০

ু বৈষমতী জোকনিকে বিবাহ করিতে বাপা পাইমাছিল কিন্তু গোবৰ্জন যথন প্রতিমার সামনে শপথ করিল বে বিবাহের পর তাহাদের মধ্যে কোন গৈছিক সম্বন্ধ থাকিবে না তথন হৈমবতী বিবাহে সম্মত হইল।

কৈমবতী সভাই তরলকে ভালবাসিয়াছিল। সে প্রেম তথু চোবের নহে, দেহজ হইতে পারে কিন্তু তরলের অন্তর্জানের পর আহা দেহাগীত। নজুবা হৈমবতী তরলের ধ্যান মাত্র অবলম্বন করিয়া ব্রহ্মচারিশী হইত না।

কিছ রক্ত মাংদের তর্ল ব্বন Gay Lotharia करण प्यथा मिन, देश्यव ही निश्वित्रा উঠিল। জগতে (Ideal) আদৰ্শে (Real) বান্তবে এতই তকাৎ ৷ তরুল বলিল "ঐ চাষা পোটো ছোট ইলাকটা সমস্তক্ষণ বাড়ী আগ্লে বসে থাকবে, এতে আৰীর লাভ --খেন কথামালার গল্পের গোডার দানার বাজের কুকুর (dog in the Manger)—নিজেও ভোগ কোরৰে না, পরকেও ভোগ কোতে एमरव ना । यरक्षत्र धन व्याग्रह्म वरम श्राकृत्त । এঞ্চন চোরের উপব বাট পাড়ী করা ছাড়া আর কি ?" হৈমবঙী বশিক আমাদের উপায় "তুমি চলে वां १, जूनि व्यक्त व्यामात्र कार्ट्स क्लामा ना।'

হৈনবতী ধন্দল দেবিল গোবৰ্জন আন্ত্ৰ-বলিদানে ই চসংস্থা, কিছুতেই ভাষাকে মুম্বনর কোল হইতে কেরান যায় দ্যা, তথন লৈ নিক্তে মহিলা গোবর্জনকে বাচাইতে ছিত্ত ছিল। বৰ্ষাক্তি বৃদ্ধান্ত ক্ষুণ্ডি গোৰন্ত্ৰের বাবে হাত বুলাইতে বুলাইতে উদ্ধানত উদ্ধানত উদ্ধানত উদ্ধানত কালা কতি চাশিলা বলিক তেলালাল কালি ছ'তে বৰ্ণাই, ক্ষমি তেলার মহবের অস্থান আমি হ'তে দিইলি।" গোৰহিল লাভনা দিবাই হাতে ব্যক্তিল ক্ষাবার ও কথা কেন ? আমিত কালি ভূমি আমান ভালবাস।"

শরণকে শিররে করিয়া মানুষ প্রমন হাসিতে
পারে ও সহল ব্যবহার করিতে পারে বুরা
ভাবিদ্যা হৈমবতী বত আশুর্বা হইতেছিল,
তা'র ভক্তিও উদ্বেলিত হইদা উনিতেছিল,
ভালবাসাও আবেসমন্ন হইনা গোবর্জনের দিয়ক দি

হৈমবতী মোৰৰ্জনের পান্তে হাত বুলাইতে ज़ाशिन। त्यावर्षः सूनाहेशांट्ड मित्रा देशवर्छी উঠিয়া শাড়াইয়া গোৰ্জনের পারে মাথা ঠেকাইরা প্রধাম করিল। তারণর তরলের ছবি নামনে হাঁটু গাডিয়া ভূমিই হইয়া প্রণাম করিবল वक्षिम्स्य (इरगाःक हुमूत খাইরা আলো নিবাইয়। দিল। ত্ৰন সাবৰ বজনী। বাদল রাগিনীর দলে বৃষ্টিশারা তাল দিতেছিল—'अम् अम् अम्'। তারশর সব শেষ। देशवरी शाम निक मिशा शृथिबीत निकरे विषाय कहेता। कवि विनट्टाइन "मिर्गानाव বেগ মধ্যপথে চলাই প্রাকৃতির নিয়ম। গোষদ্ধন ও তরণের ভালবাসার মেটানাম গড়িয়া मानाथांन स्ट्रेंट मंत्रिन (स्मवडी"। मान्या नान, य नके मार्थक । शकी परासा क महार्क्ष व्यम (३,४,०१० आक्री Cas A Car lelia web, missiani etai ध्यक है स्मानारक कविशा निष्ठांद सम्बद्धि अविश

Cardelias কোন-কাতি হয়ত না। তাৰ Bing Lear নাটক পানায় বোধ হয় অপমত্য ক্লিড, এই যা ফতি।

এইবার আন্তন একবার "ভড়া"র খবর कहे। दाशका नाम बात्मकर जातन-छोड Dace Law College 91 Pipcipal এক বাসুলা দেশের একজন भाउनामा वरतना मनीपि। হিনি যে প্ৰা का**डेमक जोश मार**ात्मन माण्डाह विकारतर अवर হৈছ আইনের' ব্যাখ্যায় অনুমান করা যায়। ক্ষাৰ বলে তেঁকি সৰ্গে গেলেও ধান ভানে। এরল মনীয়ি বথন সাহিত্যের মাসরে নানেন তথ্য ব্যাতে হইবে থে কিছু নৃত্যু জাবের সাহিত্যে নুত্ৰ আৰাহ धामनाजी क्ट्रेंट. ত্রীভার 'অগ্নি-সংস্কার' ও 'বিতীয়-र,भिरव। াক' পডিয়া হতাৰ হইয়াছিলাম কিন্ত 'গুভান' গ্ৰহার স্বরূপের পবিচর পাইলাম।

প্রতিত্বাকের প্রক্ষে নভেল লেখা বড় কিন্দু বদি সেই নকে নত্ত প্রতিতা না থাকে। বিষম্ভবা, শ্বংচক্র ও নিরুপনার নারা দেই সভজ প্রতিতা পাই, সেই জন্ম তারাদের শক্তানের নধাে কোথাও জড়তা নাই। সম্ভল গতিতে নতা করিছে কনিতে ভাবের লহরী ভূতিয়া চলিয়াছে, ভাষা ক্রৌহলাদের ভারে ভাবের ব্রাহ্ম মাথাম করিয়া ছুটিয়াছে। নরেশ বাব্দ বিষয়ে সাহত প্রতিতা নাই, এই জন্ম নতেল সাবে প্রভা বইমানিকে প্রশাসা করা

কি কিন্তা কৰি নি তাব্যস্থ কৰা সমিত হৈ মানিবাছেন সৈ ছবা কিন্তা কৰে ক শীৰ সাহিত্যিক ঠাই নিকট হুওছ বিহন্ত গালা বিভাগ Social Reports বা ন্ধাত হোটা নথা Ibeen, Max Norden, Edward Carpentar, Striedberg এবং Bernard Shawa বাৰ কিনি বালখা নাহিতো বহন করিয়াছেন। 'তল'ব উৎনৰ্ফো বেলি Dostrivakyন Reskobnicopp, Soniaa পদতলে আৰু পাতিয়া বলিভেছে—''I bow down to suffering humanity''—ভার উপোদ্যাতে' দেখি Bernard Shawa Preface—ভবে সোভাগ্য বেটা সংক্রিপ্ত।

নিবারণ চন্দ্রের পদ্ধী শুভা স্বামীর পাশব ব্যবহার সহু করিতে না পারিয়া গৃহত্যাপ করিল। কাষটা প্রকৃতই অস্তার, ইংরাজী সাহিত্যে East Lynneএ এমনকি Oscar wilde Lady windermere's fand এই হঠকারিতার শোচনীর পরিণাম দেখিতে পাই। গৃহত্যাগের ফল বে সব সমাজেই নিন্দানীর ইহা আমরা জানি এবং ইহার কল্প শেভ নহে তাহা কিলা নেনানি আমরা মানি। কিন্তু "যা'র সাথা দেই জানে, জানে কি পরে দ" কি বেদনার এই হত্তাগিনা নারী গৃহত্যাগ করে তাহা ও আমরা জানি। Provocation বা কারণ ছিল বর্পেষ্ট।

নিবারণ একবারে পশু ছিল না। মাঝে
মানে দ্রীকে আদর করিত একং যদিও শুভার
গভের স্থান হুই হুইবার পদাযাতে নই
কার্মাছিল কিন্দু শুভাকে অলা কেই গালি দিলে
শুভার হুইয়া রগড়া করিত। তবে হুঃথের
বি হ শুভার মধ্যে আক্সাস্থান জ্ঞান লক্ষাস
বি উঠিয়াছিল, পিতাগ্রের শিক্ষার ভাষার
ব্রে মাজিত ও বিবেক্ত উত্তর ইইয়াছিল।

উপযুক্ত স্বামীর হাকে প্রতা বে আদর্শ गड़ी, बार्क असी स्टेश नगांकत कलात সাধন করিতে পারিত সে বিষয়ে অকুমাত मत्मक माहे। एक माधावन मात्री इहेरन নিবারণচন্ত্রকে গইয়া দিন গুজরান করিয়া দিত। কত শত হিন্দু নারী এমন লাবে জাবন বহন কবিতেছে ভাষার ইয়তা নীই। কিলা জন্ম নিধারণকে সহা করিতে পাবিল না। দেবী-চৌধুরাণীন উপদেশ স্মরণ করিল। ⁴⁶भागुर्भद्र জীবন ভোগের জন্ম নহে', কর্ত্তবা সাধনের জন্ম-জীবনের প্রায়ত আদর্শ নিব্যার সকলের জন্ম আতা বিসজ্জান" কিন্তু এ উপদেশ মনে লাগিল না। ভাবিল সংসারে একটা ছোট শিশু থাকিলেও তাহার জীবনের একটি লক্ষা পাণিত কিন্তু দেখিল স্ব শ্ৰা কেবল পাধি ঝাটা তিবস্বার সেই শুরু জুড়িয়া আছে। মনে পড়িল সেই দক্তে ভোৱাৰ জীবনী, Florence Nightingale44 304, Mrs. Besant এন বৃহত্তর জীবন।

শেষে স্থিব করিল শ্বরে থাকিলে শ্রীর বেচিরা বাচিয়া পাকিতে হইবে, বাহিরেও না ২য় গ্রহাই এইবে। কিন্তু স্বাধীনতা চাই, মুক্তি চাঁই, জীক্ষাটা সাগ্রিক করিবার একটা অবসর চাহ।

ত্তা গৃহতাগ করিয়া পিয়েটারে গেন।
সেথান হইতে টাপা তাহাকে নিভের আল্রে
লইয়া গেল। টাপার হার্ডে পড়িয়া ভূতা
নিজেকে গড়িয়া তুলিতে লাগিল। এনন সময়
এলবাট থিয়েটারের ম্যানেজার ছরেল বাব্ দেখা দিলেন। ভূতার সন্দেহ হইল টাপা
ভাহাকে বৈচিয়া টাকা উপায় ক্রিভে চারা।

মরেজের সহিত সাক্ষাৎ হওয়ার সে বৈন মৃত্তি পাইল। নগেন শুভাকে লইয়া মার্থের পাড়ায বাড়ী ভাড়া করিল। তিনটি দিন ভথকাপ্রের ভিতর কাটিয়া গেল। ওভার জীবনে এই জিনটি দিনই পর্ম দিন-ভঙ জোভভাবে ত্রেমে সরস, কারণ সে আঅবিশ্বত হইয়া" নগেনের প্রেমে এশ গুল ইইয়া গিয়াছিল। বৰ্ণণাটা পড়িয়া মনে পড়ে Anatole France 44 Red Lily Thorese & Dechartre ক্যাহনী। খামবিশ্বতি ও স্বপ্নই ভ জীবনের প্রম স্তথ তুল্ভি এবং সেইখানেই বোধতর, জীবন জীবন-ৰূপে দাৰ্থক। হতভাগিনী ওভাৱ এই তিন্টি দিন স্মরণীয় ও বরণীয়। কিন্তু শাস্ত্রী মহাশর তাঁর ক্রোধ সংবরণ কবিতে পারেন নাই। তিনি সংবাবে খিথিত হচেন, "ঘটনা চক্রে আবার য়খন 'পুরু পরিচিত উপপাত'র সহিত দেখা হইল সাহেব পাড়ার সাজান গুছান বাড়ীতে বখন 'জভা' বিবাসের উপকরণ রূপে প্রস্থান করিল ভ্ৰম ভাষাৰ যে বিকট প্ৰেমেৰ ভাগ্ৰ লীলাৰ উক্স চিত্র প্রদুশিত ফটরাছে এটা বীভংস রুসের डेकी १ क । शाबी भशान्य कानामनं, कावा প্রেকাশ সাহিত্য দর্পন পড়িয়া রস্তিক্সই আয়ত্ত কবিষাছেন। কিন্তু ভূলিয়া গিয়াছেন বোধ কইতেছে রোজ রস, ভাগ্যদিয়া আদি রসের বিচার চলে না। তিনি কি "জমদেব" "বিষ্ঠা পতি" "ভারত চন্ত" কুমান সম্ভবের "অষ্টম শৰ্গতে" আন্ধচন্দ্ৰ দিয়া কাৰা জগৎ হইতে বিদায় कडिग्राभिएक ठान १

কিন্তু এত আন্দেও ওভার মন স্কাগ ছিল। অস্থান একটা তুক্ত বৈরিনী বঁট আর কিন্তু নয় এ কথাভাবিকে ভাষার স্কাস তেল- ক্ষাকৃষ্ণ ইবরা উঠিল "এখন সময় ৩৩। ক্ষাগনের বা হুপ্লার চিঠি পান্দ, এবং স্থিন করিল চপলার প্রেমের স্বপ্ন দে ভাসিংত দিবে না। ভার বুব দিন নগেনের দাদা এটার্নি স্থোক্ত বার্ চাবুক মারিয়া ভভাকে বাড়ী হুইতে তাড়াইক দিল এবং এই কাপ্সক্ষভার ফল হাতে হাতে পাইল।

ইতিমানা গুড়া এক Roman Catho lic convent এ মাদাৰ, ক্লিণ্ডানের প্রঞ্জালাপ করিয়াছিল। তিনি গুড়াকে I'ro ব্যাপ্তের উপদ্ধান্তিন, প্রতিত্ত ও প্রথ পাশীর আশার বাণী প্রোশপানী ভাষার মতেও বুলাইবেন, ক্ডা এডদিনে Spiritual life বা আগারিক কীবনের আসাদ পাইল।

ভাল ভালপালীকভিতে তালৈ পিয়তা •! ভার্চ সতীদের আশ্রর এইতে শেল। চতুর্থ দিনে কলিক। গ্ৰন্থ ফিলিয়া ভালিল। আনন §পি ও প্রাক্তার একখনত আগত রউক । একং হাহাল ও প্রবেশ কাবর শগাল কলে ওলা क्षांहरताही क्षांक्रमरूए आध किनिया धरोहा। এমন কি স্থানিকাত ভাগ দে ওটগানি নাটক स्र क्रिक्ति । ত্রেক্তির । তথ্যত মুর্যে পরিবর্তনের জন্স भा किवारिक रिका दर्शांचल रिशीत करा देशों भाषात्र सामी भिर्मात्रतास्त्रात्र क्रम्बर . लामहा क्षेत्राहरू । 557.5 (F िर्धा 海南河 70 নিবার্শের দহিত জেলা হওয়ের কলিকাতার योगिः। ं भागत्य क दिशा नियान इस रेमनीएक अपन होत गर्मा দিয়া হালী কৰিতে পারে এই ^{দাং}শাদ ওতা क्रीडेश्य शहेल क्रीडिंग क्रिकेश्य र माफरवत

সেবার জীগন हेश्री अवाधिमिटमें जायाद Perfume of vice শালের মনমন্ত্রান নৌরত কোথায়ও भहिनामगा, कार्याहे हैशाउँ धूनी जि वा अभीनता आदिशि कर्ता इल ना। यो मानव सम। লেখক এই পুস্তাক অনেক পুর্বি স্থসা উপ স্থিত কৰিয়াছেন। সমাজে নাবাৰ তান কোণাৰ এই প্রধান সম্মা, এবং তিনি নানা দিক হলতে यह म्यापित के कर भिट्ड cbir करियाएक्स । মকল স্মাশত হা প্ৰথম ও প্ৰোৱান স্বাধানিক বে বিবাহিত জাবেনত নাবীৰ এক নাল ক্ষা। मानी है। उराहरत विकेश किन्न करते. दर्भमा । हिं भन्नसम् - महिन्ता मा । मह कमा काल, भड़ी काल मांग काल महिना। কৰিং তেম ৷ সংগাৰে মাধা কিচু মধ্য, কোমণ क्षिप्र वर्षः, जाभित् धरम् । दिश्लातः, हिन्तु समान নালার প্রথম বিয়াহিত গাসত ছাতা আল তেও ্ৰেছা শ্ৰাণ্য কৰিছে হয় প্ৰেৰ্থা, কেই কল নালীকো কলালণ ৷ মুন্তা আ লোগাছ টু লা পা • মা দেব নাই। সংসাধেদ কোন বাবত ই নিৰ্দেষ বা নিপ্ৰণ নহে ৷ আধুনিক গাশ্চা ৷ अपर भा किस माधारी तम्बिका साम रह तमार्थित क्रिया हम्स भाषाकत कानवाह दक्ष है है है हिहा न रें। हेर १९ मा १८७१ ने असी के प्रकार स्ट्रिस ए दन धारानित भवाद्रकत इसम्य दिक महाद्रात्त भव भ तील कीतम (वाध न्यू आश्रिकांक व श्रेकिः এবং বাহ্যা জীবনস্থ শাস্ত্রিমধ। ভাষার প্রিদর কুদু হছতে পালে কিন্ত পাশ্চতা জগতের তুলনার আয়াদেব সমাজে স্বামী স্ত্রীর মধ্যে প্রীতির বন্ধন অপেকারত মধুর এবং স্থায়ী একণা অস্বীকার করিলে সতোর অপশাস করা इर। अ तरन याकिशंड वाशीमसा गरन

বাজির উম্প্রিক করেক নেক কিছ এদেশের ক্যান অশেকাকত শান্তিপ্রির। কংডঃ আজ পাঁচ হাজার বংসরে ও জীই বাবস্থায় ত স্থান ব বিশেষ কোন ক্ষতি নাই।

কিন্ত এমন ব্যবস্থার মধ্যে ও মাঝে নাঝে এমন ছুই এক জন নানীও উদয় ছঙ্গু থাঁচাদের জন্ম এই বিবাহিত জীবনের স্থান সমিজস্য বক্ষা করিছে পারেন না। সেই জন্ম তাহাদের করিছে পার্বিক সাক্ষা করিছে নাম্বার্ক সংসার্জীবনে হিন্দ স্থান্ত পার্বিক সাধারেন না।

মেবাবের রাণী 'গারা বাহ' এক দিন কুফপ্রেমে शांशिकी करा लक्षा भाग दिनका ने मिर्छ धार्त ছারে ভিথারিনীর ১বংগ বেড্লেখ। জিনেন ১ কর্ত্রেরিল প্রদান ও চাহাকে রণ্পতে পারে मारे। এ धरेना अमारात्। किन्न श्रुक्तान এথ্নও পাগাঁথনী হহখা নারী পাণ বাহিব হয় এবং বেইদিন সেই প্রোনের স্বগ্ন-নাশ অনেক সমগ্র ভোগালপার নামান্তর মাত্র--টুটিরা মার পোদন দেই ভতভানিনীর দেখ বিক্রম ভিন্ন অনুসংস্থানের সার কোন উপার ্থাকেনা। ভুণাও সেই ইংভাগিনী। সে कुन एगाभिनी, भगाङ्गाक तम मण्डे डेमणन কক্ষক, ভাষাকে চর্ম শান্তি বহন করিতে অপ্যান, বেত্রাখাত, প্রকাশ্র इदेशाइ। আলালতের লক্ষা ভোগ করিছে ইইয়াছে। অত্যয় কবিলে নাথা পাণিয়া অভায়ের শান্তি वश्न कतित्व इंटेरव देशहे मनात्कत माधातन निस्म। खत्रश भान्तु प्रमत हराष राधिक्रम । Chall गांव। किन्न देनिक क्शर क्या Moral

world জন্ত কি দৈশি । এই প্রার্থির শেষ উত্তর দিতে চেষ্টা করিয়া এই প্রবর্তীর শেষ কবিব। তবে সামানিক জীব-সংস্কারের দশ্য আমার হত প্রহণ করিবেন কি না, সে বিধয়ে আমার সন্দেহ আছে।

खेजीय सामी अभागती अ विभए मानक নাই] সকলে অভ্যাচাৰ সভ কৰিতে পাৱে মা, ভাষাও পাবে নাউ . স্থানের সহাওণ স্থান হয় •) ৷ পুরুষ 'আপ্রাণদিনা' ভার্মা ভাগাথ কৰিবৰ পাৰেন দেই দিছ ৰাজী ধান श्रु बादी आग कराज, नेहें एक (नाश वीजर ह প্রতিখা। আহালের নমান্তে গতের বাতিরে कर्मीत्र श्राम रातामः रा महिंगम्य उस देखी अव- एक शहर अहार between Teedlooner . 1 Ter Hadee - 35 দেহ মনাত্র পরার অব্লক্ষ্য বাবিল। মে জাবলে শুনুষ কোন কৰা অসম্ভব, কাবণ পুরুষের লোলুপ দৃষ্টি। ছাতাদের সমাঞ নাবী পুরুবের সম্বন্ধ ভিজ্ঞ ভক্ষকটো,'। বাঙ্গালা দেশের পরুষ টেটা, ইণ্ডা, ব্যা নারীব স্চিত কিম্বান ব্যালভাৰ গলেম তাতা প্ৰতিষ্ঠ कामिरितर (०११९ अ८६) । अधर्म मास्म ও মুর্যাদ্য বজার কাবতে বলন আলবা ভুলিয়া ধ্যতি ভগন ক্লান্ধ্রের নটার স্থান কোপায় তারা मश्रक्षेत्र व्यक्षताचा अला हाना । अ अर्वन বাৰকে চিনিতে গারিগ না গাভেট নভানকে বরণ করিল। ু কিন্তু "প্রথের আগিয়া 🗸 হর বাধিত অন্তে পুরিয়া পেল," বাংল কেবল द्वार्थत पृष्टिंग कर्जाल माना दुर्भन कीवन्छ। च्या न्या केश १८०१ व उगा।

· I slapt on from the life was beauty,

I was and found that life was duty.

ইপ্রন মালার কীশ্চানের গ্রান্থের উপদেশ স্থ চালার সেবা এত তালার কীবনকে নতন শব্দে চালিত করিল। কভা এপিলা অর্থ, ম্থ্যালা, ঘশের মূলা বন্ধ কর্ম ইদি ভীবনে প্রেম না থাকে। এমন সমর মাবার নাগন আসির। উপস্থিত। কিন্তু চপলার স্থানের কল্প, মৈলীর, স্থানের জন্ত, ভভা মাত্ম বলিদান দিল। যশ, মান, অর্থকে ভুক্ত করিয়া সেথা এত গ্রহণ কবিল। দীবালাক Nightingleএর আদেশকেই জীবনে বরণ করিল।

শাস্থ্যী মহশের লিখিতেছেন শাস্ত্রগণ বংশরের ব্যক্তে প্রতি ভক্ষনী প্রকাশ্যর আসভি ক্ষা ভারেরই প্রিপ্তি লার। শাস্ত্রির বা মেনারেরই প্রিপ্তি লার। শাস্ত্রির বা মেনারের প্রতির বা মেনারের প্রতির বা মেনারের প্রতির বা মেনারের বার্রির প্রতির প্রতির প্রতির ক্ষা ক্ষারের স্থায় ক্ষায়রের ক্ষায়রের প্রতির প্রতির আমানের ক্ষেত্রের ক্ষায়রের প্রতির প্রতির আমানির প্রেমে ভক্ষা হিলা ক্ষার্রির বার্রির শাস্ত্রা মানারের ক্ষারির প্রতির বার্রির প্রতির ক্ষারির প্রতির বার্রির প্রতির ক্ষারির প্রতির বার্রির ক্ষারির প্রতির বার্র ক্ষারির প্রতির বার্রির ক্ষারির প্রতির বার্র ক্ষারির ক্ষার ক্ষারির ক্ষারের ক্ষারির ক্ষার ক্ষার ক্ষার ক্ষার ক্ষারির ক্ষারির ক্ষারির ক্ষার ক্ষার ক্য

তা লাগেনর the micarianus গোলিন স্কারেশ বাবু প্রবিধি নিকট বিদার লইতে পেলেন তথন দেশা কইন ভুডার সংল। এ মিলন বড চনংকার! নিক্পানির শিশাস্থা মনে পড়ে— ভারবিক ও ডিরার ফিলন হইয়াছিল তিমাল্যেন নিক্ষার শুরু বুকার। স্ক্রেশ বাবুধ

ত হার বিশ্ব ক রামের উপত্যকার একজন বুদ্ধ আর এনজন প্রোচ্ন অ শেন মেন চতীলা সহ কামগন্ধ নামি ভার। এ जीना अकतात Platonic Laura शीत Petrarchas कड खुरत्वम वाद বলিলেন 'গুড়া, মনে আছে ডোমার সেই এক দিনের কথা, বখন আমি গোমার আমাব ভালবাসার কথা জানিয়ে ছিলাম। তুমি কেন্সে डेज़िए मिरा हि म. वटन शिन, शुक्ता भारत ভালবাসে ন: কেবল অধিকার চার। আমি एम्ड (शतक वतारत (डां**भा**ष लांग (तरमिक । আছ ভোষাৰ মান্ত থেকে একটিবাৰ প্ৰতে ছেতে চাই : :মি বিশ্বাস কর গৈ, আমার ভালবাস, সভ্য ৪ নিংস্থার্থ : বিস্থান কর Tar 18 81 9"

শুলা কাঁদিয়া ক্লিল- এপাকেনে কনি স্থারেশ বান্ লাগনি এ অপাত্রে নালন লা দিয়ে এও দিন তংগ পেয়েছেন ভাগ জন্ত অখনব যে নি লাব উপর কি স্বশা হ'ছেছ ভা ব'লতে পাবি না ।" কই প্রকীয়াব ভ আনাতি দেনিকে পাইলমে

কৈশী ও টাপার চার্ত্ত বেশ ফুটিয়াছে।
সমাজ নক্ষণের বাহিরে পাবি লগ যে মন্ত্র্যাহ
ও চিকিন্তােরিল প্রত্যার বিকাশ হলাত পাবে শৈলী ও চাপাত লেখক ভাগাই দেখাল্যা-ছেন। এপানেও লেখক স্পট্ট দেখাল্যা-ছেন। এপানেও লেখক স্পট্ট দেখাল্যাছেন বে বিবাহিত জীবন্ধ নারীর আদর্শ। চাপার সেবারেও গার্হার জীবন্ধনার ক্ষানিক মান। কালেই সে ভ্রন্টল্লকে পাইয়া পুরু বছা প্রিবং হইয়া নারী জীবন সার্থক ক্ষিণ। ভরাতেও ইইল—বে মারীর জীবন বার্মী ক্রিয়ে খানী নেৰাৰ, আকৃতি সংগণিনী হওৱাৰ ে গে নিজেকে নিজাৰ দিল ৰে যৈগীৰ ভাৰ চেতা কলিৰে সৈও আনীয়ক মাতৃত, কলিল কইতে

প্ৰিৰেণে আৰাৰ বক্তৰ্য বে "লোটানা" ও প্ৰাৰ্থ Perfume of vice নাই, একথানি গাওঁ হিসাবে এমণীয় আৰু একখানি চ্তা-শীলভার বরণীয়।

জিনু সমাজে তাকা হইবেও মানৰ স্থাতে গ্ৰাহ্ম কইবে— এবং বালালার মনীবি স্থাল এই উপভাস কইবানিকে বরণ করিয়া গুইবেন।

মহাপ্রসান *

मद्भारतम]

প্রভুর আহ্বানে ঐ চলিয়াছে ভূত্য, উर्क प्र'वाद ज्ला आकृति नृश; দোতুল চরণ তার, মুখময় হাস্ত, সিদ্ধ সাধনা আজি, সার্থক দাস্ত। খাসে খাসে নামাভাসে নামী আঙ্গে সভা, निमातन विधान नाम खेबध-शक्षा ; নামে মতি নামে রতি নামে অসুরক্ত; नाम-गाम (नरह निर्दे के यात्र अन्तर्भ नाम-नामी-नामनाठ। नंदर जिने जिन সঞ্চিত-প্রারন্ধ সব আজি ছিন 🕻 🚟 🖰 সংশয় নাহি আর—নাহি ভিল মাত্র, মরণ উপচি' উঠে জীবনের পাত্র। বাজে ঘন করতাল মধুর মৃদক মৰ্ক্তোর ধূলে একি ত্রিদিবের রক্ত ; ज्ल नार्तिया हतन हैरके नहन, ডেকেছেন প্রভু তারে নয়ন ক্রান্তরে 1

নতাৰ নাৰ অধিকা নাৰ বাব সাৱৰ চৰকো মহানবের, কীহবিনাৰ বুজৰবিতে ক্ষিতে মুড়া দৰ্শনে লিখিকা বারাণদী ১২ই , বীৰ, বারাশসীধাম এই চিল্লাবিম্ন্ত,
রটপ্তীক্রাদশী-নিশি ভাহে যুক্ত;
মঙ্গল হরিরাম জীতারক বেলা,
নতাল নার্ত্রন নৃত্যুর বর্ণা।

মহার প্রারাণ হেল মরণের হলের,
হোর মিটে জীবনের যত বিধা ঘণ্ড;
জীবন মরিয়া রয় মরণের রাজ্যে,
মরণ মাঁচিরা যায় জীবনের কার্গে।
শার্থক নর্তন কীর্তনানন্দে,
শার্থক ও-জীবন মরণের স্পান্দে;
জন্ম সকল আজি হেরি চারু দৃশ্য,
ধন্য জীগুরুদ্বের ধন্য রে শিশ্য।

সাহিতা প্রিচয়

নিৰ্বাসিতের আত্মকথা—১

शिनिकन-1/0

বৰ্তমান সমস্যা 10

[লেখক—শ্রীউপেশ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়]. পাওরা যায়—বিজ্ঞলী কর্য্যালয়, ৯৩১, বছবাজার ট্রীট্, কলিকাচা।

বাদানা সাহিত্য মাসিক পঞ্জিতার বৃদ্ধির
সংশ সংশ এবন প্রবন বেগে বাড়িয়া উঠিতেছে
বৈশ্বাদ্ধে ব্যবন প্রবন বেগে বাড়িয়া উঠিতেছে
বিশ্বাদ্ধন বালী লোকক লেকিকার কথা বাদ্ধ
দিলে প্রোক্ত প্রসামী কিনিল পড়িতে হয়।
বিশ্বাদ্ধন বিশ্বাদ্ধি বালি বিশ্বাদ্ধি বাদ্ধি
কার ভূপি ক্রাদ্ধি কার বৃদ্ধ পিছের অভাব,
কার বিশ্বাদ্ধি বাছে স্থিনা নাই। অনেকেই
দ্বিদ্ধা বিশ্বাদ্ধি বাছিবা

বারা সাহিত্যর পরিপুটি করিবার শক্তি হখন
নাই তথন লিখিয়া লাভ কি । জানি এ উপদেশ
অনেকেরই ভাল লাগিবে না । কাবণ হয়ত বা
এ উপদেশের মধ্যে অনেকটা ফাঁকি আছে,
এবং অনেকে বলিবেন বালালী ভীবনের এমন
কি বৈচিত্রা আছে থালাভে নুতন স্তন চিত্রা
রোজ গড়িয়া উঠিবে । কিছু মারে মারে হরাৎ
অতিভার বিছাৎ কুবন দেশিরা চমানিক ছিলেও
হব । একবার পাহাডের কুবন চান্তে হালাভ
একটি হদের ভীনে পোটিয়া বন্ধে ব

My Stepniak Co একতন বাঙ্গালীর মেয়ে। ধনের "দব্দপত্রে" শ্রীম গ্রী ইন্দ্রিরা দেবী নিব স্মালোচনা হইতে কিছু উদ্ভ ক্রি-গাঁভু সংবরণ কবিতে পারিলাম না। ফিনি এ বহ একবার ধরলে 🕊 কোঁ যুদ্ধপা, নিৰ্য্যা তন 🙀 অপমান স · মান্তব পাগল না হয়, উল্টে যার হাত থেকে রক্ষম বই বেরোয় তাব হাতেঃ পিছনে যে "আঁছে সেমন আমাদেশ ননন্ত वा उरन োবে All al (जिंदि) স্কল अन वर्ण मत्ने इस् "নির্বাসি: ধর আছা-

ন্ধ বৈ কাই কাই ভাল।

বৈ তক্তকে বীষ্টে, বন্ধত মন্ত্ৰী
কাই জালা এবং ৰঞ্জতে হবি।

কিই জালাৰ সময়েই ছোবড়া ও জাঁচিতেই
কোঁ ছিড়া খাক, শাল বড় পাই লা। এই
বালিতে হাঁল ছাড়া আৰু কিছুই লাই।

বং কাল ছোট ৰাএ ১১০ পূঠা, দেও ঘণ্টার

বং লা ছোট নাও ১১০ পৃষ্ঠা, দেও ঘণ্টার
নাটাৰ বিৰু হহাঁর ভূবলার count of Monte

(প্রান্ত্রান্ত ও আমীদের সাহিত্যের রাজন্তনা বা
প্রহেণিকা হাল । সেদিন ৯৯ পৃষ্ঠার
একবারা হংল লাভানের অহবাদ)
পোলালভেন Politics নিজন পড়িরা
হিত্যাসিনের বিপ্লেবন
লাভানা নিসভেন নাছনও লাভান
বাধানত হলা পড়ি
আমানে দেশে এমন মাছনও লাভান
প্রে আজ ১৭ বছরে কথা। বা

''লক্ষ পরাণে শকা না মানে, না রাথে কাহারোখন,
জীবন মৃত্যু পারের ভতা চিত্ত ভারনা হীন।"
সর্বিন্দ, ব্রীক্ষ, অবিনাণ, উল্লাসকর,
প্রেচ্চিন্দর করের করাইত ছিলেন। সে সর্ব ক্ষেত্র করের করাইত ছিলেন। বে সর্ব বেড়াইরা আদিলেন সেই করা সহজ জারুব প্রকাশ করিয়াছেন। বইবানার একটা ভাবনীয় বৈচিত্তা বে গালিকের হাত্র এত নির্বাহন ও অপ্যান বেলি করিয়াতে

বলিগ্ৰা মানিক তলার বোমা ট

দেদিন তাদের-

COLS COICA SILE DESIGNATION स्कोतुरकेत भिन्। य वक्य hamour बाइका शार्कि । बुट्म किन्स, रान् मूर्य তাদি, চেতে জন। শোনা শব শোহা বেশী। अवम क्हाल हाहात्क white hot बाल, उन्हे-রূপ তার হংশ এত তীর দৈ তাল চোরেশর কলে প্রেকাশু করা গায় না বলিয়া হাসিতে ফুটিয়া উটিয়াছে: লেখক কানাইলাল সম্বন্ধে বলি-তেত্রে কানারের মত এমন প্রশান্ত মুগচ্ছবি আর বড় একটা দেখি নাই 🛒 সে মুখে চিতার त्तथा नाह, विमातन होता नाह, ठाकरनाउ त्यन-মান নাট আৰু ক্ষান্ত মত গ্ৰহা বেন **ः निवादिगास्** श्रे कृषिना विकारिक। জু বাহার কাছে তুলা म स्रेश शिक्षक जिल्ले अत्यक्ष्म । किलाहित কংশ মনে পড়িয়া এল। বৃরিখা क्षा ७५ एड क्यांड मान १६ए० कार्रिक क्रिकेरिक निर्धारमन अगम १४१० बार्फ मार्थ शहित्राणि महित कर्नना नाम नाम । भरन १५ दिन्सार ८ एक सुन के रेक अन्देश आमेरन है देखीत अस्ति करन the state of the state of the state of स्तिक प्रतिकार प्रश्नेत्र करेता क वर्गात मुत्रम् अध्य स्मृत १५ भागतः छवरायस ट्रेंड क्येंग्रे किस वाका शाहक हम अवस्थि हिल ाम हो भारताई किंदिया बिर्ड तीस 4 1 1 m

সাধুর দলে জুটিয়া 'কড়া প্রবাধনা' পাঁত ভাজিতী উক্তলালা ক্ষমিতা সংসাতে এই ভূপবং প্রসাদী বে সার কছ ভাঙা খাসতে না ছাইতে ধুয়িতে থায়া বার, আর ভাজি কুর মুক্তা ভিজিয়া দিশে কইয়া আনে। কাৰণ এটি ভুগাদের প্রতি বিধানিক বিধান

यथम ८ इ. १० १ वर्ष । जिल्ला वर्षान বস্ত ভারতে তথন উল্লাসকর সংগ্রাক করিয়। তিনমণ কি সাড়ে তিন মণ এবং জাহাব পোট হ'পুৰে সাইয়াছে কি আরিপ্রবাহ বাইগ্রাভ। নামর প্রর শুনিয়া মক্তির নিশ্বাস ছাড়িয়া ভলাসকর বলিল বাকু, দাব থেকে বাচা গোল। Birlay সাটের ব্যন ছি**জালা করেন** ''৽োমগ্রা বিদ্নান কর যে তোমরা ভারত্বর্ধ শাসন কারতে পুরি क्षित किंग्राकित का 'मारक्ष, क्षिक শংসৰ কি ত্রাম্রা লাবত শাসন कांबरके हैं भिंद्र कानारनंद तन कहार नामवी শাস্ন করা ধার কর্মা "烟湖南部江中" माहबर्द्यत डेस्ड्रो, १९०न 🚾 🐽 🗈

উপেন্দ সন্তিব পর ব্দেষ্ট তির বিশ্বন পরাব কান্তবা পরাবেশের বিনাতে পর ভালনে কান্তবাল নাতি ভালচা পুটি আইবাট তালচাতি, একসম্প উপরে সাস্থানির কান্তবাল ক

्राह्मात्र मध्यान होत्रात जिम्ब देगांडक भारकार्णन 🏋 'माभू मी'अ अंख क्टर ट केशत ক বৈছে कर कामाहारमय आधारक करा मसमूद আইদীশ ভাতাৰ স্থাকেশের চক্ষ নাচাৰ ব্যাঘাম শুনিয়া হাগ্ৰা হাসপাভালে পাঠাইয়া निर्देश (स्तिकार का 在我(S. शक्तीत्वत কামেৰ ছিল বন্ধ কাশ্যা দিছ সে প্ৰবন্ধ াল্যা(ছিল। কেলার কর্ন জ্র্ভিটে হাঞ भरतार करा भारता ''एकम मा अधिकार গুদেনাল (১৬ুর্গ বা পঞ্জন পঞ্জ , ও নশকের ন্পালিনের সাক্ষান হেলেকার প্রানেশ্য উপরেব आधिका खाँगेला नेशाय जाता खारा बरमञ् ল্যাক্ষ্য হৈ লঃ ্লাল কান্বাৰ স্থাবিধা किंका। मा । (अन्तर्भ वार्ति मुद्दः ' श्रेनशाद्वन ब्राह्मण इति होत 'प्रस्थातीः अखरे 'डेश्राह्मणर'

িংগাবাশ্বর (১) ছেলোবা মনে করিছে হিচিত্তি ভূমিনার জিলানার সাল্যমন জাবা বিধা (মানেম্যাভল

A the area in electricity of the colors and the specific

) নিস্ক সেই নক্ষে কোট তকাপ্তির জিন্দ কাষন্য ক্ষাটো সুলে বে কন্ধান স্থান কুটিয়া ছিটিত, লেন্স গ্রাহ্ম ক্লিন্তে পারেন নাই। ভেইল্লেল ক্টো ব ব্যাস্থান প্রমন কার্যা ব্যাহর এইন ক

বাধার ছটি বাদ। গণ খনত পর্জেছে বহা

তিঠে ভাকে ক ও বিশ্ব চিদানকো মান্তিয়ার। কোনের একড ন ক্রেনিপীর প্রেক্টার ক্ষরণার ক্যাক রাদ্দেন নাই। 'কে লুকাইরা প্রেক্টে শ্রিয়া ক্ষরা কান্ত এবং যে ছেলেয়া स्रोधक शाह्य अध्यक्ति क्रिल शास्त्रावः रनकातो त्यांकाकि करकार कात्रवः वा ररः बरोका सार्वक्रो

ত্রী ক্ষান্দানার কিন্তার পেরণেও তথানার ক্ষান্দানার কিন্তার প্রকৃত্রীহন দিয় ক্ষান্দানার ক্ষান্দানার

শ্বীন্যাক ও প্লাঞ্পক্ষণের সহিত ৩৭

উপান্ধত ভহলে কারিয়া সাওয়াই কল্সঞ্ - ,' बिरक्ष (बर्फ भा अधिर एक) शहर 47.4 of 1 " 46" 5# शानामान । वात वड अमान महा । महिनाहि । Trophisk on the series atta talea "The Revolutionial alone cannot destroy the autograes i so uneven a struggle is môreiv an exercise in the art of seed न्द्रा तोशानाः" ्यद्रशाः क्रीलिक्षान् च १५५ भीन मुंद भिन्दा क्रीकात । कहार but नाकेता द्वत निव्यान स्थापन। माध्या नामकाराज्य मक्तिक्रित्वं क्राप वीक्शाफ्रिक्न ' (अभवी १९ भुद्धाः सीतक्षाक न्द्रामा हिन्द्र नाटक, । मानेस मह व्हें में कार्य कार्य कार्यकें। अनुवर्ष स्रानाकारक अवासमाध्याका अविश्व भन्नम् ेट ११ त्र ८०। क्रीता विकास उपर्यंत कृत्या गांत्रको १९ १६७ । क्रामाबार व्य कार्यक वसाब · 15: 黄树

ত্ত নত উপলোধন স্থে, এ বহারকাসন।
ব্যাচনা হল দা। হবে আন্তাদের কাজ
পরিচয় কাবছে দেওয়া। আশা কার এই
কোট তেলালন অক্টাদ হছকে পদাহ ব্রিবর
কোলী ভাগায় অক্টাদ হছকে পদাহ ব্রিবর
কোল কালে বাসালার কি প্রেছিল। এমন
কোল কালে বাসালার কি প্রেছিল। এমন
কোল কালে ব্যাহার কি প্রেছিল। এমন
কোল কালে ব্যাহার কি প্রেছিল। এমন
কিন্তু বা সুকর বক্ত জন্মান বাসালা হত

া> , লবকের সেন্দিন চনংকাল
ক্রির্কের উংগ্রিক
ক্রের কর্তান্ত্র প্রতীভূত অত্যাতারে সিন
ক্রিক ক্রেপ , শর্মা দিয়াছে তাহা লেখকের
ক্রেকেনা প্রত ক্রেক বন কৃত্রীয় উন্নির্কের।

উরোজী-না জানা-বাঙ্গালী ক্ষান্ত পাতা এই প্রতিকা।

(২ তাঁহার বস্তমান সমস্তাতিও অনেক
নতন কণ: আছে। ইংরাজ শাসিক ভাব
১৯ব হতিহাস এত আল কথার এমন ওছা
ইয়া কেত বালয়াছেন কিনা ভারিন্দা।

পাণি প্রায় লেখকের চিন্তালিক হার পাণিচর পাঙা। উরে কাল্ম হ'তে গাঙার-বাহিব হয় আহা thought provoking ' নালাক নাম। দেয়। উাহার হাসাহ ভাবেব শাল্ক - গালায়াবের স্থাবন মত - হক আহানি - গাড়েই লাকক হার স্থান চাটিয়া দিয়া স্থাকার করেনি প্রকাশ করে।

--- 전발경건

কলিকাত:

বেঙ্গল প্রিণিটা খাউস, সং না নামাপুরুর কোনে শ্রীসঞ্জীবচন্দ্র লাভিতী গ্রেম্ মৃত্তি হ

কাশীধাম 'অলকা'' কাৰ্যালয় স্ইতে চাকশশী বন্দোণাধায় কর্ত্ত প্রকাশিত।

Date:

F 1/7

v.

সূচী।

िं (त्रभाष , ७०%

	বিষয়	(衛軍性	পুষ্ঠা
3 :	नतीरनशता भ		335
- 1	रेडियो (किंडा । प्रवास	90 <u>0</u>	226
*	केले.सामा साहित्य, विकास्त्र	州与南 族	126
	5(म्रार्थित)	- ज्यारात्राचा नाम नाग्राच्या उत्तर	(
	মরর প্রভেত স্কিন্	- क्यांचानिक अंशहरत रि. ध् रि. र्ने	*
*>	मृत्व (पि.शि.)	जि नितंत्रः कृतं । । । । । ।	524
٠,	अभा कप्राण्या अस्तिन	-क्रियानिया ने क्षेत्र व	20 3
1	আমাৰ চ'ৰ্যাকা	ক্রান্ত্র ভাও <i>আক্রাণ</i> েগার	3.39%
*, +	, অনু, রাধ্নীবিক ।	国内区型 对为()。	375
8 1	1955 - 1 1977 Jan 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	हीन भागाहत्व रहा अहुसम्ब	188
3 1	कतित देकानगर (का गडा)	শ্রীমোহিত লাভ হসুসদার	386
3 5	অ্লবস্থ সমস্থ	व्याध्या अभिन्न । म ११६	389
52 I	মায়ের অধিকার	बैजिदासमी कटनगणामाः	588
, پ ر	का क तो	बिमानिक अधिवादा वि न् ११ हि	292
58 I	्रेब (५) ब्रो	শ্ৰীকাময় চল চকেব চী	564

অচিতার "আমাশ্যান্তক বৃত্তিকা" মহোৰণ

সে কোন প্রাধেষ সাদ্ধান হলক না, ২৪ ঘণ্ডায়, গারোগা হয়তে, তল্পান মূলা ক্ষেত্রহ দিব। মুলা প্রাধিষ সম্বাধ্য কি মানা মাত্র স্থাক মান্ত্রলী স্বৰুত্ব।

মদিতীর **ভিক্রান্তক চুর্ব** মানৌষদ

• ক্ষান্তের্বিয়া করে, কুইনাইন আটকান জর, আলানেস তাল জর বিশাম জর এক অক্যান্ত সকল প্রকারের জর ৪৮ ঘণ্টার হার্ক্তের এই ব স্মন্ত্রপান মুক্তা ফর্ত্র দিব। মূলা এক সংগ্রাহের ঔষধ ॥০ আলা।

জ্ঞাক মান্ত্ৰক প্ৰত্য । একলে বেশী পরিমাণে উষধ সাইলে কমিশন ক্ষেত্ৰী। প্রাাধান্তান— এ. কে এফ সক্ষা ১৯৯০ চার্কা গড়া বেলাকক নিশ। The state of the

संग्रहतिक अपिश्वेष होका अञ्चलित मन्तृति वहेल । विकास विकास गरमानाधाय अभिन्न

क्रावा । इन्हाई न

নামন দ্র্য প্রায়ান দ্র জনা দ্র নারামুক্তি ১ সামানের স্বরাজ কার্কানের তালিকার কচ সাগনি আকই বত্র জিগুল এবং সামানের স্কটি সানা ক্ষেত্রণের গ্রাহক গ্রেণী ভূকা হউন।

ক্ষাৰে ব্যবহীয় ৰাখানা পুতৰ পাওৱা ব্যৱ শ্ৰমাৰ্ক জন, সুত্ৰক প্ৰকাশক ৪ বিজেতা, ২২০ কণ্ডমানিস হীটা, কলিকাডা।

মরাদী **জরান্তক সুধা** প্রদত্ত

উল্লান্তৰে সময় সেখন কৰিছে কোন প্ৰকাৰ ভয়েৰ কাৰণ নাই। ইয়া সেৱান নাডন ও প্ৰাড়িন বাব নীৰা বছতে ও তদাসুদ্দালীক কবে ম্যালেৰিয়া, কন্দা ও জীৰ্ম্মৰ, বালাম্বৰ, মুইমাইনে স্টিকোন কৰে, পি ব্ৰোজাদি ও আসামের কালাভব, এন কান্ধ্ৰিম কৰা সাহ্যায়ে ইইবে।

সর্বন্ধার্থকে অভাইন সহিত জানাইতেটি যে, এটি এই উদ্ধানের নেটা ক্রিক্ট না হর দুর্গী নেকাই দিব।

MI SHITS

প্ৰাপ্তিক কৰিছে কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰে। প্ৰাপ্তিক কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰিছে। প্ৰাপ্তিক কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰা কৰিছে কৰিছ

कर्णात क्रियोत संकर 'जीनका'त एउटन क्रांकिक लाएपासीक हतेन।

al eff communication of the contraction of the cont

बिट्यमंग

কাগানী কটাতের চুটাতে (বৰাক ১০২০. ১ল) হয়। তথা বেলাক) নেনিনীসকে বকীক কাহিত্য সন্মিদনের বারোক্য কবিকেশন হবৈর।

ভক্ত সন্ধিলনে হাহাতে সম্বা কৈ সেন্ত্ৰ সাহিত্যগোৰাল গোগাল কৰিছে সাংক্ৰ ভক্তৰ মামৰা হাতোক সাহিত্যক জাস্মিতি ক শ্ৰুৰণাগালের নাম ও উকাল। কানিতে ইচ্ছা

উক্ত সভাস্থিতি প্রকৃতির কর্তৃপক্ষণ মেদিনীপুরে বুলীয় নাহিতা প্রিক্তা করিলে প্রথ রুণা সম্বর এই সংবাদ প্রেরণ করিলে প্রথ অনুগভীত চইব।

क्रीकडीन क्स अब

ক্রিকটোপ চন্দ্র চক্রবর্তী । সভাগতিন সমিতির সংগাদকণণ্ড

বিজ্ঞাপন।

्राशामी नेतारत क्रीय (तर्गि (००) अर्थ रहा स्ट (त्रा रेग्याम) क्रीमान्य (व्याप गाहिका नेत्रिका व्याप्त स्थापन रहें प्र अर्थ क्रीय प्रथम स्टाप्त स्ट व्याप क्रीक्रिया विशेष स्थापक स्थि कि स्थापन स्थापक द्वार के नेत्रिक साम नियमित्र

্ট্ৰেডিক প্ৰথম ও কৰিব। স্বান্ধী একট এ এক প্ৰথম প্ৰকাশ সাহিত্য নাম্বৰণ কৰিছিল মোননীয়াৰ কৰিছিল স্বাংগ্ৰহণ

THE PARTY OF THE P

বিনা দক্ষিণায় ভাগা জাভ্য

THE PROPERTY OF THE STATE OF TH

ide (name de la companya de la la companya de la c

.थ्रंबर्ग

য়াডক যাদিক পৰিকা ভাষ্মাহোটনা

्रोतिक क्षिण विक्रिय कार्या, व्यक्ति श्रास्त्राच्या हुन्यों के व्यक्ति हिन्सीम् एव सम्बद्धाः इस्टरमानिक विक्रिय

তৰ পৰা প্ৰশাসকল । শীৰণতৈ পাৰ সাক্ষা নাগানাংগাণানাৰ বাজনেছত ভাৰতৰ প্ৰয়োগৰ বছৰাৰ বাংগাৰে, নীলেন কাজনেৰ পিনাৰ স্থান সন্তাগৰ ত্ৰিকাৰ দাবী, প্ৰস্থান কাজ অধীয়েই, ব্যৱহাৰ সেৱা, নীলোক কামা শ্ৰীক প্ৰনেশ, স্থানকাশ নাম্য শ্ৰীক আসাৰ বোগ নৈন বাংগ ব্যৱহাৰ প্ৰায়োক "প্ৰায়োকি" গোল গোলক।

्राहर्षे वाष्ट्रियोवं क्रमान ग्रामकं केट्याकः (मध्याः स्व.) विकासासनः कार प्रमान । अपि नार्वातः सर्वे वर्षे स्वरूपः ।

রায় এগু রার চৌধুরী

क्षेत्रक (द्वाकाका) नेव्यक होते पहेंकी कानकार्य।

উক্ত মিড ইইডেড

সম্ভাত (বলায়ের মউল্লেক্ত চক্র হার মহাপ্রের কনিউব্রাজ ও পিন্ত প্রাণিত অক্তর জীবক বেশাইচকা সাম বহাপায়ের—

াস্থ্য তিত্ত

ng bilan bigangga ulawa gun al-un aliben dia dan da bila. Bila gilawa-in-lawa dalawa bilang

Archine di Gri

THE WATER COUNTY



'রবোরতে ক্রারম্পরাঃ পারণা নিতাপুশা হংসক্রের রুচিক্তবদন নিকাশব্যা দলিয়া। কেকোৎকঞ্জ ভবনশিধিনো নিতাভাষৎকলাণা নিতাক্রোৎসাঃ প্রতিহতভ্যো রৃতিরমা; প্রদোষাঃ।

क्षाच्या वर्ष

বৈশাখ, ১৩২৯

OR FINE

नवीरनत वार्ड

'अलका' मन्नामक"

भागावत्वय

আজকের ভাকে আপনার শরেকানা
শৈল্ম বেখা দিতে হবে, ভাকে আমার আখরাসাবের চেরে ভর্টাই বেলী হরেছে;
লাইতাকেনে এক রখী মহারথী থাকতে
আমাকে নিরে টানাটানি করা ত শোলন
লি ৪ বিলি উল্লেখ্য নির্ভাগা এই যে বাধা
লাই একটা হক্ত ভারি করে বতেন নি,
ভাকতে আনাকে পাছতাকা দিতে হক, তার
কালা করে আনাক বিলিয় কালা
আনাক শিরার বাব বাবের বিলামী
আনাক শিরার বাব বাবের বিলামী
আনাক শিরার বাব বাবের বাবের
আনাক বাবার বাবিলামী
আনাক বাবার বা

The property of the service of the s

अर्थ का कार्यका अधिकार विश्वति । ৰাৰ গড়বাৰ পারে না. তার **কাউল তারই পেওলা দিয়ে বোজান।**" নৃতন ्रांडांडांना व्यन्त क्या ठानाक. যাত প্ৰতি-শাতেরও অন্ধ নেই; নবীন বারা তারা কি শ্রীক্ষর বলের ভবে, তাদের ক্ষাণ্ড অধিকার (योवन्यूक् जार्ग कब्राव ? आप बाक मिरक विंदन बाक्सान (क्रांश्ट्र) उत्तक, आंबरमा भागवाहम मेंक्टिस त्रोदम त्रवटा ভাৰতে প্ৰাচীন বীক স্বালিপানান बीदबंद ৰাখ্যে, পাতার বিজয়সূক্ট -পরাশর-মত নবীনের विका जीतक विदेश ; মারেশের হতে ইঙার কারা-अक्र

আর 'অলকা' যদি বৌবনের বার্ত্তা, প্রাণের পরশ বৃকে নিরে কেরে, জীবনের রসে নির্দ্ধিত হরে সে আপনিই বীচরে। গ্রার গতিক নির্দ্ধিত করতে হবে না, তার জন্ত ভব ভবিনারত প্রভোজন নেই। বৌবনকী আপনিই তার ক্ষেত্র কুষণ হরে উঠবে।

দেশপুৰ্বাহ্ন কন্ত বে নুভন বান্ধনের
সংক উঠছে, বৈদ্ধ ও অনুশীসন তাদের
কল্পাপবীত , মুক্তির বাণী ভালের দেবতা
পূজার নৈবেভ , প্রথম পর্বোর জালো তাদের
কলা, বৌরন তাদের প্রাণা। দেশের মন্দিরে
মন্দিরে তাদের পূজারতির ফটা বান্ধছে,
তাদের তবলানে ধ্যাক্তর আকাশ বছর বরে
মান্দি। 'অলকা' কি নিজের বুকে এই
নূতন পূজারীর আসন পোতে দিতে পাররে ও
নূতন বান্ধান্ধর এই প্রেরার 'মন্দার্শ বিদি
নিজেকে ভালি দিতে পারে, বেলিকার এই
মাসলাক্ষ বিদিক্ষ করে ব্যক্তির বিদ্ধান্ধর প্রকর্তা
কলিকার ব্যক্ত পারে, ক্রিকার বিদ্ধান্ধর প্রকর্তা
কলিকার ব্যক্ত পারে, ক্রিকার বিদ্ধান্ধর বিদ্ধা

(जन्म

पत्र्व

ওরে মন, কহ শুনি সভ্য পরিচর, জীবনের গতি হেরি গেয়েছ কি ভয় ! রোগ শোক ছঃখ খালা, ৰভাৰ অগান্তি ঢালা, পদে পদে অপুমান দৈল্প পরাজয়; সুখ—তা'ও ঠাখনয়. উদ্বেগ বার্থতা ক্ষয়, সততার মূল্য নাই সদা মনে হর; জীবনে ঝঞ্চাট হেরি পেয়েছ কি ভয়? প্রেমন, কচ শুনি সভা প্রিচয়, সবারে বাসিতে ভাল শেয়েছ কি ভয় ? ्याद्र निवि वृद्ध ७८४, সে ফিরে**জ: শিবে** তোরে, করিবে না বিন্দু ক্ষেহ কৈই অপচয়; যা' কিছু মনের গতি, মিটিবে না এক রতি, হয়তো চোখের জলে বাড়িবে সংশয়: ভাই ভালবাসা দিতে পেয়েচ কি ভয়ী

মরণ আসম হেরি পেয়েছ কি ভর ? গ শীতল নিশ্ব দেই, গঙ্গী মাণী নাই কেছ আগুনে মাটিছে নিশি হয়ে যানে লয়; কেবা ফানে প্রপার, কি

তার মন, কহ শুনি সকা পরিচয়,

কৈ জানে শক্তিত ভাগো কি আঁছে সক্ষয়।

্টাৰ্ট কি মৰণ ভাবি পাইমাছ ভয়।
ভয় নাই—ভয় নাই—ছও নিংসংশয়,
জন্ম থোলামন কাহি ভয়।
জন্ম থোলামন কাহি ভয়।
ক্ষা থোলামন কাহি ভাগী,
লোম মরণের মাথে লাভে চিরজয়:
মবণ সোহাগ ভবে,
জীবন বরণ করে,
গ ভিনের যে নিগেন্ত লগে সকলম্য;
ক্যা—গ্রেম "১১৮ তার লিখে প্রবিচ্য।

ইউরোপীয় সাহিত্যে বিচারের মাপকাঠি।

[অধ্যাপক শীস্থারন্দনাথ ভট্টাচাল এম্. এ]

আচি না শিক্ষণতা গ্রেগ স্পাবন্তঃ
আপতা, ভাষ্টা, চিন্তাকণ, মঞাত হ সাম্পান
ব্রায়। নাটা কলা বাহিছিল ও ল তারে প্রাণিক
আটি কিসাবৈ ধরা হছে। কানার ক্রেল মুডেরার, তাঁতী, সাক্ষেণ ও চত্তবি স্তুল ছেল হথেল আটি আছে। আমরা ইণার আদর কান কার্ল বেরাজি আমাদের নৈনন্দিন জীবনের কাহে আহাে। Hegel ব্রেলন সাহিত্যার আমান স্বেরাজিপরে। কর্ত্তার কাব্হ বি পু প্রশাহাণিদি আমাদের আমাদের কু বংগতি আনন্দ নিয়া মনকে শোলাং সের মাত্র, কিন্তু সাহিত্য আমাদের আন্দ্র বাজাে প্রমান ক্রেকটি আনন্দ Hege) সাজতোধ আসন অর্ভা**ড আটের** √ংবেভিব চেল্ডেন্ডন

প্ৰিক পতিও simonides কৰেন "faming is silent poetry and pocker is pointing that Speaks"— চিত্ৰ নীয়ৰ কাৰা, এবং কাৰা এমন চিত্ৰ লাহা নিককে ভাষায় প্ৰকাশ করে। সংগ্ৰহণ সম্বাধি Athene Parthenon, Venus of Milo, Laccoon বা ধ্যানীবৃদ্ধ চিত্ৰে Buphael এই Madonne কা কাৰ্যা চিত্ৰ, দৰ্শান্ত Beethhoven বা ভানন্দ্ৰে গ্ৰহণ বানকলোকেন্ত্ৰ স্থানি, এ কথা বিশ্বিক সভোৱা অব্যাননা কৰাৰ

(मानगा वह निश्चकनात्र विकर्णिक किर्देशक विने कि कि कि कि कि का मा তে পাৰে। কিন্তু কথা কি मार त्य अहे गर चार्टिस छिलामान वर्षी के विकास माजा करें हिनारव সাহিত্য মানুসী স্বাষ্ট্র। সঙ্গীত কালের ভিতর मिका महर् शिन्दा आधार बाबम एक. गठा कि के विकास वाता मित्रा के कारक পৌছিতে হয়। কিন্তু সাহিত্তার বস একে-वादि मनक छ्रांतिस (भग्न। এই चात्नहे সাহিত্যার বৈচিতা । বিশেষত। আ ব भव आरम्ब तार किन्नु माहिता आमारमव व्यक्तभ रमार्थन भाइड भनिष्ठत्र क्यारेश দেয়। আহু সূত্র পাই সীমার আনন্দ, সাহিত্য দেয় অসীমের আনন।

কৰি কাৰেও গণ্ডী মানেন না, নেশের স্থাগ্য পৰা দৰ্ম না। ঠান্ন মোক্তা তুলিকান্ত বৃদ্ধ, শেটো, Mentaique সন্ধাৰ হুইছা উঠেন, Babylan, Athens, Alexan dria ইফ্টান্ডিন জানাদের তেথেব দ্যানে ভাগিন ইফটান্ডিন প্রতি বিশাস্থানে বৃদ্ধান্তি বিশাস্থান বিশাস্থ্য বিশাস্থা বিশাস্থ্য বি

Goethe ব্যোগজেন 'a traveller does not take anything out of Rome which he has not brought with him' বিনি রোমে গাবেন তাঁকে সেই বস্তুই কিন্তে নিয়ে থেতে হবে যা তিনি সঙ্গে এনেছিলেন। ঠিকই ১ আনরা যা তেবে যাই, তাই ড পাই। মনে পড়ে পুরীতে একবার লান গাতাব সময় গুন্তে পেলুমানুকামার পাশের ছটি বুবক বলাবলি

কালে পা পালা হাত্ৰ ক'টাকে যদি নিষ্
। প্ৰটো পাংগালাক ও তথকটা ভাৰতা তৈত্ৰী
কবি। থাগা জিনিব হলে। আৰাৰ ভালেৰ
চাবি পাশে নৱনাৱীৰ সুখেব দিছে জাকিতে
লেখেছি সেই এপনীন নিম্কাঠেৰ হাত্ৰ প্ৰথিয়াই তাহাদের নৱনে দল্যালা। আমাৰ
সামনেৰ হাত্ৰটি ও নাউৰ তেলা, আসক
ঠাকুবাটির আসন যে আসার মনে।

কাৰোর ক্স ছন্ত্ৰত করা যায়, কিছু

হাইটা বিভাগত কোঁবে দেখান যায় না। ভাব কে
কাপ দেওয়া ন সহজ নয়। কাথোর বাৌল্লই।

মনাক অভিনত ক'রে, এমন একটি ভাগত
স্ট করে গাহাতে আর কোন উপাদানের
আরোজন হয় না।

কান্ত্রিভ সরম

কান্ত্রিভ

এখন প্রেখা ঘাউত সাহিতা বিচারের রীভি কি ! Plate প্রেন সাহিত্যের সঙ্গে Wall to मार्थकः आभारतः रेसमस्मिन कीवनाम कि লবে প্ৰত করে ও সংক্ৰে কি কলে প্ৰকাশ ক ক এখাৰ ভাৰতে সোম আৰম্ভ কিচাৰ হয়। তিনি গ্রীক সাধর করিছে পারেন নাই কারণ Afric साह्यकारतका अम्राहेद कह वाहुन, **कार्याहरत**न. धार्षात तथ नव। गाम इह Plato GTE WATE STATE इन कार्वाहरू। अध्यातः भएगद्ध क्य क्य ना। काम्यत्य labuitional ance है भग कही रहा विशेषकः हे जिस् (Seuros) निका मठा व्यवस्ति धाक तक এবং চিস্কাত (Idea) দারা সভা প্রাকাশ কার এক । যা মর্থাং Logic ও আটের मस्या ..त :ब्राट-५ डिन्टि डॉश स्मरथन नार्ड . 🕠

গৰ মত ৰাহিতা আমাদের ভারকভাকে the section of the se क्सेंस करत । क्रिक कथार मगरक विकास করাই সাহিত্যের উদ্দেশ্ত এবং এই মাপুরুঠি দিয়াই সাইতোর দোষগু বিচীর করা উচিত। 🖈 🖫 Aristotle এই Poetics বহুথানা সংস্কৃত मेरिंडा "कर्रा अकार"व" यस-गाँव। ব্যালোচনাৰ মূল প্ৰাপ্তাল ইহাতে পাওৱা যার। তার "মতে সাহিতা অনুকরণ বা পুনরাইডি মান । ইহাতে বস্ত (Plot) চপ্তিত (Character) ভাষা (Diction) এবং ভার ক্রাক্ত পারে গাহা বিভাগ ভাগ (Hentiment) থাকে এবং নাড়ক ইটাল সভীত ও নাট্যক্রারও বিচার কোতে হয়। जिले ब्रुग्त बार्टिव केरम् वानकार्गन निक्कान्त हुनाहैनी मटना व आहित मान অনেক প্রভেদ। আটে ঘটনা অপেকা ১০ नीत शासना १ अवेबात्नवे र्राउद्देश 'अ कार्तातु भाका मन শাস 🙀 ঐতিহাসিক সালেক ্কবি। বিশ্ব বিদ্যান ত্রিক বিচার াদিক স্থানিত ও প্ৰেটাৰ (partie lar), कारवात म जा विश्वकर्ण (एके एक हैं।), जिनि Tragedy दा निध्यान ए न छेव সকলে বলেন বে. কোল Titte Ind আদ मत्र (भिरम क्यायाक व 4. 'क नाथ जातमा (Exces of emition) "The ?" भारत । यामन साम्बर 'कार व भार स्थाप के जिल्हें पर भार उत्ति मार्थ के ग्रांत करिया. শিশ্বনা দেখ এন CHAI

ै, त्वारमध क विश्व विकृतिक भारताञ्चा , इंड वर्गीक्च । Ceceto Quant le le ll >race 's Longnine as 'im Sub-"lime" এ ইছার প্রিং প্র কিছ Aristotle as Bental and made माइम उथन हिंग ना। इंडिटब्रांट १४० বুলৈ Aristotle ছিলেন সাহাৰকা। Ren

aissence বেদীতে বলেছিলের Plan

আধুনিক যুগে, অষ্টাদশ স Addison Million as Panding Lost विठात कविषेत्र कारक अक्षा ব্যবন যে আতের প্রধানে তা আনাদের कश्रना अस्टिक को च उ वानहें बार्व का बागारत करा

जिम के कि दिन दे दे दे निक निर्दे প্রকৃতিকৈ দাবতে পারেন, করণ দে পদ্মতা ্ঠাৰ নিজের হাতে। বেবল একটি কথা মনে রাখা ছাই যে খুর প্রান্তান্যতি কোলে হাস্তা-স্পদ হ'তেই হন। ি ক্বিখানা কাঁচা কোড়ার मक नान करत डेर्डेंगा"-रा "शासक हारन লগীর ছার্টা বিক প্রসার মত কাপ্টা May original मानुक नाइ, किन्दुं कानिमार्कित महर्म । भारते विश्व না। কুমনাকে জাগ্রান কোন্ধার শক্তিই কাব্যের প্ৰাণ এক এইখানেই সাহিত্য ননসংক্ৰিদেৰ প্রাক্তন ভর ।

অষ্ট্রাদশ পতাব্দীর শেষভাগে (১৯৭৯১) ८८ इन इन्सान अधि । १०५ निर्म भी than the Wise as statement '5य ब'(हा | 10000m मि निर्मारका विन ্শিব্য পর্যা । স্থিধ করেন। একশ গ্রন্থীর প্রাতিতা-भूर्व भूछा के ब मश्या थ्वं तम 🔰 kacoon নামে প্রান্ত ভাস্কর্যার উপ্রকৃতি কোরে COTA CATAGORA | VITALINA AGRAN कर विशेष मर्ल Laocoon और किसे संस्थान ৮ ছেছে, বেখানে দৌ গ ২নুতাগা **নিঞ্চ**লনাম অলাইৰ নিঠুৰ শীড়নে ভাৰাকাৰ

त्यारतहरूत । किन्द्र मुनिए हीए कीए देशान बाब मा। कार्य छात्रत्र Laocoon एट ্ষুত্থ তীব্র বেদনা ও নিরাশর মাতেও জুবটাকে গ্রেকাশ কোত্রে ইয় । কার্ণ कार्त देशी अवाग शास्त्र ! Laocoon अब अर्जनान इ'स्त्रटक, ट्रांखंड माम्राम मना মাতে ছই খুৱে মারণের কোলে ড'লে পড়েছে। সূৰ্ব Laocoon তার নৰ্বাস ভভাইয়া ভাহাকে शिविता शाबिए वार्टएडए, किस Lagoroni হার শীন্তে না, শেষ নিহাস প্যান্ত নিচুর व्यमुट्डेब विकल्क युक्त करना। **जानांत्न ठींभनभागबदक मत्न शर्फ, । 1**,098 ing বলেন ভান্ধৰ Virgil হউতে ঘটনাীকু-নিয়েছেন, কিছ আটিট্ট তা'কে নৃতন্ত্ৰপ निस्माइन । अनाउ पाँठ Shakespenie डीत আধানে বস্ত নিয়েছিলেন Holinshed's Chronicles () Plutaroh 🛎 এর জীবনী ্সংগ্রহ হ'তে। র্নীজনাথের 'গ্রাহ্মণ' 'সভিসা^ন' प्राकृति हेर्सावमध्य व अवस्था कहाल्। कैं। -भिरमेरिकम । किन्न काचा अकीरता काममारक अभन क्रम भिनारकत - एके क किनीन सरमा करते अवस करत है। अफ--ना भाषा मान । Quarry (পাথরের থান। ও finished status বা মৃত্তিকে তথ্যব---- বেশন । এও তেমনি। সার্ট যন্ত্রটি কি এইখানেত ধরা গায়।

Lessing এর সঙ্গে তুলনা হয় Aristotle এর খেনল Platos পঙ্গে মেলে Victor Cousin ভিতৰ কুপে नारन Du Vrai, du Bean, et du bien (সভা স্থানরং শিবম) নাম দিয়া করেকটি বক্ততা দেন, ১৮২৩ সালে ইং! পুস্তক্ কাৰে বাহির হর্। তিনি বলেন আটিট বা শিলীর

क्षेत्रक (करे क्रणी) क्ष्ममारमय क्रांटन्य नामर- कर्य बाख्यवर्ष (lienling), मद्दा ः जान वा From बार्फ टाशाक करा । हानिक बानिक वाहिया करत यह 4 Tibl & Tista (Omission & Nolection) শক্তির নামই আটো আটেড डिलाक्स दर्शी एक मोम्बद्धार माशस्य देनिरुव मिल्पारक कृष्टीहंश ८०११। ७क हिमाद आर्केंड राक्न आक्री इंट दारा इ त्रेंगे, दहन না আৰু Parman বা কক্ৰাৰে বিভিন্ন-करण मुलेकि करका। दशः एके Pathon का भक भवा है विकास अपन क्या दर्भ आर्टिव क्षणार जनात तर किलाशत्वर स्मोन्दगा निधान दकादक रू ।

> Wordsword, And Privated कांत वा मार्शिः, हात धक्र कार्यान्या द्वाप कार्ड का- (महा का'तक (वाकाम। वेद्या প্রার মানে যে মন থোবে তাহা নুচনকে নিতে সায় না । ্সহজন প্রথমে একদ্র প্রাঠক তৈরী তার্ভিটিছ সমূ কেন্তুৰর মলে সমত্রচার্চ। कारियाद के केंद्र में ताल आजे हैं है। बार িতিক স্থানিক পান্ত স্থা স্থাতেও ८१० केश्रमारिक क्योनाहरू दुश्रावडे हात ला मार्गाद्वम भाउक महर्गाङ्क करन चान्स किर्फ \$7**₹** i

> Mathew Arnold as are ofas শাহত শেই যগের সম্প্রতী হিন কো'মে ধ্য অর্থাৎ কবির এটকটের দকে প্রেরিপার্থক অবস্থার সম্বত্ত করা ভাই। উদাহরণ স্বরণ ভিনি Grayৰ কথা টাল্লখ কোরে-ছেন-Gray প প্ৰিড বে যুগের কান সৰ্দ্ধ ছিল া কাজেই তাঁকে একলাট

मार्थे। जिल West Postry, is the certicism of life कार्नाभागर केंग्सनंद नेमार्गाहन। मार्ख कवित्र शर्व आमारमय र्यं प्रत्यत्र बीवनिराटक वृत्तिस्त्र त्राज्या अवर विनि दम्भातिमार्ग यह कथा छला द्विक त्मन डांटक ट्यार्ड जातह जामहा विद्यात করি ও তার কবিছ শক্তির পরিচর পাই। Wordsworth बां'क बनाउ हान "The breath and finer spirit of all Knowledge."

Ruskin & William Morris an মধ্যে দেখি Platos আদর্শ নীতিবজ্জিত बार्ड मिथा वह-क्यांने Ruskin बांब बांब (बारमहिन। जांड मार्ज क्यारिंड क्या मार्-रमंत्र अवृद्धि (Passion) 9 व्यानात मरका। শে**ই আটই শ**ৰ চেন্নে বড বাহাতে sid wice (which contains greatest number of greatest ideas)

আমরা আর একটা কথা গ্রায়ই ভনতে পাই Art for Art's sake. বোধ হয় Theophile Gantier তিই তারের জন মাতা এক Swinburne ইয়ার প্রচারকঃ Swinburne करनन, 'दिनान धारूकी किला poets are the only truth teller रबाठ दर्शाल देशद डेल्फ्स का बिकिक অৰ্থ দেখিবার व्याखान नारे। नव वैक একটা युन्म त नामक्रमा (Harmony) 8 শাখাতিক জীবনের শাৰ্ডাৰ শাছে ;—তাহার মানুব্যকে কীৰ न्या अपन मा धाना कामारे छाराउ नहिन कीर्बना देखें बिगात करिय शिंह

মতের বাস্ক কোন সনালোচকের নাড মেনে **मा বা জনসাধারণের মতের সভিত বিরোধ** क्य विनवार विन दकाम কবিতা লা আৰু কোন সাহিত্যস্থাকৈ বাদ্যগানি দিই ভাইতে विद्याहक वर्णन अपकार প্ৰেকাৰ পাৰ 'ত্তীর পর' 'চিত্রাস্থল' 'বরে বাইরে' এখন कि किया मिनन के द्वार के त्या भामारात्र गाहिर्छ। के बावकना स्थार আমার 'ভাগ গাপে না' অতএব 'সকলের ভাল লাগা উচিৎ নয়'-এটা বোধ হয় Neo আৰু৷ এই কারণে Christalul. Ode one immortality তরী কে 🖛 🖁 । এবং আৰৱা त्मथरङ गाँभ इमे**ि का** भाष मिटे कविरम्ब । এই জন্ত Shelley তার কবিতার একটা Glossary of words रेडनी दगाउ परनम्। ज्य ज्य, এकनि वेदीसमाधाकः হয়ত পাদটীকা मिट्ड इत्त । Southey. Wordsworth & Hingsley भनोत्नांकक मन्द्रामात्यव छत्वेत कार्य क्र व'स्य डेट्राइटनन ।

Mrs. Browning Aurora Leigh अब अब शाद Toller "The left to God'-weig 'sweight alter কৰিই সভাত্ৰই। সেইজয় কৈ থাকে প্ৰকাশ কোর্বার ভার ভার **छि**णन्। आसारमन ধাণিদের অন্ত নাম কবি—তারা ছিলেন সতা-मही, नरबंद मर्सा गर्छात्र श्रक्तभाष्ठि न्याकान **क्लारबर्ट्स** ।

Meredith of Diena

ক্রের্ডিক করে। তিনি গুলান সাহিত্য নেই থানেই বাধার গুলার গুলার গুলার গুলার নাই করানা কোনের কিরের করার করানা কোনের করানা করা

Beauve, Dowden, Raleigh, ও
Bradleyৰ উল্লেখ প্ৰয়োজনীয়। কিন্তু
বাহুলাভ্যে চাপা দিলাম। ভৱে আমান্ত্ৰর
মান হন সকলের মত একত্র করিলে এই
ক্রাটিকে সার্ক্তনীন মনে করা যেতে পারে—
The supreme test of merit is
agreement with the general son is
of mankind অর্থাৎ রখন কোন স্থতিতা
বিশ্বনান্ত্রের চিক্তন স্তাটিক সক্রে মেলে
তখনই বুঝিব মেটা সাহিত্যি স্থান কারণ
ভাষা বৃথিব মেটা সাহিত্যি স্থান কারণ
ভাষা বৃথিব মেটা সাহিত্যি স্থান কারণ

বর্তমান সংহিত্যের দিকে তাকাহলে আনরা দেখি গৈ ইছা আমাদের নৈন্দিন জীবনের কৃষ্টিও কিরুপ ওত্পোতভাবে জড়িত। এখন দেখা যাউক নো স্চিতিলাবে ইকার কৃষ্টিণাশ্বন নাজিলা সাধিত্যির দেখি-

व्यवस्था द्वासिक स्थ माहिए जाद न्यम रहिए

নিকানকে নামনে সাকি বিশ্ব এবং কথা
সামানের কাশাক্ত মনীবার তাভারা নামন
হান কিন্তা নে সাহিতো কাশানের নামান
কালনের সহিত্র কোন সুপার্ক নাই এবং
বালে সাক্তিনীন ও বাভাবিক কোন মান্তে
প্রকালিত করে ভারাতে তেওঁ আই বাজ্যক
না কেন ভাষা ভালা—ক তকটা বাক্ষারীর কথা
এই হিসাবে 'প্রতিলক' ও 'গৃহলাক' বর্জনীক।

দ্বীনত মার্ক্রের হক্ত বিখা ভাব (idea)
প্রীক্ষা কোত্তে হয়। কেন্দ্রের থাকিক্ত ক্ষতিজ্ঞতার সহিত উহার স্মাক্ত জাতির সঙ্গে একটি অবিজ্ঞিন সম্বন্ধ আছে কিনা দেখতে কর্মা এক কথার বাক্তিগত (particular) অভিজ্ঞতার সহিত বিশ্বনান (Universal) অভিজ্ঞতার সহিত বিশ্বনান (Universal) অভিজ্ঞতার সোগ থাক। বাহ্মীয়। রন্দেশ চক্রের ''সমাজে" বা প্রভাতবাব্র 'সিন্দুর কোটার্ম' থালা নাই।

ত্নীয়ত ধর্মজ্ঞান বা হ্নীতি সমাজের বৃহস্পিত অভিজ্ঞতাব দল। সেইজ্ঞাল সাধিতিকের আভনা করে। ক্রেডিল পাশ্রের আহন করে। এবং এ জিল সমাজের মালনকর নার, সেইজ্ঞা ভাষা হয়। হ্নীতির ব্যান বিশেষ প্রাজ্ঞীয় মনে করি।

চতুর্থতঃ বাহিলোর কাটামো বা Symmoter বিচার কোনেত হয়, কথার মূলে
মনি কার্মনের বোগ, noble words set
to perfect music তথু ছবিখানা ভাল
হ'লেই চল্লে ল', তাব Prante খানাকোও
ভাল কোনেত ধ্ব, নাবই ছবির সৌন্ধা

ভূলৰে। নাৰাৰাৰ নৌৰ্দ্ধে এক একটি নিতা টীয়াৰ স্থান অন্তে থাকে নক্ষন বিশ্বনিক 'ক্ষিকা' বৰুনী সেনের 'ক্ষ্ড' নগুকি দেনি কানামোৰ কৰে মানুলী কিন্দ্রেকালেই শিলীৰ বাহাছনী বখন তিনি কোন কথা না ব'লে কেবল ইলিতে নুৱাইয়া দেন। এই না বলা'র (Suggested বা Implied) সৌন্দ্রিকা কে আমানের কাছে নব চেমে বড়। ভালা ভালা ইজ্যা চাই। গামার লোকে Robert Browning—বিশেষতঃ তাম

Tennyson क्ड मरनावम यहिन्छ

আমরা স্বীকার কার চরাশীলভায় Brown-

ing এর স্থান অনেক উচি.

এখন মোটের উপর দেখা গোল দে লাহিত্যে যথন সতা উ লিজি করি তথন বৃত্তি হাজার বাজভাগ (matter) কুলর, ভাঠামো বা ভাষার বাগুনি য়বন ভাল লাগে থখন ব্যক্তি হইলে কপটি (manner) নল মনোরম হলেছে এবং হথন সামার্থা মুগ্ন চই তথন বৃথি পাহিতিকের মনে ভাবের ক্লপটি (Idealisation) কেমন সহজে ধ্রা দিয়েছে। ছন্দ (Rhyma) ও রচনার বাঁতি (Style) সংশে ঘটো কথা বাকে এ প্রবন্ধ শেষ্ট কোটো

হন্দ নান্যকে নীবনৈ প্ৰবৰ্গ গোলা িছে। প্ৰপাঞানিৰ গান ভানে নিছু বাজেৰ কোনে ঘূনিক নহঙাৰ বুকে কাপিকে পছে। কামাদের নাড়ীতে আমাদের কেম্পাননে কোই ছন্দের দোল। প্রতি নিয়াস প্রশ্লাসে কাই ছন্দের দোল। প্রতি নিয়াস প্রশ্লাসে কেই ছন্দের দোল। প্রতি নিয়াস প্রশ্লাসে কেই ছন্দের দোল। প্রতি নিয়াস প্রশ্লাসে কেই ছন্দের দোল। প্রতি নিয়াস প্রশ্লাসে কোন আস্তেন কবি তার ছন্দা দিছে প্রাণা দের অন্তরের বীলান ক্ষান তোলেন বলিয়াই তিনি আমাদের এব প্রিয়া।

উপত্যাস, নাটক ও এবান্ধেশ মধ্যোও একটা গ্রন্থি আছে-আতার বেগ আমাদের मराक छनिए। भएन यात्र अर तन प्रकि दिने मान १५ देशक नामहे Style, किस এह Style ভিনিস্টা কি অস্থূন্য করা গায়, (बाकान बाब ना। Raleigh ात काश ক্লিক শাহিতারথীর চাড়াও বিশান, এমন अर्थकं सम्बद्ध अ Arnold Bennett भूज হয়ে একেছেন যে বছখান ছাপাতে না পিয়ে যদি আৰু, দিত্তন ব চণ্টেইব ইলকার লোভ এবং ভার বনামও অকুপ্র পাকৃতে: এই Style জিনিসটা প্ৰিমটা কোলে বৰান হত কঠিন। বেমন সঙ্গ দেখে কোন লোককে চিন্তে পাতি, কোন জাতির শিল ধা স্থাপতা দেবেখ দেই **জাতির** Colture এর পরিচয় পাই সেইক্লপ The style is the man. west comore. (गरक गा/दकत कांट्र धता तम **मिर्**कि Birle.

ক্ষান Temple Classics এর একখান পুর ছোট কিছ বেশ ভাল বই-Worsfold's judgement in Liter ature এই প্রবাহর মুগ উপায়াল

अश्र त्रश्राप्त अश्रिमा अमानिक द्वेष्ठिक्ष वि. व. वि वि

ই আই রেলাগ্রের একটা মারারি লোহের

কৈলে একথানি ভাউন পালেকার টেশ
পানিরামাত এক ভজলোক খুব ব্যক্তভাবে
গাড়ীর নগাম শ্রেণী ও তৃতীর শ্রেণীর কামরাপ্রতির শেব দিন; টেক্লে অসম্ভব ভীড়।
ভিনি আরও একটু দৌড়াদৌড়ি করিবেন,
এমন নম্মা টেলেব সিটি পড়িয়া গেল।
আর পেনী করা চলে না। সম্পূথেই ইংরাজীতে
ক্রেল সম্বা একেবারে থালি দেখিয়া
ভিনী কামরা একেবারে থালি দেখিয়া
ভিনী কামরা একেবারে থালি দেখিয়া
ভিনী পালিয়া ভল্লোক ভালতেই উনিয়া
ভিনীকান। টেশ ছাড়িখা দিল।

ভানলোকটির বন্ধন বংশব বিশ কি বলিশ ইটার পিরজে সানাসিল দেশীর গ্রিছনে। এক গান মানারি গোছের গকটা লাশ, জলার গানে একগাছি মজনুন দক্তি— বাহাকে ছোটগাটো লাঠিও বলা পাছতে পারে। ইয়ুরোলীয়ানদের কামরার উঠিয়া বোধ হয় মনটা ভাহার একটু খুড খুত কারতেছিল, ভাই টেণ ছাড়িয়া নিলেও হাত ক্ষার প্রধার বারক্ষেক গ্রাক্টিয়া ভবে হিয় হুইয়া বশিলেন:

কতক প্রলি টেশন কাদিল ও পার ইইর: লেল। বর্জমান টেশনে গাড়ী মনেককণ থানিরা বধন ছাড়িবা দিরাছে এমন সমর অপর একজন সায়োই নেই কামরার উঠিয়া পাড়িশেন: "Shall be back to-morrow"

কোলা কিবিব)—কথা কর্মটা জানাকে বলিয়া হ্বাব বন্ধ কাৰ্যা লোকটি কাৰ্যা পড়িলেন। আরোহীটি দেশীর কিবিলি, টার্যা কার্যের কাতীর, বোদ হর পারালী ছাল ক্ট্রা কার্য বিশ্বেষ কলিকাতা ঘাইতে ভিলেন। ভিল্ল ক্র্যা বসিতেই কামরান্তির একজোণে উপত্রির বাঙালী ভললোকের প্রতি ভারার দৃটি পড়িল। কিবিলি ধ্বকটির একটু বল-নোষ ছিল। ভললোকটির বাঙালী পরিচ্ছদেব জাতি লক্ষ্য করিয়া তিনি ইংরাজীতে জিক্ষান্যা করিলেন, পাঁহুমি কি ইমুরোপীয়ান্ গ্র

নাধালী ভদ্ৰলোকটি বিনীতভাষে উজন দিৰেন—''আজে না, আমি ভারতবাসী।"

"তবে এ কামবার উঠিয়াছ কেন ? জাননা কৈ উচাতে অধু সমুরোপীয়ানদের উঠিখার অধিকার ?"

"কানিতাম, কিন্তু অন্তর কোপাঞ্জ উঠিবার আন পাই নাই এবং আমার এই টেনেই যাভাগর নিশেষ প্রয়োজন সে বন্ধ ইংলেই উঠিতে বাধা হইয়াছি। 'চাতাড়া ইহ' এ ক বাবে থালিও ছিল।"

"যথম থাকি চিল, ইলকে থাকি রাংকি উচিত ছিল-অকল: মতলাং আমারা েল না উঠিকাং। তোমানের জন সমতা গাড়িং থানা ছাড়িবা দিয়া নুইস্কান বেঞ্চ বাণিবাও নিজার নাই। এল জার্কা ভোমানের সভিত কিছুতেই আমানের জিল গ্রুতিহে না।"

"अहेता कवि न भिन क्वेटिक मा, कावन

aler monthes laura in patrice action acti

্পাহিন্দ এবাছ চটিয়া গোনন (রেবেছ পুটিছ ভিজানা করিকেন এই ব্যায়ার ভাষ চাইকিক ইয়ের সাত করিবেক

ভাৰতীৰ বাৰী ও ইয়ুরোপীবান বাৰী

ক্ষিত্র কন্ধ বিভিন্ন ক্ষেত্রকার বাবহা বেশিবা।

ক্ষিত্র ক্ষেত্রকার বাবহা ক্ষেত্রকার

ক্ষিত্র বাবহারে আহ এই ইউন্নান ক্ষেত্রকার

ক্ষিত্র বাবহারে আহ এই ইউন্নান এই

ক্ষেত্রকার বাবি পাড়ির বাকিবি ক্ষিত্রকার

ক্ষিত্রকার উচিত বনে করেন ?*

শীলভার কবি। তোমার বজুতা নাজাই শোলা সিরাছে। এখন তো বনিবার লোক ছইরাছে, এখন জুমি নামিরা বাইতে পার শি

ভদ্রবার্কটি উবৎ হাসিরা উত্তর দিবেন —"মার্গ করিবেন, এখন ছো নামিবার ভারিধা নাই।

ক্ষ হইনা পাহেব জিজাস। করিলেন -ক্ষেত্ৰ তোমার স্থবিধা হইবে ?

্ৰাহাত অংশছিল মাত।"

ক্ষাই সাহেব ক্রোধে ক্ষলিয়া উঠিয়া বলিয়েল— 'একটা মাঝারি ঠেশনে থাবিবা বার শান জোমাকে জোর ক্রিয়া নামাইয়া

ক্ষালাকটা বিনী চভাবে উত্তর দিলেন— ক্ষান্ধার কল্পঞ্জ ন

ভাৰণোকের বিনীত কিছ দিছিৎ
প্রিয়ান পুশ উত্তর থানতা অভ্যান কুব কালের সামের জানাকে আন কোন কাটন কালেনিবলিন্ড সাধ্য কারিবেন মা মাস মান বিরাম্ভারনেন, বে টানিবান গান্তী-অকাড ব্যানিক সামির সোনে নামির বির্ স্থানিক সাম্ভান উৎসক নাম্ভিক বির de die de diec.

The state of the s

ভন্তবোকটি জিলাবার দিকে একটু সমিরা আসিয়া সাহেবের কিপ্রগতি ককা কাইম মূহ বাসিজেন। একটু সারেই দেখা সেল সাক্ষাক্ষাক্ষা আইমা সাহেব সভাবিত বিভারনারে কেই কিকেই কিলিতেকেন।

প্রতিবাদ নিশ্চিত মনেই বলিয়াছিলেন।
গার্ডকে নইনা সাহেব ক্রমণা কামরাটিই
কাছাকাছি পৌছিতে তিনি ব্যাস ইইংড
প্রকটি তার সাতস্ন বাহির ক্রিয়া ব্রীরে
ধীরে পারতে আরম্ভ করিবেন

একটু পরেই দশকে ছবার থ্লিরা দিবা সাহেক বলিলেন Here is that obstinate fellow (এই দেশুন সেই এক-ভারে লোকটা !)

এক প্ৰনে লোক টাৰ পাতনুন ভগৰ **বাঁচু** প্ৰাৰু উঠিয়াছে।

গার্ডনাহেব চকু কপাবে ছুলিয়া বিশ্বাদী করিবেন —what are you doing Bank ? (একি করিকেঃ আৰুণ)

ানৰ দৈও হানিহা উত্তৰ বিজ্ঞান Just becoming a Klaropess Aller (এই সাহেব ই'বাম আম বি))

शकन वित्रक भारतारी नारका हिन्दका

-Witzusche dert ad too mens by HELL OF THE PARTY ছিন। ক'লাক পুৰুষ বৃদ্ধিকা—"লাগৰি সাহেৰ বাৰ্তসামেণ্ড গাৰে **ক** কাৰি প্ৰানেক প্ৰক্ৰাৰীঃ টেটুকু তথাৰ নের জন্ত চাৰিলে সাইসায়েক कि नाम नामकान जारा अपन प्राची बात केने पाकारेश निया न निराह्य अन्य योध्यासी सागात नेप कारामार्क व्यक्तिक स्टेटक ना। योगात चिक्क Small

Now, there is no half Mr

[শ্রীগিরিজা কুমার বস্থ]

চুপ্-চুপ্—কহিও না কৰা; এ নাম এনোনা মুখে কারে৷ বলি বাকে বুকে থাকে কেহ অধোমুখে श्राम श्रीय नाषा !

কার তাতে কিবা আসে যায় आशि यनि कित्रमिन शांकि मृद्र मीनरीन বেদনায় বিমলিন

निलीन धुलाय ।

তা'রা আজ হ'য়েছে তো স্থৰী क्रीरथा क्रिकी र'रन भरत भनाई बाबा महेक রহিত বিরাগভরে

वराद्य महारे

ভাষানের শহিতে জীবন আৰু ত কেয়ই নাহি— প্রশা শবল হার্ট্র চরণে মালে না ঠাই কোন সভাজন।

একটা চুম্বন মাত্র বাচেনাক' দিবারাত্র কছে'না—"এ প্রাণ পাত্র ভরি,' দাও স্কেছ"!

শতছলে তাহারা ও' আজ বার না পলায়ে আর ডাকিলে ও' বার বার গৃহান্তরে লুকাবার নাহি কোন কাজ !

কি শেল যে বেকেছে এ প্রাণে

ক্রুপ্-কভু ভূলে জালের বোলো না পুলে

তা'দের স্বর্গন্ত কাটা কোন্থানে

হাৰে থাক ভাৱা প্ৰাণে প্ৰাণে বাক ভাৱা টুৰিহুখে সানি কালাইরা বুকে বীৰ ভিতা, হব চুখে প্ৰেমের শাশানে।

প্রভাগ নহ

विशालक जिल्लामीनाई क्वितास अम् अ

क्षत्रवन नरगारव योग कतिहा छःथ ৰি, ভাষাৰ ভাগ কড ডীব তাহা কাহাকে बीनेबा लेक्टक का मा। अवनी, निर्मन, बानक, क्ष, ही, न्यूकर-नकरनरे साथन नश्याह অস্থলারে, আশন আশন কথনিদিট কলার কেছু সম্বল গড়িছে কেছ বক্তগভিতে এই करभदरे बाज्यन इंट्रेट बवाइडि गांड क्तिकाह क्या धावकान श्रहेशाह ! कंपाकृषि, मना ठक्का- अशास गकरारे चर्ने, व्यक्षांवरमान्दनत्र অভারণ্ড । তাই আপন **জন্ম উপিতভয়কে গাভ করিবার** উদ্দেশ্যে সমান্ত একটা উন্মানময় লোভ প্রবাহিত শ্বহিশাহে বেখিতে পাঙ্যা যায়। অতি ক্রুত্র পর্যাপুর কলান হইতে অতি বুহৎ একাতের बार्लाका नवाज करे ककरे दशक्रात सरीन ह ভাই ক্লাৰ সকলোৱই অতি পরিচিত জিনিব। क्षि छ: रचत्र , व्यवमान कि इत ना १ শাৰি 🕩 একেবারেই ছব্ভ ? লগতের

নাতি । ত একেবারেই ছগ্ত প ফগতের
নিক্তে গৃট্টপাত করিব। এই প্রারের উত্তর
চিত্রা করিবে অবছাই বলিতে হর বে হংশের
বিশ্রম আছে, শান্তিও একেবারে অনৃতির
নাত, নিক্ত একবা সভ্যা বে এ শাতি পূর্ব
নাত, আশোনিক নাত্র। ইহা ছংগের আভ্যা
করিব ও ঐকান্তিক বিরাম নহে। যোর
অনুবার নিনীবে, মেযাছামিত গ্রাক্তপা
বিশ্রম কণ্ডাভার কনিক অকানে বেনন
বিশ্রমানের আন্তর্গ করি ব্যাম বিরাম বিরাম

কাহাতে গৃহৰ সন্ধ্য কৰিছে।
কাৰ হয়, সংসাৰের কৰিছে।
বাহির আবাদত তেমনি।
কামনার কুবি নাই, আনাচার
নাই, চিরানজের কবতাস নাই-ক্রিক
সামরিক এবং আংলিক হুংব নিরোধ মার
আছে। ইহা চাপা অবস্থা, উন্তুক বার্কার
নাই। রোগের বাপাতাবে মর্বাছিতি কার
উপশ্যের মধ্যেও সেই প্রাক্তেন।

এই ছংখনিয়ান কি প্রকারে কানকানীন ভাবে হইতে পারে ভাহার উপায়ানিক বিপ্তারিতরপে থালে জনা করা কর্নন শালের উদের। দর্শন শালের উদের। দর্শন শালের উদের। দর্শন শালের অনুভূতি হয় তথ্ন শালারত সংল্ডের উদ্ধা হাইতে গালে বা বাহার। এইভাবে গ্রন্থানাপ্রকার করিবারে উপারি ভাষার সার্বারে করিবার আন্তর্ভাই থারি বা যোগী নামে পাতিরিক উহিলেই উহাকে আগ্রন্থ বন্ধ নাইতে পারে ইইলেই উহাকে আগ্রন্থ বন্ধ নাইতে পারে কি এই প্রকাশ কর্মনা আগ্রন্থ কর নাবারণের পকে ক্রিকাংশে বোবস্বা করিবার হাইলে উহাকে ব্যক্তির হারা সক্ত করিবার করিবার

विश्वक अक्रवान्त्र मिकी गोर ग्रीक বিশ্বতি হব ভাৰত প্ৰতিভাৱ क्ष्मितिन त्यास स्थ सा। वह में तथा क्या करा काल बहेरमध तार जिलाक बना जाशरक व्यक्तिश्री निरमात अविकासिकमास्त्र विकास कराव Coppe Marie ক্ষাতিক কি । ক্ষাত্তিত সংক্ষার অপ্নাগ **১**খ बा जांका मका निर्वाचन । डाहारक विकास ला क्रिक्स विकास मिरिक कार्राविक आह वही है नेप्रक साथ कि या एवं 可放弃 ্রাকার জাভাস অস্তদ্ধীয়ার। र्वातः । . सारा गांव ।

वार विक क्ष करा महा Title: Local **নিবাদের আগেনীয় কি সে নহড়োও** সে দৃষ্টিত্তিদ ্রী **আহে: ভাষার নামঞ্জন্য ধরিতে পারা** দাইরে। **्राध्य**े**दर माध्य होत्र मा, ७ कण त**रहा। ७ विश्वास शामालिय । नाई इ अस्ट्रावर ८३॥ अ ई । ক্ষিত্র মান্ত্র চার্য কি 👂 া.খ ার না, রতরাণ , প্র**ংখর , নি**র্জন - চাম - ইং। T 63 75 森を中で ₹5.3 51 57 \$=(4 ** (\$ 50 C) \$ (\$ 14 C) SICHE PROPERTY PROPERTY AND IN 🗪 🗱 भारे। याम थानेक हे, जॉम कुल्ला हाया। अनुशांबर्टी ह महाकार करियाद भीति । स्वाहः । हेतः त क्रिक्र राजा । वर्ष

বিচার করিলে আকৃতিশীন প্রাকৃতি ক্রমতা रहें. इ.क व्यवशात एवन बार्ट्स श्रीकांब করিতেই হইবে। প্রকৃতিশীন তঃপ নাট, "কারণ তঃখ রছোঞ্পের বিকার। গুণ এয়েব সাম্যাবস্থানদ্ধী প্রকৃতিতে তথে चाएछ विभाग खीकात कता गांत मा. व्यर्थार 5: থ (চ: থ এবং শোহাও) সেধানে কাবাজেলাকাৰ আছে। যাহা অবাকভাবে আছে ভ্ৰুভাৱের দৃষ্টিতে তাহা না থাকারই সমান কগান মুক্ত অবস্থাতেও জঃব নাই, কিন্তু শুধু এই দুঃশাস্থাব অংশত মুখা নাং। কেছ কেছ অব্**ঞ**া ক্**লিতে** ারেন যে পর্যতিশীন অবসাম উদ্ধরসমকোটি মারে, নাজিকতে একা <u>কা</u>ই কার্যার মুক্তে **মুক্তে মুক্তি কা**ই**কেল** থাব শ্ৰব্যাত্ত হয় না। ১৯তে ও এগানে (এ আবোচনার এটারাজন कारों। अथान ७४ वेदार्थ वक्कत्। एवं क्रिक्स মুখ্যার ভার্মানিত **অর্জা,** বার্মার **ভারো**ন · ।< भूष ४ ५ छ। यह भाषा । । । २ वर्गा **विक**्रका

বাং: এডক, মধ্যেষৰ প্ৰযোগাৰই বছিছ पहे. : में हिंद। इस प्रामाति छहसी जान माह 🗝 ভাগের ব লা দার্শনীয়া গ্রিয়াটে ক্রমকারে হয়। क भी कर्ना का अग्रमत তাকার থাক ডাই। ্ৰান্ত আন্তব্যৰ ভাক্তাৰ গ্ৰিন্ত মা ক্রাক্রালাক্র নিশ্বকে হ্রাক্রান প্রধান ব্যালাল বালক নাব ওবো ভাবকে প্রকার্য মধ্যে স্থান কণা সাইতে পারে না দ

- अर्थ (श.क. वाद्याया, अर्थवा माध्यम् अस्ति। कि

कि भागा के किया है जिस के अपने किया है अपने हैं है जिस करने हैं है जिस किया है जिस है जिस किया है जिस क्रमा विकासि विनाम देवर पहिला मुक्तिन विभारक विद्यानित । कि १ विमानि व मिक्षास वर्णात क्रिकासमामा रम का कात्र तिरामन करपीरकार मिनिया मान करताम यम को १० %। इन्डरण अनुस्तारमा कि बहुना में हैं किया में हैं। भी बार्व न विकास के विकास देव हैं काइड र

শক্তির ক্ষাত্র বিভিন্ন ক্ষেত্র কারি ।

আনক ইবারে নামারক এই আনশই

ক্রাত্র প্রায় হারাজ্যক নণ্ডুত প্রার্থ,

আনার্যাত্র নাম। তাই আনিয়া হউক, না

আন্তেক্তর আবি—এই আনকট ভাষার প্রেয়ঃ

প্র বাট, শ্রেয়াও বটে।

ভোগ ও মোকভেনে এই আনক অজ্ঞান সমতে বিবিধ খালিয়া প্রতিভাত কর, তাই পুরুষার্থও গুই প্রকার। ভোগ এচিক ও পাৰ্যন্তিক ভইপ্ৰকাৰ—ইছিকভোগ আবার क्षामिनी (काम) ७ काकम (कार्ग) और গুৱ ভাষে বিভক্ত। পাৰতিক ভোগ এক প্রকার (ধর্মা)। এইভাবে সাকলো পুন্ধার্গ চতু বিধ-ত্রিবিধ ভোগ ঋপর প্রকার্থ, আর মোক भारत्यकृतायां। इंशांके व्यक्तिक ठळूर में कन। ইহার মধ্যে ভোগাত্তক আনন্দ বিনহর, মোক নিতা। একটি হেম, অপরটি উপাদের। বেখানে ভেগ্ৰে সেখানে মোক দাই, বেখানে भाक रमधारम रकाम माछ। वृक्ष्म ७ एमका পর্মপর বিরুদ্ধ-ভোগ ও দোগও বিরুদ্ধ। একাধারে বুগণ্ৎ উভরের সমাবেশ সভ্রবণত বিশেষতঃ ভোগ ভজানমূদক। মোক ক্ষাৰ মূলক - ত্ত্বাং উভরে সামধ্যা নাই। ্যোগৰাৱে এই জনাই বিভূতিকে কৈবণ্যের অন্তরার ব্লিয়া বর্ণনা করা হইয়াছে।

সভা কথা। কিং, আগম বলেন ইং।

চৰুম সভা নাৰ। ভোগ ও মোক একই

কলেন্ত চিবুসক্ত ছুইটি নিক্সাত। যে মুক্ত

(48.8 28.8 ESIS) THE CAN CALL PARTY STATES CI TIMENTS, STOTABLE STREET TIETH THEIR PRINTS OF SEPRENT रकाशांत्र नाहरत । यजना कर कामाना दहरू देनताना असमयनम् । असम् त स्टेस हिल्किकान ना स्टेड शासिक ग्रमाबीकारमञ बाह्यक्त शास्त्रा गाम ना दक्तकाव क्र भवपार्थः आठा ४ क्लाक विश्वसनी बेरा जायात्रकाकृत गरा निकर একমার ভোগা। সভা সভা ভোজা 😼 ट्याका कान टक्क मारे. टकाम विवस्तिन माडे—"(डाटेडन (जानकरन) मान मनाव उत्म अकडे ेन्द्रकाव क्ष *(মাতহাতীত) আশান লউজন আমোহক গ্ৰহাৰ ও বিমৰ্গ অথবা কিব ও ৰঞ্জি এই क्रिक कर्मक माध्यक्रकान विवासमान कारहर। তিনি নিতামুক, अधि নিতাশ্বানাপর। ভাষার অন্ধানের আভাদত পুর্ণাহস্তাচমৎকার वा व्याननायाम्। अस्मिनाम्बिरकारमः बाहाया मक्तरकथ थहे खरहारक महाविज्ञ त भावदेवचर्या जोलहा दर्दना कतिएक स्टेशाएक, ध क्श बामवा कृमिकाइ के श्लाहना करिशांति। काउत्पत्र शाही माना तर नवमन्त्रशर्व छाहा त्र अकाराद्य दशान अपनाक केन्द्र बार्स किन ि । इंदेबाब व्यात्री छोराट्ड देकाम गरेनाह राहि :

াচিদাঝার বহুণ কি ? ইবা ভাগেছে পারিদেই পরসাক্ষার্থের স্বর্গত স্থানিক

প্ৰকৃতি বেগানে প্ৰবাহ নগা ক্ষাত্ত নেতাৰে প্ৰকৃত কাৰ কাৰ কাৰ্য্য কৰিছে হয়ছে

কাৰ কি বেগানা আকাৰ কৰালি মুক্তি লাভৰ প্ৰকৃত নি নাজ কা বৈশেষিকাচ্ছ্য আৰ্থীৰ প্ৰবাহনত স্কৃতি

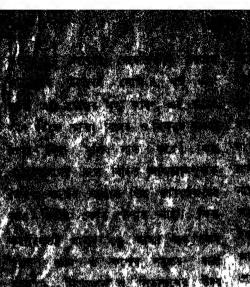
কাৰ্য্য কাৰ্য্য কাৰ্য্য কৰিছে

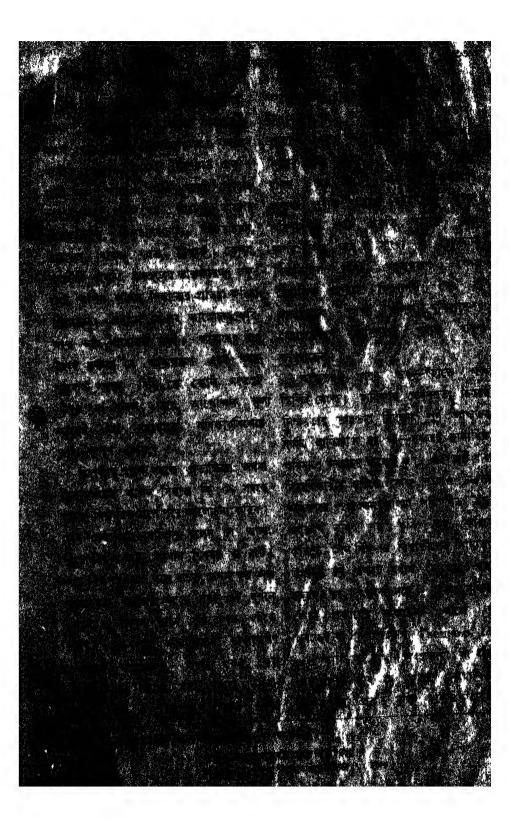
কাৰ্য্য কাৰ্য্য কৰিছে বিশ্ব কৰালি মুক্তি লাভৰ প্ৰকৃত নি নাজ কা বিশেষকাচ্ছ্য আৰ্থীৰ প্ৰবাহনত স্কৃতি
কাৰ্য্য কাৰ্য্য কৰিছে বিশ্ব কৰিছে

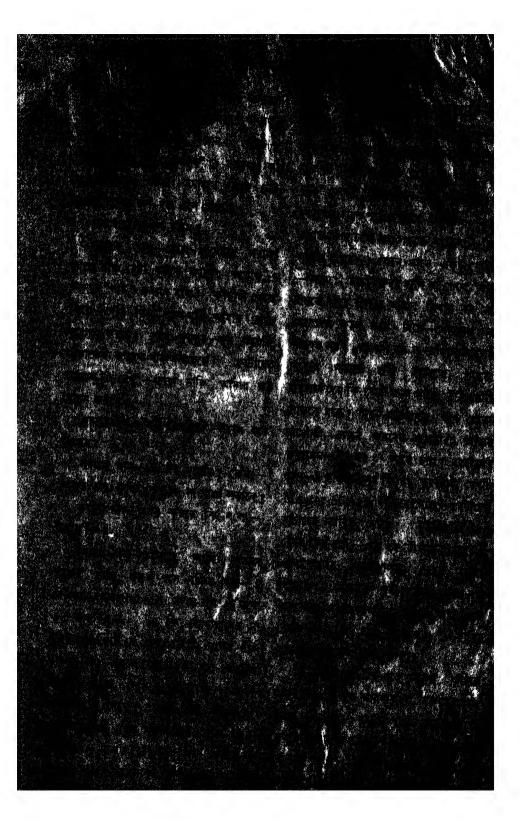
priority of the private private the contract of the contract o

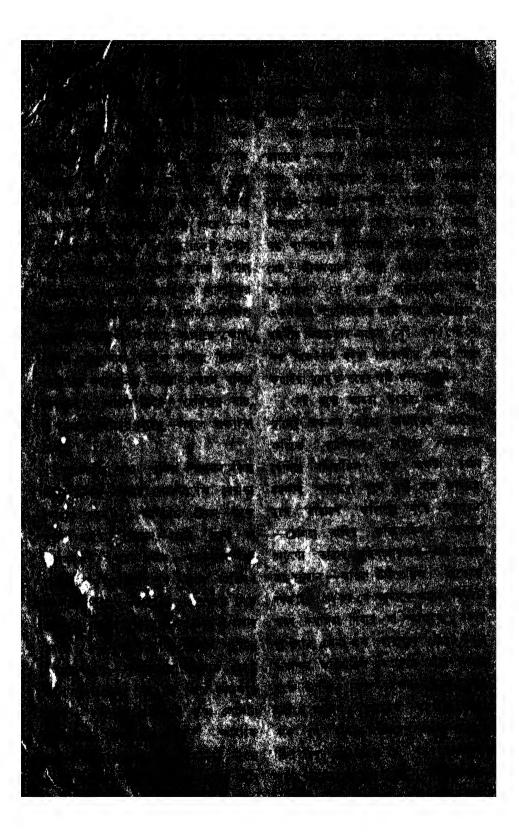
TO THE POST OF THE PROPERTY OF

AND THE CONTRACT OF A SECULAR PROPERTY OF A SECURAR PROPERTY OF A SECULAR PROPERTY OF A SECURATION OF A SECULAR PROPERTY OF A SECURATION OF A SECURATI









ক্ষা কৰে কৰা কৰিছে। সৈতে কৰিছে বিশ্বস্থিত কৰিছে কৰ কৰিছে ক

A STATE OF THE PARTY OF THE PARTY OF

person from a real mass of the company of the compa

1

para vara versani

anne et et stat significationer Stationer alleg et englester signiture et experie - Decidentale signiare Boshe anne Sol

The mode, everythic file of the manner of th

111 1 PR 101 52 - 111 110 110 1 the feet and the cut-and the care of

THE STATE OF THE PARTY STATE OF THE STATE OF company have also water a, ce a states a all best THE REPORT OF THE THE PROPERTY OF and the same and the cure of the land and the same of the same of about a superior of the superi THE PART OF STREET PART OF THE शास्त्रज्ञीर क्रांचा मात्र रहापारक प्रान्त ना व्यक्ति क्रांगांक रहापा प्राप्त है and the same and the second second second second second where where care trains that because her the me are the sec CONTRACTOR OF STREET AND A STREET ASSESSMENT OF THE PROPERTY O gen de gelade fort office derent aller d'il et l'orden des des des des des des des de la company de la company La gelace de la company de THE WAY AND THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

AND THE PARTY OF THE PERSON OF

been from the tests with a section of

unit supplies with the reference when the land

THE PARTY STREET, AND THE PARTY STREET, AND THE the series has been a deep big THE REAL PROPERTY AND COME CHANGE WELL dens divis sing and a very militar artes, sear shrites, as in the IN MEN ANCIA SILVER BICCO, WISH ILES, THE MARKET OF MEN THE REAL PROPERTY OF THE PARTY PARTY. THE PARTY AND PROPERTY AND THE PARTY AND THE profes Manuale and Policewin of the little from the CARDYNA MED TO COME FRESH CO. FRISH CA. MALE MANY THE COM THE COST STREET, CAR A THE TAX STATE STATE STATES AND STREET STATES

THE NAME OF topic along, tonibe leasing, at starting that extens and leafer ALLE THE LAKE BROWLES

ore and represent the state of the state of

AND MATERIAL STATES THE RESIDENCE OF SHIP PROPERTY. र्यमा

POWER STREET FOR PARTY POR THE PROPERTY OF SHAPE PARTY SAFE BEAR COUNTY REPORTED AND IN Michell what was counted donier following and committee the committee of क्षा अवेग जानिका नास्त्री तीर्गत व्यक्ति AND THE SER SEE STEEL SHEET when worth carto wan firsts. mentals / april and 172 Arrest and the state of the

ver matrice wishes off BE THE HER BOTH TO SERVE

THE PROPERTY OF THE PARTY AS NOTHING private of the last order to the last of the second of the MESS TRUE THE STATE OF THE STATE OF war got favour wints He Street THE PARTY CAN SET ! STATE MARKET नाम् मार्ट ।

PRINTED REPORT OF THE PRINTED THE RESERVENCE OF THE PROPERTY OF THE PERSON of same of a Constant was got the THE PERSON NAMED AND POST OFFICE AND PARTY. "And It that Many that the HOW WITH S COURS FORM !" MA SAN COLUMN TO SAN CONTRACTOR OF CONTRACTO PHILIPPINE THE PROPERTY IN MARKETINE THE REPORT OF THE PARTY OF THE CHARLES WHEN SOFT WALL DELIVE AREA & METALE SILVE THE PARTY PROPERTY AND THE PARTY IN THE REPORT OF THE WAY SERVE TOTAL PARTY STREET, ST

re come promote collecti ring cults. The Long on 1827 in a Before all waters and control control CONTRACTOR AND COILS OF THE STATE OF THE PIRTY OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF HEAD TO STATE OF STAT cert ca na v. what is colonal i भूतिमा बाबा बरेशाहिल, क्यान ओहोर द क्लोबारम निर्दे (नरहरू) केवा व्हेटकार : পার্ক্তরি ওকাইছা সহবাব কর, ভারাদের म म मान्द्र जनम छात्र मानदान्य मन कर्राटाइ । केनकाति हत्ति गांशीन हिलारह ; 10 20 WART TON HAT & COME, ... कर्मुल लिखा निर्माट वारतन, किन अ अक्रमेरिया पुरहे ताव -- मार्केंगे वीक्रदार ante afort

The second of th

altimenta a unit me diale un alle un a

com as as contract one of the second of the

STEEN!

Batter word

কোৰ অবলানার কালান হোত । ছিলে আত গেবের বাবি ।

বিলের পরে নামার টালে কালা হোনার বালানার কালানি।

বাবার কোছে, লোহ প্রোলার রালানার হালে বাল কালাহি।

বাবার কোছে, লোহ প্রালার রালানার হালে বাল কালাহি।

কালার কোনার কোনা প্রালাল বালাহি।

কালার কোনার কোনার কোনার কালাহানি।

কালার কোনার কোনার কালালি কাল কালানি।

কালার কোনার কোনার প্রালাল বাব কেলেলে আতে কোনা।

কালার কেলেল চাইছে সলাই কোক্না (কালাহানি মেনা)

কালার ছেলেল চাইছে জাল লোহার ফল কালি মোনা

কালার ছেলেল চাইছে জাল লোহার ফল কালি মোনা

কালার কোনা বাবা কালা সালার কালাহানী

ভালার কিব এই কলারি লগা সালার কালাহানী

ভালার কিব এই কলারি লগা সোলার কালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা সোলার কালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা সোলার কালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা সোলার প্রালাহানী

ভালার কিব এই কলারি লগা সালার কালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা স্বালার কালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা সালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা সালাহানা

ভালার কিব এই কলারি লগা সালাহানা

ভালাহানা

কালাহানা

কালাহান

অবিল দেশে

शिकामाचा। हर्न तह एवं भग ।

ছারাজ্য প্রচ্ছের এ সক্তর্নত্ত বলে পারুষ্টের সাগর বেংগা

ক্ষি আমু শঙ্গোপরি দাকার্গ্র তলে । কীণকায়া নহরের সাধে

त्ताव भाकि स्थाएते वृष्टियानि टनटले नमाला स्थापन विकास

बार, कारावद करी। करन नामक्रित अके सम क्रिया क्रिया

প্রথম নবের কিলা কেননে খনিবেট কোনে বুলি, শ্রিল ডা মানাম)

সেই কৰা বুকৈ নিয়ে আহাত তনে একা কাটে মোর দিবৰ নাকারী

া লোকসা বাকে ছেলে থাকি যদি লাই বেৰা ভুলুন নাৰি স্বাক্তবৰ কৰি।

र शिव देगिकार

े हैं Code भाग अल्लाह र

विकास महिना मोक हा को बहुन महीतु अहितास हाते. तर पह कर का का प्रतिकार के देवा के का का महीते के सकता हो। - १ १ १ में १० १ में १० में

ধলাৰ উপায়ে আলি যে আজি, যাকলে নাৰ ভালে আৰু ভিচু না, তাই মান কৰে প্ৰদান আন বা তা গুলীপাক নাৰত গৰাজেৰ নিম্পালনীলপাত নাম বা বা ভাৰি মাজবানে প্ৰবাজেৰ কপু শাসনে প্ৰবাস নাম শানি কৰিবা প্ৰানে এক চলাজ্য নাম নাম নাম নাম

्र कुश्च-मामत्त्र मान्य अस्ति क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं व्यक्ति । अस्ति सुन्धु शक्ति क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं व्यक्ति ।

অন্ন বন্ত্ৰ সমস্যা।

[খাচার্যা ত্রীযুক্ত প্রফুরচন্দ্র রায় |

শানের পাজত মদনমোহন থালব্য শানের হিন্দু-বিশ্ববিদ্যালয়ের Hony:

শাবের হৈন্দু-বিশ্ববিদ্যালয়ের Hony:

শাব কোরে এগানে অসেতে হয় কৌ কামার শাবিকে আসা ঘটেছে বি এ কোনে।

শাবিক শামার ভারো এমন হয়েগ ঘটেনি।

শাবিক মামার ভারো এমন হয়েগ ঘটেনি।

শাবিক শামার ভারো এমন হয়েগ ঘটেনি।

শাবিক শিব্যালয় ঘটেনে শাবিক শা

মানি এই কয় নাদ ধ'রে আমানের অমান্য বিষয়ে আলোচনা কোর্চি। বাজালী ভারতের মধ্যে অনেক বিষয়ে অগ্রা—আপনাবের মধ্যে অনেক জানেন যে একনিন প্রাভ্যামরশীয় মহানতি গোগলে বোলেছিলেন প্রাভ্যামরশীয় মহানতি গোগলে বোলেছিলেন প্রাভ্যামরশীয় মহানতি গোগলে বোলেছিলেন প্রাভ্যামর বিলাপ্ত ভাবে সারা ভারতের কাল' ভাই ভারতে আরম্ভ করে। কিন্তু আমান্য কালার মান্যে বাজলা কিন দিন হ'টে বাজলার মন্যের মধ্যে ইহার হান—কিন্তু এইন সহরে বাজানাক আল কেরানী, অথবা কালার মন্যের ভারতে বিলাপ্ত বাজারীয় বাজারীয় বাজারীয় বাজারীয় বাজারীয় বাজারীয় বাজারী বাজার মন্যের মধ্যে ইহার হান—কিন্তু এইন সহরে বাজানাক আল কেরানী, অথবা কালাইয়ের ভিন্ন কনে বিশে দেখবার মধ্যের

ঘটে না। পৃথিবীতে ব্ৰেশ্নীত মত এমন হংখী—ক্ষনশানিষ্ট, মালেবিয়ালন্ত, লারিয়া-প্রশীন্ত জীব বোধ দ্য আব কোবাও নাই। বেন প্রন তালেরই অবস্থার কথা উল্লেখ ক'রে বলেছেন—"the most pitiable condition in the world." ক্ষন্তবা আবন ধ্বংলের গথে এডজে— দোলা ভবাজান, ত্রতিকের করাল গ্রাস্ট্র কলিড।

গেমন অন্ধ সমস্থা, বন্ধ সমস্থাও ঠিক তেমনই ইণিড্ডেছে। আমি আজীবন বিজ্ঞান চাৰ্চায় কাটিয়েছি। আমি যথন Laboratoryতে কাজ কোডে থাকি তথন বাইবেব সমস্তই ভূলে যাই কিন্ধ বাক্ষলার আজ অন্ধ ও বন্ধেব দৈন্য দেখে আমি আর বিজ্ঞান আগারে থাক্তে পারিনে, সেখান থেকে বেরিয়ে আসতে হয়েছে।

গখন মহাত্ম। গান্ধী সকলকে চর্কার ক্রেড়া কেটে কাপড় তৈরী করে প্রত্তে বল্লেন আমি তপন থুব কৌভুক প্রত্তের করেছিলাস; আমি কল-কারগানার অভিক্রেড়া নিয়ে সে কথা হেনেই উড়িয়ে দিয়েছিলাম এখন আমার সে ভুল ভেলেছে, আরি এখন মনে করি যে চরক। অসাধ্য সাধন কৈছেই পারে। আপনারা এই বে চাদর ক্রেড্রা আমি শামার প্রামবাসীদের বেওয়া এই চাদর থানি এই ওজনের সোনার চাইতে বেশী দায়ী মনে করি।

गड वर्ग्य जागाय अवक्रम लाए '४: ত্রেন্ডের চাক্রীর মন্তা ধুলাবনত প্রান্ত্র के'द्र अहै । इतकात महाज्ञात मीकिन इत्य-ছিলেন। তিনি আজ কাল খানে গ্রামে মিষ্টে কোৰাও ৮ ১ন কোপান চুট মন কোধাও ২০ মন কোনে চৰকাৰ জ্ভো তৈবাঁ শ্বছেন আর তা থেকে কাণ্ড় তৈরী কোরে গ্রামের বস্তাভাব দুর। কারছেন। প্রায় এক শাস বছর খোলে আগোলের ১৮.৫র শাং, জোলা ভারতবনে কেন, বিদেশে লোটা কোটী টাকার কলড় চালান ৮তে।। তে ব্যবসায় গেডে, জাতে আমানের দোষত বিশ্বব MICE; MINICIPAL COURS COLOR TO COLOR लिया विनौकी महरा भाग १०६० १४१७ লাগালন আর সব ঠাতী ছেলা ফলাক্ট কোতে লাপ্লো। শার। ভালের মরেব পক্ষীকে নিজেরাই দুর বেংবে দিয়েছেন: क्षम Manchester काल्फ मा लाहारन বুঝি বা দিগম্বর হ'তে হয়।

আৰু কৈলে কেবল কংগতেই ভারতবৰ্ধ থেকে ৬০ কোটী টাকা বিদেশে যাচ্ছে আন তার মধ্যে বাঙ্গলা থেকে প্রত্যেক বংসর ২০ থেকে ২৫ কোটী টাকা বেরিসে থাচ্ছে। আসরা এক একগানি বিলাজী কাপড় কিন্ছি ভাতে ক'রে আমরা প্রত্যেকবার ছ'টা ক'রে টাকা যেন মণিক্জার কোরে বিবেতে পাঠিয়ে দিছি। যাজিকাই ২০ কোটা টাকা বিদেশে না পাঠিয়ে ঘরে রাখ্তে পারা যায় তা'হরে আমাদের ২০ কোটাটোকা প্রাভ বছৰ এক্য ১০০ এই ২০০ কাটা টাকা বৰে এবেকে গেলে অভ : ব্যক্তি কাপান্ধ দেশেই কৈয়া কোনে হয় ।

अनेत्र केर्रात्र राज्य १ वर्ग केर्या अनेत्र য় কোলা ব্যক্তা কর্ন্তে পারে**ন। এক** क्रनाक आक्र घणात्र ग्रंग श्रम्ब नक द्रा. रा डिस তোলা প্ৰয়ার কাছি। দেখেছি। এক ঘণ্টা ্লাবে নেত কাউলে এই মানে এই ভোঁকা শার এক বছার ১০৮ ছবাব প্রতা হয়। ফা**পে: হুডে**জ জক খান: ৰূপেড়*** হটলে** ১৯৮ ছটাকে ১৮ গ্রি কাপড় চয় । তা। হ'লে দেখা গেল এক জন লোক ব্লোজ এক **ঘন্টা** ६८व माना प्राप्त प्रक व्हाद अर्थ वाना काला काला का भतिष्रः परा अनाशीयः कांग्रेस्ट भारतः একবার হ'লে এলে **স্বচ্ছনে** স্থা **স্থাতা তৈরী** কলা বেকে প্ৰায়ে আৰু জ্বন ফটাৰ ছু**ভোলা** ে বে ক্রে। বেশ সহজে কটিতে পার। ্ৰ প্ৰথম প্ৰথম একট কট্ট কোৱতে হবে ভার প্র আপনি সংগ্**যাবে**।

খামানের হিন্দু সংশারে প্রায়ই ২।১ জন বিখব। থাকেন ভাছাড়া 'দিদিমা' 'পিদিমা' 'মাসিমা ও আব আর অনেকেই আছেন। উবে বদি চবকা ধরেন ভাছলে তাঁদের আর পবের প্রকণ্ড হয়ে থাকতে হয় না আর দেশের টাক। বাঁচিয়ে কভকটা দেশের দেশান্ত করতে পারেম—পরীব দেশ ও বেড়ে বাব। আহি হিন্দু এই থানে সমবেত সমস্ত হিন্দু যহিলাদের আমি এই বোলে অহুবোধ করছি যে আপনার। প্রভাই অহুবা এক ঘণ্টা ভর্ক হুতো কেটে ভাব কাগান্ত ভিরী করে পরে আমার অহুবোধ দেশ মান্ত্রকার করে বিশ্বিক े नाफीरें अकरें में स्पी शर्फ। अरक मान कीयम वांत्रलांत यह शरत करतात काकान करें। **এই वर्षम् कर्र कि जा**लनहार रूप नाशाहर व शकि न मेरिन, र वान, न भिरमत ग्राफ राजन বছর প্রাক্তের গাড়ে একদের পদে জঙ দেব **भृष्युः**श्च सुरक्षा त्य । एक इसम् १०१२ । होम काणारमञ्जल । १ भू ७ तर भागतहरू के उसार अपन श्राहीत र व तु।। . ६०३० व ११६ व १९६०)त গাড়েদ নজ লয়েদ কল্পেন কল (साक भूदरे कर (प्रशः श्राः १ १ १ त শাপন্তে ম্ল্বন লাম্বে কেটি চবক। হ র্কম করে স্বাস্থ্যনে আপনারা ও এরুলের ম্বাকীয় পরিধেয় বল্ল নজ ১০০০ তাল করতে পাব বন।

क्वि वाल्(छन--'गा का १ ५०१ ५) ५ ५ শাসনা এ ভাব- আন ৮০ নে জন্ত -**অভএব আপন্**টেদ্ব প্রতি জন্ম। তাল কেন্দ্র তাল কর্মান ক্রানে করা চুন্তী **ेनिर्यम्म रह आ**श्चराव। ६३४: ठ०४४: २८ ८ নোম আপনাদের উপরেজ জন্মক ১০ব কৰ্ছে-এই চরকাব প্রচার : •

ভাঁচী ভার। চরক র প্রতের প্রথম প্রথম নির্ন চাইবে না দে জতো আপ্নাদেশ বল দী काशक (क्षेत्र) अदक्षीदादारी तकाम (व ५७ रहत) বিলাপী কাণ্ড যা, বিলাভা ক্তেরে কাপত্ত ভাই ট জাুপনার দল ল ক্রিজা কলত যে शासन मारम दिवाली का नार कान्य कार्य (भौकिस मां! अडे bसकार छा: " गांकार শেপিন হাষ্টে, শুধু হাত আসা চাত আৰ **এই করে কিছুদিন এক। মেরা পর। চাই**, পার স্থান মিহি কাপত এই দেখেই চরক। ব্যার ক্লাভে তৈরী হরে। ব্যাস মংগ্রা

াগামের মধে এমন 'ক ক্লাবেও অন্নেক্ গান্ধীর নিক্ষু প্রতিজ্ঞা করেছি যে অবশিষ্ট বর্ব। এত বাজের মধ্যেও উনি আমাকে নিজেব ব্যাত অদখানা খব বছ চিঠি গৈপেছেন সাজে তেনি পাঞ্চার রম্পীদের अक्ट र्थभामः करक्कम। भशाना (काल াবার প্রেপ্সগন্ত ভারত বাদীকে দরে ঘরে ক্রী চবকা , প্রান্তর্গা করতে বলেভ্রেম। এর गटना नाध्यति । त्रञ्जे (महे---(धगम मिटम्स কোনের দ্রা নিজেল (লংশয় ক্যান্ত বিয়ে ঘরে কেলের হয়, কেন্দ্রি নৈ ভর ভ্রীর গান্ধ পেকে ্ল কিংম নিজেব চুড়ীর চলকায় স্তাত্যে . ५ १० न न १५ ते न महान हो है। इंड न रहा है है। ক গ্রুত থকতে প্রকল্প। আন্দেশকভুলাতে বিশ্বেষ াৰ াকে তা কথা ওলিনি , নিষ্কের গাছির ব গ্ৰেম জিল্ফ স্টো করে কাপত বুলে নিয়ে णार र पान समी किं**कु वर्णवा**त सिर्देश শ্ৰু আমাৰ ২৫৯ এ মার ভাই বোন পুঞ্জীয় १ १८७ काइता है। तथा अन्याक वारमाहन, घटन **এখন** কাপ্ত হাব: বুনবে—ত্যাল ম : এগ্রে মামার মধ্য কটা একট ভাববেন, কাম ভারতি বল্ব। সংঘা**দের নিতা** কবে ভাজাৰত গাহি দেছি বাজ্লাৰ প্ৰীতে পরাতে হার ঘণ্ডা খুম, কবদর কাল প্রনিন্দা, প্র গ্রহা এই রক্ষ কোরেই ভ আমরা স্থয় কটিছি। বাঙ্গালী-সাহেদের অবসর আছে---ছাত্রদের চুপ কবে খাক্লে চল্বে না তাদেরট এখন জাগতে হবে, কর্মাঠ হকে करतः । अञ्च कां कीय काशदरगढ निरम मनामनि ३'८० 5मार्थ ना छाउँ वर्षः मकसरकरे साम-মাতৃকাৰ সেবায় মধাসালা শক্তি আলোগ करार् इ दिन

মায়ের অধিকার

शिष्ठां राज्यां वात्रता शामा श

1:1

'নাও, বংধা ভাই, একবার ্কালট। স্থাকি করে।'"

একপানি গ্রালাপী চকটকে কেন্দ্র লব উপর শোষাইয় অপর্যানিকে বার প্রাক কাক্ষা বড় শালা অরপার ঘ্রাপিডার প্র পোকাকে আলম্যা লবন যই। নি কেন্দ্র ব্রিয়া দিয়ের প্রান্ত লাল যা করব ব শিশুর কর্কণ ম্থাপানির দিকে সোলাকের না ক্ষা জার ব্যাকিকে গ্রাপ্রিন ক্ষাভ্রা, মুক্ হাসিয়া ক্ষিত্র, "ঐ হয়েছে দিনি নন প্রাক

শন্ত বাশেরেণু ভারে মানে মান গাছে

সেজে এট নাজে-এটি বিজ্ঞানক কোনে টোর বাস টোকা টোরা বিজ্ঞানিত বির গো, ধাবি ছেলেনে তো ছে বেশ না, ভেলাল গ্রাম ডি লব জন্তে কর্মাস স্থান্ত হলে।"

"at info, form, -- "

"পেটে । জনে মুগে লাজ কেন জাই।
নগত, এই আমি অভাদিকে মুখ ফিরিয়ে আছি।"
— বালয়াই মাকে তাকিয়া কৃহিল, "ল মা,
কোনাৰ জামাই কেমন নাতি নিয়ে ৰপেচে,
একবার দেখবে এগো গো।"

"ना लिन, मिन्"-

া "আহাহা, নাও, ভাগ কোরে ধরে৷, পতে

ালেক, —কেকে পঞ্চতে ক''নলু 'নাড **জা**ংকেল নিংক'

न क्यांत्र किर्देशम, "शालां, लाखाँक ্পার কট্ট কেলিনে তুকান কোঁত এন ত চাইনি निर्माण (र व्यानिक इति छ। के छ। चार्निक পার্বনি। কংলুই আমার ছেলেমডা, এর ্ম, লাৰে _মুবাল । সভি আৰি ব্যখন, এই স্বোটার ্কালে স্বে ভেলে পুণ করেছে। এবে পর্যো 10 中开一、四四 高岩樓 打眼 境 आभात केलिंग नवर्ड देरवा अवार १,४१ भारतक कताहरू, जा भारत किन्द्र कि न गांत सुरा क्षेत्रहरू। या । असम ल अक माना हि एकि म. ্ৰকে ভাৰাৰ ভাষাৰ ভাৰতিৰ দুৰু বাহ্যিকে কথাৰ ই र्शनम् । जिस् अकना । अंग्रहत (514 मुख्यिन) व्यवपुर्वा कारम "भीता, कि तक कि राज्य । तार्यकार्यत द्वा क्या वसर ालाद्वा मा हि. १४६ काले अपटार १३० व्याप्त १५ t) 司 以本有的社 (委員可)下 उत्मालम र्ने तथा (म रभा धार्य भारत १, ठाय क्रेडें हे । या द्याप क्रिक इंडेटर अनार हा বৰ্ষা জ্ঞা কৰ থকট্ৰপ্ৰতে ক ন ইল : वर्गम जिल्ला मिल । भारत कहन, "ध" াগরিবলা তে। ছেলের মাথাখানা দেখে একট যেন ভাষে পৈরেছিল—আবার মেয়েও যে বছ किमि किमा छेराज बनात छेरव मा, काएड बन्दा करव मा - के श्रीम , । श्रीमि मा दकादश

To State of the

ंकर केटर इटें इनारकता क्या कार्य कार्य भाव के हारा क क्षित्र मात्र मात्र पूर्णा अवि निर्देश हो, धरे टिंडा व्यथम, विशेष शामन अर्थ निरंग्रह ?. रे विस् কাউলোক অমন সাডদিন ফি,খিনে, অঞ্চলারো क्षेत्र टब्रम्ब ८ (का-"

"इट्यूटिक एका भिल्ल, এই वाह निम्।

् "लागुद्धे नाम्। एकप्रे छ्टल निध्याह প্রচাটে অক্টেব্রে থাসে গাছে ! প্র-গাপের কাছে গেওনা গোকা । অসম সংগ্র রেশালে হেতে এছি, বেখনা আঞ্চি, সা देशिकार माग्र क नामा । 'धार्य न काञ्चल । , চালা চ্ছেন্ত নাক, শুগাটার হাত নাকা, BE COST OF AB TOPE CARE LACA. 到海外之后(四)海江南江路门、2015点

াংগাল কালিফা উট্টাকে আন্তর্গা কভিনা "अ त्या, " । मेराशिव, इषांनांव किंद्रत েপরেরকে 🖓

भारतार पार (याकारक कवा) देहिएड নাহ'ছে এমধ্য কাহল, নাম চেন কি, একট্ট THE WITH THE

ें क्रिस १५ कर**गर**िक स्थाप

' যাচে যি দকলেৰ সমূৰে দেবো নাকি ৮ र्भ भाग संदर्भ हात्र हु"

্ৰুচ্চ এই মানি দিছিল কৰা প্ৰ

মুখ্যা কুষ্টাদ কৰিয়ে উঠাৰ ভেগন কেলখাত (१९) वासी में भी (में १५१४ (वहसा) करें **८६० होत जिल्ले हाएँ अवहें आकारण टरन** क्लिम्बि

एक्केंट्रे धीम साधा एक। कृतिके **अरक** निरम

क्ष्यम् शक्तियां ना ?"

"रेम् बाराद कि ?"

"আক্ৰা'থাক; এখন তো নে, বড় कानटक् ।"

"তুমি একে এথানে শুহুছে দিয়ে যাওন।। "खाळा. जहें दन।"

ক্মালা ভাষার কোলের কাছে শুইন্ ্যমিজের বোভাম খুলিনেই অন্তপুৰা হয়: (मावते। भूक कविना मिसा अलाहेश एन्। য়া**ইবার সময় যভী**নকে বালল, "লাই, ঐ ঘটে 对他一种心啊的内容许了!

がしずの ?"

"四门港」,如政府《中台《中门西河有州县,《李州台 \$ 59 4165 1"

中部計算公司 五祖 "明明母明 斯拉斯"。

"পামি কি বল্ডি লক লাভ, "আমাত त अधि १ को कार आहि—मांस In संस्था যভান ডাঠিছ। মমলার হার রোর 🕥 কে সাবায় कालक होरीनाम हानिए। नाहिन क्षेत्रकार Cमांथ्या कांत्रम, "काम्द्र ८४, छटन यासा" कमना एक ने छ छेछ है भिया सा।

মা আসিয়া কহিলেন, "সৰ যেন জি, "आछत्, (मका १).म (ल) (प्रचा गाँद्य । ६६६लिडी व्यवधारी द्वादं कीम्ट्रह, अकड़े द्यन काजनीक (महें।"

রামালরে লইয়া গিয়া কমলাকে কহিলেন, ्रम्बित्, आक्रिक् करिन रा । यहीनाक १९६८ "दन, गर्ना **क्रिय दगन, दगर्थ कि सम्बद्ध** भाष्ना १ ...

ুনা, ছানি পড়েছে।

"मामनारण भावति मा ८७६ मा इरस्हिनि ्कन १ (न किंग निर्दे, क्लांगामुम्ब संगठि 💇

" with "tifaca()"

जनपूर्व सामिश्व चिरुक्त केरित, "त-राय, वार्ड शरवरक, सान देवदेना कराता,मा।"

क्षित्र अक्षान क्लानिया क्रिश प्रकृति । भारतिक क्षाना करिन, "काशि कि प्रानन मा क्ष्म, मा जिल, त्य मकत्न प्रामान क्ष्मित्र क्षात्र का प्रकृति प्रामान क्ष्मित्र

্ৰুলা চলিছা গোলে মা বিকটা পীৰ্যাস ডুেলিয়া কাহণেন, "এ মেয়েয় ছেলেং ক্লয়াই, বা কেন গ"

ক্ষুণ্ডবে শ্বপুণ বলিয়া উঠিল, "ভোমা-দেৰ সহি ২ন বাড়াব্যড়ি বাপু--ভোমারি কোন্বড়োব্যসেডেলে হয়েছিল গোড়া

শারণার শাক্তা কাণ্য কাবি নে,
শ্রেমি বসমাব সেরে বপ জ একালা
না, বর্গ গ্রম আগ্রেমের সেরে স্থাক করেই
এনো ক্রেমের কো আফিল পেরে
ক্রেমার সময় হলো, ভূমি গ্রেম কথন গ বেয়ান ক্রি লো, কট জ্বা বন্ধারে নাতি
দেখা ভোর—

তেনে। ভাই এলে, এই যে আমাব কোলেই আছেন। ওরে কম্, ১৯৬। আদন এনে দে তো বে ? ভাল মেয়ে বাপু, বেশবে কোলে দের পেছু পেছু কি খুরেই বেড়াতে হবে! দাবা আমার কোনে চকুনে ঘুমেনে পড়লো—নাও ভাই একনি কোনে কবে। ছলনকার দিন্ধানি আর দেখতে হবে না, দ্বাহিটী হয়ে যাক। এরে কম্, ভাষাকটা

श्राद शिया व्यवभूति कहिल, "वा ना, निरंग

देशमान बाक्सी, इंबरे गांव ना ।"

काकाल एक के निर्माण

"साम कामनाल कामतः ।

কাৰ গোৰ নাৰা মাজা আৰু মা গাঁ টোলো ইন, বেৰু আৰু না কোনক কোকে কৰিয়া নিজামা কৰিল, "উনাৰে" বেছ,

द्रशहरू काह्मभा भिकास के हन । "अवदि" ८४५, ठिक विन्ताको, राष्ट्रीय २००० २८८६ . तमी अन्य जोडन, मा एकाव या थे

শ্মতিমা, বাবা কেমন আগতে স্থানাঃ একতা হুকো কিনে এনে দেবে।"

"তেব মা তোকে কিছু দের না, না ?"
"মা দেয়—মাজিম দেকে অই ৫ স্থামি
কেমন কোকে, কলতে স্থানি, স্থামি জলা
ভব্যতি কি না !"

্তি কো হংগ্ৰেম, এখন আন্ধান কথাও জবাৰ দে—তেওঁ নিং তেওঁ জোল চালে কৈৰে বেশ্যে না, তেওঁতে তালেওক না

ানা, আমাত ভালতাতে, প্রিক্তিতে তিকে ঘেছে, আমি মাত তালতা নেচে ত্র গ. ১ ৷ আমি মেডমতাণের হাতে দিউ——

রেছ, নানিবাধ চেঞ্চা করিল। আন্তর্গালাসন নিকে লিবাছিল, আনিমা কতিল, শান্ত ৬.ই, আবাদ আস্থারি মুম্ম চোহলা, মান্ত ভাকাভাকি কোবহেন---

रक्ष आध्र

्राप्ति भूषिक्रमान् काटड शाक रा. क ६. कामटना मा भी।"

হাঁা, ভাইলৈ ভোমার মালি আমান বাদে কাথতে কিঁ নাঁঃ

"না হা, শীমি থাকবো।"
"ডা, থাকুনা দিহি—"

"मा (मा मा, द्वाय देश कुएस) मा मा व

THE PROPERTY. েক্রার সক্লকে ফাড়াড়ে পাবকে মেন আস কবলেন, কেন্দ্র লেখনত বুল I TIV, MINE TIME

बाला सी दक्त है"

बाहात हिंदुक्षा नेयर नाष्ट्रिया निया तराटक नादत ?". कर्यी कहिल, "बाका विन छोहे, तारण कर्मिंगान अवहे सिवन्।"

ৰীয়াৰ সময় আহিস হইতে আসিয়। প্ৰাৰ্থীপড় ছাড়িতে ছাড়িতে ভাৰিলেন, প্ৰক্ৰাৰ এদিকে এনো তো মা

करेता कामिएक कहिरमन, "जे कान्य মৌছা হালভাইরের ক্ষেত্র বাজার হৃত্ত এনে কি দেৱো কেমন হলো **•**"

"\$17 \$ 65 C4 FF 1"

विका, उसे एकएक् मांड, स्पूर्त CHESTECH CO! ?"

े देवीच दका था। ?

अकानटक किरिया केनला कहिन, AT TOT I'

filleng an volle golf beg fen, मि क्यांतर पाहित भागार कि कि इंटरका, एटोर्स कहानाह अवस

निर्मित राष्ट्रीको कि ग्रामकात करन भएका लाग निक्षि वरकत काक कर्जा परताह अवान त्याक विक्रिकेन करनक कार्या भ्यात बाक्ट द्वाबाई दकार कि मान्डि

"ना, जानकि किल्मत ?"

"তাতো নিক্ষ বাব, স্বাসাই স্বাস তেলে - जमार (क) किहू नम् । आमि औ नानशमि। का. किष्ठ (प्रारम्भा कि कि

"माका, पुर रामिक्छ। मानान भारत বেড়িয়ে এসো।"

त्मोगमिनी वरित्यन, "आमि द्यीनारक मिथित, पूरे या, य**डी तात विकासारी अक्षात क**ढ़े दकादब तम्द्रम् दन।"

"कृषिरं था छ ना ।"

क्टे कि अशास्त हुन त्कारन बदन बदन चर् चाहरनद जातिके स्थादानि •"

पर्यराद विकास कहितान, "किंद्रणा, हि

"रूद्व आवान कि ।" इन्दर्बटक FACE CHAIL

the air, while will, with ere are the t

The state of the s देशक विकास सामा के विकास कर्मा द्वामार्क शहर मानुष्य (कामर रहेगी)

अविदेश करवार दिन । काकाल १.नी में

दश्रमां कर है। एक मह

Mark Celula Provide State Design नीत्य विकास एउन जननार्थ से जनात्म नगरन कविन ?

espection mailled. "Africa 1984. श्रम्पाका के द्वारवाद शास्त्रप्र वा विशेष ? बाक निका द्वालिक. त्या पाःच अवस्ताव

federal Plains भी के का नाम में भी पर किया के जाता है है के अपने किया है कि का जा मार्ट है है है कि किया है कि किया है कि किया

হেৰা কিলে কিলে মালে লেকে ল'

CONTRACTOR STR water overest state THE PART OF

La mile at the River THE PARTY OF CALCULATION OF THE

THE PARTY OF THE P The state of the s faces and ones contention

क्रिया हो की व दे कर्तीका जिसे जिसे हैं wille and the second of the conorganisms, output to the second भाविके से इसे संबद्धिन विश प्रमुख निवास क्षानिः हाहिया गहिया गहिया प्रदेशि (क्षामिक निवास कार्यास वास्त्रा अस्त्रा CONTAINS

The state of the second section of ute is colone un 920 king

Additional to the Company किर्णाः स्थापिति विक्रिया

'डार ना द्वन FIFTH THE CONTRACTOR IN CO. िक्रम किंगा के प्रमाण कार्य करते हैं पर देखना, प्रमाण के निर्मा है।

स्मात्र हम, त्लामाय हजा स्थार CONTRACTOR OF THE क्षे के क्रार्श करते। बान क्रार्शनांक, क्ष DE AND HAVE AND ABOVE करते नहार कार्य शहर कार्य क्षी केहर व्यक्ति पूर्व परित्र विराहित

केंद्र स्रोति ने देशकाय एक मा विकास PARTY STATE STATE THE PROPERTY OF THE WIND OF CHAPTER CHICK CHICK AT !

THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE STATE OF

CH CALL MET BONE STA ES ON METHE STRUE STATES

े हा जामार के तथ तथाई कृषि (डा दर्गा (नार कर बार्ट्स) नामात्र रेज्यत करेकी महिम्बर क्षेत्र (परिदा कार्कि) जनका कर्ट ए एवा अक्षाव स्वयंत्र ना रू

"कब्रुट ना न दर्शामा त्यारम सार्वम शकार बोक्स मान्याद क्या कुरन गर्दा क्या ना का, काबाइ गर्न, त्राभ्दरद प्राक्षा विदर ह्वीरन कि कि कार्ब गांतान हेव जो । मकील उदाव चाए त्यंव ? शास्त्र के कि । चंदी, श्रीहरी गां the section and the abbeinging रेडडी इंटिंग साथ र जिल्हे देश किया जारति करेंग

बारिका रामनारक तनावेषक अन्तरीराज्य

त्मीवाहिनी को देशका और हर में कि की में बर के THE REPORT OF THE CONTROL OF THE PARTY WAS ALCOHOLD THE CACE I MILE WATE AIMS BOOK COUNT कर के लिकिता, के रूपने असी मेहर निरंप कि बादक ता है किएक है कि वस इस THE STREET und and mind and being the control क्रिक रे-रे बेरन के भर किसके करिया. and anything and the Private and the state or land to the

COOK THE CALL

THE FORMER SEATING THE SECTION OF THE PROPERTY AND THE शामिक व्यक्तिक क्षेत्र हिम्दर दान, ना छाउ कट्टाइ क्रिक्न (क्रिक क्राइटक ट्रान जीनननिवड चर्माकाको अस्त , जदकातीच गर्कारत तथा तथाक या मामा आर्थन आर्थन कार्य हैनर्ज गरिक, कि र तारम किन किन भार कर किर्ज के कार । रक्षा मार्च म , दलारक लोटक एकारक । विशेष कार्य भाग में क्या भारत्या वहा, बक्दे त्वामका भारतीय है स्वान है। क्रींक्ट्य नि । किंग्य कि क्रिक्ति है कि , क्रिक्ति के क्रिक्ति के क्रिक्ति के क्रिक्ति के शिक्षकोत्र करके देशो र गांतम दुखि १ है। दर्गान् (त्याम् न्याप्ति वाक् उन्ता मा क्षां उभ CALMITÉ CHEMI SE A.

े जिल्ला केला संस्था ५ में की हैं किया किया किल, जनमि किलान, भ लाखा।

भूरने अक्ट्री अहड १०० , रिन्ता अजिलेन क्षित्रक क्षेत्रक स्थाप अपने निर्देश करिक एक निर्देश 海南沙湖城市、江南京市、大海山、 安、大小道、人口、1942年 .महेदकार, मान मानिज्य तथा, रम्पा दक्षांत्रम "大利醇"·阿伊斯亚 " 127 对120 可用1 有 可146 点。 मार्के मिंगमा भ क्षेत्र ना प्रीकृत्य कि प्रोजाब द्रशिक्ता नार अध्वाद प्रतासने - प्रशेष्ट्र दिस्थापे दर्शाकिनादा **ह**ि। १ वन् दर्शन तथे द्वास दि दक्तादे जानि ना जिंग बदब पणन असंदर्भ, श्रीभाव देशकुरका, करन कुट कि आवाद अरक् AND HE WILL STILL STATE OF कारम ना बद्दमन देखा गान्द्रक नावि के हैं हैंने. AND THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY. MINIST MISS, CHE WE CHEST ESTABLISH SERVICES control of the authority and the authority tivilat aparti fa san face catal, cata TRANSPORT OF THE PROPERTY OF T

THE PROPERTY OF carica court descrip

के प्रतिकार

क्रमण र अग्रमक त्राचित्र अवस्थिति स्म किं, टाकात त्वांनाम त्यांगोक केलि, विदे दानगढ कि जिल्ला मा देखि निवस हु भी हम द ৰমী- কোনাম, আজি মোজসৰ প্লেটিটো 🛪 THE PARTY THE PROPERTY THE PROPERTY OF THE PRO we creat so with the state of the state of the यानिक्षित्री के करि स्माराज क्रिके हैं है है है ने क्षेत्र ्रायाहरू प्रत्न हत्त्व मान या सामाद त्राय 《西山田山寺 三

ारः ज्ञानास होड जा सा बर् STIFFE STATE TO THE STATE OF TH ८०५ वास्थार्यक के के स LEED TO THE PROPERTY . MICH.

ment and a second second TREE COTT TREE COTT

mariator in the control of the contr The contract of the contract o

CONTRACTOR OF CARRY

Secretaria (Secretaria de Secretaria de Secr

TO THE COURT OF THE PERSON Constitution of the state of th

े के कि जिल्हा की देखा। के पुर की 10 CF 17 17 WE THE MET WITH BEST The result of the second of th

The state of the s CHIEF THE THE THE TELL An absence to the same and the arthre atterns, tour after the er i Stanza osmetšia in 1874. S AT MEN'N THE SET OF THE P A PROPERTY CHARLES OF LANGE AND A

CARLOR STATES

er (der er i i i i i kreit) Gester stat victor vært

entre e pre-affe de la latin de latin de latin de la latin de l

The state of the s

PROPERTY AND ARTHUR

ক্ষাক্ষা প্ৰকৃতি কেন্দ্ৰ প্ৰথম কৰেছে এলাবি চেড ।—এছেছ সংকৃতি আছিল কৈন্দ্ৰ প্ৰথম কেন্দ্ৰ হয় হ' সামে হ' প্ৰথম কেন্দ্ৰ স্থাস আমিন কিন্দ্ৰ সংক্ৰেন্দ্ৰ সংগ্ৰাম কৰিছে।

Andrew were every at the

200

e de la composition La composition de la La composition de la composition della composition della composition della composition della composition de la composition de la composition de la composition della comp

TALE

TITOLETINI SINGER SERVICE

PROPERTY SINGER SERVICE

SERVICE SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE

SERVICE SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERVICE

SERV

STYPH CHES CONTRACT WITH CONTRACT CONTRACT CONTRACT CONTRACT OF THE STATE OF THE CONTRACT CONTR TOTAL SEASON CONTROL OF THE SEASON OF THE SE The second of the second secon

AND DE SER STEELEN TO THE processing the greek, are wis क्रिक व्यक्तिक व नाम द्वानक नावमा द्वीर propagation of the factor of aras con I

**** *** *** ***

Semanta Miller Street, an eff brig A. A. C.

PRESENTATION OF THE PROPERTY CTOP VALLED REST TO THE SECOND CANSAIR AS AR MARKE SALETINE

THE BUT DIVING THE THE PARTY OF A CONTRACT PLANS TO A

WELLSHIR FIER, "TE SITE!" and the except for all of the W. MET THE TREE PER A "WIE, WELTHIT!"

A PRICE STREET TRACH HE

from wife allow the spirits after the state of the state of the प्रमाण करिक रेपालीम द्यारण टक्स दव !

जाराक मेटा कोला है तर हिन, "क णाचि कि करि ।"

CHANGE THE HOUSE P.

भाक महत्राहित है

महत्र हे जा द की खार बरने जीवि कर् भीव काटक तुर हार्थ हा नाम नमाल में ते ब्यानेत्व निकास कार राज राज जमनी इविमान .

বৈশ্ব কোনে তুলিয়া আশ্ব, वितित्व । ध्राष्ट्र क्यां । स्पन्न शांडीरम क्षिक विश्वास (तास केल करिया). लेक्स क्रिका दम आंगात निर्देश प्रकर्गाय अहिंदी क्रिकि-किड विद्व राज्य मा।

ा अमुन्ति आवान भागा, पदाव लाहे. के ली काहती आभारक हिट्ड हो ना है घडरे आहेत व्याववाद व्यामांत्र, जन शेनि केट्टि-नीटक खेला निक्त आमारि तरक च ठक डीरक बार्स CHE TO WAY STATED BIR! WITH, FAIRER ালেশ বাষ্ণ ভুষা একট ক্ষেত্ৰকাৰ চুল্ছে (1)8) 姓称 1 一面盖、5(河() (神(甘)))。 " "

"के बाबेड रे॰ व राजरह, मान गाँउ" । निरंपत करिक प्र क्रमार्ति किएक ্ৰ কাৰ্যসন্থাত পুলিয়া ুলীচন্দ্ৰ চিচিউলা সম্পৰ্টে মাস পি क्रिकारकाराक अक्रिया दामिया वहिल, रमीमाधिनी कहिरेकन, व्यक्ति महत्त्र अविक Ten-fron A

Total con- with them, so I see the same contain हार मा हिट्राह, किर्न भटने, क्यों है निवार के लेके

अबद्धा ता नाम नाजारकर और अपमा अबका र जानान

त्व-दिकारात कि ना दशरह अस भारत पाश्तव कार्ड कृत्योदं कान् विकि लाह देवमादिः कि लिहे स्थान (शहर प्रामात रह कर : article at face laterial later - The करमान मूच श्रमात निष्क का नावेशा ीहे हैं भारत चार स्वरित ता रुगर वनसका निकरमार के किया है। या आके अपि आभात कथाम हर्वेडिम, मा ?"

বোৰতেই ভালখালো ?

किष्टुभन सीतहते था किश वास्त्री से ए हैं। अवाह का Carl, राष्ट्र । " टाकार पर्वाह नेवरता ।" भटकम, बर् मार्टर देखा जंदाहा '

"ME WILLIAMS STREET, SIGNAL

"कांन केवल दे

''বাব্ৰার চার গ্ৰাহ কর্বোট ব্র

े भारत जाता है। कर बार किंद्र ति किताका भारतक १९ कि. विकित त्यार मा स्था, १७ विकि

aragana charth a an third a

THE PROPERTY MEN CONTROL SEE THE CHARLES MAN DISCHARGE THE METERS WITH THE 21 PILLER PAST CITE OF METERS AND M भागा है दिस मानिया बजाय नामा के मान करते था करते कर्माक बाक कार्य नक निरुद्ध नेवानि में कार्य दारे ! A THING PITTER /

THE THE WAS COUNTY CAPINER WAS TRUE TO

terital and all and the control of t

al, in this was timerate THE TEN PER PER PER LA PERSON CON THE PERSON OF THE PROPERTY OF

and adamined in the end TOPING OFFICE TOPING a ser of a confidence of a fine for the ल जीवर वनावेश विकार देखिया छ। इस छ। इस ट्रम न्या किया करिता है। ब्रह्म विकास के निक्र देश देश के के कार्य के प्रशासी हतीय वृत्ता हराताक श्रीकृति aceance essue son cane, each

क्यमा व्याव मामनाहित्य ना भाविया क्रमा विकास के कि कामन विस्तर एक निम "एक । याद के कार मा बाह ने শিষ্ঠা কেন্টেই বেল কাৰ सामारकहे देखा देश करा है देखा। अब इस्त क्षेत्रा प्रकार केर्या दक नदार वन् दार्ग नार्माह, गन्न त्यां के नव त्यांत्र व क्षेत्र क्षेत्र व्यवस्थित । हे रेशमी होजा हुए। अगरा नार्ते । सूर्य पुराव काराव कार्य में किया के कार्य कार्य है । अपने के किया कि कि जिल्हा के कि the same of the sa state duce correct our for ninte alless And the fall of the property o THE PARTY OF THE P THE RESERVENCE WHEN WELL

> with the extra that affect the whate A MONTH OF A PARTY WATER

আনুষ্ঠা, আনুষ্ঠান কাৰ্যন কাৰ্যন পাৰিছে পাও। লিকাণিৰ গৈৰেছিল কন্তন্ত বা ইংগ্ৰেমিটি ।" কেন্দ্ৰীক ভাষতি

ক্ষেত্ৰ কৰি দেখাৰ পিৰনে, বাপন ক্ষেত্ৰ ক্ষাৰ্থকৈ তিন ভাড়াল, আৰু বে
ক্ষেত্ৰ হল বা প্ৰাপ্ত নেত, প্ৰমা, ভাকে
কিমা চোধেৰ কৰা কেলছে কেলজে তেওঁ
কোলো- কেন, ডালো কি বাড়া নয়?
কাৰণতে মেলৈ লামান পেটে জ্যাতি যদি
কাপে জানত্ম তো আঁত্ড্লাল কন চিলিয়ে
নেবে গ্ৰেত্ম! আন্তড়্বাল কন চিলিয়ে
কালে গ্ৰেত্ম! আন্তড়্বাল কালি বাবে
কালে গ্ৰেত্ম হয়, ভাৱ মুখনশন কালেও
পাল! যাত্, এমাতো বশাবকির দ্বকার
নেই আমাকে বিদেধ কৰো—"

শশ্বার্থ কিঞ্ছিং উফা উইয়াই কাঁচলেন, "আফ্রা, অফিন্স পেকে এই এল্ম, এগুনি কি তোমার প্রাথান্তি না করলে একেবারেই চল্লো না !"

শ্রানিই তোষত গলাবাত করি, নেয়ের
এইকথাকে মোনা, কেলা এলেন না তথু কান্ড
লিভ ভালেন। এত বছ আপেন্দা মেরের
আমাথে বলে শিনা, ভান করে কেন ? জারে
লাোলা, জানি কি পানে করি ছ ভোলি ছেলে
বানেল বলে কনি শানে করি ছ ভোলি ছেলে
বানেল বলে কনি শানে করি ছ ভোলি ছেলে
বানেল বলে কনি শানার আন কনিন ছ
তিন্ধাল এই লাকে কি আনি জিলেই বলেইছি
লাভার ছেলে কল্ড লিভে ধারেন আনি ছ
কেন, আমার চি ছেলে কল্ড ভালি জল্মুন্ত ক্রিয়া
ভালিনের বিশ্বাস্থ একটা জল্মুন্ত ক্রিয়া
ভালিনের বিশ্বাস্থ একটা জল্মুন্ত ক্রিয়া
ভালিনের বিশ্বাস্থ একটা জল্মুন্ত ক্রিয়া

'शिक् अवनं कि पावातं रखात शाउ ।'' ंशिक्षामिनी के इंद्र निजन सा ।

তেন্ত লি পাবে। না **°** স্থান্তলা, গেবে কবন।" স্থান্তলা, কবন।"

Amilia valida. Amilia valida (Marca, Fl Bill Balik, 19th air Amilia kalibana air Amilia (Marayan) (19th ুল্মবার কল বাজে বিজ্ঞান কৰিছে । বিজ্ঞান বিজ্ঞান

ି (ଅଟୋଡ ''आई ସେଟେ?'

আচ আর কিছে দেও বাঁটর চল চোৰ মুছিলা ক্ষিক কাণ্ডিক চালিতে ধতালে কহিলেন, ক্লাৰটো সাণ্ড নি লীবট নৰা মা, নি তেওঁ শক্ত

মৃত্যন্তের মধ্যে সৌনামিনী আৰু ক্রিক্টা মুনাবার বাহিরে আনিয়া পাছিলা ক্র্নান্তে সজোরে এক থাকা দিলা তুলিয়া ক্রিনান্ত্রী "নে, ছেলে বল

কমলা ইহার জন্ত একেবাবেই প্রস্তুত ছিল্
না- আড়ই. ২০৩৪. সন্ধৃতি সে বাদশক্তি
কালে তৃলিয়া লইতে বেন বাধা ক্রিক্তি
সৌদানিনা কল আনিবার জন্ত ভাষার বিরু
ভূটিয়া খোলেন। তারপ্র কেক্তি জার জত বাসকোলাহ্ল, অন্থত ভ্ডান্ডি জার জত বাসকোলাহ্ল, অন্থত ভ্ডান্ডি জার জত বাসকোলাহ্ল, ব্রুক্তিটি শক্তি

ক্ষু আৰু ই প্ৰথম, ক্ষুণ কা চোৰ নিলাল কোহিছা দণিতে পানিত মা ভাইটি নিলাল কেন নিলাকই নিশ্বেষ কইলা আনিক্ষি ছিল-ক্ষাপ্ৰমেশ বলীন ছটাৰ, জাহাৰই কোকে ছাইলা, ভাচাবই পাকাভাত কিলো, কালাবই নিকে চাহিলা কে কালাব মা ভাই কা আন্তাৰ্থ ক্ষুণ কালাব মা ভাই কালাবিল ভাই বিশাল বি কুল্বাক্ষাক্ষাক কালাব মা

स्वामात्रकान भाग अने वार्षाकरोत Chief by all Sout Sale Calain कारिक क्यार ट विका चात्रक मिन्न दाश दमार्टर श्रामकी मंग्रेर अकर् हमिका अविवादियाम ; जारंगा उनि रगण भारत शान नारे निर्देश सेवें अकेंग

बंदनीय मन बरेगा निमाह, विकास पावन करोता शोध कमनरे आहि। मूर्यत तर নৈ একটা কঠিন ভাব, গালকে অন্তলোকে ক্ষা বুচুকা কিছ আমি বলি অংশার লেটা নেইরণই আছে।

ক্ষিত্র প্রতিক্ত দেখিলাম পূর্বকথা मार ७ अभि कतिम TO পড়িয়া ८१म थ्याना शास भावात महन हमडे क्लाकी द्वाद्यत हैमड हरेग। त्यमिन कि अक्टो दाबिता जागा । ক্ষেত্ৰিক হৈছিল কেন আবাৰ আঞ কুলা কি বা বাছিল। তাহাৰ সী সম্ভত: विशे प्रकार स्रोताह ३१४ वेटेंग महन क्षेत्र ना किंद्र होने ज्याना के क्षाना स्माम ना क्षानियन क्रिका देश विश्व नव सकती करमत क प्रतिसक्त शक्त नक ।

क्षि क्षेत्र वर दिला नहान

मानाक काटक याया जामात्र महिक उसाह মিবাহের প্রভাব করিয়া পাঠাইলেন চউনি মামার বাড়ী আলিয়াছিলেন: সার ঐ মানাই ভাঁহাকী সংসারে একহাত আসনার বলিতে-ছিলেন। ৰাখাট একটু অছুত প্ৰকৃতিৰ লোক। অণান্তের প্রতি ভাঁহার কি কভান্য সেইটুকু করিরাই তথু কান্ত হইতেন। অপরেক উপরক্ষ তাঁহার কি নাবি তাহার श्तिवं कारना निन होशि इन मा। यानी डाहादक দ্বাবিষ। এ কলা বলিতেই তিনি বলিলেন ্তিতো সৌভাগা। স্পশুনার দ্যা। আমি বিজয়কে জিজাদা ক'লে কালই এক্থ আপ্নাকে খলে যাব।"

গর দিন আদিয়া তিনি বলিয়া যে বিগরের ইহাতে ত নিক্ কি ৰকৰ কোঁক ইইয়াহিল তাই প্ৰহাৰ किया का जिल्हा पर विश्वविद्यात है व व विश्वविद्यालन - क्रिकेट वार्थ का दिश्व व विद्या মন্ত্ৰ খুল নাই। খুছিলে আনিছার কি কারণ ब्रिटि शादा भागात त्यात थ्व सम्बद्धी শাস অনি গরীবাও নহি।

रिवात बामा अक्ट्रे केव्हरू: कविज्ञा बीलान, -'(म बागू ग्व धनीक दमार

বাবার চোগ मून रहार गात केरिन । जांगलाक डिक श्वानक क्रिका के प्रकार किनि हिंथ भौतिका "किस्ट वाहितक ने अकार डाहार genuter" nicht fenie biftete i. Giete ebris geftes eine bereichte

शिक्षित । जिल्ला का का किया है विक्रिय निक्रिय का निवास किया के निवास किया है। हिन्सा शिक्षाकित्न ।

क्षारतंत्र भारम लेए होग मन् क्षित्र स्मार्थ मा, नाना त्व केंक्स्क **একটা আনি ভগন** বাগে ভিন**টা** ক্রয়া ্ফুলিতেছিলান। এত বাগ ইততেছিল বাবার উপর !৷ আদান রূপের তব, আর অমার বাবাৰ অভন জিখাৰ্য্যে কথা খনিল, ভনিত্ৰা कामास अमन्द्रे शाल्या करेब, अया, इ.स. ११ वट ছাঙা, পুথিবাতে আর মে ছল कर। धारकरर भारत सहि होते कोन्छा करन पहर मा। আলাকে সর্বস্থ পণ কবিয়া লাভ কবিবাৰ মত্ত থানাশ্বিত হউবারও " লেকেন অভাকতইন না। তথাপি বাবা কেন দ অইমালী व्याक्तित सिक्त साम्य दरेश प्राप्त र सादा है। बारतब काल विकार सार्व भागाय চলা, এৰ - জ কলা গুলাল্যা নিয়াছিলেন ভালাখে আগি সমাই ইন্মাছিল্ড ভাগিকা ভিলাম কিনি, এন লিয়া কথাগুলা শূল্য গ্ৰহণে উচ্চতা - 'নিমেন্ত্ৰক সংল্যা! কিল এ মামাটির প্রকাশ এতই অভতায়ে খারাল জিনিমগুলি তিনি নিমেট অসিমূৰে পরিপাস কবির। সুম : মণ্যবর হান্ত । তাস একটা ফণাও রাগিয়া দেন না। এই বিজ্যবার্ বাবার কথার কিছুই আনিতে পাবিধেন না , निष्कृत व्यवसारिके पण्ड राष्ट्रिकाः। श्रहिनकः বিজয়নাব, আমাদের ওধান কটতে চলিয় क्राह्मम् १८ %

্লিতা সভাত হৈ দময় আনার মনটা ुकार्य अक्रकारण त्यनः गारिश गहरटकिंगी टमाक्का अप बाद निम् कटकड छ। दम शाकिक है काशांदक किस की का कथा क्यादिश किन इराज करें गाडि पाकेशन !!

बरण नाहें। डाजाव क्यांक कामि सामि कतितः शाहतः धक्यांता महन डेम्प्र शंक्र নাই। বার কে একজন টেট্র স্থারশিপ महेश्रा विकास नाईए : एकः वा देश्याकी मानिका দে খুব ভাল ছানে ইহাতে কোনো গুৰাৱীর া কিছু লোভ ফলবাৰ কলা পাছা भागः कार नी। किन्न भागादर शकायाम कतिएं भारत १ कथाने आर्थ কোন দিন মনে করিতে পার মাই। মো প্রভাগেন্টা বাগের প্রস্থাক্তা কালে त्यादन स्तुभा**छ वर्ष ध**कते। ५६६ मा ব্যান আনন্দ্ৰণ ও পিনার অগান ঐশ্বা লহয়।ও ১ র করিছে হইল। সে ধ্রশানের ত লৈ ভাল । বছত লালিয়াভিল। বনত এই र, दशा औरतम अन्य । भाषा शाकिमा एक्टि । সময় থামাণ ক্ষমনগ্ৰান हरनात' हिनद कडेटा। काल खान अनुस्य মনের মত বার্ন লাভ কবিয়া মানি প্রকা কপা ভূলিয়া গ্ৰেলাম।

ভারপর দশ বংসর পরে এই দেখা: াবজয়বাবু দে আমাকে চিনিতে পারেন मार्क डाइ, टांड्याइ, सरित्य : अल्बादनव जारारको युक्त बार्वाद शामिकते मंगुन्छ হ্বত্র।" /উঠিত।

বাড়ীতে নবাপ্লাবের স্বয়াও সাধানণ হিন্দু গৃহস্থের ভাষটাই বেশী কৰিয়া চেটিখ লাউ। ীৰাধ্ৰাণটা কিছু কিছু বিদেশীভাৱে সক্ষিত্ৰ চ্ছলেও খাড়ীৰ ভিতৰটোগ একেবালে দেশী-জাব**্, কু**তন বাারিষ্টারের গক্ষে এটা যেন काळे नाकावां क्रियां द्यान करें। विकय

ক্ষানিধ।

তি ক্ষা ক্ষাৰ ক দেব বাজের পাজাবী

ক্ষা ক্ষাৰ ক দেব বাজি আরও একট্ট

ত কর উত্তিয়াছন। গাড়ীকে দেখিলাম খালি
পালে ধাকেন। হাফ, গন্ধাননান বলিলেও
চলে। স্বামীন বিশেন অভাবোধ থাকিলে অভা
প্রকাষে সন্থাধ বাহিব হন, নহিলে নয় গণা
বার্হালো দরের কপা। নাম ধনিধান
বিশ্বিষাধ। ও লামনি আর গ্রাহাল মান্তা

ক্ষা জাহি কালো। বিভিন্ন

নাটি হিন্দুদেশ মত কালোঁ বৌ আমাদের প্রশাস কৰিল। চাপেশ স্বভতে চা প্রশ্বত কৰিয়া আমাদেশৰ ছজনকে ও বিজ্ঞ বাৰুকে দিল। আমাদ স্থানী। তেন এটুক তাল লাভিল। আনিয়া বভিলেন - "চাপনি ঘণুনে না, মলন ভ্রমন আপ্রভান গ্রেব করি ব'বে ইংবি করে। প্রেশে আম্যাদেশ গ্রেব করি।

কালো বেট । সংক্ সামিত প্রেম এক এব ডা**হিডেট** কিনি কিলা উঠিলেন জিনি পিচ থান নামি

লামরা গল করিছে করিছে চা গানা করিছে। দিবলাস করিছেছিলাম। তেশ লক্ষ্য করিছা দেখিলাস কর্মণ কৌ ভালার স্থানীর কথাবার্তা ভানতে ভানতে এক একখান চন্দ্রহ হল্প। শইকেছে। প্রা সভাই চক্ষ্য ভাইটিতে, প্রমন এক ন ক্ষেণ্ডিঃ ফুটিনা উনিতেলে মালাতে ক্ষাত করি। লাপ্যকেন্দ্র এক একখান ক্ষেত্রন বলিছে। কা সভাছেছেন আলান স্বাহীণ একটা গা আড়ার নতে প্রাহার চন্দ্র একটা গা

ক্রণো যো নিজে ২ইছে বথাও বছ একটা ঝা নাই কিছু িজ্ঞাস ক্রিল

খুব শিষ্টভাবে উত্তর দিয়াছে। এই পৃথাক।
এমন সময় শ্লীকটি বছর পিনচেকের জোল
ভাসিয়া কাল বৌকেকজ্যাইয়া গার্মা বলিলপান আৰু প্রভাবে না গ'

কালো বৌ ছেলেকে পূকে তুলিয়া সৃত্যে

চুমন দিয়া বলিল—শিক্ষাক দান নিচ্ছে প্রথা
করণে। স্বাফ্ল ও দেলা পজাব। তানপন
কালো নৌ চুমি ইমি কি ব্রনিয়া দিনী,
চেলেটি কোল লগতে নামিরা আলানের
ফ্রায় হাত দিরা প্রথান ক্ষিয়া চ্যানের
ক্রেটি।

সাম ভিজাল কৰিলাম—'এব প্ৰথ মাষ্টাৰ বাংগ্ৰ নিগুলি বিজয় বাৰ বিজ্ঞান— নিশ্য সামাৰ পী নিগুলি প্ৰথম বাৰ বিজ্ঞান— বেসে চা দেবছা, চাঙা ও ২০০ বাচালয়া নিজে তেলে প্ৰজ্ঞান ক কলা চল ২০ চালাৰ ইপ্ৰ অন্ত আণিছ সঙ্গৰ পাশ্যত সৰ মুম্ব প্ৰথম কাজে দাভান বা ইণ্ডাব মধ্যেৰ গোনে চাইবা, পাকা — এই ৬ বাহ সাধ্যেৰ বাংলে চাইবা, পাকা — এই ৬ বাহ সাধ্যেৰ বাংলে চাইবা, পাকা নাইব কৰিবাৰ বান্দ্ৰা থাকে। সেটা আৰু সাহিব কৰিবাৰ ক' দ্বকাৰ নাল।

ত্র বন্ধতে অপবান্তঃ হবতে লাগিক। আ'ন বাহোক্কটকে জিক্সে শ্রুম অপনার বার্ডার ভিদুর কেথিয়া আসি।"

ভিত্রে আদির। নিপুতি ছকানী নেধিয়া।
কিছিত কইবাম। জানী পাছ ওপুজা করিবার এব প্রাপ্ত আছে দেখিবাম। আমি
আতেহ জনিয়াছিলান ভিত্তর কেনি ঘটা বিজয়
বাব জ্তা পারে যাম না। বালিব জ্তা রাখিয়া
বাকি পার্যে নাকি ঘটে প্রবেশ কিছিব হয়।

আমি একটু হালিয়া বলিগ্ৰা বালা ু বাবে জুতা পুলিতে হইলে জানি কিন্তু আৰু গোল বিশ্বন হল কৈ ।" আমার কথা স্বত্ত ।"

জিজাসাণ করিলাম— "আপনাব বানীব 体州 1

कारमारेशे केन्द्रक भिन्न -- ''डीन भन বিষয়েই খুৰ বাদাবিদে ভাবে থাকা মভ্যাস আব বলেন মাঝে মাঝে মাটিও দঙ্গে প্রয়ের गण्यक्ती बार्चा भनीरवर भरक भाग २० मन নয়। তার উপর যত রাজ্যের ধুলে, জ্বার্ माभ आगात कि मनकात !

পার একট হাসিয়া গানার বলিল ববিবারে জাপানের পজে ভিলমা ৮-জা া मीक्ष त्वम काल, त्य छह रांग वारह्म ग्रीम काम भाइति। भारतत । १६० ५ सक नाहित त्वरण्यानि शास घरन कारक ।"

এটা সভা কথা যে গুলিগন্ত বৌটালে भन्भ ८५ श्रीत नो ।

श्रामात भूररक भारत जीवा जाना जाव হাদিৰে এ সৌন্ধাটুকু নৌন বেখেন বং

জিজ্ঞাসা করিলাম, — আগলনদের ব্যাগল জারগা কোপার ? পানর বেবিল ড, কেন नाम मा १" रहिति प्रकारित एउन दि. केंग्रिक भी स्केरिया भारती कार एक भारती है।

"वाल जाती है"

শ্ভামার বল ছেড়ে দিন। প্রতি প্র कान के आहे । यादा रेका ।

'বিজে! খাৰ ৰখ খালাদা হচ্চে থাক্তে **(和夏)**"

णामितना।" कारवारवी है। मिहुक किताहैश कर किसे एकरन य छ'आवग्रस अस्मारक দিয়া বলিল, "আপনি জুতা পালেই তাফি ছ'কায়গায় মানুল হসেছে, ছিৰক্ষ শিক্ষা বেন।" আমি বখন জুল পারেই দিই না, পেরেছে। দৈবগতিকে বিলাস ছ'ল ব'লেই নে স্ব ভাল গিয়ে ছভানে এক গবে ভার মানে কি গুরভাবের বা হ'লে কোনো শক্তি (नद्वे तल्ला १"

> ্রমন একটা সময় আসে বর্ণন নেয়ে মানুবের নিজের ভাবন। ভেড্ডে দিয়ে দালবাসাব জনেব কি দ্বকাৰ, কৈ হ্বান ছিনি এই সৰই মনে অপে সমান বেধি হয় নিজের অজ্ঞাত-সারে দুর্দ বাংলে যায়।"

त्रिक अकृत्वत्रके ज्यान जामिन ना। द्वीके द्वर कथा कर ना वार्ड किह ক্ষিত্ৰে পাৰে লেপিল্ম !

। শাবাৰ ঘৰে বি**ভানার**্ 'বিভক্তি .শসক' বোঝা**ই** বিহুণ कतियान '(र्यावात गत्त अम्ब (के में है किंग्ला) নৌ বলিখ 'বাত্তে খন কৰে পড়াগুনা ক্লা সংশাস।"

" "जिल्लाम का अकर है"

"का: atal क्रेंगर तिक्रिस्टलाटा हेन्द्रस 有到一公司中華 1

There - "efter the wind for the Be ানে সাম বাচক বাংশ হয়ত "মাইট্রা" चिनित्रा का किया प्राप्तिक नार । दी अधिया मिलन नारभार नेशो प्रिक मध्या दिवन, -"একট্ট হেছা ভূমি এখন থাও। পাছার १। ্একটু বা-সভাগে অপ্সর ংজয় পাত্র কে ববি-,-"পুর্বি মেন এই।ন বেচে হেন নাভাবা থানিক গাবে আমি যাখখন।"

বামি বিজ্ঞান। করিলান "রায়তি ক'তে হর বাকি ?" কালো কৌ বলিল—"একটা তর-কারি কালি, নৈলে ওর ডাল থাওয়া হর না।" "বরেন বুলি বানাত হ' পোড় পারি না

্ত্রীৰলেন বুঝি রান্তে ? থেতে পারি না ব'লে ৰণাই হ'ল একরকম।",

শনা তা কিছু বলেন না। এটা ভাল হরনি, বা এটা আমি থেতে পারি না—এ সব কথা ক্ষেথনো ওর মূথে তনি নাই। তোগবিলাস ওয় কিছুই নাই।

"এ বৃঝি মন দিয়ে মন ব্য করেন ? আছে। আপনি ত' এত করেন। এর পরি-বৃত্তে উনি কি করেন ?

"ওঁর ভালবাসা প্রশান্ত সাগরের মাছ। আইছে ক্তিই কিন্তু ভিতরে অসীন। এ আমাকে না ক'ছে দিলে আমি ছংখ আন সেইজন্ম বারণ ক'ছে পারেন না , কোরন রকমে আমি ওঁর যোগা নই—ক্ষানিক চেহারা দেখেই তা কুবতে পাত্রেন। তা ওঁর এত ভালবাদা।

কালো বৌরের চক্ষে অঞ্চ কট্রন উঠি। আমি অস্তুদিকে মুখ ফিরাইরা ইাসিলাম।

উঠিবার সময় কালো বৌ আমাদে। তজনকে ভূমিষ্ঠ হুইয়া প্রশাম করিল।

মোটরে কিরিবার পথে স্বামী আমাবে জিজাসা করিলেন—"কেমন দেখিলে ?" আদি নাক সিট্কাইয়া বলিলাম—"বজ্ঞ সেকেলে।

তিনি একটু গন্তীর হইয়া 'শুধু বলিলেন-'ভ"়" (জন্মশঃ)

বৈচিত্ৰ্য শ্ৰীসামফল চক্ৰবৰ্তী

(25

শুরোপ মান্তবের সব জিনিষকেই
বিজ্ঞানের ভ্রফথেকে যাচাই করচে কিন্তু মান্ত্র্য পদার্থটি। বে কেবলমাত্র দেহতত্ত্ব, কিন্তা করিতেন্ত্র, কিন্তা মনস্তত্ত্ব, কিন্তা মনস্তত্ত্ব, কিন্তা মনস্তত্ত্ব, কিন্তা মনস্তত্ত্ব, করি মনস্তত্ত্ব, করি করা ভালাকের সেকপা ভালাকের নি করা বিজ্ঞানার সি

্নারে পৃথিবীতে বে সধ দ্বাধান হও সে বৈন একটা ঘবে অনেকগুলি ছারত চেলে কুট্লে বেম্ল ঝগুড়াঝগড়ি কারে তেম্লি। তারা পর্কারের সেইটুকুই ভনিষ্ট করতে লারত রেটুকু শুরু নিজের শক্তির ঘারাক্রির। সম্ভব। বর্ত্তমান যুগ কি করেছে १ না

পরবল হয়ে এক ষথার্থ নদ্দকাননার পরি
পূর্ব হয়ে হাদের কাছে এসে বলেছে—"ওলে
ছোট ছেলের দল, বর্তনানের এই সভ্যতার
মূলে জন্ম লেষে কিনা তোমরা সেকেরে
বন্ধবদের প্রথা অনুসারে ইলছ করছ ?—
এও কি তোমানের মার্কী নভ্য করছে
হেল মত, কুরিমানের মার্কী নভ্য করছে
হেলল যাও, আম্বার্কী কর্মানিক দুর্করছে
লেলে যাও, আম্বার্কী ক্রিমানিক ক্রিমানের স্ক্রী
লেলে একট্ স্থা ছোক্ !" এবং এই বলে
আরুত্রিম হিতাকানীর মত আনন্দনিও মুদ্দ
ভাবের প্রকাদরে একেয়ারে নৃত্ন কলে মুক্ত

শিন্ধ কৈ ত্রী চক্চকে বিষম্বাধানে। ছোর।ছুবি, আঙাৰ নাগানো বোমা, বিষমালাপুৰ বছাণাতি অভৃতি বৃদ্ধনিবাৰণ ও শান্তিবক্ষণের বৈতিত্র ক্ষত্যাধুনিক শান্তসরজান বেশ গথৈই প্রিনাণে নিয়ে গেছে।

এইবারু নগড়ার বিহরও হয়েছে বর্ড এবং হোর নিশাঞ্জ জনেছে খুন, এখন ক্ষমক ন নীনাংসার একেবারে পূর্ব সম্পাদনের সম্পত্ কৃতি এল বলে: (ওয়েন্স)

ত। সন্থানাৰ সম্প্ৰেপ্ত সংস্থা কৰিছ ও সাত্ৰে আৰু ১০০ চিন্তা চলেছে। (মেটারণিক্ষ)

ন। কেন্দ্র একটা কাজ ধ্ব ক্রতভাবে কেনোমতে সুনরে কেন্তে চেষ্টা কবলে কেটা নীল্লই অতি প্রাতন এবং জীও হবে পড়ে এই কাবতেই আধ্নিক কলকার-গানরে সভাতা এত "উন্নতি" হওয়া সভ্যেও তাব সক্ষে মানুষের জাদিম বর্ষরতাব এমন একটা সোদাদুর্ভ চোণে প্রকৃন (চেষ্টারটন)

া। আধুনিক মগকে শিক্ষা এব গ্রুটনার মণো ঘোড দোড় বল্লেই চলে, দেখা গায়ু কে জেতে। (ক্ষেল্ম)

শ ! কিন্তু জাইভারটার নাথার বাজি বিশেই বে প্রিক্তিনটা তথনি আমার বলে চলুবে এ কণা শননে করা ভূগ। বস্তুতঃ জাইভারের মৃত্তি ধরে ওথানে একটা বিভাগ এঞ্জিন চালাটেচ। অভ্যুত্ত আমার রাজ্যের আওবো এঞ্জিন চলুবে না, বিভাগাও প্রশ্ করা চাই, ভার্বাই মৃত্তের বর গাব।

ণ ! বিজ্ঞানের ক্ষণানে জলে হলে আকাশে আজ এত পর্ব খুলেছে, এত ক্ষ্ম ছুটেছে, যে কুগোলের বেড়া আজ আর বেড়া নেই, আজ কেবল নানা হা ক ন্য, নানাজাতি কাজাকাছি এসে ভুট্ল, অন্নি মানুংইর সহত্যের সমস্যা বড় চাই দেশা দিল। বৈজ্ঞান

নিবশক্তি মাদের একতা কারেচে ছালের এক কলবে কে (বেবীজনাথ)

ंं प्रा दिश्य गत्रगठा विक्रम कार् উপশবির দিকে জগৎ ক্রমে এপিকে চলেচে সেটা আাদের সমস্ত অক্লান্ত কর্মপ্রবণতা, मयल कि अनिव ह। जंदर स्वीत क र्कित्वित উৰোধনে: জন্ম আনাদের সমস্ত এসাধনার १८ ते वादशासांबी भना। विश्वनगर तत मान और अर्थानिहर<mark>्भान्द्रीक वि</mark>नित्तत्व क विशस মিল আতে; বর্মার ক্রিং নারে বারে দেখ **ल**हें छोट अथा हो। **ं उसे वात कालाव** প্রই ভাবে প্রথম দেখি। পূর্ণিহীর নান। জিনিষকে বত গভীরভাবে এবং সং**লগ্নভাবে** ম'ানচনা কর। হায় ৩৩**ই ভাদে**র **ভিতর**-বার মণ একা হতের সন্ধান মেলে তত্ত তালের জটিলতা দূব হয়। **স্ভো**র প্রকাশ চিন্নদিনই আশ্চরাজনক এবং উত্তেজক ৷ এইজন্মে একেশ্বরবাদীভার চেন্তে চির্বিশ্বক क ब्र किनिय आत विशेष मिहे :-- यम नाना অদংলয় সামঞ্জাতীন রেখা সমষ্টির দিকে ভাকাতে তাকাতে ওাহ্রা 'কোঁথের সামনে াৎ তকেবারে অপ্রত্যাশিতভাবে একটা 🗗 मुश्रावयान लिखिक हात्र छे हुन ! 🚁 (:চেপ্তাৰ্টন)

প্রাচীন কালে একদন মনীধার কাছে একরার গাঁও গিছে চিরকালের মত চুকে বুকে বার তা নয়, প্রত্যেক কালের লোকের কাছেই বাধার ভিত্র দিয়ে আগাতের ভিত্র দিয়ে সভাকে নুহন করে আধিছত মতে হবে প্রিবীন্তরাণ

নামুবের আনপ্তি বেমন সতা
সেই আনপের ব্যাবাভও ভেরুনি সভা—বাহারা
সই বার্ত্তির ভিতর দিয়াই ছোও নেলিয়া
আনপার নেশিতে সাপারে, চোণ বৃভিরা স্বপ্ন
দেশা ইড়ি তাহাদের আর গতি নাই।
রবীক্ষরাও)

ত্ৰ কিছা লগে এনৰ ভৱন্ধৰ জাকা কোষা নাই একভাৱে মাজনা, জান— একভাৱ নাৰ শোলা লা হয় ৩/৫ সেই বিধান সমস্ত জন্ম যে তিনা চুৱাইয়া মাইবেৰ প্ৰক্ৰিকাৰ

र्धी तेन् मध्ये हा का राज्य पृष्ट तर्ड हम्भिक्षे हा ने भेटर कथात्रका नक्ष्य कुर्ण कुर्के त्याक गावासिक इस विष्ट संगात विश् देवीर हो वार्षिक क्रिकेट

्रा क्षात्रक स्थितिक स्थाप क्षात्रक विश्वतिक स्थाप स्थाप पुरुष्को असी जाता है कि स्थाप स्थाप क्षात्रक स्थाप पुरुष्को स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप

्रा ≛क ध्रामाका (ब्रामं शिक्षणीय सारमक्षेत्रके १,८६३ धा च वाम लाउन १ के क कारमात्र वाक्षितक कामाका ५० वाकिन लोगी कार्य कार्य लाहिएम एकाम करते अर्थ (ब्रीसिनमार्थ) के

া গ্ৰান্ত বছরে এ শাড়ট প্রচেট ক্রা উল্লোখ্যন্ত বলে এগ্রেন্ড (টেম্রিন্)

র । প্রাক্তিবেশ। বিত্তবেশ নদের

তত্ত বেশী দৈয়ে নদের মধ্যে সঞ্জিত হয়ে থাকে,

তত্ত ভাগ বর্ণ এক আদ এক নেশ। বেন মধুব

কথে আহেশ। বেনীজনাথ) "

্ আমি নেগ্রেছ্ন থেকে গেন্টে ট্রুক্রের টুক্রের কেন কওয়ার চেয়ে মানসিক নকর অপন্যত আর কিছুতে হতে প্রের না। রবীক্ষান্ত

প্রবিধি আনরা বানে জানি
সনাইকেই ফুনি বিনে জানি—কথাৎ মানে
মারে কনেকবানি ক'বি—ক্ষেই বিকঞ্জান
িকের মনে বেমন কেনি করে ত্রিনে নিতে
ব্যালনাথ

१ । १६म चार्य तुंश कर्ण बर्ण छण्डा टर

প্ৰথম কৈ সভা কথাটি সংগ্ৰে মে মিনা কথা। বংল () (চেইার্টম্)

े ८ के असंख्यां इंट्राफ नुकारणाक, आंच्र शृणियी। ५००८ के स्वास्थ (वंदीखनाथ)

া প্রেলান বৈশ্যনা অক্সায় জাতে সেনা নালাভরে শাস্তি পাকাটাই স্কলেব চেয়ে অক্সান্তি বিভিন্নাথ}া প্রিলি

্পত (ক্লানের **ন্তর্ক ক্রিয়া** যে প্রের ে এবিয়ালি, ওটো ভাষাক্রাপ্ত একটা ভাত ে এ ।

- ক্রিয়াল প্রের ক্রিয়ালাহে । সবস্থার ব্যক্তি ক্রিয়ালাহে । ব্যক্তিন্ত্র

১০। মারার পর অন্ন কোরেই পার্মী হইগা ১০০ ব লৈই জন্ম গুলিবীট সংগ্রাম হল ১০০ ব টোপের কিলোক স্থান কলাই গাড়ি ২০০ কে হাইলে স্থানিক স্থানস্থানিক ব সভি নিক ইটান্স নিক্ষাণ্ড

ामना न्याक विनीतिन्त है मिने जिल्लाहरू भाग भारत, प्राप्ता विनिस्तार गणा को न मार्ग अस्तर कुन्नहोसू ।

্রতী। কাই বা ক্রিয়া জ্যান্তি স্ময় সঞ্জ করে, তাহাবা কিছিছ নষ্ঠা করে, সময়ত নই করে। বন্ধন্তি

. চা বাগাই থাকে বলে নাথে গাব বুকিকৈ গাঁৱায়টো চাৰ্য পাগাল হৈ সব হারিবেছে কেবল থাব বৃদ্ধিকে গাভা। ইকৈষ্টাৰটন

১৫। মৃত্যু জন্মন বারবার চাক্তের মান দলা দিলে আয়া সংসাধে আমারা স্থাকে বিজ্ঞান বেদনা হলে জীনি সে ও এই বছরাপীরই বিজ্ঞান ক্ষিক প্রকাশ । (ুটেক্জ্যু)

১৬। "কুথ জিনিষ্টা ক তান্তাকার মত, গম্পু অন্ধান্ত কেলো বাবে মা, মান্তা মানে ক'কি থেকে যায়। শীবনে কত তথ করি, ভূল বুঝি, ৬২ তার ফালে কাওক কি বিশেষ কালো কলেনি দু" (ব্ৰীজানাথ)

ক্ষিকাতা। বেল্ল প্রিকী: হাউদ, ২০ নং কামাপ্রত্য লেনে, ইন্সন্তীবচক্র লাকিড়ী বারা মুধ্যিত। ক্ষুদ্রীবাম । "অনুক্র" কংগ্রালয় তেওঁতে চাক্রণী বলেন্যপ্রায় কর্ত্তক প্রকাশিক টু